Shri Raghunath Temple MSS. Library,
JAMMU

No. ५३६-घ

Title भाषा हनुमन्नाटकम्

Author गुलाब कवि:

Extent १२९ Age सं. १८८५

Subject नाटकम् (हिन्दी)

𑆨𑆳𑆰𑆳𑆲𑆤𑆶𑆩𑆤𑇀𑆤𑆳𑆜𑆑𑆩𑇀

𑆥𑆠𑇀𑆫

सं० ५२३६

नाम: [illegible]

[illegible] नाटक - [illegible]

लिपिः [illegible]

हः ना॰ १

श्रीजगदंबायैनमः श्रीसतगुरचरनकमलेभ्योनमः ॐश्रीगणेशायनमः अथहनुमाननाटकहनुकाबिहृ
रदैराम कवित्त तीनोंलोकपतिप्रानपतिप्रीतिहीसोंरतिअगतिनगतिकेचरनसिरनाइहों सदासील-
पतिसतीपतिएकनारीब्रतशिवसनकादिपतिजसदिसनाइहों सुरपतिहूकेपतिज्ञानकोकेपतिरामने
नेनकोरडोरकबहूनोपरिनाइहों फुरेवाकपतिसनोमंतसाधमतिनबअग्रेमेरघुपतिकेकबूकगनगाइहों
१ सवैया काहूकेसारस्वतीवरदैरनकाहूकेदैहैशिवसदैया काहूकेहेचतुराननकोवरकोऊगजाननअ
सबसैया कानसनेपहिचाननकाहूसोंसाचुकहेकविरामकहैया जानतश्रीरघुबीरकेनामहिजोसुनि-
येसभहोहिसहैया २ कवित्त स्यामघनदेहसोंमेचात्रिकमीनेहबांधोदेहप्रेमबूंदहोंजपैपानाहीनामके
चरनसरोजरसभरेनाकोभयोअलिजोदिनपरागपाऊंताहीछिनकामको रामसुखपुनिसतिमयोमरगता
दीछिनहूपसिंधुमीनडरहैनकालघामको वैउदारराइहोंभगतभीखमांगोवैतोरामचंद्रचंद्रमावकोरम
नरामको ३ सवैया शैवकहैंशिवयारघुबीरहिब्रह्मकहैसबवेदपढैया बोधकहैइककर्मकहैइकधर्म-
कहैइकधामसहैया एककहैंकरताहरताजनएककहैंघटप्रानबसैया तेप्रभुरामसुनैअपनोजनहैस
बयोसनहोहिसनैया ४ कवित्त कौशलतनैयाननऊशालनिधानप्रभुकलमलमथनससाधनकेप्रा-
नहै करुनाकोखानपहिचानजाकोदीननसोंमानलेतजीकोसभहीकोसावधानहै देवनकोदेवरीझे
नेकुकीयेसेवहीयेपरपीरजानबेकोंचतुरसजानहै बारिदसेस्यामअभिरामकामहूकेकामअग्रेसेरामरा

ऊं॰ १

मकेहीयेबिराजमानहै ५ सवैया रामकेनामसोंप्रीतिकरैजिनधामकेकामरह्योउरझाई जौनबनैत
रूपकहूदीसहनिलैगुनकोंतजिग्रारसनाई पेटहीमैंजिनपेटभस्योग्रबपेटकेकाजकहांधुचिताई लेसि
षम्रावरेम्रावचलीजैसेपानीमैनाउमलाहचलाई ६ सवैया रामकोरूपनिहारिमनोजलजाइमनोनि
जदेहबिसास्यो मज्जनकाजकीयोउदवर्तनतांहीकोलेनभचांदउभास्यो श्रीरघुबीरकेबाकबिलाससैं
पमरच्योत्रयीलोकबिचास्यो नैनकीकोरतैनेकुकीयोबिपिडीलकीछांहतैंसीलसवास्यो ७ सवैया
कैंधरतेपरथीरसहैभटहोनकछूबलकाहूकेघाते क्षत्रियभ्रोणितकेकरीकुंडनहानेंभ्रगुनंदनसोते
कोटरनेसरवरावनकेधनुतोरिकहोसीयलायककोते जोरघुवंसशिरोमणिभ्रतलराजीवलोचनरामन
होते ८ सवैया मोबिनतीम्रहिनाथकहैबिधिहैंबिनकाननकाहतेकीनो होंउरप्योसहनबातफनिंद
उगैसिरनेकफटेधरतीनो हैकहूकोनसहेजसरामकोसीसकंपाइकैसासनलीनो मैम्रमकेत्रयीलो
करच्योनहियैसेईजाननहीसिरदीनो ९ सवैया श्रीरघुबीरशिरोमणिकीयहकीरतहैकियोंरतीबख
नो म्रानिदईकमलाहरिकीयहबातसहनेसरलोकउरानो जानियहैसरवचारिकीयेबिधिशंभरहैम्रज
हूलपहानो सकसहहसकियेचषवोंकिछुहूंसरवम्रादकीघोनसयानो १० सवैया भोगदिक्कारिनजोग
करैकोउमेशिवलोकनिहास्यो म्रागमतेनमिटैमनकोगमवेदविवादनजारविचास्यो सोनतेको

फिस्यो

पिवलो

रा॰ ना॰ २

नतभोटीरहैबिनबोलखुलैखरकेनकिवारसो तोतेयहैजीयजानतहोंजिनरामकरोतिनकामसवारसो ११
सवैया हैनकहूंकविग्रंतसमेंदरसंतनममहतऊसखपैहे काहेतेरामकेनाममिलीकविरामनमेंहैसिर॰
नाइसनैहे खोरऊनीरनवारेविदहिजोवकोऊचरनोदकदैहे कौनसमाधनआदरसोंकहिमदबदा
इनसादहिलैहै १२ सवैया हौंमतिहीनयहैकविताशिरिजानननेहोउपहासथरैगी रामगईसखदेसव॰
कोमनकेदुखदोषसंतापहरैगी ज्योंवनभिलकिरातकोआगिमथैलचुदावतेजोतनजरैगी तोकहूहे
ममहनकोयहकादिकलंकनहरिकरैगी १३ सवैया जोकछुवाकविलासउलासमोसंतसुनोजग॰
जोहिसुनावे फूलसुगंधसबैकविमंडलफूलचढैतमसेअलिपावे आककेफूलसमानकवीसुरराम
तमैंकिहिभांतिरिझावे चेनचढेचितचोपमलिंदकृपाकरिकेसबहीफिरिआवे १४ सवैया व्या
सपराशरनारदश्रीसुकपसबरामहिआजलोगावें शेषसहसथरेमुखयाहीनैवारपरेगुनपारनआ
वें संगफिरेहनुमानसदासुपयामतियोंकहिकेसमझावें तोहीप्रसादतेरामकेहेमणिकेगिरितेक
नमोहिखरावें १५ सवैया सुरजकीमनकीकविरामदिलीपकीरीतिकहालोलिखाऊं श्रीरघुके
अजकीजसकोसकयानकोअंतकहांलोसुनाऊं श्रीरघुनाथकेतानकोबातकहेतोकहूंकेरूप
नहिपाऊं तातेसुनोरघुबीरकथातमसोंकहिकेननतापसिराऊं १६ कवित रिषसंगजाइबोधनु

रा २

षचरकाइबो धरणिजाविवाहिबोवहोईजसपाइबो धाइबोपरशुरामगोलमैंखिसाइबोउलटिबननजाइबोग्र १
ाममाजनगाइबो बनकोंसिधाइबोजनकजाचुराइबोसमुद्रकोंपटाइबोऔलंकपतिघाइबो बीरतिया।
संगलैपलोटिबरआइबोसबैसोरामचंद्रगीतनमहिमनाइबो १७ दोहरा खंजनलोचनकंजमुखनित
खेउनपरपीर अरिगंजनभंजनधनुषभवरंजनरघुबीर १८ दोहरा सुखसागरनागरनवलकमलबदन
द्युतिमैन करुणाकरवरणादिपतिशरणागतिसुखदैन १९ विश्वामित्रउवाच सवैया बेदविचारकी।
येरिषराजपजत्तनषूरनहोतहमारे कौनबलीयहलाइकहैतिहूंलोकनमैंतिनरामबिचारे धाइचलो
न्यसोंकहिबातकहीसमुझाइवहैंसुखभारे तेनटरैंशशिसूरटरैंसुनिसाथबिनारघुनाथतिहारे २०
सवैया सोचुवहोन्यकेजीयमैंकुलपूजहिपाइनलागिमनावै एकबिनारघुबीरहितीनहूंलैनिजसंगगुरू
सुखपावै एतेरषूतसपूतसबैविधिराजहियेंरिषराजसुनावै राजनजामुखरामकह्योअबनोसुखऔरक
ह्योनहिभावै २१ कवित संगभटभीरलैसमीरहूतेबेगधाऊंआयसजोपाऊंजाइमारोंराजनीतहै जोकहो
तोदैरतनसैंबागमैंबनाऊंऔरभोरीदेतरहौंचहूंओरजेसीरीतहै उतियाकेचंदजेंनदेखेंनैनारामचंदतम
हैबिचारोरिषकेसीविपरीतहै भीरमसनागतेसुतीरनचलाइजानेऐसोरघुबीरकोंपिशाचननेंजीतहै २२
कवित बालकआनेहूदीऔरकीनमानैबातबिनादियेमानहाथभोजननलाइहैं मारीकेबनाइगज

होतेयत्रवानसनयोइपप्रमाननाकोतेरिहूकदायमैंनकाकयोस॰
त्वाइहै ।

रा॰ ना॰ २ 3

बाजीरथखेलमातेपलनाबिछोरेताकीनेऊनबिसाइहै २२ रामकीतोऐसीबातकंजयातगातजाकेसामनोमरी
चताहिदेखिसकुचाइहै २३ सवैया राजनकाहेकोंबातबढावततातनगाढोमतिमेनईजानी पुत्रसोंनेहव
ढावतहोपुनिमोहिदुखेबसिहेरजधानी इंद्रकेत्रासडरेजेसेभूपरयोंडरप्योमुनिकीसुनिबानी रामकेरा
षवेकोवतीयोंन्पकोरकहीरिषपकनमानी २४ सवैया कांपिउठोमुनितेंअजनंदनज्योंजलबाउडुला
वतहैदे लेहुजुलेहुकंपाइदोऊकरयोंरफुरैनहिबातननिरेदे रामचलेहसिकेमुनिसंगपरेपितुपाइल
वाइफनिदे योंरिषलेउकस्योरघुबीरहिकंजकीबासज्योंऐंचिमलिंदे २५ सवैया संगदयोरिषकेन
चलेवससोउखनेननहीनृपसूटो नांदिनतेंनसहारकछुबिनुरामहीयोबनमेंजनलूटो सीस॰
धुनेधुनिबातकहेरविकेकुलतेंसबजाननलूटो नेनचुचातरहेंनिसबासरजेसेरिसातरहेंघटेफूटो २६
बिस्वामित्रउवाच सवैया रामसोंबातकहीरिषराजतपोबनजोतमअग्यहीहेरो पदोऊगेलसुनोस
तसेंदरएकतेंहूरहेंयकतेंनेरो एकापिशाचनिहेयहवीचचलेोकिननातककैरेभटभेरो तांकुलकानन
कोदमपावकबीरसमीरसहाइकमेरो २७ कवित्त राजरिषजतमिसिलेचल्योलवाइसंगगेलहीमेंन ।
रिकाकेप्रानपयगाइहे हूहैजनतहरनपरमानंदहरनपहरनतेरेजेवेरामबिसगइहे संकटहरनहार
दशरथकेऊमारजाकीलाजछाहलोगचारोंजगगाइहै आयेवीरबीरतांपिशाचनिकेतीरदेखेग्रा।

उ
३

नरघुबीरपदसूरनकोपाइहै २८ सवैया इकश्रीरघुराजनिहारिनिशाचरिरोकिरहीमगक्रोधभरी धर
म्यानकरूपमहाअतिदीरघबानकछूमुखतेउचरी प्रभलैकरतानकमानसुबानहन्योतिहिभाल
सुभूमिगिरी करुकालभयोरघुनंदनकेभवसिंधुछिनैकविषैसुतरी २९ दोहा इहिबिधिमुनिकीपि
शाचनीकरीरामबलखंड जोपावसफरिद्विदारविप्रगटतिकिरनप्रचंड ३० दोहा नाहीदिननिर।
घोसवैवरुनविरंचसुरेश मनहरषेबिलषेबड़रीफणीकुवेरमहेश ३१ इतितारिकावधः सोरठा
चलेचमकिदोऊवीरपरिपाइनकुलपूजके परेपनृषमुखितीरतबहिहनोरिषराजकहि ३२ दोहा
मारितारिकाराक्षसीरघुपतिअतिसुखपाइ अरघओलक्षमणजूसहतआश्रमपहुचेआइ ३३ सवैया
देखितपोबनकोबनश्रीरघुबीरसुबीरबडोसुखपायो तालतमालविशालकदंबनिकंजसरोवरभौर
लुभायो कोकिलकीरकपोतशिखीपुनिहंसचकोरनियोंदरसायो मानहुलैरिषराजबसंतहिराम
कीदेहसोंकाममिलायो ३४ सवैया यत्तरचोयहजानिबिरंचसुबाहुमरीचिसमीचुपेले पंगरजे।
फरिभूमिगईसबकोपिउठेबिनरामअकेले पाइगहेरघुबीरदोऊइकभागिगयेइकजीपरखेले मा
नहुपोनप्रचंडबलीकदलीबनसेथरिनीपरिमेले ३५ सवैया इरनजग्यकीयोपरिपूरणब्रह्म
नहूननतहाइचिताई नामलियेअघवृंदटरैपुनिआपुनबानकमानचढाई तादिनतेंसुनिराबनके।

हं. ना. १५

विधिवावनजोंरुचिमीतुवदाई देवनिजारकस्योमरराजदिरामभयेजगलेडूवधाई १९ इतिसबाहुमरी
चिवधः जगमेंशरणो दोहरा कीनोजज्ञतिंहीसमेजनककहनकदिवाहु सीयसुयंबरलेतहैंपगधार
डूपरभात २० विश्वामित्रउवाच कवित्त रामलछमनजसौंबोलिकह्योकुलपूजअग्रायोहैप्रभातहैंतो
जनककेजाइहैं जोकहोतोराजादशरथजपैपठूचाऊंनाहींसंगचलोतमैंकोनकदिवाइहैं छोटी
सीकछोरीकांटिथनहीनमोटीकरचोटीपरकयोनेकहेंहूतोचलाइहैं राजातेंजनमरिषराजतेंमैंप ।
योगुनअग्रेंसेशिवकेधनुषहूतेगुनपारहैं २१ कवित्त चलेजातमगदेखतफूलेफूलनोरिलेतरिषसंग
बीरनकीसोभायहभांतहै कियोंदेवत्रयीकियोंपोरषकीजयीनयीकियोंबीचमेंहूतउनदिनएतहै
कियोंरविसंगनवनीरदद्युनेगकितरंगगंगजमुनासरस्वतीपरातहैं देखिरूपगैलकोलगाईजेदु
राईरामसंगउलटाईनफिराईफिरीजातहै २२ कवित्त आइगयेजनककेदेसमेंनरेसरातरिषकेसुने
तेराजाआगेलेनआयोहै षोडशोपचारकरिपूजाकुलपूजजूकोमनबचकरमचरनसिरनायोहै
पाछेबूझीकोनकेकुमारतातनेरेसंगसुंदरसरूपतसेमननसुखपायोहै चलियेगुसांईधामदीजीये
बडाईमोहियहेंडुचिताईपनकाहूनाचलायोहै २३ कवित्त बोल्योरिषराजराजातिहीयेकहांले ।
गुनदेखियेजूदोऊबीरबडेरघुनाथहैं लछमनछोरेकीनेभूपबलखोटमोटेधनुषचलाइबेकोइ

उ ४

नहीकेहाथहै रघुकुलकेतिलकबलहै मिलकजाकोदशरथनंदबंदेतीनोलोकमाथहै भागहैतिहारेथा
मरनकेसिधारेपगजनहकाजलियेतबहीतेमेरेसाथहैं ४। कवित सम्योजनबनामकुलपुलकपसीनोन
पथपदीपचंदनचरचिरघुबीरको हसीतनहाथजोरमाथनाइनेनमीचदीजैदेवबलरामचंदभुजनीरके।
जनककेमनरामइनहीपैहूटेधनमीनरूपजानकीमिलाऊंनिधिनीरकों बानैहैबनाईविधिराजासों
जनाईरिषिमानिमेरेबोलगोठिदेहुनिजचीरकों ४२ कवित हजकुलहजकोनिवारसीसचसोनरूपमनु
रघुनाथदिगधावैतनधामकों मानोनरखाहीकियेचीतोरथमाहीनेसेधुजाफहराहीतेसदेखिपाछ
रामकों कैसेकैबनावैविधिइनहूतेहोइसिधिरिषितोकहोहैजसइनहीकेनामकों ऐसीहजोकानदै
केसुनीयोगगोशआदिनेशऔनिशेशहैंमनाऊंदेववामकों ५ कवित आइरनबासमबबानक।
हीराजाजवनबहीतेनैनलागिरहेवाहीओरकों देहसोंसनेहभलोगेहसोंअनेहबाढोतीनलोकमांहि
वरदेख्योसीयजोरकों ऐसोपीतलागीमनचाविकज्योंखातघनतामरसभौरजैसेचदाचनमोरकों मेरो
अपराधदोसकौनसोसपरोआजमारेकोलमोललैकुबोलमेरेचोरकों ४। कवित जनककीरानीस
बदेखेरजधानीचढिबालकजवापरानीरहीनमहलमैं देखेरघुबीरनकेआगेलागेअसेनरूपजैसेसह
आगेपटबीजनासहलमैं आनकीनिहारिछबिमनहीमेरहीरबिविधिसोंनआवेफबिप्रानहैंक

रा॰ नां॰ ५

हलमैं राजाजीकोकठिनऊबोलमेरेपईपतिजाननिहौंमाईबापपस्योहैजहलमैं ४० जनकपरोहितउव
च कवित बडेबडभागीजोगजतअनुरागीरामआज्ञकोऊसरहैचहैयायायधनकको नाहींकोंगरेकोंफू
लमालजमटीकोभालओरबैठिबेकोंहैसिंघासनकनकको कुंदनतेंकोमलकमलहूतेंसोरभसुभैसी।
जानकीकोसोईहलोहैबनकको राजाकेपरोहितसमाभेकहीऊचेटेरिसावयानसुनीयोहोबालहैजनक
को ४१ रावनहतोउवाच राजाजनकसों सवैया नोहिनोकाहेकोंदीबेकोंजानकीबादहीजोरिस्वयं
बरलीनो रेरघुबीरतेंकाहेकोंब्याहन रावनब्याहनकोमनकीनो भूपकहीधनुआनिचढावेतोमेसीय
सोपनवादीकोदीनो रेशठकोयहनेऊनहैशठतोबांरनिहूकानिहूपुरनीनो ४४ सवैया इंदुउमाइरिद्रा।
ननओरषडाननसोगनहूंदनजेते बारनसिंघमहीरुहतालतमालसरोवरओरनकेजे सोगिरिराजकै
लासउठारखोयाकरवामरह्योनहिलेते जोभुजकोबलतेंनहिंजाननबूझिलेमूढजरेरूपजेते ४५ ज
नकउवाचरावनहतसों सवैया तेहीकह्योहिजरावनकोबलसोसमसाचुनकोऊअरे सुनिबोलि
लिआउस्वयंबरलटतोनगयोबलआयकरै अरुतेजकहीशिवकोधनहैतोकहाभयोरेछतीयाअजरै
गरकोघरुतोलनलाजभईनकमानचढावतलाजमरै ४६ दोहरा पचिहारेयोरषकरोकिनऊनमानी ५
बात भुजबलदीपप्रकाशबिनकैसेहैतमजात ४७ कवित आनिनिजकानछेछेजाननउठायोजा

तकठिनसीबातकछूलागतहैअबके पावतेमरमतेनाआवतेमनकयामजानतेहैं रूपदेखिबीरहैतोर
बके यहांकछुकठिनकुपेचआनिआगेडास्योबासककोमैकसोनिरषिजिमीदबके फूटोनिजकर्मन
लसोसुरवजानकीकोहूटोनपनुषहूहिगयेमनसबके ४८ सवैया सीयस्वयंबरकाजसबैधनुतो
रनकोंभुजठोकतबाई औरउदारसैकेननिवारकेनारिबिसाखचलैंहरबाई नाहकोरूपरूपनिहारबे
कोंमहिमंडलकीकिहमाहिलगाई श्रीरघुबीरकेदेखबेकोंसबदेववधूमिलिदेखनआई ४९ सवै
या हरनहैकीयोचाहतआजविरंच्यमनोरथजानकीजीको आनिजुरेराजकुलौन्दपमंडललागत।
हैसबहीमनफीको रामअखंडलसोतिहिमध्यविराजतहैसलयेजमहीको देखिसरूपसबैबलिना।
हिकसैसबयोंसीयकोबरनीको ५० कवित्त भोलारघुकुलकेतिलकतीनोलोकपतिअचतननोले
बलठोकैंभुजबामतें पागपेंचखैंचिदेलपेटपटफेटबांधिअरेअरेआवैपेनटूटेडरीमहामतें राजरिष
आगेरघुबीरदेखिराजाजितेफीकेसबलागेजैसेदीपरविधामतें अबरबनावतस्वयंबरकेराजासब
केबसेहेगयेबटंबरसेरामतें ५१ दोहरा यहिबिधपतिहारेसबैकठिनधनुषकीबात तबरघु
पतिछितिपतिनसोंबोलेमृदुमुसकात ५२ सवैया आनिजुरेसबदेसनदेसतेंआजनरेसकुलादल
भारी रेशिवकोधनुक्योंनउठावतआवतहोदिगतेबलहारी श्रीरघुबीरकहीसबसोंभईवीरबिना।

छितिरोरउकारी देखहूहाथलगाइसबैभटनाकचलीकटनाकतिहारी ५२ लछमनउवाच सवैया बोलि
उठेमोलछुबीरसुनोरघुबीरकहोछिनमाहिउठाऊं श्रीमुखतेंनकहोकछुदासहिभोहनकोनैऊंआयसपाऊं
रा॰ पाइछुवोरिषकेअबहीरबकोकरबामसेंजाइउठाऊं रामउठाइलमैंहदिखराइकैदेउचलाइकहोचटका।
ना॰ ऊं ५४ सीतउवाच दोहरा जनकबचनरतरामउतकठिनयनुषअतिईस सीयजीयकीउचितईकोंब
६ नहैजगदीस ५५ सवैया कोमलश्रीरघुबीरमहानवनीतहूतेनवनततनमाई हैशिवकोधनुवज्रसमा
6 नससीरविनाससकेनउचाई नानकोबालअडोलसबैनिरमोलकआनिबनीउचिताई जानकीआन
कीआसतजीकिबरोइहूकोकिमरोबिषपाई ५६ दोहरा कह्योराजरिषरामकोंधनकोंनजसलेउ स
बराजनकोआसतेंकाढिउहूकथनुदेउ ५७ कवित तेजपुंजदोऊभाईराजरिषआगपाइउठेरघुराईम
नमांहिअतिहरषे पाइसोलगायिपकहाथदीउठाइरामओरराजनकेबरतेहीपरषे सुरगपतालमि
लेअचलतमालगिरेहालचलपरीमनसबहीकेथरषे देवताबिवानतेंसुरेशकेदिवानतेंनिशंशबहु
भानतेंहरषिफूलबरषे ५८ सवैया गाढीकसीसलगीकरकीकरसीछिटकीकमठीकरकी अरिको ई
छतीयांदरकीफरकीछुटीजोगजटीअबीयांहरकी पलकीखरकीहरकीनिधिछीरथराथरकीअ ६
हिऊपरकी भईचापधुनीसमहाउरकीभरकीभटभीरसयंबरकी ५९ सवैया ऊंवउकोयोबिषषंउ

महावरखंडप्रचंडभुजावलतें उरप्योब्रह्मंडचकोनवखंडग्रखंडलमंडलभजलतें रघुबीरघमंडकीयो
न्दपखंडचल्योतजिम्योंमछलीजलतें पछितानखिसानचलेईपिनातभजेराजन्योंबिचलेदलतें ९
सवैया चापकद्योबडेपापकेहाथरह्योशिवआपनिकेंदनजू मुनिमाइकोमारनशंककरीननिशं
कछुयोभ्रगनंदनजू जीयजानिपहैरघुनाथकेहाथचल्योतपनीरथमंदनजू मानोप्रानतज्योन.
भयोभयमेंडलफोदिचल्योभवफंदनजू १० कवित जानकीकोरामरामचंदकोपरसरामताकोअ
भिमानद्विजमंडलग्रसीसको रावनकोकामक्रोधकुटुंबकुमतहतरामहरलोगऊरुकालबालसीस
कों बोलउमानाहकोंग्रनललेंकदाहकोग्रौदुखसिंधुजीवनकोंजसकपिईसकों खपरकोजोग
नीसभागनीसुग्रीवराजहूरोपघुईसदेरघरीदौरबीसकों १२ कवित राजरिषबानकहीभलीप.
तिरहीराजाभानादशरथजूकोंबेगदीबुलाईये कुटुंबसमेतग्रौरबालकलैसंगदोऊनैननकोंफलनकें
याहदिषराईये मानीसोईकरीहनबेल्योतिहिचरीबिदाकीनोकह्योपौनसंगरैनिदिनधाईये सीरी
भईछानीपाईभागनकीबातीरामपातीलिखपठाईबतातीहूकैग्राईये १३ कवित्त बाचीसोईपाती
प्रेमसोंलगाईछातीराजारघुजूकेकानातीभयोजातीचितहरख्यो दुंदुभीबजाइकुलपूजिनकैजपार
रानुग्रैसारीनेमाभ्नोबादरसोबरख्यो कडुकचल्योग्रपारसकनतनवारपारनेहुडोरीडारिअपमीनज्यों

ह॰ ना॰ १७

अकरष्यो भेटे चारों हूतन उरू हूतहूं नेह तन नी को बाढ्यो अनुराग भाग भाल देखि परख्यो १४ सवैया भूपग
देहिषराजनके पारकयो अबदीप भयो सभनीको पाइलैलाइलयेउर श्रीरघुबीर मनो निज आनंद जीको चं
दन सो घनसार मिले जु मिरामय मिले समहूलननीको आनिबसि हिकीयो अपने करभाल में केसर ला
कोटीको १५ सवैया व्याहकी योकुल रहव सिष्ट अरिष्ट दरे चरकों न्दपथाये लैसनत चार बिवाह तहीं
चरजानकी नात सबै समदाये सो न भये अप सो न सबै पय थकों पिउ वे जीयमैं दुष पाये अंक निसंकलि
खे विपिने अबते बिपि हूं कबहूं न मिटाये १६ परसुराम उवाच कवित ऐसो कौन चारबो कमारे हल
थके आंक देवराज कोन राकनो रेन धनकको नारायण क्षीरनिधि शेषकी बनैन बिपिनरज अकासव
इसो प्यो है जनकको काहू चीरी लागे घांषका द्विजनमैं मारे कांष सनीमो हैं न देखो ऽवन लागे पाहे कननको
चल्यो थारकमठी चटाक फुरकार आंषबोरै जगसांई बानक छुनातननकको १७ कवित जानकी विवा
ही राम रावरी दुहाई फेरी रह्यो सोचु करि बात सनियो न छिनमें दसरथ आयो बलु बड़ तैजनायो है मु
नें तरूल्यो चल्यो सब संतके सेदिनमें दौरातीतै ही अवतैस आनि उर पाये कैसे पाये हैं सबके सजैसे दारदी।
केरिनमें कीबो बुरो कामनाको लीजे फलराम तेतो गेलही मै पाई रुपितो स्यातानितिनमें १८
सवैया भावनि हारि कसो भरशनें दनचू किपरी त्बयाहि निमास्यो जानन दौं निजबान कुठार फल्योत। १७

हमारसमम्लउषाखो जानिह्मभलविचारचितैपरयाहिग्रलैजनलबोरिनराखो एनीयमैंयहभांतविचा
रतरामकछुचितमोरविचाखो १९ दोहा विश्वामित्रवसिष्टरिषनवग्रहसभनिजयार सीयजीमखक
बहूनलहैपरोकर्मकेपार २० कवित्त एकठौरमईसैनाश्रिमटिसटपटारकोंपैमह्योनारतेनमैसेगो
ग्रकको कौनपरेपोरीपरीपीरीमखकोसीरामकोपकरदंडखनीनिरख्योवलकको लैकैमतमाथजे
रिह्मयरतभूपहाटिभाष्योवहमाननतनजकीग्रापजकको कठिनकुठारकरथरेजोगावरहिजग्रायोबि
करालजैतवारचारचचको २१ परशुरामउवाच सवैया तोरिकुवंडउहूककीयोजिनसोवकहाहमसे
लरिहैं भृगुनंदकहैहैंनजानतनतोहिसयंतकहंतनकोपरिहै सबसैनठटीमखकंतहटीविपरीतनगटी
ग्रटकैारटरिहै धुनितोहिकुरंगनेभैनकछुजिनकेसंगरामसोकेहूरहै २२ सोरठा दसरथसकलसमा
जसहततीयवपविभ्रतसंग यहमातेगजराजनदीनाउबोरनचल्या २३ सवैया क्रोधप्रचंडकीयोमृ
निनेयखंडलजोड्डरपैमकुचाहरी कौनगनैमयमेंडलकेनपहैबलवंडसनैोघरमाहीं ढोकिकसोभ
जदेरकुठारसमेतधराफिरिग्योगिननारी रामविचारनकामकीयोतेनजाननमोहिबढोयरच्छाही २४
परशुरामउवाच कवित्त कौनैसिवहीनीतोहितोकौनेबतायमोहिउठनचवारउोरदेखैरामचंदकी रा
तेकरीनैनथमनाकतेसमारतिनरोकोनाकजारनहांसरजोनमंदकी राजापछिनाइदेखोकेसोडुखप

रा॰ ना॰ ८

सो आइ तो सो गजराज चाहै बेली अनंद के कंद की तो पसु ज्यो भयो यो पदीन विपिको पराथ को पदेखि वेउप सुखच
टी अजनंद की २५ दशरथउवाच दोहा धनुष खुयो कर थर पसो दसरथ ठो कत माथ विकट बचन सु गुराम
सों बोले हसि रघुनाथ २६ रामचंद्रउवाच कवित लाग्यो यहै दोष जनमे मैं रोष है पंच खनो सो जाज रो पुरानो हो मै
जा न्योग यो काम सो सो तो ऐसी होन हार रावरो कहा विचार मारयो चाहै मारबे रहै न कंज ज्ञाम को दुख सुख
एक बार दशरथ जीयु धारजे सेफ नि मनी हारिने से राम नाम सों कैसे कै है दई मेरे आनंद को जयो न ई भई राम
रामा जन ई राम राम सों २७ लक्षमनउवाच रामचंद्र सों कवित महारणधीर महा बीर रघुबीर हसि बोले
ऐसे नैकु हो सम स्यामो हिद्री जीये कहो बो धिज ओं कहो देस तें निकारो कहो बार थउ तारो कहो नरा कांटिली॰
जीये करै क विका सी राम के तक परस राम ना मस्त निजाकों छिति पाल है के छीजीये मारे महापापा छी
नि ले हो तं न चाप आप देखी ये न मा सो पेन सासी कछु कीजीये २८ रामचंद्रउवाच परसुरामसों कवित मै
न नाम्यो तेरो बल्लु तै सोना को लाग्यो फलक ठिन कुठार धार कंठ पर धरीये ऐन परश्रौर कछु बात आवे ना तहाथ
कीजै सोई भावनी ये रोष को न करीये ऐसो कछु कुल को सुभाउ देह मारे राम मारे मार हे वे ये पेन मारिये जो॰
मरीये बैरी शरणाइ और स्नेमाम्नी गाइ गाइ बामन सों लरी ये तो पारका के परी ये २९ परसुरामउवाच
कवित देव न जो पाऊं तो यठाऊं जमलोक हाथ हूं जो न लगाऊं वाति करो एक करको मी जिमारो उरेनेउ ८

खारोंभजनदंडदाउतोरिउरोंबरअवलोकिरघुबरको कासीरामद्विजकोंरिसातभइगनरामअतिथइरा
नगातलागतहेपरको सीताकोसंतापमेटिअगटप्रतापकीनोकोहैवहआपचापनोसोजिहिहरको ८
रामचंद्रउवाच कवित जोईकह्योबाढतहोसोईकरोइतआइबोस्योरघुराइबलवैयानीकेपथको तोस्यो
मेथनघनाइल्यायोहूजनकहसिबोस्योसतभूपरूपधरेमनमथको कहैकविकासीरामरामअभिराम
घभ्रकरुनाकोधामदेनहारोमोखगयेहै जगनउजारोभुजभारोयहबातसुनिनिकसिकेस्यारोभयोप्यो
रोदसरथको ८१ परशुरामउवाच कवित तनितेतातोभयोरातोभयोनखसिखविषसेबयनबोलेक्रु
क्रोधुहछयोहै भौहैचढीचढीआखेरिसतेपरनेकहोकहैकविकासीरामद्विजअैसेवेषभयोहै कांपतअ
धरलरिकेकीहरबरबाहिसंभारिकेकहरकुठारकरलयोहै देखतहीहाथरघुनाथकेधनुषबानसा
वकमुनीस्वरकोपावकह्वैगयोहै ८२ कवित जीवतनदेहोंज्ञानध्यानमहारुद्रजूकीकरोंगोनिदान
हनियोगयोहैअबही रिषकेसपूतपुरुहूतहूकोबोकथैकासीरामबारबोलतगरबही श्रोवित
रेआननतनमोरभटज्ञाननतहैमानततनउछरिउछरिआवैतनबही भयोदावेदारतोसेभारकरिमोसोरा
ररघुबंसीनातरहयारडारिअबही ८३ रामचंद्रउवाचपरशरामसों कवित नमसबहीकेगुरमानी
अतिगुरुगरभतलकेसुरनमेहीजीयतदानहै कासीरामरज्ञाकरैहाथजोरिपाइपरैनमसोंहमारोप्र

भकछनावसातहै बैरीयनमारनेहोहमतमपारनेहोबुद्धिरघुबंसनकीग्रैसीदिनरातहै सनोद्विजबीरर-
घुबीरकहैहमपैग्रसीसकेदिबेयाकसीसनकरीजातहै ८४ परसुरामरामसोंकहतहै कवित्त काहे
कोरेरामजमथामचल्योचाहतहै खलककेलखतहैंजैहैखलषारकें भृकुटीचढाइग्राग्रगउपजायको
पुठादोमयोभटग्रागसबहीदबाइकै काशीरामतबदलबलदसरथनकोद्विजकोदिमागदेखिगयो
दहलाइकै ग्रैसीबातसुनिसीसधुनिधुनिमनिशतबोल्योबलवंडधुरुहूतमैंतोबिसाइकै ८५ परसुराम
उवाच कवित्त सहसाहीमारयोमैसहस्रबाहबलीनरनिकोनाहहाहतऊनासिरातहै कीनोयहैप्रण
तरपनतेरेरकतकोजोलौंचटप्रानतौलौसहातहै काशीरामरामसोंपरसुरामग्रैसेकह्योगहैजोहथ्या
रसोईहोतपातघातहै बांधतजेखोरतेतेनछाडेमेमेजीयतखोडेखंडपतिझंडेपाडेग्रैसेगांडेषातहै ८६
रामचंद्रउवाच कवित्त छत्रीछत्रईसनकेग्रंगजगदीसनकेकोपकसोमनमांहिबहैउकसाइबो भृकु
टीचढाइरघुराइयोंकहनलागेकाशीराममेरोतेजकांपैसह्योजायबो रेनुकाकेढोटानेकुपोरिहूकेम
रेलोरापोरिहूकैजेहोकहूंदूहेहूनपाइबो बहुतबचोछत्रधारीदशरथकीसोंहबामनभिखारीग्रबथा-
रीकहवाइबो ८७ परसुरामरामचंद्रसोंकहै कवित्त ग्रबछुड़वाइदोऊकरतुरवाइदसोनखमुखयाइग्र
पनोकैछिद्रकायोहै मीजुनउरारखारबारबारसतराइयाजहूँगयोसिपाहीमोसोंतोहीकोतजायोहै क

ह॰ ना॰ ४ ९

८

है काशीराम तब राम सों परसराम शिष्य वामनन के नीके कै सुनायो है जाकी सों है खेत छत्र धारी कहि
कहि जात नाही पै भेद सनबिन का प्रकरायो है ८९ रामचंद्र उवाच परशुराम सों कवित फारतो क·
पोल बोल बोलत हो बामन के ऊर तो उखार डारौ जिमी जेब दन में जीत बीर खेत पर्है देत जम लोक तो
हिले तो सभ छत्रिन को बैर पकरिन में कहा करौं हत्या ब्रामन सब जौति हारे हत समभर कहा करि ठाढे हो
होतरन में यहै ज्ञान नाते पक बचो है सब बामन के काशीराम समझि कर मन में ९० परसुराम उवाच
कवित टूटि टाटि गो सारा गये फूटि फाटि म्हि गयो जे वर निराख्यो जो रिजानत ज्यात है सूरजन गयो बा
रि बोरि कै सिरायो महा मेघन सतायो सीतता मैं कहा सत है रंग गयो उखारि ऊरंग भयो परे ऊरै उबरा
रै मोरै फूक के उडत है कोसी राम रामसों परशुराम ग्रेसे कसोतो रिकै पत्र ग्रैसे ग्रैसो बलकत है ९१
रामचंद्र उवाच परसराम सों कवित बामन भिषारी तिन धारी तिन तूल तछ भषन के भषे महा तो सें
कहा कहीये ना वेद्य पबो बीमेन ग्रावे मंत्र बीछन को तो ते तेरी बोते सनि सनि चार रहीये हम के
ग्रज सनेतो सों बांधे नर कस ग्रनरस करे बानन सों ना तें सब सहीये काशीराम कहै रघुवंसन की रीति·
यहै जासों कीजे मोह तासों लोह कैसे गहीये ९२ रामचंद्र उवाच परशुराम सों कवित राजन के सूत
महाबली ग्रतिको पिग्राये पन छत्र दायो सब हारे जो रिको रिकै ये कभ रिहा पत्नी ने टूटो बिब जोरि·

कीनेतातेंतोरिउठ्योकोऊसकोहोननतोरिकै क्रोधजीयभयोतेरेसुनिहोपरसरामविनतीकरततातेंदोऊकर
जोरिकै तुमसोनजोरभ्यौरनिकेमोरहूपकाकरीकोचोरकाहूमास्योहैनफोरिकै ९३ दोहरा देखिरा
मकीदीनतासबसमकावततादि ऐकमीठीनिजसुजसकीबातेंकहूँचैनकादि ९४ रिषिउवाच कवित
रामसुनस्यामअभिरामसुठिकामहूँतेतातेंहोपरसरामक्रोधमतिछोरीये धनुषपुराणोटूटिगयोवटहजा
नदेहिकौनैकाजबैरवडोकीजैबाततथोरीये बालकबिनोदनितेजीयमैरिसथ्येनाकोधनुषचटय्येकहैं
प्रीतिकासोंतोरीये बाततोविहानीसुचलयेनकहानीरानीरामासोनरामरामदारिदसोंजोरीये ९५
दोहरा पुहमिपाइगादेतिरिषिरीयेसुजसलीयेसाथ मुखबोल्योमनमेकह्योपरम्प्रचुतसुनाथ ९६
परसरामउवाच दोहरा सुनमुखदेखतमोहिरनकौनसुरउदिहाइ लैपरचोतपकोंचलोभेटिभजार।
दुराइ ९७ कवित ऐसेंच्योंहरीवारबारयाहीमेंनिसारथनुराजनचढायोहोहजारबारपाइहै ताकोपढ़ी
येनबलतोरतननलागैपलतातेंअभिमानरामकोसकचलाइहै तोहोंछाडिजाउतोहिसाचीकहिवा
तमोहिरामअवतारहोहिमोहूकोंबताइदै तेरोनेजमानोंसहीजोतूकरैमेरीकहीमेरोईधनुषलेकैमो
हूकोंचढाइदै ९८ लछमनउवाचरामसों दोहरा बहुतसहीयाकीकहीकितनकवंशअंगवंस अबल
छमनबिनतीकरैरघुकुलमानसहंस ९९ कवित काहूकोधनुषकाहूतोरोकाहूराख्योघरकहे।

याकीगांठिकोकहाहैभयोछीजनो गालकोबजाइउरपाइमारेसबैलोगन्हाहीपरदेखोरघुनाथहीसों।
छीजनो कहैरघुबीरसुनिबीरेरोषछाडौतममेहमहागाजेबिनबरषेनभीजनो तऊतोगुसाईदे।
खोबामनहिबाईरामसुरजतेजकोंउरावैपटबीजनो १० कवित कहोतोमिटाऊँरोंकहोपाहीफिर
मारेंजोकहौतोकाननलाइप्रेचिरायोसातदिनमें जोकहौतोनिहारेबलपाइबाधेंहाथनाथग्रंगरीसों
मेरुमलिडारोंयहकिनमें छैमुखमहेशग्रोगणेशसोसुरेशअलकेशहूंजोबालैबलदेखतनतिन
मे काइसबुकाऊंनिजकोधमैनराऊंपनग्रापसजोपाऊंतोचबाऊंरामछिनमें ११ दोहरा पहीन
हजेयनषशरशरणागतिनदिहीन सुरपतिहूंसोरघुपतीलरिसुषबातकहीन १२ सवैया सेव
कयाीपनहरिकीयोजिनचूकपरेमुखतेंहसिदीनो हानदयोजिनकोतिनपाइनमांगबेकोंबहुरो
मनकीनो बोलकह्योसुकह्योनफिसोग्ररुसीयबिवाहिकेंब्याहनकीनो एकहिबानहुमोरिप
मंडलमीरघुबीरसदाव्रतलीनो १३ रामचंद्रउवाच कवित बानभरिछाइयतोहकानसोंलग।
इजिहजिहपकरायलागपोकरननिदानसों देखोबीरदेखोबापऐवेंच्यापरतापजानोचापविचरा
नोग्रवरानोग्रसमानसों काशीरामरामकेरिसातभइरातरामभूलीसुधिसानपह्योऊपरिमस।
नसों छिजवरखोयोगयोभिरिभजिभीतभयोग्योंहीकरलयोदयोत्योंहीकरिपानसों १४ स

हृ॰ ना॰ ॥ ॥

वैया रामकह्योमुनिनंदनकोकहिकाहिहनोअबदेहुदिषाई बूझिकैनाहिहनीनभकीगतिश्रौरुइनी।
अबश्रौरबनाई देखह्योमुनिकोमनकौनकहैअवतारसहीरघुराई भेरजरोकचल्योबनकोंजबराम
कमानचढोकचढाई १५ दोहरा रामपनचतायधनुषकोश्रैंचीजबअकुलातिलार देखिजनककेनैंना
हृतनमनपरितोषरिसार १६ सीतउवाच कवित्त याहीकोतौबोलककलातकोसौदेखनिहोश्रैसेतोश्र।
नेकहैहैकहाकहाजारहै कालबाहीनईहौतौधामहूंनगईरामश्राजहूंतेमेरेसीमसोंनिकोवसारहै राज
नकीरीतिविपरीसबजानेजगकाकेबसभयेमोहिश्रेसेउहकारहै मनमेंबिचारेगटीलेचढैउनारैसीय
नोरिकेधनुषयाकोबेटीबाहुल्यारहै १७ सोरठा रतनलछमनसंगरामपरसरामबलपरहस्यो श्री
तिकरीविश्रामअमरभयोमुनिदेहधरि १८ सोरठा पहदीपककिदकामसोखसनेहजराइगन र
घुकुलदीपकरामसदाबढतदोऊरहै १९ सोरठा छाड्योसमरसुभाउपरसराममनतपधस्यो रामस
उनास्योचाउभज्योनदीसनग्रानलौ २० कवित्त जैसेश्राहिमोरतेंनिशानोचोरभोरतेंजरंगसिंहसे
रतेंतुषारजैसेछामतें अंधकारदीपतेंवियोगनीसमीपतेंकाननिकतेंमेघवनमजानसरयामतें दारि
द्रज्योंपारसतेंकालज्योंसुधारसतेंपापनकोजालजैसेएकहरनामतें जैसेएकलोभतेंश्रनेकगुण।
भाजेंरामतैंसेंभाजनवस्योहैपरसरामरामतें ॥ अथश्रयोध्यानगरप्रवेश सवैया सबसंगचलेपि

उँ ॥

तकेमुनिजीनपढेद्विजबेदउसासमलयो मननेंहरषेषाअजननेदनजनकहैआनंदहमैंबिधराजरयो पुनिहो
लमरंगबनारपसेपुरदेखतनहारबजारहुयो सकरैबकसीसटसोडुलडुंदमनेदमयोमरगुनेहगयो ॥१२
बारनमनगंजारतमंगकपोलनितंगपुनाफहराही चारनबेसउचारनकोनिजबांहउराइकबिनपट
ही चामरछत्रलयेसंगबीरबनेरघुबीरसनेमनमाही देखिसरूपपीयैजनलुबासिसबैपुरनारिकहैब
लिजाही ॥१२ नस्सतइतिश्रीरामगीतेसीताबिवाहनामप्रथमोअंकः १ दोहा बैठिमजनषासखे
कीयोअतिसुठिसरयसन अरिजीनेजसतिलकसोंघरमैंरामसरत १ कवित्त औधरजधानीरा
जादशरथतीनरानीकौपल्यासुमित्राओरकेकईसनीनहैं बेदसमबेदसनबडेराममेसमसनलछुम
नभरथसोंशत्रुघनप्रीतिहै हेदेसनमानउपहारविषपाइपरीबिदासबकोनेनपजेसेराजनीतिहै
बसोसुखसिंधुअरिजीतेसुपनेनहरखकालचालदेखोआगेओरेभांतिबीनहैं २ दोहरा सनरूसन
मनदेसबेरहईलोसुखसोंति अबहिकथारघुबीरकीचलीऔरहीभांति ३ सवैया राजसमाजन
सोपुरमेसीयरामसिलेमनआनंदभारी सारसलीनसकेकहिअंकसिंगारकहेमतिकोनहमारी
कालनतीतभयोयहरीतविभूतबढीसबअंगनिसारी रामदेराममहिहींबनजाइबसिएकहीमती
बातबिचारी ४ सोरठा कहाकककहभपडुखसुखसंगसदारहै घरउजारिजोकूपलगेउहूंचढेन

रा॰
ना॰
५
12

वरी ५ दोहरा राजासबसोंयोंकहैरामसीसदैराज हैंवनवसितपकोंकरोंयातेभलोनकाज ६ सोरठा
देखनकोअकुलादिखअवमरसिरामके नैनानवाहिसिराद्विजवदेखोयहभांतसन ७ कवित जो
विकुलभूजभूजिपाइसीसनाइअभिषेककोंकराइतवकरोंरजेकामकों लोचनसिराहिलअवचमरबीज
नतोंकेमाथेफहराहिंमेंसेदेखोंचहनस्यामकों जानकीकोंपटरानीसोंयोरजधानीसवकानसुनेआ
पनेहोकाजराजरामसों राजादसरथयामनोरथलोसुखपायोतातकहीबातप्रातदेहोंराजरामकों ८
रामराजकाजजोरिकेसमाजवैठोनरपराजरिषआदिदिषमंडलवनाइके राजभागआनरघुबीरअजय ०
पिवनजाउतपकाजमनवडुसुखपाइके फूलैसुनवातसुखओगननमातउरजेंयोंपुरानेपातउखयोंवले
उडाइके पकउठेगाइपकडुंदुभीवजाइपकपाइपाइपाइछुवैरामचंदराइके ९ सवैया चारनकिन्नर
मागधसूतसवेगनआनेदसोंमिलिगावै पंडितपुंजवनाइकवितनिआनिपढेयहभांतरिझावे कौ
तककोटिकरैगनिकाऊलनिर्तनओगसुगंधदिखावे देसनदेसतेंआनिनरेन्द्रपरामकेराजमहासु
खपावे १० सवैया आनिवनासपतीवनतेंसवतीरथकेजलकुंडभरेहैं आवकोमोरयसोनिहि
हिऊपरकेसरसोंलिषपीतकरेहैं तेऊलरहेवसिष्ठसवेपढिवेदसमंत्रविशतसवरेहैं श्रीरघुबीरअ
भिषेककेकाजसुजगपकेमंडलआनिधरेहैं ११ अथजगपमंडलमेंरामचंदजीकोआइवो सवैया पीत

उ
१२

डेकूलयेरघुनंदनराजकेकाजखुशीमनमाहीं नेलसुगंधमिलैबटनोनिजमातलगावतबाहीं जान
कीफूलसीफूलतदेहलतरामसौंनैनमिलैमुसकाहीं बाहरभीतरभौनभेहारमेयासुखकीपरमावधि-
नाहीं १२ सवैया आहिवडेचतुराननसेशिवसेमघवासुरलोकबनावे कंचनकेमनिकेचहिबा
गुबिवावनलोकनलोकफिरावे श्रीब्रजनंदनकेसुखकोकनिकासुपनेहूनदेखनपावे काहेते-
श्रीरघुबीरसेहनमहनकदोकबराजरमावे १३ सवैया आनंदएकबढ्योपुरमैंघरहीघरहीघरदे-
नऊलाहलभारी गावतगीतदिवावतदेलचलीसबआवतनागरनारी जानकीरूपनिहारतदेतअ-
सीसमभेफलियोरघुबारी रामकोराजरहैनबलोजगनोलगगंगबहैजमुनारी १४ सोरठा फूले-
अंगनमातयांहिविपपुरवासीसबै लोचनसकलमिरातदेखिरूपश्रीरामको १५ सोरठा सुनीकेक
ईबातरामहिराजविदेससुत नेकुनैनेनमिरानरहीरूठिहैबचनसों १६ सवैया रामहिराजविदेस
बसैसुतनसोचकीयोयहबातनचंगी एकडपाइकरौंजोफिरैमनतैहुबरवैलेऊंमांगिसंगी भूपनऊ-
रिनआंचरुलेनदैजानसुसानसुपाइननेंगी दौरचलीपीयपैवरमांगनिमानहूकालकरालभजंगी १७
सवैया जारज्जसुरकयोन्द्रपसौंतिनहेवरवैतमनैअबपाऊं कौनसमैसुनिश्रीरघुबीरहिएवहेमा
ननिनैनमिराऊं हांठरहीमनमैंकह्योमनमैकहोभूपनिआंनदुआजनयाहिरूठाऊं मांगिकहोब

ह॰ ना॰ ११
13

नबासदैरामहिहौंअपनोसुतराजरमाऊं १८ सवैया हठिरहीपतिसोनबलोजबकेकईमांगिदो
ऊबरलीने दैनकहैजुहुतेअजनंदनप्राननिसंगतेईअबदीने एकबेवीमुखतैंजुगसापनिका
रिमनोन्रपकेसुखछीने बोलकेबोलकुबोलकुनारिपिऊषकेकुंभहलाहलकीने १९ सवै
या देसनिकेकईहेसुनिपापनिद्वेसनिचंडिउसाससुखभारो बोलनबोलनिबोलनयकोमुख
फाटिहीयोनहिजाततिहारो खोइतवारपखोथरहारवहाथकिसिहासिबहासुखचारो फेरसौंकाहे
कौप्राननिकारतरूठयेहीज्यौंकिनलेतहमारौ २० सवैया ज्यौंनरफेरनमेभइयांइलज्यौंकरिसा
इलसिइचचबायो ज्यौंबिननीरहिमीनदसामनोकालकरालभुजंगनिषायो ज्यौंससिराहुग्रसोन
तज्यौंग्रनिज्यौंअथफासगरेंदुखपायो पौनचलेरबिज्यौंजलमैंन्रपकेकईबैरयोंतरफायो २१
कवित लीजीयेसमाजसबदेसनकोराजआजहौंभिषारीभयोअबरामभीषहौंलहौ जोकहौति
हारेगाउभीषमांगमांगषाऊंजोपैरामसंगतोअनेकदुखमैसहौ जौनहौसुआउसंगरामलैबिदे
सजाउप्राननजाननारिसुनिबानपकहौंकहौ राजुतेरेपूतकौनकीजीयेकुसुतपूतरामकोकहाप
राधरामउररहौरहौ २२ सवैया कोउदुखपावतहौबरदेतसुमोहिंप्रभेतअबदेई राजनजेजीय
माहिरुचेबरमांगिलयेनमैंतेअबतेई जोनरबोलनिबाहनहैसिवआनिपरीठ्वरीसेवहुरवैरकैअ १२
करै

ने

वफेरिकहोमुखकेकर्ईमैबरनोहिनदेनकहेई २३ सवैया आननहैाजीयमैसुनिकेकहींभषन।
भैानपरंबरलैहै जोंमुखकैबरमांगहूसुनिनोमुखसोचननहेनसिरै जोंछिनरांमबसैबननोरि
नमोहिकहूंसपनेहूंनपैहै नेरोईपुतसनैयहबातपिशाचनगांउमैपाउनदैहै २४ सवैय
बोलनिबाहुनिकोहरीचंदनिहारिहूतोनरतीसुखकीजै औरदधीचुसोराकबलीबलिबाव
नपावनसोंजसलीजै राजनहूतसमानहोऊ पुनिएकसोंनेहनएकसोंकीजै कौनसीहा।
निभईनिमकोंछितिएकहिदैबनएकहिदीजै २५ कवित आननचाहैआननलैलिरानजिनिकौ
बरदैनकहेसोचुपैनंबोरनसमाजको देविरिषराजकुलपूजबालमीकयाजबोलनगयेहैं
रामचंदजूकोराजको भलोपगथारोपाइआइसिथारोबनभरथबुलाइयेजीराजाराजस।
नको रोयोबिकरालकालब्यालखायोलोटैयरदेषोकबिरामहोवहाऊंश्रेसीलाजको २६
दोहरा वहसांपनियहिसाथनपपखोग्रटपहोकाम वहकाटैयहमारिजीयैसुधारामलै
नाम २७ सोरठा इकतीयउरस्यन्तरहारिसबहीजगकबिरामकहि पतिहूनिरुनिकातिय।
नेंदकरिजीयजलपीये २८ सवैया सोचुरहोमननैमैनबभूपतिकेकहीपबरकाहूनेमांगे
कौनसमैजगवनपरैयहहैनभलीसबिचारनलागे आइगईफिरिकेमनमैरिषिआपक

रा॰ नो॰ २४ 15

ह्वोसोईआवनआगे पाहीतेरामवियोगछुटैतनजानतहौंअरतेसबभागे १९ सवैया तोल
गिसंगलघेरखुबीरहिआपबसिष्ठघरेकरबाहीं बेरसबैजनपैदिजमेउलरामहिफूलभईमन
माहीं चंदमुखीबनितानचढिकोढनिदेखिसरूपसबैबलिजाहीं बाजतढोलमृदंगबढीधुन
भीतरकौपुनिकोसधिनाहीं २० सवैया हारऊलाहलभोनसभोनवकेकईराजहियोसमझा
वै आयोहैराजकेकाजबशेसबतजाइबसैबनआइसुपावै दैदोऊहाथकपालहिमारतभौह
निसोकसोजोनहिभावै जोमुखरामहिराजकोबोलयाबसोमुखकैबनबासपठावै २१ स
वैया योंकहिमोनभजोअजनंदनकेकेकईराजरमजसीपाई हैतनकालनजोपतिलोरनआ
नंदआजहौयतसमाई दौरिकैपौरमेबोलिबसिष्ठहिरामहिलिनयहबातसुनाई मोहिदयेवर
हैइनकोबनमेसुतनकोअपनीठकुराई २२ सवैया बातसुनेऊलसमजिरसोचकिस्वासभरेसो
सबरामनिहारी आइसहोइकयोंनरपसोंचलिओरहुतोअबओरविचारी बोलिउठीरिषमे
तबकेकईसात्रुकहोंमुहिसोहतिहारी भपकहोजिनमोहिमिलैबनजाइबसैकहोजाइपु
कारी २३ सवैया सोसिकैगईभीतरभोनसुतेबनभूपतिसोनभिलाये बैठिप्रणामकीयो
तिहठातिननातकेबालसेमाथचढाये सोकभरेरिषलोगनसोंकहिराजरह्योबनबासपठा

रा॰ २४

ढाये राजनराजरघोलघुबीरहियोंलघुबीरफिरेघरआये १४ सवैया आइकैधामवुलाइस
बैरिजिदानदयोजिदूतोघरमाही सीयुसोबातकहीसवरामसनेहुखसोंदेऊनैनवहाही
काहकेकोंरेवनहैसनमाननिजेकछुयेकलिखेनमिराही सासकीसेवभलेकरीयोअरू।
होहूचलोंहोंविराकोतहांही १५ सवैया औरकहेनरहैमनतोहितोजाहिपिताघरआज
पठाऊं मोंसहवतोहिकदेखनिसदरिसोसहवआयसदेहिवनाऊं होंवसिकेवनभूपतिकों
सनिकेकरईतेरिनतेंछुटकाऊं कालहीराजकरेंमिलितोसंगनातकोबालकीयेफिरिआऊं
१६ दोहा विदाभयेवनकोंजुगलशनकीकरिहेत श्रीरघुपतिभजठोकिकेंविदाजनकोदेत १२
सवैया देवनकेदुखकोसीयकेसहवकोअरूबालीकेप्राननहीको रावनकेदससीसनकोंअरू
ईसकेबोलहिबोलकेनीको मीचुमरीचमुनीश्वरकोजसबोलिवभीषनलंकमहीको ता
नविदादईरामहिजोंसंगरामरहेंनवहीसमहीको १८ दोहा कटिनिषंगकसिधनुषकर।
लछमनअतिरनधीर औरदूतीऔरेभईअवचलीयेरघुबीर १९ सोरठा कहीवीरसोंबात।
निकरिबोलरघुबंसमणि तुमहिकसोनहिताततराजकरोघरहीरहो २० सवैया दासकरे
बिनतीसनिनाथहेसायनजोनहिपाइगहेो तुमराजकीबातकहीससहीअबफेरिकहोत।

ह॰ ना॰ ५५ 15

बरेहनैहौ अबमोहिबडोदुखहैसबअंगनिजोवनलौहकबानकहैहौ बनकेचलतेबनडीलकोछाह॰
रहौतोरहौअरहौनरहौ ५१ सवैया साजुसबैनरूपबनकेदुखबीरसहौरघुबीरकीदेही पायनकौ
चलिबोछितिकोंकरधामरहौपितकीसपिलेही नालनमालपघाननदीअहिसिंघपराथरहौ
हिसनेही तंसकुमारसबैअंगनोमुषिदेखिसमोहिबडोदुखपही ५२ सवैया जाननहौसब॰
केजीयकीप्रभसंगतनेमुहिकोंबनओरहै जौहठिकैतजिहोमोहिराघवसोहठकेसंगप्रानपरैहै
जेदुखनाथकहेतमरेसंगतेसबसीरिनेरसबैहै रामहिछाडिकहोकबहूंअबलौअरुआगेहूंकोस
खपैहै ५३ सवैया जानिकिप्रीतिभलीरघुबीरकहीसबनबीरकरीकठनाई तौसंगमोहिनहैबन
कोदुखहैहीयमेसीयकीदुचिताई रोवततैननतेंजलहारिअजौचरहैनचलेबनथाई सौंपिचलैं।
निअमानकेहाथसुरामबिचारयहैठहराई ५४ दोहा। सुनिसीताबिलषीवदनसंगलहुरावत
मोहि सेषअसेषपरायरीकोंभावनहैतोहि ५५ सीतउवाच सोरठा रविपावकसीयराहित
पैतपनिस्योंचंद्रमा सिंधुसकाहिसयाहितौनसंगतजिसीयरहै ५६ कवित्त देखेसुखजीयों।
बिनदेखेनैनसीओदोऊपानीओनपीओतातमातधामकोंचहै ऐसोविपरीतबानओरहूंसोक।
हैनाथसाथजोनगहैप्रानआनिजमभोगहै कौनकाजआजहरुहूतकोसमाजमेरेरामबर।

नाहीसोई राजनाराज्योंदहै जोगकीजुगतिमैमोश्राजहूंनेजानीरानीकौशल्याकेपासपटरानी
होइसोरहै ४७ रामचंद्रउवाच सवैया मषमरैहैनिसिहूखबसैनमिरुंमलगैरविकीउखपावै पा
इचलेसरिनागिरिकाननमेंइतमारपपैजनावै सासुकेधामलौजातकौंसौंदरिह्वाईपरैनहि
कौनउठावै हैवनकोवसिबोउखकोनौहिचलेकहिकैंवनिआवै ४८ सीतउवाच कवित पा
तफलखाउंसिवसोपतेदराउंनाहीपाछेनिजकाउंकठनाईसबजीसहौं याकेचापापाउपूपला
गेहाकौंबोउनाथसंगपरैआपदाअनेकभांतहौंसहौं जौनमैसम्याउंसुरिवदेखिहूरिचलींनाउंव
सोंपकगाउचलैचलोरहैहौरहौं नूठनिचबाउंजोनदेहुमरिजाउंराममसाथपैंनतमोरखुनाथव
तहौंकहौ ४९ लछमनउवाच सवैया तातकहोबनबासनमैंहममोहिकहोबनहौंफिरिआ
उं केतकबातसनोमेरेनाथहौंभोइनिकौनेकुआयसपाउं सीयसौंराजकरौजगलोपथतेम
रयौंमिलिहौउलटाउं कूकिमरौंकिकरोंप्रभकारजनौअपनोमुखआनिदिखाउं ५० रामचंद्र
उवाच सवैया पकपरैदुखसोंसिरतैसहौपटुखजाननआदिहुठौहै जारहैकेबारजेमालकौ
योभाईभालकेअंकनियाहतठीहै श्रीरघुबीरकहैदुखकीउरमैंचहूंओरनिभठीहै तातकीसोग नेज
तिमातकीओमतिभ्रातचल्योअबनारिहठीहै ५१ सवैया वीरहिजोकहौंतेंचरहौरहिसोमहि

योंकहिकेसमझावै जौबनजाउरहौतमहौघरतातननदेखिबडोदुखआवै जौसीयसोंफिरिबात
कहौघरआपरहैसंगयानपठावै वैयहभांतकुसूनसबैगुनिताघरिरामसपूतकहावै ५२ दो
हरा लछमनसीयबिनतीकरीहानिराघवबरनधीर दुखअंधेरकोंहिदुसकैरघुदीपकरघुबी
र ५३ सोरठा देखीफटकपिछोरिसंगनछाडतबीरतीय देवनिसोंकरजोरिश्रीरघुपतिबि॰
नतीकरै ५४ सवैया श्रीसविताप्रभुसीतललताभजिराहसखेलघुताकछुपाऊं बीरसमीरह॰
नौतनपीरअधीरनहौउकहौनकहाऊं हौबननहूनिजकाहिकछूगिरितेतजिमारगजाहिअ॰
गाऊं जानकीसंगकहैचलिबोअबकोमलहौकुथरानरताऊं ५५ सवैया राजहिनैकुभई॰
सपिनौलगिबोलिउठैराजलबूडिमरौ अबकैतनछाडिचलोंदिवकोंदुखरामबिनाकहि
भांतभरौ सबजेघरमैहयहैरथसिंधरलैबनमैबसिराजकरौ भाईकेकोऊआनिकहैरहै
राघवराजसिंघासनफेरियरौ ५६ सवैया तानदयोरथनांचदिश्रीरघुबीरसुमानकेमंदर॰
आये संगलयैलछुबीरसीयानरहैघरतेबहुतेसमझाये याइकैपाइगहेकहीबातसुनीतिन
रोइकेकंठलगाये देखहुकालभुजंगडस्योजगमानसकोजगदीसरुवाये ५७ कौसल्याब॰
च सवैया एतरहौबलिजाउपीयोजलबातसबैसमझाइकहौं सुनिमानबुलाइकैराजकौ

मोहिकसोबहरौबनबासगहौं परिसीसलईअबहीसकरौतमदेहुबिदानबिलंबचहौं अभंचेरन
मकुतभाललगाइकैदेहुअसीसखवाइदहौं ५८ कबित बैठोबलिजांउमानेलोचनसिराततगातलछ
मनसीतासंगराघवसहायेहैं हखेसेबदनननमतीनोकुमलानेफूलकहोकाहिडारीतमकोनेबि
लषायेहैं राजाकेबचनबनबासआजत्यागराजबोलसबनिबटनकेमलेउठिधायेहैं खेलरसम
लछमनै तेनबबोलेहूनआवतहैवारिकेहिडारीआजआपहीतेआयेहैं ५९ कबित तबतोनदेखजबरा
जरिषिसंगरामैहूंकोलैसिधारेअरिनासको बडोंपरसरामसंगबकबादभयोतरसतरहेंनैनाकीने
बिधिव्रासको एवतप्रकाररामकंठलपराइमाथौंचूमिजानकीकोलेतऊरथउसासको हंदरस
शतमेरेबनेसतमेनदेखभरिभरिनेनजातचलेबनबासकों ६० सवैया केकईकेबसह्वैबिष
कोचटपीनिबसोकिधौंपीवतहै कीघोनाहीकोबोललयोउरनागसोकाहिगयोअवषीवतहै
जीयजानततेहोंकछुअैसीभईगतिज्योंबिननेलहिदीवतहै सषीकैसेकैरामहिजानवैहोबनदेउ
छुटीकिधोंजीवतहै ६१ कबित भसमलगाऊंगातचंदनउतारोनातऊंडलउतारोमुद्राकानय
हिरायहौं जटाऊंसवारोंकेसगोरषकोकरोंभेसजानकीलषनकोहोहिंयाऊसिवारहौं खपर
लैहाथभीषहोहूमांगिआनिदेउदेखमषजीउनाहीप्राननिबहायहौं इतीसबकरोपैननैननेंट

रौंरामरहोनाहीबागमैन्नह्वारेईबिनाइयौ ९२ सोरठा बहुतनाहीसमझाइरहेनमातासमझकहि बन
कौंचालेधाइलछमनसीतासंगहै ९३ कवित नानकीतिहारेसंगजाननतनएकैदुखयाकेसबलाउबेर।
बनहूमेंसहीयो पाइनकोचलिबोजहांलौंघापैचलोजाइआगेजिनजयौयाकोसंगनिरबहीयो
लछमनजूकोमनत्वभखेनरहनदीजोआवैकोऊइनतौसंदेसनकौंकहीयो उनरनजयौकाहूगांउ।
केनिकटमेरेइतबनबासीमेरीमथिलीयेरहीयो ९४ कवित कैसेदुखसह्योजाइकौनसोंपुकारि
कहौंकैसीउरलागीआगिसुनतिअचानकी याहीकौंबुलाइभलैराजलैबैठाइराजाराजकरैराज
नीतिबड़ीकुलभानकी रानीपछितारमतिजाइह्वाइह्वारदेखोकेकयीकौरतबरनैकुमपहानकी
कैसेरहीदेहजरिखेहनउडानीरामबिराहेतरामचंदलछमनजानकी ९५ कवित एककामक
रौमेरेदुखकौंजोदहेरीरामतातमातआयसमैभेदहूनकह्योहै नातेसीयसंगबीरलछमनलेकेइत
मेरेयामरह्योयामैंमीतयनरह्योहै होंहूसुखपाऊंतमैंकाहूनादिखाऊंनमदशरथजूकेजानेबेर
बनगयोहै भूपैनसुनाऊंनबुलाऊंहौंभरथजूकोदेखिसुखलोचनसिरानेमगलयोहै ९६
रामचंदउवाच सवैया मेपरिकेसबसीसलईबनीयोनतमरीसनिकेमनमे अबेदऊबिरानतमहू।
तजिमोहयरौपगसीसछनमे घरबैठिरहोसबलोकैगकहैंअजहूंमनराजसिंघासनमें सुनिस।

चक्रहेंनमसोंजननीतनतौदिगह्वैमनह्वैबनमै ६६ कौसल्यावाच सवैया आजरह्योमेरेनैननसि
राहिकहौकहिभूपतिकोंसमझाऊं केकईकेरहैभांतिदयेवररामरहेघरहोंवरपाऊं मोहिगये
बनहीबनहैंतमखिरतजोइकबातसुनाऊं जौघरप्रानरहैंसनिमाततौकालहीपारनसीसखु
आऊं ६७ कवित रामहेसचलेसंगलछमनचलेसीताचलीमेरेप्रानवैठिरहैनपरानहो सघन
संधेरेबनकैसेकैबिहैंहैंरामतमतौनगरहूंकीबीथनिभलातहौ कबहूंनमारगचलेहोसकु।
मारदोऊनैकुहूकेश्रमपायेंगातऊमलातहौ घारकेतवाररानीबूडीदुखसिंधुधारपारकोलगावे
ऐतेअैसीकोयेंजानतहो ६८ कवित सूरज्योंसुमेरकोंनिछत्रध्रुवफेरकोज्योंपारदपरेरकोज्योंसागर।
मयंककों जैसेग्रहराशकोंभवरकंजबासकोंवियोगतीयपासकोंज्योंबलीदौरेरंककों चापश
रलछकोंसमंत्रीन्रपपछकोज्योंवीरभद्रनछकोऊतीदोपरजंककों कोटिसमझायेंमानोछूटेसिंह
घायेतैसेराजाकेपठायेबनपायेतजिसंककों ६९ कवित छुयेपाइनेहीचरीचलेसीयारोवैसबरी
रानीदासजानिमोहिचितअभिलाषीयो भावतीजेरजीयोंलेचलीकुतीकोंरखधीरनेऊसोंपीकयोर
नैनीकोकेरिराषीयो नाकेपाछेसारिकानिबूकिसुकहेंसबूझेमोररेचकोरमोहिनोरिजिनना
षीयो तमहोहमारेअबहोंचलीनिहारेथाममेरीरामरामपीछेरामरामभाषीयो ७० सवैया

हृ॰
ना॰
१८
18

वीरचलेसोसंगहैसकुमारससोकभयोचरमांहिपिताहै मातरनैबिललातनखरीनसहातकछुविधि
सोनभसोहै तापरश्रोरचलीसंगनारिसहकोबरनैकबियाउद्धवरोहै सरदाशीशिवशकबिनायक
साथभलेरघुनाथनिबाहै ७१ कवित रोवततातनेहीठौररोवेमातनवाटीपौररोवतचलेहैंदोऊराज
तेगिलानकी आयेअवमिलनसुमित्राजूकोरामचंद्रसोईरोइउठीबातसुननअचानकी पाइप
रिकसोतुमखेदजिनकरैमाततातकोनदोसबातबिधिकेबिधानकी ताहीछिनसीसनाइबाढो
भयोलछमनरोइकैसुधारिपारिआरिगहेजानकी ७२ कवित बोल्योलछमनहोहूंजानमातनाइसत
नीकैकरिसेवाकीजोरघुकुलभानकी इनैनीखिजयोदलसेजकोबिछयोपावजूठनिकोखयो
बातयहैहैसयानकी याकेअपरापसोपछमाहूंकरयोरघुबीरहैंकृपालजनदेतकहोंकान
की वेईबनकोरहेवेपितासेगरामतेरेसाखिहै नइखीतोहिमातातेरीजानकी ७३ कवित हूटज
ऊनेनाबिनदेखेरघुबीरमुखजानकीनदेखोंहोनछोनलछमनको राजाकोऊबचनवहाऊंन
दिखाऊंमुखजानकीनदेखौं मागोंकनकनको राजजाचैनतनकेपटंबरनिफारीमेलोंकेथारे
ऊजोगनिबियोगीकरोंमनको कहितसुमित्राहेपवित्रश्रुतदोऊतामेकैसेजानकहोप्रानरामत
मेबनको ७४ कवित गरुडअविधिपछितैसेईसहागलछिमनकोअवधिहरीचेदउअनीघे

हु
१८

धरमअवधिराजापै डुसनानसनान्यो कानजलकीअवधिसांतोसमदबषानीये पानकीपरषपानतेज
कीअवधभानदेवमहादेवठकुराईहरिठानीये रामकेबिछोहेतातमातदुखपोहेजैसेतातदुखकीअव
धिनआजकछुजानीये ३५ सवैया आजहीतेसुखरूषकोकारिमहादुखबेलियरापदिबोई ता
हकोदेसनहीकबिरामलिखेबिधिअंकबचैअबसोई सरापिफैरैशिवलाहहलाहलजोबिधनाबल·
बानतहोई तोकहाकेकईकैबसहैकबरामसेपूतनिकारनकोई ३६ सवैया पवनबासचलेदे
ऊसुंदरकौतगकोसीयसंगजुटीहै पाइनपाईनिकोसचलीअजहूंनहिगावकीसीवछुटीहै
हाथधरेकटिबूंदतरांमहिनाथकहौकरऊंजकुटीहै ऐवतराघवजोवतसीयमुखमानहूमोति·
नमालतुटीहै ३७ सवैया गांउतजोसचलेरथबैठिसपपुरकेजनसंगसबैहै पककहैंविप·
रीतिबडीदोऊबीरकहैघरआजुनऐहै पककहैजहरामनहीहमफेरऊतेनिजधामनिजैहै
गातसहैदुखबातयहैबनभानननकेसंगपातचबैहै ३८ सवैया रामकह्योफिरिजाहुसबैमिलि·
राजहिदेहुसंदेसहमारो धीरधरौनभरौजललैननिहैसबसोचुसनेहुनिहारो कौनसनेयहबान
सुबातचलेअसदामनमोहनवारो गांउउजारभयोरहतारचलेरविरामभयोअंधियारो ३९ सवै
या रैनिबसेतिहठाजीयजानियेआवतजानसबैपुरलोई आपिकरातिउठेरघुबीरकह्योसनिबी

रघुजानासबसोई साख्षीसोंसमुझाइकहोरथलैचरजाऊजसोरनहोई योंकहिकैसीयसंगलईदोऊब
रचलेनहिजाननकोई ८० सवैया भोरभयेसबलोगकहैरघुबीरकहांमुखिजाइनिहारै देखिपि
रा॰ रैचहुंओरनिहौरगिरेधरनीमनरोइबिचारै गैलगहीरथकीसबचलेसबलीकफिरीघरजाइसंभारै
ना॰ देखिहिजोफिरिगाउमेजाइतौकछुहोंसबरोवतरामपुकारै ८१ सवैया राजसमाजउतारिसबैरघुरा
१९ जकहीअबहैसबफीको लेबटरूपबनाइजटासिरबीरहिभांतबनावतनीको देखकुकाल्बल
19 कविरामकछुउरसिद्धानसोजपतीको मानसकोमनमैंपछिताइसरामहि भेषकीयोतपसीको
कवित रोवतपुरुषनारीजोगीजतीब्रह्मचारीरोवैगिरिरूषअरूजोहुरोवाहाटके रोवैलोगरोवैमं
गरोवतमरालभेंगारोइगुनपढ़तकवितबेराभाटके रामकेविछोहेदुखअैसीभांतपोहेसानोटोरन
टरतपरेपेचसोंकपाटके बीरतीयसंगलैवियोगीजोगीभयेयहबातसुनरोवतनबटोगवासबबा
टके ८२ मातउवाच कवित भोरहूंकेभषेहोइहैंचलतपगहूषेहोइहेपियासमुखसूखेहेंहैंचल
तमगगातके सूरकीकिरनलागेलालऊमल्लानेह्वैहैंकंटालपरानेऊगापाटेह्वैहैंगातके अली
अबभईसांझिहैंहैंकाहूबनमांझिहैंकोंनभईबांझिहीयकोंनफाटेतानतेक नजिकेचरोनाक
हूनरवरकोछाइनरेसोयेह्वैहैंछोनापेबिकोनाकरिपातके ८४ कवित रोवैंसबगांउबासीरा

नीरनवासदासीदेहतेंउदासीमानौंकारोनागह्वैगयो छूटेकेसबिकरालआपआपकोंबिहालक
हिकोंप्रबोधैंसबहूंकोरसच्चैगयो सबहीकोप्रानहरिलीनापसीकोभेषकरिज्ञानकोसमेतरामजो
लौकोसहैगयो तौलौंरहेप्रानदशरथजूकेनीकेपाछेरामनामलेनराजारामसरामह्वैगयो ७५
सवैया ख्वाइनवारपरयोथरभूपतिबालज्यौंबहुभांतिपुकारे औरनरामकोनामलयोनबबार
इतीनकनैनउघारे प्रानछुटेहूंनरामछुटेसोप्रहसीनसकेजुटनैकरिन्यारे ज्योंनभयेग्रहछूटियेपरे
छिहैजोतिकछुकरहेभनसारे ७६ सवैया देहछिपीढिचलेरघुनाथउसासभरयोनृपतेंहीछिना
बिधिकोंअजनंदनआजजीयेपलबीतनहेरघुबीरबिना नबरामहीरामपुकारधरामधरामतेंआव
सिना जिनकेसतरामसेभेषधरेभाईन्याइहीतेंमरिजाइकिना ७७ सवैया आउबदीतौकहाबिन
रामहिलोमसनेंबरनोंअधिकाई रामकेकाजनप्रानपतीछनआपनेकाजनछानिछुवाई नात
सोईधुनिमानसोईसोईशतसहीश्वनिहेसोईभाई रामबियोगबिसरिबिसरिभिदेछुतीयाजिनदे
हगवाई ७८ इतिश्रीरामगीतेरामचंद्रवियोगोनामद्वितीयोअंकः २ दोहरा यहिबिधिभूपति
देहतजिसुरपुरभवनपयान नेहनिबाहनकोंपुरुषदसरथतेंनदिखान १ सोरठा मंत्रीस
भबिलषाहिछुसोराजरघुबेसतें रामचंदचरनाहिभरयबिदेसीमृतकनरूप २ सवैया बैरि

विचारबसिष्टकीयोउतनैनवहैरतनमंत्रकरै लिखिमैरघुबीरदहिबोलतदै सुनराजसिंघासन
पाइयरै अबजौयहभांतकीबातसबैभरथैलिषिहैसोईबीचमरै कहोकोनउपाउकरोजिह॰
रू॰ तेघररराजरहैदुखरामहरे १ सवैया आयगईसबकेमनमैभरथैलिषिकेयहिभांतपठावो
ना॰ श्रीरघुबीरमजायधरिराजबिचारतभूपतिनैनसिरावो नाहीतेबेगिबिसारिसबैसुखआवहु
५ इतबिलंबनलावो मोहिकोरामकोपाइनसौषिवसोबनमैतमहूसुखपावो ४ कवित राज
२० बिनभयेराकसनोहनचारबाकयहांकोकसनवाकोपकेनसुनाइबो जौतौतोहिआपनतैंबू
केराजारामनीकेसबहीकोकुशलसमाजराजगायबो औरकोऊकबहूकदोचदिगबोलिउ॰
ठेनाहीदुखपाहुनैनसैनसमझायबो बूझतहैराजजोकुसाजहैगयोहैआजसाषफेरघेर
सोभरथचरल्पाइबो ५ छपै सुनिश्रीरघुबंसमौलिमुकटमणिउदभट अरिगंजनश्री॰
भरथदानभिक्षुकनिकसंकट तेजपुंजरणधीरबिपतिखंडनसुजनबलभट धर्मकर्ममे॰
सरसभयोकबहूंनपापनिकट राजाधिराजदशरथबचनलिषवसिष्टतमसोकरहु सुन
नातखातसोवनउठतयातीलैमगपगधरहु ६ सवैया औरबनायलिखीपतीयोबतौ २॰
योरिषिजेसबपाछेहुईभाषी हाथदईसुचलेधरिसीसगतोश्रमनायभयोअभिलाषी भूप

तिकोनहिदारहृदयोविनष्टतकीयोशशिरसहजसाषी रामसनेहसंकुटीनपदेहसपाछेरूमेलिसनेह
मेराषी ७ कवित्त चलीजबपातीकोंपीछुहूनिकीछातीआगेआगमजनायोरामभरथकुमारकों
कहनलाग्योभरथबोलिचोबदारनेबमंत्रिनसोंपठयोलेआवेकोऊतानसमाचारकों पवनश्रे
ष्टयनत्योरउठेचहूंओरजेबकष्टकारनहैआजभनमारकों जोनकीकहतराजादशरथनीकेहूजोनी
केरामचंद्रसखहूजोपरिवारकों ८ सोरठा तबलगआयोहतलेपातीपढ्योतहां देष्योभरथस
हतहृक्षुबातेप्रेमसों ९ सवैया रामकहीसबसोंघरहैसोईरामबिराजतभनतलमे सबदेसबसैब
स्यावरसेअरुमपतिहैअपनेबलमें तबहूतबनायकहीबतीयांमनधीरजहूरिगयोपलमे छबि
छीनभईछिनमेमुखकीजनतोरिसरोजपर्योजलमे १० सवैया यारचल्योउतसादहबदोमन
रामकोराजसनेसखपायो जाइसनोसबकेमखतेंचहिराजसिंघासनछत्रतनायो आइके
गांउमेपाउदयोमनमोकबदोमभसोननपायो केरघुबीरनहीघरमेपितकेमरिकैसरलोग
सिधायो ११ कवित्त लोकबैठेमानोमुनिकहूंनसदंगधुनिदेषीयेनकहूंराजथामनधुजालसे
हाथीहथियानतनाही बाजीहिननातननाहीनाचतनगावतसमानोबिनजीबसे हनकहीकृठी
बातरहांउतपातकबूबीरबिनुमेरेकंठकहोजलकेथसे पीयेनबछेरूरूथगेहांगरोलेसब

हूं॰ ना॰ ६ 21

रामराजहोइतौपंचवेरूबनकेहसै ॥ कवित देखिकैभरथसबनारिरहेसीसकाहूपाइहूंनछुये।
कोऊदेतनग्रसीसकों हाटहटतारकरीसनीचटसारपरीद्वारदैकिवारसबजैपैजगदीसकों प
कमनकैरघुबरठाउनहिपाऊंभाईविक्रतलजाऊंकहाभयोरेसईसकों आयेभौनमातबूकेसमाचा
रतातकेकहोनवेगपापनीहोंजाइनिवाऊंसीसकों ॥ कवित मातनातहतनकेकहानकाज
कहाहतहेसरेशजहांनहांकोनकाजगयोदेहहूछुटीहतपीरतें कौनसोसहतनमसबहीतेबडेभ।
ईरामहेसकहाबनगयेनृपतीरतें भयोतिपवाथोनहीमांगेबरपायोमैतोराजहनमेंराषोछी।
निलीनोरघुबीरतें कहाहोइमोतेअबहौंहूंगयोतोरितेंजोपटग्रासदोरीपारयोहतडारयोबीरतें १४
कवित कहाभयोमोतेंअबहौंहूंगयोतोतेतेंजुपेटग्रासदोरीपारयोहतडारयोअंकतें कौनका
जराजसुनिपापनीअकाजकीनोलाजबिनजीवतनधरमनसंकतें ऐसोकामकीनोतेंतोरा
मैबनदीनोमारयोपतिपलमैनडरतकलंकतें रामहिबुलाऊंबूकेबाटकेबटाऊंपरफारिहूं।
ऊजोगीभीषमागोंराईरंकतें १५ सवैया रामकोराजसुनेसहस्रफनिभूमिकोभारबिसा
रयोहै जानिसपूतभयोकुलमैरविकोजसदेवनमाहिछयोहै रावनकेअमरापतिहोलब ३ ॥
जायनिचीतभयोहै पापनकेछलतेंछिनमैबनमेसोईतोरघुबीरगयोहै १६ सवैया

वारन

श्री

तौलगिग्यानवसिष्टकहीतमनातकौराहकरौमनतमेरे बेदविचारकीयोविधिसो१निगोरकह्योकरूं
रामननेरे लैरथैंवाजपरातचल्योतजदेसफिरयोनहिफेरे भ्रानतजौकिमजोरघुबीरहिनीरपियोनवि
नामुखहेरे १७ सवैया तौलगिश्रीरघुबीरपषानसिलाकहनारियमेबनमाही आरवसेगुरकेरि
नहैपितकीगतिकौनभईपछिताही रामकहीसुधिलेहुसबैयहकेकईनंदनहारिकिनाही छुट्यौजा
संगराजसमाजसपारनिआवतपागविनाही १८ दोहा आयसजबरघुपतिद्योदौरैसबसिरनाइ भ
टनिलीफिरवसिकरकसैभरथनिहार्योजाइ १९ सोरठा अतिदुर्बलसबगातरामप्रकारतरामकवि
लोचनसलिलचुचातबीरविरहश्रनितातडरव २० सवैया हातिकहैफिरिलैबतीयांनवलोगनिरा
मजयोंसमुझावै राजकीबातखरीविपरीतभलेमनकेकईनंदनआवै आवनदेहुकहोबहुरो.
जिनसाजसरामकहीकबपावै मातकेबोलनग्रंकतजेनिजबीरलरैंमहरलोगबसावै २१ सवै
या जिहिठौररतेंशीठपरेलघुबीरपरयोपरनाहिरहीसुधिनाही ज्योंसिकताजरतेपरैमीनतजैरेन.
परैपलग्रानउराही चेतउठेसमझैभरज्योंमुखरामकहेदोउनैननचुचाही बेगहीबेगप्रनामकरै
रहभांतिगहीरघुबीरकीछाही २२ सवैया देखिकेरूपरह्योनपरैग्रबफाटतहैहुषसोंछतीया
नबहौरिकैरामउठाइभजाभरिलैउरलाइकहीबतीया सुतकाहेकोंबावकीयोयहभांतिसजीवन

हीरघुकेनतीया पितुग्राननतजेहमहूंनजिहैनहीधामचलोसंगबीरतीया २२ सवैया सोगकीयो
मतिभूपतिकीगतिसीयसमेतसबैबिलखारी कौनबडेअपराधकीयेहमनाकुखतेंसुपनेसखन
हो नातनकोकालभयोहमरेदुखसोहमहूंबनमैंबिललाही आनिकुरंबगहैबिपनाग्रबनाहि
गहीकिहिकीपरछाही २३ सवैया सोदुचलेपितकोंजलदेनहयोबिधिसोंशुनिसोचकरै चहूं
बीरनिजाइकैपाइगहेरघुबीरजीयेमनसोकहरै चलीयेघरलैसीयसंगअबैहमकोटिकबार।
निपाइपरै बनभूपकरयोसतकियोतुमहूंप्रभधामचलैबिनरामरै २४ सवैया गुरुजोम
नमैबनमैरहिहैतरुछत्रध्वजासिरचौरढरै रथबैठिसबैभटसंगफिरैप्रभकीछबिजोसोईरामस
करै पगकीरजकेहमहैंसबसेवकराजतुमैमहिदेहमरै तिनपायनकाटिकरौसतखंडअबराज
सिंघासनआइधरै २६ कवित लीनोलछमनसंगहोविमलकीनोकहेकियोंहोनरामसनि।
नाथमेरीगतिको कहाभयोजोहोंदिनचारकबिदेसगयोमाहिछाडिदयोतुमजामोहीनमतिके।
तापरतोश्रीरघुनाथनकीहैबातमातराजमोहिराखोद्रतिकीनोरेभरतिको तोहीभलेजीयोपा।
मदेखिपानीपीयोमोहिदीजेभीखसंगहौंभिखारीरघुपतिको २७ सवैया पतिकोंरतिकेकरि
राजलियोहतकोंयहबातसुनीसबदी तबभूपतिदेहतजीछिनमैंरघुबीरगयेबनकोंजबहीं २२

अबजोसुरराजकोराजमिलैसोईकामनआवतहैकबहो मनलाजनमैरघुराजसुनोसोईराजजरो
जरहारामनहीं २८ दोहा घाटिबिधिबिनतीकरीभरथधरेचरनलपराइ छिमाकरहुअबरपिफिरि
चलहुसीयलछमनरघुराइ २९ सोरठा जोनचलहुघरआजसुनहुबानप्रभकानदे जातबेस
तेराजनमबनमैआहमआपनाहिग ३० कवित बोलेरघुबीरसुनिबीरमनधीरधरपीरसहीसहो
कहिआगेकेउपाइको जीवतहीराजारानकानकेबुलाइपाछेकयोजाइबसोबनसुन्योबोलमा
इको राजकोसमाजतेरोदीनोहैभरथजूकोसुनिसुलछणपोबालकसोसतभाइको ऐसीकहि
येतानतैसीकोनीबनैबातआयसकोमेटिसुनौआगेपरैपाइको ३१ कवित तेरीप्रीतजानीतेन
पीयोचरणपानीअरुमोबिनाबहाईराजधानीदेसदेसकी माइकेनपाइलागोनातकानकीयेभा
गेपोछाडिदीनीबातसुखलालचकेलेसकी देवोलछमनपाभरथजूकोनेहुआनराजकोनछाडै
बिनासंतनदिनेसकी सुनोरघुराईजहांरामनसहांईनहांकोनैनजराईठकुराईप्रमरेसकी ३२
कवित जाइलछमनजूकेपाइगहेनेहीछिनबीरसमझाइलैलवाइचलिधामको नातबोल
कीनोनमबडोजसतीनोबनआयेफलखायेदुखदेखोसीयबामको जोकहोतोजाइघरकेकई
निकारोंकहेमारोंयाचकरोंहोंपरसरामकामकों मोहिबनछाडोभावेसंगलेसियारोमानप

लैमैनिकारोंजौनसुनोराजरामको १३ कवित मेरीकहीमानभलोयाहीमाहिजानवीरराज
तैलैकरिजोलैमेरोबनैन्यायबो मानोराघथातीराजन्यजनकेनातीकछूऐसोईकुपेचजा
नैमोहिबनजारबो सुनोप्रभमेरेकसोपाइछुवोंनेरेमैनोराजकाजरामबिनकठनचलाइबो
नातनदुखमातनदुखबडोरघुनाथजूदुखपकलैभरथद्घरहेरिवोरिघाइबो १४ सवैया जानकि
मीतिमहीरघुवीरसवीरकोलैमुखनीरपषारो पागबंधाइसमाथकोयोपईपावरीलैकरिग
नहमारो केकईनंदनसाधुकहोनहिप्रानसमानकरोअब।मारो धोरईग्रामनिग्रानिमिलौ
सबसोंजससोंरहीयोउजियारो १५ रामचंदकोसंदेसमातानको कवित सबहीकोक॰
हीयोसबमाइनकोपाइलागिकहीयोसंदेससबनीकेरघुनाथको काहूमौचलनहिगाउके
रहतगातवैसोहुरपोषमातहाथहाथको कहीयोसुमित्राजूकोलछमननीकोयहेसमाचा
रसीकेपारछाहीकरीसाथको जौकहांचबूकैकेसीरोससोरहतबीरसुनेदुखपैहेजहांकहो॰
जिनमाथको १६ दोहरा सुनकूभरथसिषग्रानिनमकहोनाहिसमझार जानेसवसंपतिव २३
हैसोहोरउबतार १७ रामउपदेशभरथसों सोरठा जोसुखचाहोराजलोकसुखीपरलोकग
ति तोबानेकरिआज्ञसुनकूभरथरघुनाथकी १८ कवित नातमातसेवबडेभागकीभगति

रा॰ ना॰
२३
23

परभातउठिकीजीयोभयोसोहरनामको बामनकोंदानसबहीकोसनमानसुनिवेदकेपुरानमु।
उकोजैनरबामकैं। राजयुंमलीजोदुखीजानिकछुऔरदीजोसुखीदेखिउगनजिनकरोपकदा
मकों ऐसीभांतजीजोसबहीकोसुखदीजोबीरमैंऐआगेपाछेंबोलिबोपिगाढिरामकों ४९
कवित नीचसोंनप्रीतकीजोकुलकोनछाउदीजोबीरसुनिलोभजिनकरोपरनीरको आनती
यमानसुनिबातगुरबादेथनुतेगोगोनीचोहूजोचोबदयापरपीरकों वैरनकोंसरकूरमंत्रनिनि
कारदीजोपीजोनआपपदुखपरेहूजोधीरकों दानपुरुहूतसोंनहूतबसिहूजोभाईभरथसपूत।
कह्योकीजोरघुबीरको ५० कवित जैसेजनतीसंगतेंऊमनीज्योंअनंगतेंज्योंपापनीरगंगतेंथन
बादेंगजपहारतें ज्योंऊलऊरतनतेंज्योंदारिदसपूततेंज्योंबामनकोरतनबिनापेटचटसारतें दे
खेबिनरखेनीअैसेसाबनुमैरनीऔरबातेंकहोकेनीअैसेनारलोभधारतें सावधानहूजोनारिदे
सतेनिकारिदीजोबुधिजैहैराजतेंसमंत्रीदुराचारतें ५१ सवैया पारखुवेसबानिसीषसबेप्रभपन
बिसारिचलोकबहीं धरिपावरीमउसुसावरीमरतिदेखकस्योबिछुरोअबही अबजाऊथको।
सिरहाथतवैधरिआरसुसीसचलोजबही लयेबीरसीयासेगबीरबिदाकरिरामथसेबनमैं
नवही ५२ सवैया बीरहिछाडिचलेचरिकोंधरिआरससीसनजाइमिटायो गाउमैजा

श्री

रा॰ ना॰ २४ 24

रनपांउपस्योदिनहोनेद्गाइसजाइबसायो मंऽजरायरिभेसनपोयनहोसुखकुंरसमंदबह्यायो राम
सनेह्यत्योमननैननकोननकोनसनेह्लगायो ४२ कवित बहैस्गसिंघासनहोइआपराक्लिा
सनकोनाहीपरिपावरीलैराषीसिरनायोहै राजभयोआटलसकाहैतेहाकविरामरामसिषदीनी
हीसुकीनीसखपायोहै ताहीकेवियोगभोगछाडयोनसंभासेनेकुजैसेजारिकाचुरीमानभोगी
फिरिआयोहै जोगीहैनहस्योसस्लोगजबस्योयरआपनेनथस्योदेसयौगुनोबसीयोहै ४३ दोहरा
भगतिभकारभगटकरीरघुपतिकिपारकार तारकतकारसुखनिदईयातेभरथकुमार ४५ दोहरा
यहिविधिभरथसदारहैतजोतीसरोकाम मानसेभारैराजकोरानसंभारैराम ४६ सोरठा भर
तदसायहभोनसनकृदसारघुवीरकी जिह्निहबनमैजानसोईबनावनरामकवि ४७ कवित
ऊचेवटतालजहोलटेननमालसालसरलेविसालगनिहैनकालमेदकी कहंतालतालकहू
कुचचीअवालकचनालनिबचंदनसोमानोबासबंदकी चंपकरसालतालकेलसोकनेलहीस
भारीनमकोनगनैजानैमूलकंदकी मानोआहिदसकियोंऊरूकारेभसटेलैसरकीनजोतितहां
चांदनीनचंदकी ४८ कवित अैसेबनकरैगोनरामचंदबिनाकोनचलैजबपोनऊचेपातखरक
तहै सेमरखजरजाइफरहीसरमगताहादीकेनरंगतहांदेखारबकतहै फूलफलगातेमानो॰

रली जोतवारेकेऊ तोरेकेऊ छ्वेतातेऐसे फलकतहैं झलहैनजानोकविरामरविछोरेमानोज्वर
नहैलारकीफुहारविलकतहैं ४९ कवित ऊबटनगैलसदासिंधनकीसैसबननारेकैसेबेल
मानोबोलेइकरातसे औरसैकरीऊरंगआधेअंगपरेकहूंहैसुरंगभूमिकहूंदेखेबिललातसे मो
रनिकोसोरसुनिफनिमनिझरिमेंउदीयासोबुफाइबचेहैंअैपैरीरातिसे गीधनकीमालकहूंजंब
ककरालकहूंनाचतबितालसैकपालजलजातसे ५० कवित कहूंबनसरकोलकहूंरोफनके
टोलकहूंभीलनकेबोलतहांबातनअनंदकी मानसकेनातेवनमानसहजूरकहूंबांदरलंगू
रनउचाईगिरिमेंदकी कहूंचक्रवाककहूंभूतनकीहाककहूंकोरकाकमानोसरकहूंश्तबंद।
की जानकीउरातबीचबीचचलीजाततऊनैनामेंदिलीयेकरिगहीरामचंदकी ५१ कवित
ऐसीभांतचलेजातकोहैजासोंकहैबातगातऊमलानेजैवैपोपेखरमानके जानकीनिहारिभ
रिस्वासमनकोयमारिकैसीऊसरानहूमैलागेइखतानके तीनोबैठजातजहांगोघहूराइतमु
सकाननजनावैसमाचारसनोभानके सीरेनलरूानहूंदैरूलफलखानरामरामपरिसोवतबि
छौनाकरिपानके ५२ दोहरा रघुपतिऐसेबनफिरतदेखैनगरनठौर आसनसमोअगसके।
चलेडुलामनरोर सोरठा सीयहिकहेसमफाइलोपामझानासतीय प्रथमसोमधरिपाइआइ

दूं
ना॰
२५
25

सखैदिगबैठियो ५४ सवैया रामसिलेमनिसोंपरियारैंलागिरहेछुतीयाउखवोयो हेरुत
कैंपयहवेषकोयोन्तपजीवतहैकिबडेमगसोयो बानकहीसमकाःरसबैरघुबीरमनोतननतीरग
डेयो हूतरहायहठौरसबैमिलिस्वाससभरेमनतैंअतिरोयो ५५ अथपंचबटीकोवर्नन सवैय।
पकवेरीनछटीसीयकेदुखरामरहेमुनिकेनिकटी छटकेसतसोहतनारिजटीमनोथरिजटी।
नहिकामछटी उपटीफरिजानजहातनमकीप्रगटीछटमैंगुरुग्यानगटी करबेकहमतकहटी
बरटीनहपर्नकुटीरघुनाथठटी ५६ सवैया जहसिंहुऊरंगनबैरगहीमृगसंगनिसिंहनिरूप
जटी सोऊनैकुनरेखतज्ञानलटीअहिपैंछुतमोरनिपुंछनटी चढिकेहरिकंधअजालपटी
नहिभूषलगैकबहूऊपटी जिनकीदुखफांसकहूंनकटीतिनकेसिरहैसुखसांनसटी ५७
सवैया जिनकीधुनिनैननिजोतिबटीतिनकेसंगमकातिफिरैलपटी जिनकेहिरदैग्रंथमहा
विकटीकमिसखछचलेमनोहरथचटी मुनिहंदजहांजहबेदपटीसकसारसदंसचकोरचटी
निसबासरकामकमानटुटीसीयतैरतिसीलटिजातलटी ५८ सवैया सबकेमुखनितंत
बाकनरीसअगस्तयबावनहाथकुटी तपतेजनतेरविजोतिदहीकपटीनरहैतहपकव २५
टी हरिभजनकीजहआरभटीभरनैननिहारिरमालपटी जहंईंधनचरनकीरवपटीकविर।

मकहैसोईपंचबटी ५९ सवैया कालबलीकविरामसुनोदुखम्मीरघुबीरकीबातनके
जेबनातनकह्योचलिहौनिकसेनरहेबिललातसुमातनके अबअंगरकीकौनकहैसुरभूपति
हैतकीयाजुमलातनके मनिकंचनधामनजेबनमेजबरामकीयेबनपातनके ६० कवि
त ऐसीभांतरहैदेसरह्योहरिकेहेतुषसुखनिरबह्योसह्योमेहछामघामको दुखीजानि
कामधेनुछीरनिधिमैनजाकोहेमगौनशकशिवसेवैजाकेनामको लछमनगहेपाइसु
नोरघुराइप्रभुजाननहोजातबनआधेजाहीकामको सोईक्योंनकरौदुखदेबनकेहरौरा
मबिछुरयोजुबालमोहिसोपदेववामको ६१ सवैया जबलौरुचिहौतबलौरघुबीररहै
ऋषकेबडेतेसुखपायो बातकहीबनआनचलौसुनिपाइछुवैअतिमोहजनायो जान
कीजायकैपायछुहेसीयकेबिछुरेऋषजीदुखपायो यंगसुबासदईककहीपटमोतिन
हारगरेपहिरायो ६२ सवैया रामहियेकसुमेरहयोऋषजारिपुकोसिरभूनपरैगो का
हेऊतेडयजेपलमेकहिसोतमतेकिहिभांतडरैगो तोरिपुकोसिरकोयहबानुसुनोप्रभज
यहभांतिहरैगो ओमृगकुंडनसोमृगराजभुजंगनसोखगराजलरैगो ६३ सवैया जाय
बसेअबतोबनमेमानोसावनमेघनकीअनुहारी आपनहाथबनाइकुटीसीयसोमिलि

बीरहिझोरहि सवारी लंकनिशाचररावनकेदिनरैनहूतेतिहठारखवारी कैसेकैरामहिज्ञापक
द्योसिनिसपनखाइकबातहमारी ९४ सवैया जोवनकेहमहैंपरिपालकतोवनमेतपसीपि
हृ: रिआये राजनमोग्रबजोगलीयोलघुमेंउजरानखहैनबताये रूपअनूपमहैदोऊबीरननै
ना: ऊउबैबहूतेउवपाये जेपहिलेउररावनकेइकभाजगयेइकहूरिबसाये ९५ कवित बानसन
२९ जरीसंगचलीषीकिलगीआषैंरातीलोहूभरीरोषचढ्योनखसरूपकों अंगअंगबनीमानोलिख
26 चि.त्रपनीगदीमनहीमोंग नीआनीआनबरीकामभूपकों वेरीशिवजाग्योतीकौतैसेपाछे
लाग्योजैसेपारोजाइभाग्योहेविसंदरसरूपकों लाबोउगभरीठोरठोरगिरपरीरामदेखजिह
जिहचरीरेषिरहीमुखरूपकों ९६ कवित परोबसनाकीससाजाकेमुंउदसकीनेहावभाव: काम
चितचावपकबेदसों दीपसननैनदेससैननचलाइरहीजानकीनिहारिमनरहीनअनेरसों
मानोदेववधूरेसीदेवीनाहिकधूमध्यानतेंजगाइगहिपाइबैनमंदसों पानखाइखाइम
सकाइमुसकाइपारपरिकैनिसाचरीसबोलीरामचंदसों ९७ कवित कोनैदेसराजनजिता
पसीकोभेषसजिरूपवंतनमसेनदेखजगचारिमे हैजनारिसंगनारसोऊराजाकीकुमारक.
होचरहीतेनायेहोकिपाईहैअनारिमैं नोहिकदापरीअबजाइमलीकरीहमराजाहैंकिरे

कहै कहूं न पाई नारि मैं कहो क हां जाउ मोहि है न कहूं ठाउ नाथ न मै आन बरै आई चरिने विचार
मै ८८ कवित बोले नारि का रिछ जछ मछ केतना विकि थौं त्रिपुरारि लोक छांडि छिति पाई है कि
धौं रंभा उरबसी मैनका सुकेसी कोऊ तिन मो कि मघवा पठाई मोपै आई मै डोलत नग्र केली कोऊ
संग न सहेली सनमुष आरकहि कौन न तेरो तात मात भाई है सीता तब बोली नमता न पोथी खोली
यह कोऊ बन आय परा भली लै मह लाई है ८९ कवित नभ ते न आई हौं सुरेश ना पठाई प्रभ
रूप देखि काम की चलाई जानि लीजीये राजन को राजा नाउ रावन सुभाई मेरो तन मैं न सुनायो
काहू गांके ज्याय जीजीये शिव को बडाई तें उहां ई जाकी तीन लोक सो ई बसै जाहि फिर देस घ्या
पिरीलीये वडो बोरनाहू सो वै चापै पग छाहि जैसे सीताह्वर मोहि तैसेर जी मोहि कीजीये ९०
कवित समाचार ज्ञानेम सकानेकसो बात सुनतै न पहिचाने हम बैठे जोग मैं समै तैन सुनी
बात रखुबंसमै जन्म हो न जानत आवती पसोंन बोलै हर न बिदेसमै नाम एक राम मेरो नाम हौं लजा
ऊं भारी नाम मैनीय संग जाहि छाडि अब के समै भली सुधि आई लछमन मेरो भाई दोरिता ही व
रजाई वह जो परै कलेस मै ९१ कवित चली तब धाय लछमन पाय छुये जाय बोली मुसका
य एक बात कहौं भावती बरबे के काज राम नमै पै पठाई हौं गजानन मना र आई ना तें उत ल ।

हं० ना० २२
27

वनी कह्यो सोई कीजो न पत्याऊं नाऊं बूझि लीजो रूप बस भई नाही तो मैं न सैनावनी रावन दै भाई लंक
है मकी बनाई जिन बन ही मैं आई निपिफेरो जिन आवनी २२ सवैया तोहि कहो स्मनिबान निशा
चरि ते जननी मेरी है न बहीते कामके भाउ परे मन मो रघुबीर के तीर गए जब होते के अबजा हित
हो प्रभ भये चलि आसन जो हम री अब होते जो चलै शरबको तट नीन टनो उलटी न बही कब होते २३
सवैया पार चली बहुरी न चलै बसदेवि हसे सी पसों रघुराई आरकह्यो न वरै बलि जाउ स आगे हो
के तिन आस बुकाई जाहि तही अब के बरि है नहि है रुप तो कहीयो समुझाई संग अरषी सर केव
न मैं न मन तारि का रिपता रपठाई २४ सवैया आर कही सोई सोई बात सुनी सब सीन बरै तिन ग्री
रखनाई जाहि कह्यो अब मान निलै रघुनायक छुमुहि ओर जनाई बारह सात फिरी उनते उनरा
म भली उपमा जीय आई मानहू बीरन कूल दोऊ भरि रोष बडे नद नाउ चलाई २५ कवित जिनहूं
बिचारी पन दोऊ विभचारी पतिरही नहमारी नव आप रूप है गई पाइ लो पताल परि सीस को अकास
करि एक एक बांह को सपकउ ह लेगई बावरी दिवानी कछु ऐसी बोलै बानी जाते जानकी इरा
नी का पै मानो न जडी है गई रामे लपटा नी जै सेशं कराभवानी कह्यो नाथ याके हाथ तें सुप्रीति।
रीति रैबु गई २६ सवैया हाथनि सों नर मुडनि फोरि सुजान की कोड रपावन लागी मोहिकी यो

२०

चकशेरतनैबेग्रजहूंदुखसोंछिनएकनदागी रामसोंबातकहीहरषसीयपाछिबेरोंग्रजहूंग्रनुरा
गी सोंतिसहींसिरपारगहींग्रगीतयहरूपतजैनग्रभागी १७ सवैया रामहसेसीयकोंमुखदेषि
हमैनकछूयहबाततनई तेंतजुतीम्रषकेसंगमैबनमेंइकग्रेसीयेमारलईहै पाछिबधोजिन
ग्रोरघुवीरसपोनबनेकोऊयोंनगईहै नाकछिनाइकलंकचढाइसलेंकनिसंकचलाइदईहै १८
सवैया कान्योहैनाकसोंकानबनाइसहीरघुराइबेबातहसाकीलोहूचुचातगईढिगराबनजाइपरी
जैसेभीतमसाकी बातसनेतनग्रागउठीढिगनारिकहैतजबातगसाकी रामसोंकोपकीयेबकहे
तेमनोरतनकेजानदिनाकसमाको १९ दोहरा एकनिशाचरहसिपरेभलीकरीरघुराइ नाकका
बिदोरीदूतीग्राईनाककटाइ ८० दोहा एककहैतेमहसोंजिनकहोबातसमुजाइ बुरोपामयेः
नरोईयपेजमगीयोजाइ ८१ सोरठा तैऊनतैनसिराहियोंतलपेलंकापती ज्योंपोरेजलमाहि
नेठमीनदादरबसे ८२ कवित कहाकरोंकहानाउग्रागिजोजरावोंजरोंसिंधुमबयाहकेमबूडि
मरोंजाइकै बडीग्रबबातऊशरानहीनदेवोंजहांमानसजनावेनोरजोगीबनग्राइकै कालही
पछारोंशेषनागहूंकोंमारोंछिलितिलेपतालजारोंकियोंमरोंबिषषाइकै कैसेजीयोंग्राजमोहि
कैसेभावैराजजैलोतापसीबिछोरिसीयल्पाऊंनउचारकै ८३ कवित ग्रैसोसोचुकरैकूज्योमन

हीमेघ्रमैस्त्रबमेघनादग्यारिवानकरीहैउपारकी बोलेखरदूखनत्रिमेंडुसंगरीनेकुंउकयोजारमारसो
ईवाततिनेनोजारकी पाछेनाकजोरिबेकेकाजपविहारसवेकेसेनरामबानकहेंसनिभाइकी
ग्रावेजापिनाकीतऊजारिहैनताकीदसमडुतैानहीहियदहिकाटीरघुरारकी ५४ कवित ग्रनि
हिगराजेकरईभाततनबनारबाजेखरदूखरादरामचंदहेखिकेदूत रनहीसेलरिबेकेकाजदम
ग्रायेभलेराजनकेराजातमराबनभयेभसे बाजरथबारनपदातकोऊनहीपऊबेढेनोगभेसमुस
काइबनमेधसे एकबानकसेहरलोकपकबसेपकजोनिसंकनमेलंकबसेतेघरबसे ५५ सवे
या बातसनीसबबोलिबडेभटियोरउपारकहेहास्तकरै उनलाखनमोहिपकापिस्याडुखिहेह
नीयोकिहिभांतभरो नगीयायहलंकमरीवबमैसोईहूमरगसोबनजाइचरो करभेसनपोधनकोक
नमांगिहोसीयहिकोयहिभांतहरो ५६ दोहरा भलीभलीकहिकाहिउठेमनमेसबपछितारि
राजराषिजोगीबनेनाचररूपकनारि ५७ सोरठा लरीधर्मकीबातजहांतपोधनपसुकीयो
काहेकीकुशरातमनपापीननतापसी ५८ दोहरा सनिविचारमंदोदरीबोलीवचनरिसात घ
रखरपलमेहतेनहांनादकोजात ५९ सवैया एकपरीदसकंधगदीनचरीसठकोग्रहग्रावचदी
हठिधरिजसीकमठीखपरीसमनोरिरहीनजुबाचकदी नददीरतिन्नायछदीनिनकोंनितनाचत

ह॰
ना॰
२८
28
श्री:

न॰

२८

मुकतिनदीसुहदी सुनिकंतकरीभगनीनकदीसो रामविराजतपंचवटी ४० सवैया हाथनि
नोरिनिवारसिरोधरनाथसुनौनौकरेशकबानौ राजनकेमुकटेमनरावनपावनरामसोकोनसो
नानौ देखडुकोनविचारसुजावलचौदहलोकउरैदिनरानौ बानपानननयोसुनीयेवटिकेहरि।
सोनलरैगजमातौ ४१ सवैया मरखनादहदसोसिरसोंसखीजानतहैदिनआवतदेहै लोचन।
वीसनसंकतिनाहिनहाथनबीसहथ्यारजतेहै शूनसूनभयोमचवाजितशंभसोकोनसेहान।
बटेहैं संसहैभजनैसकसोंपनयाहीनैजानतरामलरैहैं ४२ सवैया रूपअपावनरावननीचम
रीचसोंबातकहीसमुझाई हैदोऊबीरसरोवरतीरकुटीरविनेजतहांनसमाई नारिअनूपमहै।
तिहिसंगभरावडुआरसुसीसचढाई छांडिसयानपयानकरोजिनपानतजैतजपानपजाई ४३
सवैया जानीदेखानमरीचमहामुनिदेहतेबासकुरंगअवनीको रामसोंवैरकीयेसवखहैनलये
दसकंधकलंककोटीको उतरदेतउतारतहैसिरयोनरपैजेसेमीनथलीको सोनेकोदेहभईक
हहोततऊमृगमारदुकसिवलीको ४४ सवैया जानतवैनेनरिसानतवैनेठहरातवैनहिदेहुचित।
ई हेउतपातकीबातसहीमैपैरावनरामतेंगानउडाई नेमनकोंपछितातसुवैनजिलंकपतीग।
हुरामकेपाई ठाढोभयोमृगसोगलपोतिनकूदतफांदतचालदिखाई ४५ दोहरा फिरबोलीमे

श्री: दोहरीऊमत्तानीसबगात ज्यौंरोवैतमुरातकोनानतरावकीबात ५६ सोरठा ऊंभकरनबासिसैनन
मरानावसमोहके देवरकछुकहैनलंकपकगाहिरगाढी ५७ सोरठा जहूंचेतसंभारिपीयनीयबैननि
हं मनधरी पापबीनजिनजरिछारिद्विडहेलीबेससी ५८ सवैया बोलगयोशिवकोमननरेपतिताहीके
ना. संगसहागहमारो भलतबासरसोकुलकोअबतोभमकोजरमलउखारौ कौनभयोतपतेहिहनस
२९ कतजोंतरूऊपरतेंअपिपारो रेसठकेनरहेहहटकेनभलोअवरतेंपटरामबिसारो ५९ कवित रा
29 मसोंनबैरकरियापनीपसैनपरिमनिसोंनअरूबातकीजैननिदानकी अनहूंलोऊशरानभगनी.
कौधोरीबातनाककाटीकाटीपकहूंगरंअचानकी केतेबलीमारेखरदूखबरपछारेअबतहूंचलो
जोगीघरबातनसयानकी जाहिनेनमानेकंतकाहूकीबलाइजानेओरसबकीजोपकहरोजिन
जानकी ६० कवित नारिकौनमानीबातदिनहीसोंकहेरातबहोउतपातहोनहारचलोधारके
आपिबमोजोगीआगेकीनोहैमरीचसुनिदेखोकोविरामसगसोनेकोबनाइकै कहूंपातखानकहूंऊ
चेउकरानलंगरातकहूंकहूंआगेनीचेसोदेखाइकै कहूंचलैदोरिबैठिपाननिकीओरकहूंजानकी.
निहारिहूपरहीहेलभाइकै ६१ दोहरा जनकसुतामनमैकहैक्योंमसगपकसोजाइ कठिनक २९
ठनरकोटरैबिनरघुबीरसहाइ ६२ सोरठा कंचनमरगकेहेतहौंजाचौरघुनाथको जेबनसब

सखदेतम्रहजानतपरपीरकों १३ कवित कोनोसोईकामआगेआपपाछेरामबलिजाइकेविराम
औसोरूपदेखिजीजीयै लीनीगहिबांहिप्रभसौंत्यौंमसकाइहिसीताकहाचलैजाहिनाथनेऊकस्याक
जीये कंजनकीओटपातहाथनसोंरारिकहीबातमगकंचनकोनीकेदेखिलीजीयै हीनबालिहै
नातेमकेहरिकोभोनायहमांशकोछोनामखिलौनाकरिदीजीयै १४ कवित भयोचितभंगअंग
अंगमबकोपोजैसेशिवसंगमानोहमसरोअनंगहै मांगेबिनआनिदीनोपनखनिषंगताकोरंग
नपछानेजानेदूदहीमेरंगहै कहीरघुबीरतेसवेगदेखिमनैजिनभाजैसखआज्ञलेतरंगपीठितग
है कीनोदरखपंगुसनिजानकीऊरंगनैनीहोरनऊरंगपरबडोईऊरंगहै १५ सवैया सोचबडोजी
यमेनवपोमगकंचनमगकंचनकोनस्योजगसाई मोनवधोसीयप्राननतेअरुमेअबलोकवहै
नरूसाई वीरहिबोलिकह्योसखसोंदिनकारनहेवनमेअबनाई जानकीआनकीदेखतहीनऊ
छाडनहोतमरीसरनाई १६ सवैया आरसनेऊसनोप्रभकोशशिकेरथकोमगजारउघारो का
हेकोंनायकरैश्रमकोंतमयादिकहोछिनहीमहिमारो मोछलमोहिछलारचलैविनवाहिरेरनहि
हेपगधारो वीरमहीसीयमोहिकहीअबहोतमकोंकिहिभांतपचारो १७ सवैया कंचनकोमग
तोअबलौनविचारयोरुखकोफलहै विकलैकबडोरघुकेऊलकोकिनेमाचरकोवनमेछलहै

रा॰
ना॰
३६
30

किधौंरावनतेजवडौमनयावकनौदिसमापतिजलहै कहिरामचलेसोपछ्राडिकुटीपीयकोनक
छ्नीयकोवनुहै १८ इतिश्रीरामगीतावनकोआरवोनामत्रितीयोध्यायः १ सवैया लेकरतीरश
रासनश्रीरघुवीरचलेसीपवोलयरेहैं फांदतखेततिलैनिकसोतिनहूंमुनिपकविनोदकरैहै
पौनमिलैनवपकहीवानगिरात्तयोवनपानपरेहै मानकोनामहगेहेनहरेतलानोरिपथारिवन ।
इथरेहैं १ कवित गिसोकहिवामनामलछनकौपुकारिलीनौवारवारमुखसोसनेयोमयुचावकी
मगहीकेहेतमनुनैनकानपकतानसावधानगहेौउनेंदरहीध्यानजानकी वहैउनपानरामगान
कौनऊसरानतनाकौफललागपावानकरीनसधानकौ लोटेयरमीजैकरनानविधिपीरहरप्राण
क्यौंनेलतरेहलागतगिलानकौ २ कवित वोलिलछमनजूसोकहीसभवातसोधनाहूसुव
वीरसुधिलेहुवीरयीरकी सोकनजिमानमेसाकौनतीनलोकमाहिदेहीकरिभौंहूजोरदेखेर
घुवीरकी धाकशिवसेषसिंधचंद्रमाविरिंचजमनरपतिसवैरजनजाकेपगनीरकी मारिम
गकेंचनकौमैहैंमृगराजरामकाहेकोंहैहोनसफरीविनाहीनीरकी १ सवैया धूनकसौरघु
नाथविनातनतेंमोहिवातनहीसमझावै वैपदकेविनानिरखेवरीचारभईकहिकौकलिय ।
वै हैरहमीतिसहीप्रभसोंतिनिताहीतेजानकीतोहिपठावै लैकरिवाननिषंगकसोकै

रिहसिहीनेपगकोंसिरनावै ४ सवैया एककिवारकीयोमननमैसीयकेहृदैतेंप्रभपैअबधाऊं है
वनमांहिनिशाचरकेमातनकेबोलनकोंउलटाऊं देखकरीचहूंचहूंओरकसोसबनियामजपाउनदै
ऊंसुगाऊं जोविधिलौपहवीचिपरेजेरिझाउंडैतूनकीतरताऊं ५ सवैया योंकहिकेसोईजात
भयोसुनिहूंटतरामचरीऊनपायो मोलगरावनहेजगोयासीयकेदिगगोरषनाथजगायो जा
नियतीनभरेकरनेंउलेखतेंबाहरियाउननायो सोनचहैंविनभीषचलोकहिदानवेंपांअव
लौनहिखायो ६ सवैया राजकरौतुमभषलगेहमखपरओरकेआगेधरेंगे भामनिभीषवंधी
किहिकामसतोहिनजेहमहूनमरेंगे जानतहोंजीयमेसुनिसंदरितोसंगरामनआयलरेंगे
योसुनिकेकोउभीषबिनागयोतोदिनभोजननहूंनकरेंगे ७ सवैया योंउरपाइपिशाचकहैंवि
धनाननमेंडकलंकदीयो रघुबीरहिजोविचलेनजितेउलतादिनहैकिहूकामजीयो अबयोंव
लिहैजगमेंपहबाननहेबरामनबीरबीयो नबयोंपचिनासीयएकयतीनहिभीखदईनस
मोधकीयो ८ कवित देखबाडिजाऊंतोडराऊंलछुमनजीतेंभीषबिनकोनेभीषमीचहलनपा
वती कोऊमंदभागीयहरामकेनआगेआयोदरसनपावतोहौंदेननसंकावती जोडिमेटदे
ऊफिरडींडिहौंमिलायलेऊहैहैबानसोईमगवेननकेभावती देखोकविरामकोनकोसंक

जान

इ॰
ना॰
३१
31

हैयहहंगीउरेहींमैबोलिकैजंजीरनतुकावती ॥ ९ ॥ सवैया तोहींलीग्रारसबोलिउठोनमग्रायसदेहक
छूनहमारे हौउठिजाउकहावसहैउपजीनदयाजीयमाहिंनमारे डीठिमिटावनहीमनसेदीसिरस
सीगिभहैनभनारे येंनहिंजाननसोसठरावनमांगनभीषकिमीचुपकारे ॥ १० ॥ सवैया ताहीकेह
नलईकरीभीषदईनजिकूलनिकीनवलासी बोलकयोग्रबबीरनपोपनलैजबलोनहिरामबि-
लासी ग्रागपोदिगहीकपटीजीयमानहूफूलकनेरविलासी डीठिमिटीपगसोंजबहींनबराह
गहीमानोचंदकलासी ॥ ११ ॥ सवैया डीठिकटीकिधोंग्राउदसाननकैशिक्बोलजंजीरछुटी कवि
रामकिधोंकहिराघवकेसखकेसरकीननुपालफुटी किधोंदेवनकोदुखफासडुनीसीयकेपग
लागनरावकनटी मानोरावनराहमयंककलाकरिफेरनमोंपरवाफपटी ॥ १२ ॥ इतिश्रीरामगीतेसी
ताहरननामचतुर्थोग्रंकः ४ सवैया हाथगहिलीनोनाजभीषकोसुडारिदीनोग्रैसोकामकीनो
जैसेकोऊनाकरतहै हाररचुबीररनधीरपरपीरहूग्राजनैबिरहमूढभूमिमैपरतहै हाइलछि
मनमेरीदिगतेकैंनाइहाइहाइकरिजानकीपुकारिसोंजरतहै डीठिनेबिछोरीरामछाउसग
धोरीबातजगीघाग्रधोरीमोहिजोरीमैपरतहै ॥ १ ॥ कवित हातदेसहाविरंचलछमरवससीगनेस ३१
नावनदिनेसहंकोबोलोकछुपानहै सातुकेहाजानकीसकाहेनेछडावैदेवरामकविकामग्र ॥

जउनदीकोहोतहै लैउल्योलंकेसनजननाथसीकोभेषभनिवीसदससीसकारिबोल्योऊलगोनहै
बिदाभयोभागग्यौमेंदोहरीसुहागकय्योरामरामराज्वयुबतेरोनउदोतहै २ दोहरा इहिबिधिसीयरा
वनहरीरामहहेमगधान बहुतसुखीअति१ कहुवीकथाग्यानकोग्यान ३ सोरठा पोंजाननस
बकोइयहमगतनजिसरामगगयो जनकसुतानांहिहोइमनकूमीचलैनभउल्यो ४ सवैया उनमा
तिऊरंगहिरामफिरेबनतेंचरकोसंगबीरलये पिनरावनयानिकूरंगकीयोहरीचारिमेयसीयचो
रीगये सोईहरिहीतेनहिंसीडिपरीजहजोवनतेंहीमननेनदये नहिंग्यायघरहेपछितानाइदोऊनहरोष
करीपगसोहरये ५ कवित जानकीनपाईरोइउठेरघुराईकोहिवीरहिसनाईआईबातपानअंतकी
खोइकेनवारसुकुमारकहेंबारबारफूलीबेलिकोऊगजलेगयोबसंतकी देखबनहारिपेडके
सकपुकारिफिरेमानोमनगईफलिबासकयुनेनकी देखोतीनठौरथामपाछेबोलिउठेरामवो
योछोरदेखीभावेदेहसीयकेनकी ६ कवित जानकीनपाईरोइउठेरघुराईकहि वेनीसेसनागम
खोरहनीसुहागरोऊलोचनकुरंगभौंहभेंगइलदेगये कोकलासबैनअरुचालगजराजमृग
राजकटियराजकरकंजनमेंरैगये कदलीसुजंघअंगजोतिकोअनंगहंसपाइनकोपाइमेरेपा
लेकरिजैगये कहेंरघुराईछविजानकीजुराईसोईजानकीकोमारिभाईतेईबांटिलेगये ७ कवि

रा॰
ना॰
३२
3

त हैगयेनिगसग्रासगईसिंधुपारनजिपानकेअवासहुखमनोरोहबीरके चकवाचकोरनिकुरंगनिसिं
चमोरनिकोंबहैंसीपसोपबहैंरूषपंखनीरके छुवेंजलजातनजलजातमलातनीरगातलागेबात
जैसेलतानेरनकननीरके लोचनजुचातननारीसधानअपरमाहीअंगनाबिनाहीजैसेअंगारखुवी
रके ८ सवैया चमिलाइलगाइनचंदनकोंतरूनेनछुअइफणीमनकों अरुबीरउसीरहुहूति
करोनबुझेंइखपावककोकनकों नलनीरलपातसोंबातनकोयेउनपातबडोभभजीमनकों [illegible]
निआगबढीउपजीनबुझेंनरगादारदेरूकसमीरनकों ९ सवैया श्रीरघुबीरअधीरनीयाबिनती
रभरैअंजुरीअसगोवै बीरदईबहूभांतनधीरनधीरवहैपुहमीनननजोवै केपहिलेउरजातिवियोगस
हेकचबीचनहारसमोवै कोंअबपारसीयाबिनअीपनिवारसीयापतिसीयाबिनसोवै १० सवै
या अविवेकसरामकोयोनविवेकबिसररघुनाथहिलानदीया नजिसंपतिदेपतिपकहीवरअ
वासनजेबनबासलीया जिनिकेनिसबासरकेमिलेबीहतराष्योहूतोबिनहारहीया अहिभांन
वियोगरीयेयोबिधआपसवारसीयापतिपारसीया ११ सवैया आकुलशेलतहेवनबीथनबकुं
नलोगनिरामसंदेसा चंपकचंदनतालतमालनिआलनिसोंगिरबुफतजैसा कुंजरकुंजनकदं ३२
बकुरंगनअंगनकोकलकेरभरेसा जानकीहायनलागनरामकेहायसोंहायमरोरतकैसा ॥

कवित रोवमृगकहैमृगनैनीसोंपकहांचंद्रमुखीचंदहैरौलिकहैमानोमनिबाउरी गावेबनगौनक
रिषूपछ्यादिपेनहछिपारथारहैछोगिरकूपसरबाउरी सराखीलवेतहैअनेनतमगेवतमनोकीनोहैऊ
रंगहरवेकहरकीबाउरी कैनोवहराजकोसमाजरघुराजतबेवैसीबाउहूतीअबवैसीबहीबाउरी
११ कवित परोलछमनतोहिबूझतहोंबारबारदेखिसीयगईकैसीबातभईजानकी आहुटनपाये
पगरेवाजनचलापोहमभारीम्हलगयेअबकोमिलावैजानकी कौनेहिरलीनीमारिडारीकहा
कीनीकाहूबानऐसीकीनीहैअजानकीकिजानकी कासोंइरतकेहांगहोंकोनकीशरणआज
भलोहैमरनबानजीपेतेनजानकी १४ कवित बिरहीबिहालमनजनककलनाकेउखनकौन
नीटपैरंजागचारेंजामके भोजनबिसारजीयजप्योकरैनामसीयऊगीरहेदेहमानोदुखीबडेघाम
के नाहिनिजकातसोऊरूपपानजानजरिबानकहैकोनऐसेहाथलागेकामके देखतबरा
ऊआपरेवनरूवाऊंनहांजरैगासझाऊंजहांपैरपारामके १५ सवैया जानकीकोहरीकाननन
टेरिगयेसरतीरत्रिषाजलकी कहिकेंकननैऊभयेरगसोतलसंपतिदेखिरनोपलकी अलिको
सगयेअबपदिननाथनईछुबितोनलनीदलकी मानोसाईबियोगपरेमुरछारइलीमुखिमेलि
हलाहलकी १६ सवैया दीपबिहीनपरेहुरवसेनकहूंकनसोनवराहनकारो देहछुरेनहिनी

दनदैनिकुदैनिसदैंग्रसगाढ्यौंथारो नारिबियोगनदोनमहापकग्रेसेमैंशरदनकामनवारो मंदेई लो
वनजानकीकोमलदीसनमोहिमथंकउनारो ॥१७॥ सवैया रोवनतेननिनीरगयोजरिओरसमीरउ
सानलेते मासऊमाससनमासकनेसबतेसगयोसीयकेबिछुरेते जानकीनामप्रकामतत्रारतबो॰
लयकेसनीयेनकरेते सोरघुबीरहीपोसनिबीमबडेभ्रमकेभयोवनहीयेते ॥१८॥ सवैया कंचन
कोम्रगवेदप्रानलिख्योनकहूंनबिरंच्यसवासो नाहीकेदेनचल्योनजिनारिसमेमनिहीनकछू
नबिचास्यो याहीतेकेकरिमानकरीसबनीनसदैंचरनेबनरास्यो राजकीलाइकदेनमहानउ
योकहिकैरघुनाथप्रकास्यो ॥१९॥ दोहरा मोहनतापनवसिकरनउदमादनउच्चाट पांचबानम
न्मथकेबिरहनतनगयेकाट ॥२०॥ सवैया कामचलायदयेशरपांचसपावनलोतनमोहिगयेउ
रे तेसीयकीबिरहागिनिमैंजरमोमनसोसबग्रायुधतेरे हैबिपरीतभयेबिनबाननिरेबिरहाग्र॰
बनाहिनबेरे ओरसखीजगहीइबडेजनसमहमनोजउखोइकमेरे ॥२१॥ कबित जानकीबिरह
आगिचहूंओरउठीजागिकहांजाउभागिचकेसेरहीजीयबडोइचिनाईहै तापरसूरनओरफूक ११
निरवारैकोनपाऊंनसंदेसजलयहैकठनाईहै देहजरीजानश्रवजीवतहौंकोईघीपतेपर॰
बानसोकमानतैंचढाईहै कहोरघुराईइखदाईरतनाईकूरमारेपरमारिबोनसूरकीबडाईहै ॥

हं॰ ना॰ ११
23

सवैया जादिनसिंधुमथेनिकसोसवनोदिननेकऊचश्रीकहिकोदी गहिगिल्योउगल्योफिरिवा।
रिकलेकसंभारजगावनमोही थाजऊवंडचवसपकरोमनलेउसमीछिनमेयवनोही हैन
कछुबसरामकयोजोतंजानकोकीमलखखारनदोही २३ सवैया दारकरैनभमंप्रजरैनर
रैप्रभमोचकीयेमलदेखे औरचकोरअंगारचुगैजीयसीनलजानिसुधाहीकेपेखे मानहु।
औरपीयोविषकंजनिवडतनैहुजलयाहिपरेखे नामसुधाकरलोगकहैकविरामकहैतुमकै
नेसालेखै २४ सवैया चंदनसोलपटाइरहीअहिमालकीजालनिसंकटयोहै पौनप्रचंडफ।
णीउरतैजबहूनिकसोनबगैलगयोहै वारिसुधाभ्रमतात्सणदैविषवारिभुजंगमदेसरयोहै
वीरपटीरसमोउसीरहिनीरहिसीतनलकैनकयोहै २५ सवैया सिंधुमथ्योजडनंनिकसोवड
वानलदाहकोदानपठायो कैशिवकंठहलाहलहैतिनखैंचिसुधासमश्रापवनायो श्रीरघु
वीरकयोसुनिवीरतेवाफिससीकिधौराहडरायो नाउसुधाधरहैविषकोहरमायविरंचजुक
लंकलगायो २६ सवैया पविललानाफिरैयहभांनसुहाननहीकछुषानननपानी रावनके
संगजातउतैअतिजानकीरामकहैविलषानी सोवहनामसुमोखगराजजटाउउभौजीयमे
यहूयानी मारिफिरौंकिकरौंप्रभकारजकैजसलैदेउदेहपरानी २७ सवैया हरहीनेरस।

श्री:

कंपकहैंघटकौनवडोरुठाननहै हरिवाहनहैशिवकोलननहैसनिहोइसमोहिपह्यानतहै गिरजा
ननहैकनकाचलहैविपलोवलकोजगजाननहै सबमोहिकछुसमजोनपरैभाईकाहेकोकालप
लाननहै २० सवैया नोरीलोआइसनारकयोधिगतोननकोमनकोपगीयाको तापरमोहिजरा
वनहैआहिआधिदिघाइजराइदीयाको हेगरुडासनरामकोसेवकरैछलकेकोउसेननीयाको कै
तजिदेहकिरावसनेहकिनंदनमाडिछादिसीयाको २१ सवैया जोलगरावनवानकहैफिरतोल.
गिकोपहीचेनसमानो तोरिपुजारथकोपथमेमुखचोंचसोंचोविभजालपटानो जानतहैारससी
सकहीघटचाहतमीचजटाउपुरानो हैनभलीअबजाहिरहीपतिसिंधुसुनाकरषानलजानो २२
सवैया चौचचपेटनिरावनकेअंगपाइनकेनषघाइनभांडे औरकहीमुखकोबडैनैसनिआजन
देसखसंपतिहोडे हारिपरेहीडारिदयोसुनेोआपगिरयोरिपुकेलगेघांडे घाउलगेरघुराइकेकाज.
नटाउकोआउघटीरनमांडे २३ सवैया सीयहरेदसकंधचल्योमगगीधमिल्योसुसनेमुखनसो ले
कपनीगहिवानविषेपरऐचऊवेउआरेपरिहैसो ज्यहुमरोजगजामकरोनवहाधरिपरयोकहिराम
सहैसो लछकघाउलगेपरतछकपछगेयपरपछनछुटेसो २४ सवैया रावलईनदसाननतेसी
यमेजीयतेसभयोरथकोनो औरनिसंगगयोवलैोफिरसोधुकयोनवडोजसलीनो औरराहीसब

र: ना: २८

३८

४४

रामकोरूपनिहारिनैनैननकोंसुखदीनो भागविहीननराऊकोदेहहुदैनहुदैमनकोदुखदीनो ३३
सवैया श्रीरघुवीरअधीरकोपीरविचारनहींवनसाधनआये नीरभरेदृगजानकीकेदुखओरविदे-
गनिहारिवहाये बूझिरहेनकहैसुखनैंकहुनैनकीसैननहीसमुझाये मंद्रधुनैनभएरघिनैनेनि
नदेहकेचाउजराउदिखाये १३ दोहा नवरघुपतिखगपतीसोंबोलेमनथरिशोक स्वामिधर्मजस
लैचलेरननकेपरलोक १४ सोरठा अवहीजेइकबातमोंगतहमपैजोरिकर सरपतिगुरहैनात
निनदिहरनसीयजिनकरो १५ सवैया गीधचलेजसलोकसवारिअवैपरलोकधस्योइरहैगो है
रह्योचुपकेनवलोपिनवातसवैदुखदेहदहैगो जोलगिमिफिऊटुंबसमेतउसासनिसोशिवलोक
रहैगो सीयकोल्यावनजीविनरावननातसोंबातनलैहैगो १६ सवैया दादजराउकोदेदोऊवीरघ
सेवनमोमनसोकभरे सीयकेविछुरेननकेसरवजेसबसूकगयेदुलहोनदरे जेहरीछलंगरखवेइक
पिहैगिरकंदरअंदरजाइपरे तहफूलकेवागमैभागभरेअनुरागरंगेहनुमानघरे १७ कवित्त दे
रूथरेमानोरतिकेतसंगलैवसंतडोलनअकेलेवलिनैयोश्रेसीचालके कियोंपेरैशरनअनंतक
विरामकहिकियोंराजहंसकुटैमानसरनालके तापसीकेभसकीयेरामरूपवंनकियोंमकतफ
लदोऊटूटैपुष्पतरुडालके दूरहीतेदेखिकयोअंजनीकेशनसवनकोंकेकिकालवलीवालके

हूराजा

ह॰ ना॰ ३५
35

कवित्त लछमनसंगलूकेकमलकरंवकहूंदेषीसीयकाननितरकुलीकनककी चंदमुखीपिकबै-
नीसुंदरऊरंगनैनीकदलीसीजंघकरिकेहूरनककी श्रीफलउरोजहैंमनोजत्रियवारोंछविदेह
ऋहिकेशभौंहऊपमाधनककी केतकीचंबेलीगाबुबेलहैरकेलीकोऊसेगनसहेलीदेखीजानकी
जनककी ४॰ कवित्त बनकेऊरंगतैंमहाऊरंगकीनोअबकहासुखदैनीसीयकहूंसोयआरदे का
रेपिकबैनीकहूंपिकबैनीहूंकोसथिकंजमुखीखंजनरीटनैनकोंबतारदै श्रेसेरागनहूंसहेसगावनीगवन
कीनोपैनआगबासनैकहूनहूपठारदै चंपकबरनकहूंदेखीसुनीचंपककदंबनआनजुसूबजानकी
बतारदै ४१ दोहा देखतबनदहिबिधदुखीमतिगतितनेमनग्यान बिकलबचनसुनिरामकेबो
लेश्रीहनुमान ४२ सोरठा कितकदिवसदुहभमसकौंनबसपगटेरोऊ केतमबरनसरेसनाविबियो
गीबनाफिरो ४३ सवैया सूरजनेरघुबेसकहेंजगतांऊलमोपुरश्रौपरदारहो रामहेनामपितापठये
बनराजधर्योलछुबीरकीबांहो कानमेंतीयसंगहुतीसहुरीकिनहूंदमपोबिललारो बातऊन ।
सकहीतमसोंयकमोहिकबूकरहीसथिनारी ४४ कवित्त पाछेलछमनकहीबातसमुफाइस ३५
बप्रीरामशिवसनकादिमिलगायेहैं पौरखुनाथतीनोलोकनिकेनायकपिछोरनिथिजाचेविपिनै
नेछितिआयेहैं सरनकेसरेपऊरनहैरामचंदमारेअंधकारआरिकेरापठायेहैं नारिकानिपाती।

खरदूखरकेघातीअबरावनकीछातीकोंचरनचपलायेहैं ४५ सवैया हमनोअपनीबातकहीन
मसोंनमहूंहमसोंनकहो कपिकोंसकुचातडरातसेहोकिहकारननेंयहभांतरहो मेरोनाउहनूः
कपिराजसुग्रीवहिंआनिमिलाऊंजोबाहुगहो निजबीरहिनारलईतीयराजगरीबनवाजहेंला·
जवहो ४६ सवैया देखतश्रीरघुबीरकोरूपबनीकछुप्रीतिहनूनीयऐसी पंकजभोरनिज्यों
चनमोरनिचंदचकोरनिहूंनहिंवैसी कामबसेंनहिंभमित्रनेंनहिंकेंनहिंनारपतिब्रततैसी पा
इगहेरघुराइकेपाइउठाइकेअंकभरेबिधिजैसी ४७ सवैया आपमिलेबहुभांतिहनूपुनिरामहिं
आनिसुग्रीवमिलाये नारिबियोगबडोदुहूंओरकहेंहितकेबहुनेंपछुताये बालीकोंमीचक·
हीरघुबीरहिंछेदनकोंतरूसातबताये भलिगयोअपनोदुखतोछिनबानरकेदुखनेनबहाये ४८
सवैया श्रीरघुबीरकह्योसबसोंहमसीयकेंसोधुकहूंनहिंपायो ढूंढिफिरेगिरिकाननबेहरताडुख
भोजनहूंबिसरायो गीधजटाउकहीबिनबैननिसैननिसोंनभओरखनायो योंसमोहनुमानउ·
ठोकरजोरिहोऊंसिरनायसुनायो ४९ सवैया एकनईनिधिबारकेवारबडीसुकुमारउसासडुखा
री संगनिशाचरकेअंगयोंमुखराहमनोससिकोउजिआरी भूषनडारतरामहुकारनआसमेंमोगि
विदारनभारी एवतीयोंसुनिकेकपिकोरघुनायकहीवहूनारहमारी ५० सवैया कंकनकंडल

श्री:

ह॰

ना॰

३६

36

सीकसवेसरकंठसिरीमउकंचनभीने सोदुलरीक्षिरफूलवरकोरकिंकिनिन्परफोजनवीने पार॰
लउरिउनायलसींकहुनेहनूमानसकोनवीने भूतलजारिचलोसीयनेमद्दिभूषनकोतेईभूषनदी
ने ५॰ सवैया देविविधिबाइकीपोरतुवीरलगाइलयेछतियांपछिनाही वारिभेरहगपोछविदेमनोमी॰
नसरोवरमैफलकाही जानकीअंगनतेविछुरेमानोमकभयेकदियोविलषाही वीरविचारकही
नमहूसीयकेपरईभूषनदोरकिनाही ५१ कवित जानकीकोमुखनविलोकोतातेकुंडलनिजानत
नवीरपाइछुवोरघुराइके हाथजोनिहारेनेनफूटीयोहमारेतातेकेकननेदेखिभोलकहोसतभाइके
पाइनकेपरिवेकोजातेदासलछमनयातेपहिचानतहेंभूषनजेपाइके विछुवादैपईओरफोकनहै
पईजगनूपरहैतेईरामजानततराइके ५२ दोहरा नारिविरहदोऊदुखीउतकपिहनरघुवीर बिन
उपाइउरवकोंटरैअरिमारनरनधीर ५३ सोरठा भूतलबालपछारि समतालभेदनकहो कपिप
तिमिलावहुनारिहनूमानसाचीकहै ५४ कवित दीनेदुखभारेपहवालमारडारेसवसातेहीसंघारे
हाथलागेरिपुआपके रानछीनलीनोविननारिकपिराजकीनोचामकेचलायेरामविनातोलनाप
के सोईकामकीजेनाहिमारिसुखदीजेजसलीजेबलिजयेअवचरनप्रतापके आवतमरोसो॰ ३६
पभकहापढेतोसोहनुमानकहैजानतहोवीमेदिनपापके ५५ कवित पाछेसीयसापकोप

द्धो रहन वंतन नल नील जामवंत बोल कीनो न छंद मको यहि भ्रम सुग्रीव हिग पाइन के ठाढो राम राज
हूनो बानर अठारह पदम को एक दिन बाली या सो जीते न कपाली यह अग्रे सुग्रे सम माली को दल
रहजमको सोई मारि लीजे या सों राज पाहि दीजे अग्रज एवरे भरो सेना सों करे एक जाम को ५८ कवि
त है गये क्रिपाल सुने बचन रसाल चले सात ताल भेदन सुग्रीव हिल वारके कोप हूं बिचारी कपिमा
रिलाई ना रिकि पेंज क्रिम रों राम अग्रे ग ज्ञने चार धाइके कयो रघुवीर तुम दोउ कपि एक रूप कैसे
पहिचानों ताकों के समारों पाइके दीको कीनो भाल गरे लाल फूल माल कयो जीति अरि पो हिया हो
पल का बिल्हाइके ५० कवित कहो लछमन बान सातन कों सुनि बीर यो लोक छूना हीर रघुवीर जी के
बल मे एक हीजे बान एके बार सातो ताल वे थे नै ऊ चुकि गयें तेई मारे ना हिपल में राम मुसकाने
समाचार मैन जाने अब बुचन बिकाने जग जी बोई सहल में नीर का दित बही पन्नग षम सुख दीनो तहां
जाइ निज काने चाल परी बाल दल में ५१ सवैया जो रिघराज के पाइन सो मनु एक जंभोर की रीति ब
साधो सीय बिना सपने पर नारहि जो अपनो मुख में न दिषायो श्रो रस हो मस गुनें दन को फिर जो बह री
रोष को बोल सुनायो तोय हबान पताल यसो इन तालनि भेद सबें बिचलायो ५१ कवित सातो
सिंधु सातो लोक सातो रिषहें ससोक सातो रविवार येग्यारे देखे न डरात में सातो दीप सातो ईत कांप्यो

हृ॰ ना॰ १॰ 37

ईकरनग्रौरसातोमनरातदिनध्यानहैनगातमैं सातोदीपजीववरराइउदैवारवारसातोसरहारहारहो
तदिनरातमैं सैतहूंपनालकालसबदकरालरामभेदैसाततालपरीचालसातसातमै ९ कवित
फूलेकपिराइउरग्रानदनसमाररघुराइपाइलुवेकरजोरिसिरनायोहै बोल्योहनुमानयेईबालीके
निदानकालजानतसुग्रीवप्रानग्रानदीतैंपायोहै चोकोउतबालीग्रैसमालीकिकपालीकोऊ
लोकपालीभमिरनदेषिबेकोंग्रायोहै हतकहोबानजरामैंउद्धारगानग्रैसेबीरन्नगसेगजोरखी
राहैजनायोहै १० सवैया तालभिदमनचालपरीग्रबजानतकालकीबातनजीकी ग्रौरजिते
भटहैसभयसबकेमुखकीछबिदेखतफीकी भेटिचल्योमतभौनभंडाररहिदेखतहीभुजसीयपती
की बालीकहैग्रबकेरनमैंग्रपनीकछुबातनदेखततीकी ११ सवैया ग्रानिगहोनिजबीरबली
रिसजाइकहाग्रबतोहिपछारो तेरनकेबलकूदतहैयेईग्रारलरोइनतेनहिहारो बीरनजेरघु
बीरकहीग्रबमारिसुग्रीवहौंतोहिपचारो हीनभयोबलडोलिउठ्योग्रबहौंइहभातनिरामसेभा
रो १२ सवैया रहीनैंदोऊबीरनकोंरनदेखतबीरसुग्रीवकोदारा ग्रौरघुनाथकोसाथनिहारि १०
केवारनकंकनऊरलहारा ग्राजहीतैंपतिसोंरतिहैइनतेंउनफूलतडोलततारा जोसखीबालीका
जीतसुनोनिजध्यानकरौंनबग्रागकोपारा १३ कवित बीरहिनिकारिदीनोमोहिग्रौनलीनोर

ननीतिरीतिछाडिसबकरीजोअनीतहै मदतेंविसारिरामनपैजैसेजेठबामकीनोअभिमानवेदवूडे.
ऐसीवीनहै तोरहीपरमवातबडेऊनपातआजपापीवालीजीनेसखीवडीविपरीतहै देखोहाइ.
हाइरघुराइसेसहाइपतिआजजीनजीतिहैतौकबहूंनजीतहै ९६ सवैया तोलगिश्रीरघुबीरसु
ग्रीवकोपक्षकरयोप्रतिपक्षसंघारयो ज्योंलछितियाचरिकूदतहोसोईएकहीबानधरापरिडारयो पो
नचलेज्योंप्रचंडबडोकदलीतरुकूलसमूलउखारयो जीतउनायलसोंइकबानरूपकपसोरनवार
लहारयो ९७ सोरठा इहिविधिनीतिसुग्रीवरघुपतिचरनप्रतापतें करीपरमदुखसीवराभराजव.
सिसुखलह्यो ९८ सोरठा कोपपतिकामुसवारिवालीअधमसकतपरयो तबनाहीकीनारिरघु
पतिसोंबिनतीकरै ९९ सवैया बालबडोबलवंतबलायल्योमारिकरीमतकतांहनलेही मास.
केकाजमवासमरगावलचेरिहनीमितिमारुतजेही केहरकौहतितोलिभजाबलराजअनीतिब
डीअबपही बानरहहिंतिहीगनतीबिनतीकरैबालकीबालसनेही १० सवैया जौयहकाम
हतोसुनिराखवचारतदेतमरावतमारयो आगेहीकोंनकहीसमझायनैंबालसोबानरमारिबि
डारयो देखिलयोनभजावलबाहकोनैकुबलीनमहेहूनपचारयो नाहीकेजीतिबेकोंहूनबालक
औरसुग्रीवसोभीरुविचारयो १ कवित जानकीकोल्याइप्रभपारनिमिलाइलंकराइसोंतिहारोहे

हं॰
ना॰
१८
38

तनेकहूं ननतोरत्तो आपहूं नजानतोसिंधुपारसोंन नातोजैसेबानसनैनन मेभेदिभेदिदैनिदोरत्तो और
जोतिह्वारेजोयमारिवेकोहोनोविसपकहाथदेसजलनिधिमाहिबोरत्तो बेसुबंसमालीरामप्रीन.
कोंनपालीनाहूबालीनोंकेमारबेकोंसेनाऊनजोरत्तो ७२ कवित दारिदउशपवेकोंपारसप्रगरजें
सेपारदमारबेकोंसिद्धबुटीबाद्धके जैसेप्रहिराजनकोआजुखगराजगजराजकोंकुरंगराजबेरवि
छाहके सिंधुकेकुसतजेसेवटकतनेसोहूनोकेसेममफाऊंलेतलेतरोमरोमहाहूके करोंनबरा
ईरामसवरीदुहाईनेसेरावनकेमारबेकोहाथहूनोनाहके ७३ सवैया कवित नारिकेछिनायेना.
रिनेऊननबायेनाथरनकोलिसीकोदेसदेसरोईयतहै भानिभाजिगयोरनसामुहेनभयोमानोला.
जैबिचिषाईअरुजीबोजोईयतहै तमजबपायेनबदोचदायल्यायेरामन्याउनेऊकीजेबीयोंबिगोई
यतहै भलीननुमोकीबातपककहोसोकोबुरीभयाहूंसोंजोकीनाकीचोकीसोईयतहै ७४ स
वैया काहेकोंछाडिदयोनबरावनरेपतिकोंनबदीनबिचारयो नातफिसालीयेसानसमुद्रनि
भलिगयोचरआइसंभारयो अंगदकेपलनारूरूपाकरिबांधिकरैदिनलातनमारयो ताहीकेहै
नभलेरघुबीरबिनाअपरापहिबालसंघारयो ७५ सवैया जीवतहोजगमेजससोबलसोंपतिपो
रषसरिरसोहो हारिभईनकहूंरनमैंभजिकेनहिओरकोसंगगयोहो नारिनबंदकरीकबहूंगि.

२
१८

रिकाननराजमरानिबयोहो जोबिधियेसखतोहिदयेतेसेरामकेहाथनेकालकयोहो ७५ सवैया जी
वनहोयहतोकसखीरनजोकिअबैसरगये पतिदेहछुटैनरहेबिधिलोउनिलाभकोतमरामहये बि
परीतबडोहमकोसुनिनाहकेपाइनसंगनप्रानदये अबअंगदहूतसमेतसनाहकोढ्हाहिबिनायरयीन
भेप ७६ सोरठा अबहोंचल्योअकासप्रानकह्योकपिराइसों ढ्ढ्योजनसबमपाससुनितासोंखिजिक
पिकहै ७७ कवित नारिछडाइदयोदुखमोहितेंबानरकेंतबहीनबिचास्यो बालीसोंप्रानचस्यो।
कहिबातमिल्योनहिरामहिहोंनउबास्यो नाहिनहीमुहिअोरबडोदुखदेखहुरावनन्याउसंभास्यो बी
रकृतेहनुमानहूतेनलनीलहुतेयरिमोहिनिहास्यो ७८ सवैया बालसंघारिबलीअसुरारिकुङाइ।
लैनारिदईकपिराजे आनिसबैभटपाइपरैतिनमांथ्योसिंघासनरामबिराजे अंगदकोफिरियापित।
हीबनराजदयोभरिनैननैलाजे बेरुछुराइमिलाइसुग्रीवहिबोलिउठेरघुबीरसदाजे ७९ सवैया अ
पकहानिजदेसनरेसकहाप्रभकोंबनबासपठावै कोंरससीसहहैसीयकोंकहूकंचनकोमृगहेरुनि
धावै कोंसतपोनसोंप्रीतबनैरघुबीरपाइसुग्रीवमिलावै बालीमरैकपिराजकरैअसोरामबिनाबि
धिकोनबनावै ८० सवैया इतरामसुग्रीवसमीरकेपूतनहिमोदबढ्योनितनेहहनो उतलैपङ्यो
सीयकोदसकंधधस्योगढलंककनिसंकभयो रिषिगोतमकोपुकसोपहिलेतिनरावनकोरकअ।

रा॰ ना॰ ३८
39

परयो बलसोंपर नारिभनै जबदीतनक्काउडेकहिकैमगयो ८० सवैया सोईनाउरनेंदरथपेजीय मैनमकेक्छुरसोबलसोंवूबदी जबकामकोभाउथरैमननैनबअंगजरैरनएजैपानबदी सीयराम॰ बिनाशिवपाऊनपूजनसोजगजानतहैसबदी जैसेगंगचलीपथिसरबकोंफिरिपछुमकेंभनब हीकबदी ८१ सवैया राजसमाजविराजिरहैसबसीयगावननोबडूभांननिहारी भूषनभौनभेजा रनलैपरिपारररह्योतिनहीठिनजेभो जेअपनेपीयहूपरचीकविरामतिनोरविकोछबिथारी छा डिससीकबहूंनहुसीऊमदीसरसोपरसीनकचोरी ८२ कवित सरहूंनहेरीऐसीरानीसबमेरी॰ सखिनितेतोतेरीचेरीसबआनदीकरनहैं देवनकीबेटीपटरूपहूंलपेटीरतिलेरीजिनैदेखीमाथेति नकेधरतहैं जानकीसयानीतैतोमहिमाननजानीकछुआपनीबिरानीतोतेअधिकैजरतहैं ईस सीसचढेपुनिलेअसीसबदेदोषतेर्इदससीसनसोपारनिपरतहैं ८३ कवित नेसेअंथरूपबि नगांठिपनजूपकीमेंहीनरानआसहैनकूपनलपानकी मककैसेगानबिनरूपचापबान बिनकानबहूहेरकोंआसहेनरागतानकी चातिकमेंकानिककेमेघतेंनिरासहोनजाचकनअ नआसहूपनेकदानकी कैलोसमजाऊंतोहिकहालोबनाऊंऐसीकाडिरामआसराजाजनककी जानकी ८४ सवैया नेगरलेकबसीसभिजानकीजोहिनिसंकहैदेवनदेखे मोइरतेंडरपेसर॰

३८

राजनसोवतनैननलगाइनमेलैवे सेरससींजमश्रोरसमीरनपीवतनीरविनापगावेलैवे सोवतयोरस
बैजुबपत्नवारामकहोनपसीकिहलेलैवे ८७ सवैया श्रेगश्रनंगगहैसगहैश्ररूपकुमगंगवहीजीय
श्रावै सीतलकाफिकहैकेऊसावुगहैसगगोरलैसिंघरिवलावै मेरूचलैफ्रवसोसञनिसरीश्रे
रवसेनसमीरजरावै होइवरीविपरीतसबैपपसीतहिरामनरेखनपावै ८८ सवैया सोफिरिउ
तरेतननैनेऊरशाननश्रानिसोचुभयो मनमेकहैमैविनप्रीतिनदीवनमेकहश्रायसकोपरयो
नरहाकसनारिश्रपावननोउरपावनकोनिहसंगगयो सुश्रशोकवनीमहिलंकपनीसोयमानहू
सोककोबीजवुयो ८९ सवैया रातनिकादिवुरीसबमांतिउरावनकोककोपापकमतोरी यारि
चवाइबिलंबकहाइनलंकपनीसंगजीरनजोरी पबनीयांसुनिकैदरकैक्कतीयांपाछितारकहेह
गदेरी रैनिदिनापीयारामबिनाजीयसाचुकिनासीयाकोसबथोरी ९० सवैया जीनसुरेशम
हेसकोसुतगगोशकोदंतउपारिलीयो जसकोवसिकैपनिबाहनकोजिनतोरिविषानुऊवंउकी
यो दसमेउनिलैोजिनेसनदयोशिवसोछिनमाहिविफारलीयो सोईरावनपारग्होगहिंसेनउठा
रउहूकरमानिदीयो ९१ सवैया सोउरपारहरीवहुभांतनिश्रोरविभनरिवाररही जीयमेसब
मानतयोंठकुरायतिदोपसमीजेसेहोतगही पटहरवपकुमउतरयोंदिसदकुनबानसुनीसवही

रा॰ गी॰ ५॰
५०

रविराम बिना कहूं पंकजकी छबिना न लखी सोय फूलनि है कबही १८ सवैया नारि बिना सीय नी उरख पावत
सोपुनि सीय बिना दुख पावै देन बडो दुहूं ओर निवेयां सोई ने ऊन मैं कबि राम सुनावै यों कबि विखीनस
सीबिन रैन विभावरी सावरी देह बनावै कालबितीत भयो यह रीति सु को सिसुग्रीव दिनाम बुलावै १९
सोरठा सेनसमेत हनुमंत बुलाय सकल कपि आगे भई पर सिराम के पाय हनुमान ले का गयो २२ ॥११
इति श्री रामगीते बाली बधो नाम पंचमोध्यायः ५ ॥ कवित इति रोग ना इस गुजाई लेल वार आइ का
ल इन बीते सुख आगे को उपाइ को राजन मपायो बाली सुरग पठायो न है बान भूल गई सुधि सीता
कौ काजाइ को आपन है आयो कोऊ ने रपठायो न ही तायो है बिलंब बोल कीजे सत भाइ को
सोयु सुखजाम नी मिले सों च दादा मनी है काम नी को पाइ काम मल्यो रघुराइ को १ कवित बा
नसेन्य कपिराइ देत कि राजसमाज लये संग आयो देखन है प्रभु सकार देयां प्रभु दे निकै पाइ निसीस
नु हायो संग लयेन नल नील हनु कपि को टिन को टि घकुंडु मिलायो छाडि बिलंब कयो अब ही
सीय सोप जुराउ कहा है बनायो २ सवैया श्रीरघुबीर कहो भन दें उठाइ अंबेउल सों बलसे न
मसो बलवंत प्रचंड महा कपि कों जनि से कहूं लंक पसे रनमें दिनमें उन पौरुष कै सुखवे पे जबमारक
पारलसे कपिराज कहो सोई एक हनू जो हुपा करयान तव राम हसे ३ कवित हनुमंत सेवकन॰

नैनन है नाथ पद अंजनी को हूनयै ससहतमनि हतनकौ चढे सनरोष पैके ललनसे गिरगै वै अरि एक बा-
रबा गजा रूगे है ९ रहूतनकौ पेदुखपारकै वीरन के कामरघुरा ई के सहाइ करिबे कों बडे कोन-
कौ सीनासोधल्याइबे कों सिंधु फोंधि जाइबे कों पारकसो राम घटल लायक है हनकौ ४ कबित
औरच हूंझेरको पठाऊं कपि जन ग्रसीय सोधु को मंगाऊं नव कंठ पानी धसिहै कौन मंद भागी सोन रा-
म का मैं बीरि है आपने ई हाथ कटि आपनी नकसिहै केसो रघुवीर रनि वीरस ते ना नेर हाथ नेरेई मेरो-
सिमी चुरावन को ग्रसिहै लेंक गढ जैबे को निसंक लंकबाधि अकलंक वलना को हनुमान एक बसि-
है ५ कबित एक कपि हरिव पछारि एक सिंधु मारि हूंउनर की छारि एक पठाये विचारि कै नेऊ नौन
बाप सी सचले जगदीस जन को बीमन के कुंउप कएक लेपचार कै दछन भजा को ठोंकि दछन सम-
समनदति ता कै जैबे कों जगा यो किलकारि कै लेंक का सिहन अक संकजान की को सोधलेंक थ-
सिआ है निसंक अरि मारि कै ६ सवैया देखहू नगढ लेंक बिना नहि साचु कहो गढ औररने होई
तो कहुं और अनेक रके कपि जाहि कसो करिकार जसो ई रावरा वनमारिबे को सीय सोधको ने स-
रचो बिधि सो ई कहा कहे नहि काम हनुर है तो समसमसन देखन को ई ७ सवैया रामहि आनंद यों हृ-
म कौं अरु बालकी वेद तें नारन गावै ऐसो पपीरस है रघुवीर पै धीर बडे समरवे तें जनावै बाल्ज

रा॰ ना॰ धा॰ ८१

नैजननीजगतैंउदवैमैप्रभमीतकेकामनग्रावै औरदरद्योउपचारुथक्योमहानिरामकेकामको।
कौननपावै ८ सवैया जाछिनसारिवकअमक्रोमेवकजाननतांछिनकीबलिजपै बातबि
चारकहैहसिकैविनरामनिनाहीकेदायविकपै हैदहभांनकीबानचहूंजुगतापरामसोंढ
ऊरपछै माउरहनसबकामकरैमदलाखनमैजनबपकबुलपै ९ कवित रोमरोमफूलिग।
पोठोकिभजनठाढोभयोरामम सकानेदेखिरूपरहनमानको सीताजकोसोपुहुमग्रानहीनेपा
योमानोदेखनहोडीलयाकोसिंधुफारिजानको जौलोरघुबीरमितिलिबीरसोबिचारैनेलोभय
कपिछ्ह्यासुखवथ्यासमानको हाथनोरिकेदैलकवारपकेपारग्राबकीजैनम्रवारदीजैग्रा
यसनिदानको १० कवित जौकहौतोरीनोसिंधकरौजैसपीयोमुनिग्रोरजोकहौतोबीचिपा।
नीरखौनामको कहौजाइलेकमारौभीननसोंभीतिकहोरावनसमेतबम्साकुपगवामको।
देखकैग्रनीनामैरोमरननपीनाजाईकहौसोईकरौनाथनैकूभरोहामको सनोमेरेमीतामखे
सोयेइनिचीनाकहौसीतासोपल्याऊकहौसीमिलाऊरामको ११ खोदिमारौखेदवितखेदजिन
करौनाथसीतालेकैसानपपतालहूजोजाइगो छुवनतिहारेपाइकहालोपराइमोतेनौकहा
बसाइग्राइसीसघगनाइगो कूपसारलोकसिंधुग्रचलसमेरविंधुरावनपरेवाहनबाजग्रोउ ८१

कह्यो

श्री

उरको नारमायोकहैनाथकह्योतांकेपाछेरघुनाथमेरेहाथतेसभलीमारिषाइगो १२ कवित कह्यो
रतनमाननाकोंपरमानग्रमहनीयैश्रवनदैहौंनमदिवनारथ्यो जरनोकमठभालसानोसिंधुग्रालब
लरेसग्रीविहेसजलचदिकैनिवारथ्यो पानमेचसेनकारेफूलजेग्राकासनारेभारेफलसरसमिने
फनोफुकारथ्यो हौंनेसासत्वामरामरागजरघुराजग्रैसेबोमनरनेनहारीसीतानमेस्पारथ्यो १३
कवित कह्यो सीयल्याऊंकहोनाहीकोसंदेसकहोरावनसमेतल्याऊंबेगसिषदीजीये कहोनाही
लुंककोंऊंडुबलैसमेतबोरीलैआऊंमेरेटीकोंनानीयेसकोजीये कहोदससीसभुजबीसनिबषेरे
आगेकहोनाइहेरोगढबिननीपनीजीये रंगहनुमानकोंनिसंकपानरीजैरामकह्योतोउदारगल्या
ऊंहूंटिलीजीये १४ सवैया रीतिहनुकपिरूपसीयारघुबीरकहैनीयमेडरपेहै मानसकीकहरो
रपरोजबरनकीपेकपिरीछलजैहै रेवनकोमगाहैनजहांगहलेकसपकहैकोनबुझैहै हैपखी
ननऊसीयकोंबिनुचीनदपेपरलीननबैहै १५ सवैया भषलैगेबनकेफलतोरनयारिभलेसुष
मेंपरिलीजो एकनिरानकीयेबिनरोकपिसीयबिनापरलीननकीजो एमनकेगनगेयनजेप
ह्रिवाननम्मनकोघोरनबीजो कैबनमेकिगिरनतुरीजैंहहैसंदरीमेंदरीनहहीजो १६ सवैया
एककरोंबिननीबमसोंसनिकेरघुनाथबुरोजिनमानो एकफलेगकरोंनजिसेकांनिसंकसले

र: ना: ५२

कपसोमहिजानो हौंहनुमानअजानननहीप्रभदेखनकोंसबठौरसयानो मंजलवैपदकंजकहोकि
नहैंसीयकोकिहभांतपछनो १७ सवैया साचकहीइनबाननऊसीयकोइतिहैंकिहभांतसुनाऊं
जेउपमाकविदेनसबैतेईफेरकहोनबअंगलजाऊं हैाकपिइंदिरसोजगमैंछविअंगनकीसमकोन
हियाऊं मोदुखतेंजिहभांतसीयासोईचीनहनूसबतोहिबताऊं १८ कवित्त जहांनऊलासनातेस्वास
नअवासतहांनीकेबीरबातसुनिलीजीयेनिदानकी जाकेप्रानकाजरसोमिलीपंकलेकमाहितहां
देखीयोनिसंकबपूऊलभानकी जाकेनिसिथाममुखदीपहीकोदीपबिनाफूलअंगबासतहां
रानीहनूमानकी जहांमकमुखरामरामहीकीकूकजहांसोवैछावपूपतहांहैअचूकजानकी १९
कवित्त जांकेबांपेकेसतननतापसीकेभेससुनिबानरनरेसहगनीरउरथोवती भखनमलीनपीय
हीनसुखछीनजाकीहैहेहदसादीननिसिनीदहूंनसोवती अंगनरुषाईफूलसेजनडसाईजाकी।
ताकोजाननलीजोनारिनीचेमुखजोवती हनूसुनिमीतसीयपाइबेकीरीनलेकजाकीभीतभीतरा
मरामकहिरोवती २० सवैया रावनपापकोजालजालरच्योबिपिनामहिपांउसंमारिकेदीजे
बातबिनामरजादकहोजिनक्रोधकरैनकरैसहिलीजो देखिफलंपावतुदेखरहोजिनअंमृतसोंज।
सअंमृतपीजो कादिलेसलनिहालकरैसुहिजाहिहनूअतिकालनकीजो २१ सवैया पानल।

५२

पेहरोरूपानपेरेसिरपाइरघुपेरघुनंदनजूके ओरककीबिनतीबहुभांतनिदेहबरीप्रभपाइकनूके आ
पनोजानिपरेरहीपोजीपहोकपिसनपकहेनहिकूके नितकरैहरपिचितकेसाथसूचितचलोसं
गमिलनहनूके २२ सवैया छांडिचलोमनमहेसकोअंसपनेसमनाइचलोरहदेहे भजपीरिसोठो
किनिहारिहनसबलोचनचारुचलोजनलचे मेंदरीकहिसोपिकेसूखबेनसदेहेबिनाकपिप्रानति
है जबलोमममदेहउहैनहिखहतेंआनिदैसोपुरीपापगहे २३ सवैया बांधिमुठीदोऊपाइलगाइ
सबीरबडोरघुबीरकोताको हरुउठाइनिवाइदईकहिलोचनमूंदिननीरहितोको रामकोनामल
योसूखतेजीयमेयरिपोरघताहिकिपाको बारलगीनहिपोनकेहतहिपारिभयोलंघबारथबाको
२४ सवैया रामकोकामकरोजीयतेरहनेसभ[illegible]कोनसीओरहुरी छबिबारथबारिदेषकहोसोकबि
रामनहोनमरीननरी निधिनीरकेपारिपहोपलमेपगकोअंगुरीनलमेनपरी कपिनाउहनूजिनके
तिनतोरघुबीरकेनाउकोनाउकरी २५ सवैया सिंधुकेफांथबेकोसरपतिफनपतिहेमनोनहि
कीनो लैरहनावलिषोढिरहेकविरामरामगुबिंदहिमेंतनलीनो सोहनूमानकहूनगनेबलना
उकसोजनसमोपुरतीनो जानतहोजदईमुंदरीपादिरामकहूजनरामनकीनो २६ कवित सिंधु
केकनारेनिजपोरखसंभारेकिलकारिअसेसाउठोनभमंडलडरायोहै कमठकेभालपरिफनि

फ॰निमालपरिदेसदेसचालभमिचालसोंजनायोहै महिमाअपारताकेबलकोनपारउरगाकसीको
मारिउरगाकसकेआयोहै कौनोमनसंकनहिकेचनकीलंकहै निसंकपस्योहूपधामकोबनायोहै २७
सवैया कंचनकोगढलंकभलोपरराममसोंबैरकलंकपदेहै देखिपिस्योसभकेचरभीतविसीनहिसो॰
पकहूंनलहैहै जेरघुबीरकहेमहिचीनसपकैनदीहवमानकहैहै जारनमैकिपहारनमैकिपो॰
गवनकेगरहबीचरहैहै २८ कवित्त एकजीहपारपुनिआगरसाससहाइनाहीसावनकेनगरकोकेसेछु
विगाइये फूलीफलीडारनरबैठेफलमालयालिसंदरकिलालनतालपालसोरिझाइये वापीकूपकुं
डनपैगुननकेकुंडबैठेकोनेकुरवरहेडमेंडहोइतोजनाइये बारननतेरंगरथकेचनकेधामपरिकोन॰
सीविभनछाडिकोनसोबताइये २९ कवित्त जाहिंपोरिजाइतहांकोनकलमाइतालआवजमद
गबीनबाजननहरावेन सरससिबरुणाविरंचमहूररगजआज्ञकोनयरलायककपावैयहांआ॰
वने औरकछुरूपकरिअंजनीकोपूतनाइपडुचोनहांलौजहांघामगीविछावेन देवनकीबे
टीदेखिसंगतीयलेटीनहांसीताकेभरमहनलागेपापछुतावने ३० सवैया रामनजेकहूपायभजे ५२
मतिरूपनिहारिभईउचितार्ई कैतनछाडिगईनभकौंकियहेसीयदेकपियोंठहराई देखिमंदो
दरीकीछबिकोमरझाररयोमनमैफिरिआई लेकपतीपरसंकपस्योसोरूपकनिश्रेककरैननि

ठाई ११ सवैया काहूकहीसीयकीतहांबातकेआनिअसोकबनीमहिराषी देतबपीठिकसोध
गराजबिभूतसबैशशिसरजसाषी हैजसरामकोरूपमनोजसुकादिपरैयहरावनमाषी फूलिग
योसबनिकेहनुमानभयोपगदेखनकोअभिलाषी १२ सवैया औरसुबीरकोंसीषनिवारगयोक
पिराजहांसोपियाई चंपकमोलसिरीखरतालतवंगलताकचनालसुहाई कंजकदंबजहां
कदलीहरहारमबेलिरलाअंबराई केतकीहारसिंगारगुलालसरोवरकूपमहासुखदाई १३ सवै
या मोरचकोरकपोतकहूंशुकसारसचाकहूंसलुभाने खंजनचकफिलीबकबानरनीरकोपिजल
औरबषाने अंगरूरंगसदापुनिसोंसबसेवततांबनकोंलपटाने पहलवज्ञानकीरामबिनाकबि
रामनसोवतजागतजाने १४ सवैया देविहनुबिनचौकिरह्योयहदेवनकेपतिकोबतुहै किधौं
उज्जलनीलशिलागिरहैकिधोंसाबनकोउमगोघनहै अहोनिजपोंसकोयहरूपकिरामअभाव व
सकोमनुहै अबमोहिकछूसमकोनपरैकियहैकमलापतिकोनतुहै १५ सवैया तोबनमेकपिपै
ठिगयोबिगसोजनबजानकोहूंटतपाई हूलखअसोकतरेमनसोकमनोयहतेंउपनीउबिनाई नारि
निवाररहीजगजेघरवनैनलखसोपुहमीजीयआई रामबियोगकहैजनसुंदरबैठिधराजननीदुख।
दाई १६ सवैया ताहीमहीरुहरूपरिबैठिसकादिलईमंदरीमलखैनें सोईउरिदांहरषेकहिबातसी

र· ना· ५५ 55

यावचमानमहाउरवतें नवदेहिविचारकोयोचितचोंकिजोयोतजोयेअबपासरवतें सवीरामभि
लापकीआसभईयरआनिपरीकततेंहरवते ४८ कवित मानतकेकाढिवेकोंकरकीयोंकरकीहैवे
मेंईलगेहैंनगवेसीईहैसुंदरी बनकोंनपथबनपथमहाबनपथकाढिकेंचिनानीवनपातनकोगुं·
दरी प्रभुहैसमुंदरीसमेंदरीहैप्रभुआपकौनयौपहारनमैंकाढिआईसुंदरी मेरेमनउनरीतकैसेक·
रउनरीहैमुंदरीनंकैसेकरउनरीसमुंदरी ४९ कवित बिनाकहेपौनकौनगौनयानगरबीचकोन·
आइसकैइहांराहपातनाथकी जोयमेनरहीभईनरहीनकहाकैरेबिधिविरहीनकेकैबिपकेअ
काथकी मकरंदयहैजीयजानीमनसाथकीहैयातेकपिनाथेबफिबकीमनसाथकी देखीनै
नहाथकौनसपिपारहाथकीसरचुनाथहाथकीनिशानीजबहाथकी ५० सवैया देखिरहीच
हुंओरनिनाहिनकोऊनमानसदेतदिखाई सोचुविचारकीयेबहुभांतनिरीसुंदरीनभनेउडिआई
नोहीलोबोलिउठेयाकपियोंमुद्रिगमईहतुमेंपहुचाई हनहुनमेरेनाउहैमानयरोपगजीनक
रोहुचिनाई ५१ दोहरा नवजोयमैसीयसबकीयारामहतयदियाहि मानसकीकहटोरहीमि
लनकयोहैताहि ५२ सोरठा बहुरोंकीयोविचारप्राननाथअतिचतुरहै कीनोकपिप्रतिहार
मानसबेकोंराकसभखैं ५३ कवित हजीभलीकरीमेरेजीकीसवहरीप्रभमामसजोहोनेना।

५५

ग्री:

सोकैसेमनुखजोरती रामरुतनसमेतोतेहीहरीमारिजास्वोऊनतोनाहीकेजियाइवेकोंकोनकोंनिहारती ग्रे
सेकहिपाछेमंदरीकोंजुतीलाइरहीमानोमिलेग्राननाथनेकुनबिछोरती कबहूंउचारैंतापिनिथिनी
केधनकीग्रोंनैननकेनीरउरअंबुरनिचोवती ४३ कवित बूझतिहैंनाहीसोंसंदेसेसीयबारमेरेश॰
भग्राननाथसुखसोंरहतहैं लछमननीकेकहांछाडेकहाकयोतोसोंमेरेसपिलैबेकोंकबहूंउमर
तहैं किधोंमेरेग्रोगुनबिचारेहैंबिसारिदीनीकिधोंमेरेनामलेउसासनिबहतहैं बोलेहनुमानग्रेसे॰
मंदरीनकहैमाततेरेपाछेपासोंरामकंकनकहतहैं ४४ दोहा भजाभईग्रनिहूबरीकंकनकीनी
छाप हनुमानसाचीकहैकोनहमारेपाप ४५ कवित तेरेपाछेतेरोउरखतेरोजपैनामसुखहजको
मीकलाकेहूंदेहनिबहतहै सनीयेनतेरीबामनताहीकोंग्रटपटाननलफतमानबीनुरीसीचुम॰
कतहै कंकनकरीहैछापसोऊहैहिलहिलातग्राननाथहूंकोचिंतागहईरहतहै छीनरघुराईसनि॰
सीयमेरीमाईजेसेपउवापउग्याग्रेसेबिधिउलहतहै ४६ दोहा नवबोलीत्रिजटीसुमतिसुनिजा
नकीग्रचेत तेजरामसंगउठिचलीयरतनिबनकिहिहेत ४७ कवित तेनसंगहूतोइतीयोनहा
तीकहातोबिनाग्रकेलेरामचंदकछूडरते तोपरमनाइरहेराखिबेकोंपारगदेपाछेसबमंदरकेलोग
तोसोंलरते कहूंबनजाइकहूंकेंदमलखाइसंगलछमनलैकेसखीउदुखीदिनभरेते काहेकीभलाई

हू॰
ना॰
४५
45

नवनारिमहलाईआनतेरेडरवकाहेकोंहनसेमोसमरते ४८ कवित सुनिहेनिडरआनरहतीजोच·
रनारीभीतरितेंपकरिनिशाचरनल्यावते बिछुरेतेपीयाकहोकोनसोमरीहेनियानमसुखीहोते
रघुबीरसुखपावते जाननीतोनवदिगमोसीजोनहोतीनेराम्रोरहनुमानबिनलंकाकोनआवते
तेरीयोउपायजोनतेंसंगहीनहोतीतबरावनकैजोगीरामचंदकोंबुरावते ४९ दोहा सुनित्रिजटीसी
ताकहेमर्मनजानेकोइ पीपडुतीबनमैंरहेतीयसखीयरहोइ ५० सोरठा औरकहैइकबातनाहि
समझिहेसंगचली सुनरूपरमकीभांतत्रिजटीसबतोसोंकहै ५१ कवित मेंडतोपितावचनभा·
रहेउठायोरामहूमरेजनराकोंराखिपातेंम्रझलाइगो कंठखगमारकरयनघरखरोईभारकहिसोनिषंग
संगसंगमारझाइगो मेरेघररहेकोनिपटछातीभारहैहैयहेमैंबिचारीइनपेनसह्योजाइगो भषहे
किरूषहेकिन्याइमरछाइदेहयातेंसंगचलीयहभारतोनसाइगो ५२ दोहा नवत्रिजटीपारनल
गीचतुरजानकीआहि जोल्यायोकपिरामतेंपुनिसीयबूझतनाहि ५३ सोरठा जिनसोंबडुनसने
हरामचंदमननैंकरहि तिनहूकीगतियेडुसुकविरामसंगतजिरही ५४ सवैया राजविभूतविच
छनएकततछिनरामहिपीठदई मनभावनकोपडुचावनकेमिसपोरहूलोनहिसंगभई पुनमे·
बनमोहमभारगमोसुनिहोसुंदरीविपरीतनई हमतीनहुतेसुपतिहूतकीतिहूलोकननेंपरतीत

४५

गई ५५ कवित पहिलेतौतनमैसुनिमंदरीप्रवीनरघुवीरजूकीमरनिहोनीकेकैनिहारती पाछे
तेतौदेखतीहूंआपनोसरूपसबओरहैकिवहहैकिहोनकोंहौमारती पाछेवहीसोचतीयमेरेध्यानहूं
तेपीयमोसेहूंगयेहैंरामआसनिकोंढारती हैकपोलहाथरहीनाथकहिस्वासभरमायेलिखेअंकन
बिधातानिवारती ५६ कवित बोल्योहनुमानमाताजानकीनिवारशोकजाहीदिनजाइतेरेसाथ
द्दिननाइहैं रावनकेमारिबेकोंउमडिरह्योहैमननाहीदिनसबनिचढाइलयेआइहैं औरजोक-
हौचमोसोंबडुरोकहैगेरामसीताकोलेआउनबछिनमेंलेजाइहौं रामहिलेआइहौंसुतोरिपऊ
वारहौंतूमानिमेरीबातहतेंनोदिनकराइहौं ५७ कवित औरजोतूकहैमोहिअबहीलैजाउंतोदि
लैकाहीकेलोगनकोंकोतकदिखाइके रावनहिमारोंपुरभलीभांतजारोंरुंडमुंडनविधारोंआज
रामबलपाइके औरजोकहैतोगढकंचनकोमूलहूंतेलेउपारिचलोंनभमंडलउडाइके तापरि-
मैमोसोंरघुबीरजूखिजैंगेनवबीचपरिमातामोहिलीजोबकसाइके ५८ कवित जोदिनतेंकप
टीलेआयोतमैंहूंमनहमतितौदिनतेंजानीलंकनगरीउदासहै द्देनकोऊदिनचरकीलोसोप्रतापपा
कोकैसेजैसेसांझसमैदिनकोउजासहै धूवांकेसंघौलहूरमिटैसेदेखीयतनगनतघरीहैकपोछवि
कोप्रकासहै जमकीबनेगीशिवजूकीबिगरैगीरघुबीरकोपसिंधमगराजरावनगिरासहै ५९

दोहा सबपायोजीयज्ञानकौभलोहूनयहय्याहि सकेश्रमनोमेचकपबरषिजयायेनाहि ९ सोरठा
सनडूबीरहूनवंततेतेबलसाचोसबे रामचंद्रबलवंतकयोतमैंसोकोजीये १ कबित्त सूरशशि
रा॰ मेघपौनांइंद्रनमसिंधुकोनआयसकोमेटैतीनोलोकयेसोकोरचे औकदांचमेटैकोऊनाकोआउमेटै
बा॰ बिधिलोककेहूपापीपरलोकदुखमेपचे तातेबेगिजाहिलंकलोगनयत्याहिजिनपापखलकपट
४९ नपकडूनतेबचे इनकेमिलेतेहोहूंहैगईकठोरजातेमेरेप्रानरहेसुनिरामदुखनातचे १ कबित्त नाथप
48 रपीरकहौकबतेबिसारीकपिबीररघुबीरपदकौलौलेकयाइहै कछुआसलागेकछुआरजपयजागे
पाछेतौपत्यानेप्रानआगेनपत्याइहै बासीहैनिकटकेउदासीमेतौनाहिमासोंदासीसीयकेसंदेसेबहुरौ
नपाइहै बातकहौंगेंकीकियोंकरीहै इनौंकीरामप्राननकीचौंकीमोपैकबलौदिवाइहै ६ कबि
त बिरहीकौज्वालमेनजातजरमेरोतनुनैननकेनीरहूमेबूडिनमरतहौं रावनकेत्रासनिउसासनिन
प्राननजातदेहछाडिछाडिजीसोंनितहौलरतहौं छतीयाकीबतीयाकहालोकहौंप्राननाथरामबिन
नेकहूनकेहूबिदरतहौं यहैमैलोभसमेरोकहीयोसंदेसकपिआसबसिपरीतातेंजीबोईरहतहौं ९ ४९
सवैया केचनकोम्रगकाजहूनमहाराजनहिजीतबहौंनपचारौं काहेकौंहोइइतीबिपरीतिजोरखमि
ताकैपारनधारौं पहोरूमैअपराधकरेछमयोरघुबीरनफेरिपचारौं सोअबलोडरखपावतहोजबप

रनदेवोंतोशानिकारें ९५ कवित चंदहेरिखिचकरिमिलानसरशूलैलैग्रैसोविपरीतिकालहैसदेषिकरीय
नहै बातीसंकबातीचनसारनीरचंदनसौबारिलीजीयतग्रनलचहीयतहै संगकेदुकूलदेखिकेज॰
निकेफूलदेखिहरूखनकेमूलदेखिसलमहीयतहै हमैएलभारीरामपलौनसंभारीकपिग्रैसेगदलेक
ग्रैसीभांतरहीयतहै ९६ दोहा हनूमानदुखपाइग्रतिलोचननजलनरहाइ रामचंदविनसीयदुखीसी
यबिनउतरघुराइ ९७ सोरठा तमहिभईपातीतजवचनरहीतमकोरहीहतदहेविपरीतरकयातीग्रहपते॰
बिन कवित जानकीजीयमैंग्रानोभलोहैमयानोकपियादीतैंपठायोरामजानेयाकीमतिकों चोटी
मैलपेटीपकमनिहीमकादिदीनीदीजोरामहाथजोबदेष्यानेरीतिकों हमरोसंदेसोचित्रकूट॰
तमैंमेरोहितकानोकीयोकाकसीकबानलैसगतिकों तिलकबनायोनिजहाथमेरेमाथकपिती॰
नोपनेदीनेतिनतीनोलोकपतिकों ९८ सवैया जोहिहनूबकछोरिबिलंबचलोतिनरहीतेंसि
रनायो ग्राइगईफिरिकेमनमैकछुयोंग्रपनोबलमैनजनायो क्याचलिहैजगमैयहबातकिरा
मकोहतकोउकपिग्रायो रावनजोजबजाइमिलेतबकोमिटिहैमनकोपछुतायो ०॰ सोरठा
चंचलजातिसुभाउहनूमानविनयोंयस्यो सुरनकोसतभाउकाहरबकिमहिहीरहै ०१ दोहा
जोखिजिहैरखुबंसमणियांतेजसलैजाउ प्रानरहैकैजसरहैदोमैंएककमाउ ०२ कवित बाम

श्रीः

ह॰
ना॰
४७

47

नोरिषायवलआपनोजनाइताकोएककपतयाइनबसिंधुपारिजाइहौं लंकदिजराइकैकलंककहिचढाइबडेअ
धममवाइहतरामकोकहाइहौं रावनकोंसावनकोमेघज्योंहवाइरामचंदहिमनाइबडोवोदरकहाइहौं
औरजोकहैंगेबिनाकहेकोंकरोंरनबमेरोकहाजैदैनामसीताकोबनाइहौं ९३ कवित जौहौंजीयकों
बिचारज्ञानकीसोंकहोंअबडरिकैमरैंगीयहज्ञाननिनबलको आपसबिनाजोकरोंदोषनितेंडरोंतबक
हैहनुमानहौंकरौंनाएककलबलको दीलेदीलेपाइनसोंसीताजसोंकहोजाइमषलागीबिनाकहेबाग
मैकोंदलको बोलीसीयजैसेतेरेजीयकोनजोषहोइतैसेलोरिवाहिकोरूपकआपफलको ९४ सो
रठा सीयसथीवडभागकपिपतिछलसमझैनही चकमककीसीआगहनुमानआहालई ९५
दोहरा इकचंचलकपिजातिअनिआयसकीयोमहाइ पटकिपूंछवाढोभयोरामतेजुसलगाइ ९६
कवित पैठोबनतेहींछिनमनकीनहैंाघगहवीमारेरखवारेसबरूचीकिलकारकी भागेएकहारे
हरूवमलनेउपाटेफलतोरेमीठेषादेहींदौरहीसछारकी आनिभरहनतनिजहाथनिसवारीऐसी
रावनकीबारीपातपातडारडारकी हनकहीबातमहाराजउतपातभयोआयोकपिएकतिनमारेरह
महारकी ९७ कवित हेरेंहेरेंआयोपेडहरेयेंहरायोएकतोकेमारेबुकोंदमोवरीहालहूलकी पोछ
इनपोंछेंसोफिराइसबमारजोरेभागेहमआयेबातभईऐसेसलकी जाकोंढूबिरेखबननेदनसे॰

४७

मीचैंग्रो खिसी चैंमेघमाली मोरैंबारी निरमूलकी हमतौ कहीहै बातबागमेंनरह्योपातग्रासाजिन
नकरौमहाराजफलफूलकी ७८ कवित जोरावरधरपेउखारेईसबृच्छगादेविटपग्रवरवरग्रंबरछुव
तहै कौरीमेंनग्रावैजिनैबाउनहलावैबलवाननफूलावैपतेमानडिठोपतहै सिरोमणिबागनिबगी
चनबननबीचहूतेरखवारेनहांपंछीकौनगतहै चहतउखारेहनूमानकेउखारेग्रैसेरूषउखारतजैसे
रूषउखारतहै ७९ कवित कौनकपिग्रायोजिनिउलटमचायोग्रैसोजाइमेघनादजिनिमारैबांधिल्या
ईयो काकेकहेकीनोउतपातवाहिबूझोबाततातेपकबारवाहिमारिदिखराईयो ग्रौरजोकहांच
काहूदेवताकोहोइछुलतौतोताहिनीकेब्रह्मफासमेंफसाईयो मासोजिनग्रबूमतिवहैबलीहोइ
तासोंसावधानह्वैकैबेराजीतेवरयाईयो ८० कवित चल्योतबधाइनादबाजेसुरसाजेसबजाइदिग
देख्योकहूमेरसोबनायोहै चरीहैकलरैरपईमारेउनकौनमरैहारिपरेब्रह्ममंत्रपढिकैचलायोहै
मानीब्रह्मग्रानबोलेकहांपावैजानकपिवींनजानैमहाबलग्रापुनैबंधायोहै याकोफलग्रागेचर
लागेजानिजैहैसबबांधिहनूमानकोंमेघनादल्यायोहै ८१ दोहरा पुरजनसुरगनमनहरषदे
खिहनुमसकाहि यहिविधिबांधकपिसहितरावनकीदिगजाहि ८२ सोरठा गढलंकासिरमौ
रदेखिहनूमानपौंकहै यहचिंताकीठौरमनजानैमुखतेंहसै ८३ प्रश्नोत्तरकवित कौनहैरेकपि

रा॰
ना॰
१८
५८

हौंरेकौनकपिहनूमानकांकौसुतनीकेबकिग्रंजनीकोसुतहैं॥ कौनकाजबागतोरिउरयोसुनमासो
मेरोभखलागेतोस्योअरिमारिबेकोंभनतहैं॥ मेरेआगेस्तरहेकहावतकहाऊंकौनतोसगिबितोरिबेकों
बज्रपुरूहूतहैं॥ सोंहैलेकआयोरघुबीरहैंपठायोकछुलागनहैसेवकहोंरुनसोनहूतहैं॥ ८४ कवि
त जानकीलेजातोतोतेनेऊनसंकातोमहआपनेहौनतआपकारेकोंबथावतो॥ केसेमेघनादआदिजो
सोंछाडिहेतोअरूलरवेकोंतोसोंसूरआजकहापावतो॥ तेरीबीसबाहूनकोहोसनरहनदेतोनेकरामच
दजीकोआइसजोपावतो॥ कासोंकहेंजाइजेसीमनकोसमाइमनहाइहाइनोकोरनकोंतिकदिखावतो ८५
कवित बडेवाकचालयाहिसरूजतनकालनिजकहूनविचारकपिकौनभांतमारीये॥ एककहैंबंदकोजै
एककहेंदीजेबिषजीजेनबकोऊदिनग्रेसीभांतटारीये॥ बोल्योहनूमानहैंतोग्रेसेनमरोंरेजेसेतुमहें
कहमेरोबचनबिचारीये॥ पतिहीसगईअबहैंहमस्योचाहतहौतूलतेलसोंलपेटदेहमेरीजारीये ८६
कवित औरभांतिकेहूंजबमारयोनमरततबतेसोईबिचारयोजेसेहनूमानकह्योहै॥ तूलसबतेलसोंतो
रयोयेमेलिछूतबाकीखासगीफुलेलपरआगोयहेरह्योहै॥ देखोकविरामकछुभावीसोंचलतनाहिजे ।
तेचरुजरेरुनसोईब्योंतगयोहै॥ पौनसुतनेनोकहोरामसुरहनतेमेरोरुनसोईकपितिनजाइलंकदह्योहै १८
८७ कवित ब्रससफासछोरदीनीआगेकांपिगयोभागिआपफूकलोनीकह्योरावनगबारको जैसेइ

ह्वरूनऊवेरुजमजीत्योतेसेमोहूंजीत्योचाहतहै हटूअवतारको बागतोह्योतेरोपूतमास्योबुद्धिदेखीन
रोसमैकैसेजीतिहैनजीत्योपतीहारको देखिअबरंकलंकजारतनिसंकतेरीतऊनबुकैगीजैतैलोआयहैं
कूपारको ८८ कवित ऐसीरिसआवतहैतोहीकोजराइजाउजानकीलैजाउअबयहैहोसरहीहै कहा
कोंरामचंदअंगदसुग्रीवजामवंतनलनीलजरिपकबातकहीहै सीतासोभुल्याइजाइरावनपचा
रिमरोंबज्रभुजदंडसोपकरिमारोंमहीहै ऐसीजोनहोतीतेरोछाउतोनगोतीकोफहैनबसवासोरा
मराजगहगहीहै ८९ कवित रामबलप्रथमगणेशकोंमनाइचल्योजानहीतोकलशजरायेअ
रियामके सिंहपोरिजारीऊचेचोपत्वाअटारीभलीकरीरामहूतताइनहूंचलायेचामके रावननिहारि
कह्योसभामैंपुकारिकरोबडेदिनमेलेइनपकरतरामके पाइनहजरतिनसरनिकोंगनेकोनजा
केपतिहारकपिपतेबेरकामके ९० कवित पाछेकह्योलंकपतिसिनोहनुमानकपिरामचंददी
कोपकनैहीत्वापोलोनहै साचीकहिजोतंअवतारहैउमापतिकोतौहोभगवनतोसोंनातोपानी
पौनहै जीपमैनकोपधरिजाउंअबकेहटोरिनगरजरायोजिनसाध्योरूमभीनहै बोल्योनबजो
हैशिवभयोतोकहाहैकैगयोरामकोपआगेलुइमहारुद्रकोनहै ९१ कवित जानीजाबबात
नवराजाविललातडोलैमोतेअपराधभयोताकोफलपेखीये शंकरइकादशमेरमोसीसकारि

ह॰ ना॰ ४९

५५

काटि शैनेहसरस्योएककांसोअभिषेषीये तोतेलंकजारीसेवामानीनहमारीअबआगेऊकसलजबैहै
हैतबलेषीये नानतहैमेरोप्रभमोहूसमकावतहैहहनकेफुंडनमेभेदकोनदेषीये ५२ दोहा शुहीत
षिरावनलंकपतिमनहिरह्योमुरझार नैहजेहकपिजारतफिरैकहीनिरषमरिजार ५३ कवित छेक
परजोरतेविराजमानहनमानमानोबडवाअनलसिंधुअकुलातहै कियोंमेघसंगकोटिबीजरीकेपुं
जकियोंतीजेनैनसोंत्रिनैनमैनडतपातहै कियोंहेमगिरिनभमंडलसोंडोलेकियोंसूरजसोंमिल्योराहु
पबषबरातहै औरेछबिएमकविमानोरामचंद्रडरुएवनप्रचंडकोप्रतापभष्योजातहै ५४ कवित
छाडिछाडिछोहरनिभोहरनिसोंजडरिछपेजलजोहनिडुनाशनकेत्रासतें जातिनबुझाईछिनही
छिनहैसवाईलाईहनमानकीबुझैनहूसपासतें सोनेकीअटारीचित्रसारीपरजारीजेसेवासकी
अटारीजरिगईफिरिबासतें दोतनचबातहाइएकसोनजाइकपिभाजिगईरानीसबरावनकेपासतें ५५
कवित लागीचहूंओरआगिसतेसबउठेजागिकाहूकेनपागएकएकचलेजातहैं भजेहैरहेहैदोत
अछेतेनरहनपायेहनमानजीतेंगसोदांतनचबातहै कीनोजिनरावननिपातोजमहूतेजमकूते ४९
रावनमेंडुअजहूंतेनसिरातहै पौरिदिनहूंतेरौरिहैगयेकसूतसबरामचंद्रहूतेइहूंतेनडरातहै ५६
सवैया जाछिनरामसोंबैरकीयोसठतादिनतेंमतिहैगयेकांचे लंकपतीग्रहमैंसीयआनिसदैव

श्री:

रतार ड हूंकर नाचे यौं छबि सौं लाइ जराइ दये हनूमान सनार के हारन साचे रावन के पुर पंचन तें जरे कं-
चन के घर हूं कंचन बाचे ९७ सवैया हूल गयो भ्रम रेस दिनेस र वेग से जन्न लेस ससी सब हीने सर जनं बसशि
राम गिरे हे सु निसी रघुबीर भये जब दीने यौं मणि को फणिराज निहारि डरे नर तीन सरूप महीने
जारि के लंक निसंक भयो कपि रावन रंक भयो तब हीने ९८ कवित्त स्वामी चित्र सारी चित्र देखनि स-
वारी धाइ तेई तो जराइ जरि गई लेत सासनें लोग भागे जात पाछे डोहनाज रात जात के से सब ठैपै छबि ना
लंकापति नासते चोहटा बजार जरें बीथी चट सार जरें चोराहे थिया र जरें कपि के बिलासतें जारी
हनूमान पूजारी सीता जू के सत छारी है न गई सु बिभीषन के बासतें ९९ कवित्त पावन पवन सुत हन
रघुबीर जू को तीर दस कंध के न नैन कुसकुचत है राम बलदीन नेकु नीचे न करत नरी ठबो ले हनूमान के
न पट कतर पैत है सबैसद रिहे फेर उनरन कहे यौं हू कहे को हू जाइ बोले दौरि फारि खात है मन मोन-
सें का जाको ऐसो गढ बंका ऐसी लंका जारें बीर जस डंका दीये जात है १०० कवित्त ऐसी भांत जारी लं-
क समुंद पधारी पोछ सवाधान होत जानकी कों सिर नायो बाग में उपार्यो बांको बदायक मायो मा-
ना गाउ पर जारो ऐसो बचन सुनायो है राम काम कीनो और में हूं जस लीनो रघुबीर कों रतन दीनो
सोऊ मैं बचायो है सुख मोदिदायक संत को मनाइ नब हनूमान फांदि सिंधु राम ढिग आयो है १०१

ह॰ नां॰ ५० 50

कवित दूरहीतेंदेखिरघुबीरसखपायोकह्योदेखोहनूमानआयोलागतसहावनो देखेतनिउधारतहै।
बोलतनाहिमारतहैजानतहैसीतासोधआनदमैपावनो माथोचरणारविंदऊपरलुठायरघुराइसउठा
इकीयोछातीसोंलगावनो बोल्योपौनशतमैसशतीकोनकरीनाथयाइतनेंचूरीहैकमोदिनउदाव।
नो १२ कवित पीयोनसमंदबारिलंकनकरीउजारिनानकीनस्यायोकोनकाजकीयोजाइकै ते
तेमेरेअंगदकेसुग्रीअंगसोंमिलेरामरावनकेसीसनबखेरेआगिआइकै कहामयोसिंधुफांदिगयोसी
यदेखिआयोमारयोअछलंकगढदीयोहैजराइकै सीताकोरतनदीनोप्रानकोपतनराख्योवकूत
संदेसरघुनाथमुसकाइकै १३ सवैया औहानकह्योश्रीरघुबीरकछूसधिहैसीयकीछितिमाही
हैप्रभलंककलंकबिनासबसैतहरावनबागकीछांही जीवतहैकहदेबेईकोंनाथसकोंनमरीहमतें
बिछुराही प्रानबसैपदपंकजमैजमआवतहैपरपावतनाही १४ सवैया फांदिगयोशतयोजन
सिंधुपरयोलंखिबारिहनतनदेरो फोसियरेउरवआंचलगीनदिरूकहैलंकनिसंकनिबेरो स्वाई
योकंठिमसणालज्योंहोरीज्योंश्रीरघुबीरभुवेंतननतेरो जैसेकछूसीयनैनकेनीरपयोनिधिनीरगयो
बलमेरो १५ सवैया मोप्रभआनिसुनानिमहारघुबीरसनेहहनूमानसुनावे तोलगितालत।
मालविशालपषानकिसोंनिधिनीरपटावे जौलगिनानकीनैनसमंदकोसंगमआसनिहोननपा ५२

वै डारिकै है कपिजूथनि सों बहु रौं बिधि बांधि कि आश्रब बंधावै १०६ दोहरा जगत्ल सिंधु कौ कहि कथ ।
पंडितन्सों सुखदाइ नवसीता के अंग कौ कहत हनू सिरनाइ १०७ कवित्त हवरी तो ऐसी देखी सुनो रघु
राइ जाके आगे रजनीस सिस की कला ते अति पीन है पीरी पट भीन ते नाते हरदी कुसुंभ रंग आसन के आगे म
हसा वन के हीन हैं बिरह के बास न के आगे आग ऐसे नैसे महा हिम बोल मलखा सन अधीन हैं ।
जनक सुता को एक पतिव्रत सील सुनि और देखि दिखि मैं तो वारे धरती नै है १०८ कवित्त हसि बोले र
घुवंस मनि पवन पूत परबीन बूझत तो कहहु लछमन कथा कहो प्रबीन १०९ सोरठा रावन नग
र समेत अरु जल निधि कों तरगयो आगनि लंक को देत लंका पति चुपकौ करी ११० सवैया जानत हौं
हम तो कपि है चरि हू बनके फल के अनुरागी और बडे पद पौरष दै पह डारतें डारु पै रजरु लागी श्री
रघुबीर के नाम कहि लै भवपार परै जग मै बडभागी नारी को ध्यान कीयो मन मैं मुहिबारथ नाषत बा
र न लागी १११ दोहरा कहत बडाई आपनी हनुमान सकुचात सिंधु कथा कहि लंक की कहत राम
सों बात ११२ सवैया कोप भयो तब पावक को प्रभ कंचन को गढ ऐसो जरायो औरघुबीर वियोग ।
भरे पुनि जानकी स्वासन पौन पजायो तेल सों तूल भिजै चुत सों पट नारी के ऊपरि हौं धरि आयो देष
हू नाथ बडो पद कौ तक लोग कहै हनुमान जलायो ११३ दोहरा अब रावन के नगर को कथा क

हृ. ना. ५२

51

हनहनुमान सुनतरामचिंतचौपसोंसंतसुनतहूंहैकान ११४ कवित कथाहैनिरानकीनरुद्रसुनमा
नकीनबानननकमानकीनकथारागतानकी रहीनगुमानकीनकहूंचटिजानकीनपौरषप्रमा
नकीनकथाखानपानकी वेदनपुरानकीनसुनीयेसयानकीहौंरूठजोकहौंतोसोंहारबुद्धलभा
नकी रामउरावनकेनगरसगरचरबगरबजारआजकथाभाजिजानकी ११५ दोहरा हह
विधिसबसुखसोंरहैबचनसुनेरामवरबीन हनूमानसोंयोंकह्योमोहिंहैदैत्योंतीन ११६ ॥५२८
इतिश्रीरामगीतेहनूमानलेकाजारिआइबोनामबहुरमोध्यायः ९ कवित चंद्रमाचकोरजैसेगुरी
बसिहोरुजैसेघनतिसोंमोरदेवतापिरखपानसों जैसेऊषधरुषपानफूलजलरूषमूपदेसकविज
समनोबामनेकेदानसों जैसेवेदतानतिरपेषसुनमानजैसेकाननकोंतानज्योंसरोजभोरभानसे
जैसेबीरबीरसोंज्योंबारपकोंतीरसोंत्योंऐसीप्रीतिलागीरघुबीरहनुमानसों १ दोहरा तापाछे
कपिकटकीअटकदुकीकविराम श्रीरघुपतिश्रीमुखकह्योअबबिलंबकिहकाम २ सोरठा
सबैचलेकपिनाथसुभदिनघरीनिछत्रबल रामलषनपुनिसाथदसमीविजैप्रसिद्धदिन ३ सोर
ठा निरषिकटकभटभीरपटकिपंछवितहरषसों चलिरघुपतिकेतीरहनूमानबिनतीकरै ४ ५२
सवैया नाथचलेउमडेकपिराइसुलाइकहैमबजहृअनीकी हालतनाउचढेगजकेतसेंदेखत.

श्री:

हौंगनिपाधरनीकी भतलथ्योमपरीजनुगातनगाईरविथपथ्रभानमनीकी ॲनेकछपकेसिरऊपरफै
लरहीफनिमालफनीकी ५ कवित्त कहारघुबीरसेनिबीरहनूमानकपिजूथरनबातनकोला
गतसहावनो भूमिभारदीबेकोंकिसूरटोपिलीबेकोंसमुद्रकीबेकोंकिपानहैसकावनो कूरम
कलेसकोकिसोरदेसरेसकोकिहालहलआगेकरिऊधमसचावनो तेरेभुजदंडकेप्रतापकेभरोसेमे
हिरावनकोंमारिजसडुंडुभीबजावनो ६ दोहा करीबडाईदासकीआपुनश्रीरघुबीर बनपुरपटनभ
गरनजिनिजकानेनिपिनीर ७ सोरठा देखिगाउकीनारिनिजमानसमोंयोंकहै राजसमाजबिसा
बिचलेलरनहैंतापसी ८ सोरठा तेकपिकहैंबिबेकतमप्रतापजानततनहीं जौरघुपतिहैएकत्र
बिकुलबनदावाग्रनल ९ कवित्त कहाभयोजौनसंगबारनतुरंगरथचामरधुजानछत्रचामीकर
पालकी हाथनकमानकटिबानरनसलनाहींकाहूकेत्रिसूलनाहीं हैनरेखीछबिबिलालकी रीछ
कपिसंगकुंडराजाकेजराहैमुंडरावनसोबैरुसिंधुबांध्योबडेसालकी तऊएकरामहीतें छूटनहैकाम
सबकेरंगेरसोंईश्रिसेनामहाकालकी १० कवित्त ऐसीभांतसंगकपिराजाजामवंतनलनीलबा
लीश्रुतपौनसुतसोंसहायोहै एकनकोंउहाथगहिएकनसोंबातकहिएकनकेआगेअंगदएकनिनव ।
योहै जीयमेंतोजानैपीरबडेधीरनिमेंथीरबीररघुबीररतीरथबारथकेंआयोहै करैलछमनयाकीरेखी

घोदिठौरामरामचंद्रनकेसिंधुगरबजनायोहै ॥ लछमनउवाच कवित आगेनमिलन्यायोभेट॰
मोगाहूंनल्यायोसीसआनिचरनकमलनछुवायोहै कहेतेगुसांईयाहिबांधेरिपकेसबनेजोलोऐसा
ह॰ मदखवननीकेसमुझायोहै आइसजोपाऊंयामेछबाहीउडाऊंरामतेतोलोआगिबाननलैकमानसोचढा
ना॰ योहै बामनकोरूपकोसामृचंद्रनेउरिकांपनअसोसहैकैबचनसनायोहै ॥ सागरोवाच
५२ कवित कहेरनधीरतुमभीरमैसहाहोनमोसेकहाचकपीक्रिपाकैसनाईये सीतारसकंधहरीको
52 नजानैकहांधरीछपीहोईमोमैनबतमकोबनाईये कहोसकिजाउसैनाउनरैबिनाहीनाउकहोलंक
बोरेंनैऊआइसजोपाईये कारनकरनहैतेतोसागरसरनिआयोलाभानचरनिमोहिकाहेकोजराईये १२
रामचंद्रउवाच कवित नेरीहीनोऊपरहैलैगयोसीयाकोपापीनासैंजाइआगेलरिऊगरैछुराव
तो औरनोमैनऊबकाककछपकठोरऊतेमछबडवागनिहोतताहिकोपठावतो परबनसपछहेभु
जंगनिकेलछहेमिलाइपकठौरनभसामुहेंउडावतो औरसबराहीनेरीमाननेतेतोकहीसिंधुसी
ताजकेकाजजाइश्रीपतिजगावतो ॥ कवित मोहींऊचेजाऊंनबनमतेउसऊंनाथएकहाथच
ढेमेरेमसैउनपानहै औररतनमछकछउरगडूनाशनतेसनोबलिजाउलेकपनीजीमेजानत ५२
है एककोगिरिसटोहैसपछनाकेपछनकेकाटबेकोइंद्रबज्रलीयेंअकुलानदै ॥

सागरोवाच

श्रीपति बतावत हो मोहि बहू कावत हो मो मै नाहीं सो तो अबरावरी ई गात है १५ दोहरा इहि बिधि बिनती
करि उदधि रहे चरन तल पराइ कहि लछमन कहू को जी ये सब लीजी ये उठाइ १६ रामचंदउवाच सोरठा
न सकाने रघुबीर बडे चतुर सरतापती याह हो इहि बिधि नीर जो मानै पति जो सब १७ कबित आ·
न तो तिहारे कूल बसे घट हूरव मल सो ईस लकी बी पैरो रात हीं बनाइबौ बात है न आरस की रीति नस·
पारस की लाख पेरय पक बार पार नेरे जाइबौ कहै लछमन ने तो सो राम है करत सिंधु आज जन सले हू ऐ·
सो समो कब पारबौ जानै रान्ना सगर की सेतन को जानन ते बिना अम त्यो रै वैसे नर तन पसाइबौ १८
कबित मानी बात सो सब धरि चलो हो अना मकरि लनी हुन मान राम ऐसे ठहराइ है कही बुरी भई बा
न पोरव की गई सब जाइ नाम बेतन नल नील सो जनाइ है नग में चले गो बात सेना कपि राजन की राम
बकि सिंधु पार हू के पकबाई है सौ नौ पक बाल कन मो हि मोदि कबनालक पै देखो तातन न मह के
कैसी लछुनाई है १९ कबित सबै पक जात मुखन ते मानो है सै सातन तापर सनाई बात हून मान के
पकी ऐंगर सुग्रीव पकूरो नो गपे रामहि गसनो मदाराजा सिंधु करी बात धीपकी माघ हूम साग·
र की गैल कै से चलै अहून मही बिचारो या मै कौन बात धीपकी कि धौं या के बांधबे कौ है न बल
वंत हूम कि धौं रहून मान हूं के आगे पति लोपकी २० कबित देखे ऐसी भांत सब रामचंद बोले न·

ह॰
ना॰
५३
53

बमेंहूंतौकहींहैनौसुग्रीवकुंअग्रानिहै मोहिनौतिहारेलखनसबहैसदाईसधेसभारबंधावैगेकालयाक ।
कहाकानहै मेरेजीयहुतौयाहिकोहैकौबपाऊंअपराधहैनयाकोरघाकीसीमेरेबानिहै याकौ
नौमहिलआगेरावनकेमारबेकीकयोलछमननाथदयाकोनमानिहै २१ दोहा सीताबिछुर
तरघुलखुदधिपैरनगयेनमान याकौपारतकौनअभ्रमसतनेजनपरमान २२ सोरठा रघुपति
कयोसुनारउनसागररनसुभरसब हुमनिपषाननिहारबांधहुसेनबिलंबनजि २३ कवित्त
चलेकोपिनलछमनआनेदसौगरयअतिसिंधुबानमानीअबकरीयेउपारकों ऐसीनीतोलोक॰
माहिरामकविदेख्योसुन्योदेवनरचालेआजआरसमिटारकों सिंधुदुखसयोबोलरनहीको
रह्योभाईमयेनिराधारयहेबालरघुराइको हनुमानजानिजीपबानपरमानयहबारधपरायेबिन
आजपारनारको २४ सोरठा बिदाभयेनिधिनीरभोरजगावनरामकहि सबसोयेरघुबीरकपि
भटअतिफूलनचले २५ कवित्त बिराईरघुहरघुहानीमाचीपीयरानीअतिआपबारचकरावकुई॰
मिलानहै यमलअकासभयोकमलफूलाननलागेजमलभवरसमानेअऊलानहै तमीपति॰
नोतिऊमलानेतमचरबोलेचोरबाटभागेसंखशबदसुहानहै जागेरामकामकीकमानटूटी
छुटयोबललरीसीनरयाबीचतेऊछपिजानहै २६ कवित्त कौनककेकाजरघुराजबैठेसिंधु॰ ५३

कूलन हूंन लनील लै लै आवत पहार कों एक हुमजौं रहूलव मलनें उपारें एक वार एक पार एक पारें मा
रूपा रकें। मेघ मों सऊ चाहि अपराध सागर कों ना हिं करुणा कृपाल राम यों कहें विचार कों तौ लों
नरिआ रूकपिनार सीमनार करि बचन स्याम रे ऐसे राघव कुमार कों ॥ ५५ सवैया बांधत सेत जहां रघुना
थ लजों है से नैन की येक हुताही बानर नीबर वानर बीर निधीर तजी प्रभ भैपच तिजा ही। नैनन कीक
रुणा रघुवंसमणि सोभित जोन दिहूं हि करा ही नौ करुणा के कीयेक करुणा निधि पाथर पातन पंथ मि
ला ही ॥ ५६ कवित बानर अपार लै लै आवत पहार किलकार रघुबीर सों सुनार करें हबनी ये ताही कों
बुलार रघुनाथ पीठि ठोकि कहें जाहु नाहू बलें हांसि काहू दिकादि दिनी यां राजा के कुमार रम डारत हैं सिं
धुपार देखी पीठ सौं ई पाई राबन कौ छती यां समुद्र कम तनन कौ सारवा मगरन नकी लैकपतिहू
तनि पठाई लिख पनी यो ॥ ५७ कवित एक कपि वार एक पार एक सिंधु पार हार रवार कीये मिलिपाटै
नि धिनीर कें एक हुमडार एक डारत पहार एक भोर भोर पावैं न जनावैं निज पीर कों एक जेउ दार
भरि ल्यारदो ऊहाथ पहराबन लिलारयों सुनावें रघुबीर कों एक किलकै लकार किलकार उंतें बा
रबार एक अमरे देह कों सुनावें भट भीर कों ॥ ५८ कवित मानो छीरनिधि मैं तिसानो रमा जी सों पति त
सों बीच भीन करि आपों बांटि लीजीये किधों संग चलिबे कों फेंरा करि बांधते हैं कि यों जरी मैं चतन कें

ह॰
ना॰
५४
54

उनिसोंपीजीये किधौंनभऊयोकिधौंछूटोबंदाग्गजकोकहैसघनागमसमोहैतौसैनकीजीये कि
धौंऊहिगयोपहिरावनजनेऊयाहिबांधेहूतैसानछबिदीजीये २१ कवित रौरिदैरिआररघुराज्जी॰
सौंकहैकपिपककीकहाहैकहोसोतौबांधेछिनमैं चरनप्रतापआजतेऊतौपहारल्यावैबूडैलंज
हूबैरेजोरागीहूतेबनमै चलीयेगुसांईअबलेकगढतोरिडारैंरावनकेमिलेरहिजैहैहौशमनमै
बोलेरघुबीरवीरघुलहिचरायेजाऊकैसेजैसेक्रुपणबलावैपनयनमैं २२ दोहरा सेतसकलश्र
नभयोचलेरामबलवंड इकघुलपरिघुलकतचलेइकनभमगपरचंड २३ सोरठा लेअछ्छनफ
लफकरामसमघ्योंसिंधुकों देखहूराजविवेकबांधतफिरहूजतप्रगट २४ कवित सिंधुपारप॰
रैसबआनंदसोंभरेकपिगाजेधोरबाजेअबलेकापरिधावनी बडेबडेसूरजेलंगूरतेहूजरआवै
पककहैरावनकीबनैमतआवनी ताहीकेनगरजाइबोलैनाहिफासिघाहिस्वासगीरसोईपक
बारतोलूरावनी बोलैहसिरामननमभूषहोरहूतनाथफसलकोलूटिघरकूठिआनिपावनी
२५ दोहरा इतकपिभटउनरेउदधिऊसलछेमसबगात उतरावनसोंजोरिकरकहतविभीषण
बात २६ विभीषनोवाच सोरठा जेनकरहुरिसनाथतौसेकबिनतीकरै धरौंचरनपरिमा
थरामबैरकुलछैकरन २७ कवित सीताईकीबाततताकोपतौउनपानकीजेमेरेपाछेनाथमेरी

५४

ॐ

बातनबिचारीयो नगरकेबासिनकोंसोंहूदेदैबूभोतमकोंयोंकहतहैंरामचंदहारीयो मीनो
लोकसंपतिसमानराजनैननहुरिसोईयोंकहतहैंनमूलतेंउपारीयो कहौहौंहूंनाऊंसीयलैकेरा
मखाउजोपैमिलैमारिउरहैतोमोहिमारिडारीयो ४९ कवित जोलोंनलनीलनामवंतहनूमं
तबींहृअंगदसुग्रीवश्रीविभीषनकेबंकको जौलोंरघुबीरजूकेकोपनहुराईउपमेरुसीबड़ाईजोपेभरैहैनहें
ककी जौलोंपवनजोगनीनग्रीधनश्वारजौलोंफिरीनहुहाईठकुराईकालरंकको जौलोंहैउपाधिनाइगहै
सरनाइजौलोंरीछकपिभारीनविदारीछबिलंकको ५० कवित जौलोंरघुनाथजूकेहाथतेनछूटेबान
आनिदससीसलैकोगवनोनिहानको सुनिलैनिफोटउरवनकीनबचैकाऊलागेभेदचोटसावधानन
अचानको जाइगहिपाइसिरनाइहाथजोरिकहिरुकपरीपरीअबलीजेनाथजानको मेरोकह्योमानि
करिहानिहीकीहानिजाहिलीनेसीयसंगहैनराजततनमानको ५१ सवैया ओटकहामटयोंकरिहैंर
नचोरपरेहिगबैठिरहैंगे बैनबबानसमीरसमानचलैचनमोचलिदेसगहैंगे पपरथानमहाकपटी
नमसोंनहिबातउरवारकहैंगे जाननहौंशिवकोबलहैसोऊरामकेकोपनलाजवहैंगे ५२ रावनोवा
च दोहा तबबोल्योरावनऊमतिनिरखिभुजापरचंड अनजननजहोतेनहीलोकरतोशतखंड ५३
सोरठा सुनिमूरखममभ्रातलंकापतितोसोंकहै कहौंपुरातनबाततननकरिरनखाडोनहीं ५४
सवैया सिधुगहैबडवानलकोजलद्वारभयोनहिखाडियोहै शेषअशेषधरीवसुधाफिरयोंनक

हु॰
ना॰
५५
55

होसिरभारभयोहै कंठहलाहलतेहैशिवकेअजहूंससिकेसगअंककयोहै पनबयेंअनकोंतिवहै॰
नवरावनकोबलटूटिगयोहै ५४ सवैया जानतजानकीहैजननीजगआनतजेमनुकोनहिभावै
सेसकोईससरेसकोठाकुरहैरघुबीरयहैजीयआवै ताहीकेहाथमैरेसकेपरेअैंथतेमोहिकहासम
झावै अैसीकछूजीयमाहिपरीजकतासेंगरावनमानपठावै ५५ विभीषणोवाच बातकहीकछुच
हतहोसोईसाधुविभीषनलातनमारयो सोफिरिकैइकबातकहैप्रभहौंसहतोसभकोपतिहारयो
है३रमेरघुबीरकोहनीसोईतौकुलतैंसबखारयो योंकहिकेउठिठाढोभयोतबरामकेपाइनकोंप
गधारयो ५६ दोहरा उत्तपायोपोरषनहीलोचनजलनरहार छकछांडोरावनकोचल्योअबरघु॰
बीरसहार ५७ सोरठा जाकोकोऊनाहितानमानसतनसननजन ताकोचरुबनमाहिरघुपतिच
रनप्रतापबल ५८ सवैया हरतेदेवकहयोकपिमंडलहैरिघनादकैरविजोती कैधौरिदेहउना॰
सनआवनशंककियोंकछुबिहैसंगजोती जोसीयहतकहैतोसहीपरताकहमानसदेहनहोती
रामकेपाइनलागयोईचाहतरावनहैकियोंरावनगोती ५९ सवैया रावनकेउरछांडिचल्योगहुमो
हतज्योजननुजाततनीसो जाइविभीषनपाइगहेसिरनाइरतीविनहीनरतीसो लेनउसासचल्योप्र
भपासबासगहेतिनदंतबतीसो यापिकीयोरघुवंससिरोमणिनैनकीसैननिलंककपतीसो ५० ५५
सवैया रावनजोरसमीसउताविबेडअमसोंशिवनेपरलीनो जीतलयोसररराजकोराजसरेवन

कोनरनीडरकीनो बाम्हरैनिडरैचतरानननसेवनपोरमिलेभरतीनो पाइगहेजनबहीरघुराइल
जाइविभीषनकोंसोईदीनो ५१ मंदोदरीउवाच दोहरा यहरमनिकेमंदोदरीनलफनविनजलमैं
न रामबचनरूठोनहीजाननतेभरतीन ५२ सोरठा निपटैकंतअजानतोमावकेबलकूदनफिरै
भ्राटसरसकरभानदीपकरावनसोंकहै ५३ कवित गहिसरनाईजाइराखीनबडाईनैकुबीरड
रदाईतिननैकहूंनसंककी नेवीप्रभताईधारेसमेंस्वहाईकैललाजबेचिखाईडारीनारिपरजंक
की नासोंरघुराईप्रीतिबढ़तैजनाईरहेछातीसोंलगाईपावडाईपतिरंककी योंकहैलगाईतोसों
काहूनासनाईकेंतसनीठकराईतैरेमाइयाईलंककी ५४ सुग्रीवोवाच सवैया श्रीरघुबीरकें।
तीरनवैकपिराजकहैइकबातकहौं नमलंकबभीषनकोंबरवशीप्रबहीमिलनेकहैहेनरहौं
जौपेरावनआनिमिलेसेगजानकोदेऊकहाप्रभपाइगहौं नबमैंहूंविचारिपरीजोघूमैबहुधोपिव
मैसीपसोबनहौं ५५ दोहरा रह्योविभीषनपाइगहिलैमिलिपोकपिराज श्रीरघुपतिलंकादईभ
रिभरिहैननिलाज ५६ सोरठा जौप्रसन्नरघुराइकितनकलंकगढबापुरा आगेअगदजाइदसमुष
कौंसमजाइहै ५७ ५८५ इतिश्रीरामगीतेसमुद्रबांधिपारिगनाइबोनामसप्तमोध्यायः १
दोहरा रामचंदलछमनसहितकपिपतिलीयेबुलाइ कैहूटैलंकापतीकैहूटैसतभाइ २ दोह

श्रीः

सबकपिकरकउदपिउनतिकोकरिसकेबषान कपिपतिअंगदनीलनलजामवंतहनुमान २ राम
चंदउवाच सोरठा अंगदलीयोवुलाइकहीबाताहुबेसमसि जाइसुजउसमझाइआइमिलेलंका-
पती ३ सोरठा भईसुगईविहाइअंगदतेसमझाइकरि अबकहिरघुराइहनपठायोबालसुत ४
ह: कवित मेरेपाछेहरीकितैविनुनानेकरीअैसेसिंधुकेभरोसेकितैराजअभिमानतै कियोकुंभकान
ना: मेघनादआदिहीनोमेनकियेशिवजोरराजाकियेमदपानतै जोकोलछमाकोनीसबजानकोलैमिः
५६ लोअबजाऊकहोवीरकहालेहूगेसयानतै जातेसुनिमाईलछमनचलाईहोतलंकहिलपैरिलेहै
56 उपजोजनभानतै ५ अंगदोवाच कवित चल्योसतभाररघुराइपाइछुवेकैसोनाथयाहिबातकोरहै
उतरतोआइयो जोकहोचमेसोवुराबोलेदसकंधनाकेदसोमुंडजोकहोतोनमपैचलाइयो जोक
होतोसीसोगहिल्याऊंदिषराऊंपाइनाकोपरिवारमारिसमुंदरबहाइयो जोकहोतोजानकीसमेत
वनल्याऊंनमैजोकहोतोरावनसमेतलंककल्याइयो ६ रामचंदउवाच कवित बीरसनिबानतिनक
रौकाहूचानवहूबीसबातेकहैहमउनहीसोकाजहै कहियोतेरोमानैसीयआनैहमनाहिफिरिआजहै
लोतेकितेरेवीरहूंकोराजुहै औसकलसमाचारबूझैजोहमारीतोहिनीकेसमझयोतोपरेवाकोबाज ५६
है देजीयोवडाईअैसोकह्योरघुराईकलमिलिबेकोसमाजकिलराईकोसमाजहै ७ सवैया नार-

चल्योसिरअंगदवीरमनाइगरोसोरिहैबालहरेदोना कूदतफांदतलंकनिहारीनिसंकभयोमनरंचकू।
भौना आइगईसुपतोदिनकोजबबापकेजीवतहोनतोछौना नाहीयेआजचल्योविधियोंपलनाय
रवांधिकोयोजारिलोना ८ कवित अंगदनिहारिलंकपरीहैइकारिएकवारिबारिगयोअबआव
नमरोषसों छाडिगदचलेएककहैभागभलेनाहीस्मनासहैहैभाईरावनकेदोषसों एकजेसयाने
भरिमाटीजललयानैलेचलायेधामधामफेंटबांधिवाटेचोषसों कोप्योरनवामस्वासभरैत्रासभयोजीय
आयोकपिवहैभयोअंजनीकोकोषसों ९ कवित ह्वैगईउजारिकिलकारिलंकपैदोजबदेरहेकिवा
रसबकहैबातएकेबीया कंचनकेधामकिहूकामजहांपउपाधिरामराजभलोजहांसोवैधाइलोबी
या भावैगढनोरैभावैनाउसीलैबोरैकपिउजारनोदोहियाहिकहोअबकोबीया लारपाटकीयेत।
बरहीपतिजैहैअबहाटहूटनारपरीबाटहैनथोबीया १० कवित एकहोजआयोनिनपोंहुसोंज
एयोगांउलैकटकधायोजिनसिंधुनीरपंककी कहिवेकोबीसपेनसकतहैएकओधिदेखतहैबानै
कोऊकुलकेकलंककी दोनोबिधिनोनिधिजानकीमेकहासिधिरावनसोंकुहेऔसीबातकोंनसं
ककी सेवककेआयेसबकोप्याकैरैनिदिनिठाकुरकेआयेठकुराईजेहैलंककी ॥ दोहरा १ रि
बिधिउरवासीसवेरहेयेठिघरमाहि कथासुनहिहनवंतकीजेदजेरअंगदज्वारि ११ सोरठा कछु

ह॰ ना॰ ५७
57

चालकछुटेरिपोरिनाइठाटोभयो माघेचंदनवौरिरामतेजमोनोरियै ११ कवित एकओरदेवता
विछौनाठाढेकरैसेवएकओरकिन्नरभरतहै एकओरचारनपढतएकओरमन्नबारनकेजूथसिर
धुन्योईकरतहै एकओरपंडितप्रवीनकविबाजीरथपहूपभमौदृषमलसारंगत्तरतहै ऐसोईसमा
नुकौनकाजराजारामबिनरामरामरावनसोसोगईभरतहै १४ दसवानोवाच कवित उरप्योन
वारनारिहाथजोरिछरीदारराजनकेराजाबानकहेसतभाइसो बादरकेहूपएकहीरैठाढोना
थनमजोकहेतोजाइकहेआइलागेपाइसो सीतापतिहीकेहनजानीयनमहाराजसमभाके
निहारिबेकोभयोचितचाइसो हनमानतेंचऊनोजैसेचंदचौथइनोरोरिबातकहीदसवानलेक
गइसो १५ रावनोवाच कवित रावनविचारीहमबातहीबिसारीरामवहैकपिलेकगढबडरो
पठाईहै कियोंमेरेलोगयादिचहूंओररोकतहैतातेंडउखपाइपरवानगीकोंआयोहै देखोइनही
ठडीठबदसोदिखायोतबआपनोनजसोमेरोनगरजरायोहै कह्योबोलिलेइआइगयोकसा
कोरेसठहूसरोउपाइमरिबेकोगढल्यायोहै कवित अंगदपठायोरामजानतेंडरयोलंकग्रामजा
कोनामसुरनमेंपृथमैसुनीजीयै मित्रपीरहरशरिपुचीरनधीरबीरमारेजाकेमरीयैजियायेजाके
जीजीये हनूजाकेरामसानीबडोअभिमानीतानीकहालोकहानीयाकेबलकीकहीजीये ११

५७

अंगदउवाच कवित सीताजबहरीतुरोकीनोतिहचरीअैसीकबहूंनकाहूकरीजैसीकरिसोरगो
तापरनकुसरातअोरसनोअनपातहनूमानआयोवाहिसमझाइरोरगो हौंकहौंउपाइवहकोहैलंक
राइनांहिदेहूदिखराइदुखकालजाइयोइगो देषोहाहाइहाइनाकीकेसीपतिजाइभाईरामनामलीयकप
तंगयस्योहाइगो १८ रावनोवाच सवैया जोदिननेतरफोसुपरीकपितादिननेसुरखआजदिखायो जारि
हनूपतिराषतहोंअबलोंसीअोरोखनहोउपजायो रामहिसोषकहोसीयकोअरुक्रोधबढाइजोब-
ढायो जोबलतोनविलंबकरोसनिदंभबिनारमलंडगाडायो १९ अंगदोवाच कवित अंगदविहसि
कहीबातसनिराजामीतुआपनीबताईउननेसोफलपायोहै बहुफांसिपरीमारिषाईपौंछजरीय-
हबातसनिवादरनिमहनलगायोहै वाकेपरपंचपरपचकनोहसेरामलाजगानपरीफिरिसभामें
नभायोहै लंकसेकमछअछबागसागतोसोजिनहनवहअोरयाहिअोरकपिआयोहै २० कवित
एककपिआयोकहेसनेहौंपठायोरामलंकजारिगयोतानेकपिनरिवसायोहै छलनासोंकीजेभु
जबलनबसाइरंककहालंकपतीजासोंपरवेंडचलायोहै वाकीअैसीगतिजाकेडरहनमेहैनमति
हनूमानलेलेनाममोहकोबुलायोहै जीयमेंबिचारिमोहिनीकेकैनिहारिबुफअंगदनेरामचंद-
काहूकेंपठायोहै २१ रावनोवाच दोहा रावनजीयसमझीनबहिसबचंचलकपिजात पैया

श्री:
ह:
नी:
५८
58

याकीकछुबाततेंछतीयांअधिकसिरात २२ सोरठा छांड्योकोपसभाइबैठायोतबसभामें कहिमोसों
सतभाइरामचंदलछमनकह्यो २३ अंगदोवाच सोरठा सुनतनहीकीयोप्रणामराजातेमुखथप्यहै
जिननेंलछमनरामनिकसतचौदहलोकपति २४ सोरठा सुनकथाविस्तारिजलथलघटघटरा
महै उनतेंजलनिधिवारऔरुनमसोंहसियेंकहै २५ कवित अंगदप्रवीनहोहिपौरषनहीननव·
मेरेपाछेंहरीवहैकवितसुनायोहै पाछेंकहीबातराजाबडेउतपातकीनोरामचंदजीसोंबैरमन
तेंबढायोहै याहीमेसमझितेंतोरेखनमिटायसकौतांकोपकहतफांदिनीरनिधिआयोहै औरजे
कहोंचहूहूंकोअभिमानहैतौकहूहूंकोबूझकहूकौनकोबनायोहै २६ रावनोवाच दोहरा लंका
पतिजीयमैकहैरिसकीनेउतपात बिनबोलेछतीयांजरैउरगचरूधरबात २७ सोरठा तबबो·
लोलंकेशजोरघुबीरमहाबली असतकरौकपिभेसबिनाजहसीतानही २८ कवित बानर
कहावतहैबानरपठावतहैमेरीजानकीकौंपईअबतौलेजाइगो जानतहोंसबनिकोकालनिजक
मोंहतनवहीरहैगोजबभलीमारखाइगो मानेगजराजनिकेकुंभनिविदारेजनेवैलोहूसोंमिलाइमो
तीकेहखिबाइगो तिनहीकीडाढनिकोमासलीपोचाहैकपिऐसोरामचंदआइलंकापछिताइगो
२९ अंगदोवाच कवित कौनैसिषदीनीतेरीदेखीमतिहीनीनातेंऐसीबातकीनीभारीसखको·

५८

तौहानकी सरसमसिसेवैयोरआवनविंच्यदैरऔरप्रकहूतकीनरहीबातमानकी देखतसमाजुमें
सोआजहूंनकालमृत्युआगेचेतिचलिबातपरैहैसपानकी जानकीनबानतैसीसीयहायहूंनला
गीजानकीलैआपोसोजानीबातजानकी १० रावनोवाच कवित अंगदतैकोंकोसूतनीकेसम
झारमोहिबालीबलवंडुजीकोपकलोतौतानहै कौनवालीकहौक्योंनऔरसोंतोकहूंपरितोसों
कहेताकोगनउलटोलजातहै साबुकैलनानेकह्योनामोवहूजीवनहेकेसजौयेरामकोपकौन
कोनपातहै तैनबैरलीयोआतिमिलेईतैजीयोआगेतेरोबैरमेघनादलीयेनपरातहै ११ सवैया
बालीकीदेहलुटानीडतीअरुतापररामकस्योछलमासो होबलबडवडोजगमैविपरीतबडोयह
काहेतैंहास्यो केवहरूठकिमेरहीलोगनमोसोंपुरातनवैरुचितास्यो जानीनजाइकछूशिवकी
गतिकंटकहोसवसेंविपिरास्यो १२ अंगदोवाच कवित रामहीकेकोपहरनाकसकौवदोऊ
पऔरअरिनाछहूंकीदयोजरतेलहै रामहीकेकोपमधुकैटभसंघारेअरुनाहीनेबिरातेबलिरामसो
नमेलहै रामहीकेकोपम्रगमास्योनाककाटीअरुखरदूखनादिकेलगायोक्कानीसेलहै ताहीगन.
तीमेम्रगराजशाखाम्रगमास्योरामकोपमेरेजानेतेकोहासीखेलहै १३ रावनोवाच कवित जा
सोहमनिराधारअंगदतहोविचारवापजिनमास्योताकीयोंबडाईकीजोपे अंमपूतहूनकेकोकोने ।

ह॰ ना॰
५९
59

हैऊसतजिनसनेरकरननोकोरततहूकैजीजीये मनकोंनछाउय्रजहूंलोरनमोरतासोंमेरीअरहूकैसं
गसैनासबलीजीये बनीहैरेबानूनैकबातहूकेमानेनिजनानवैरैलेकेजससुधाकोंनपीजीये २४
कवित्त श्रोरजोगनायेजेतेश्रेसकीटभयेकेनतेरमिलेलेकापतिकबहूंनदारिहै वैरीहत्तादलना।
कोरावनश्रनलश्रहनोसमीरपायेतेचंनेरहिरजारिहै भटहैकिभारहैबटावनहैरामजससोऊदम।
मानीकहामोहूश्रानिमारिहै जोबयारबूगसोनिबऊनेचलेतौतबरूषनिगिरहैनगिरकोंउपारिहै
२५
श्रंगदोवाच कवित्त हसोमसकान्योतेरोपौरुषतोजामोनबबोस्पोसुनिबोलेबिनहीयरोजरतहै
बापतेनबलीहूनसिंधुतेश्रचलरामतेऊमासोबांधेतेतोसनेनडरतहै हैतोसमकारबेकेकाज
तोपेश्रापोश्रथनतोमोहिपंचननेंम्पारोईकरतहै माननतनाबाननोहिभयोसन्निपातमहश्राउतो।
बचननाहीमोहिलैमरतहै २६ कवित्त मोहिदलदेनहैसत्तेरोकहाहै नतीनोलोकलैकेसगकों
नसमहातहै घरमेविराजतहैबादरमोंगाजतनौलोजोलोलछमनबानकोंनपानहै हनुमानहूं
केश्रागेसानोभलीइतीश्रबसोकभलनैहैकोऊश्रैसेरतरानहै छाडिबकबादयाहिमतिकेप्रसा
दितैतोम्पारहैसरेसठौरठौरबाघ्योजानहै २७ रावनोवाच कवित्त कंटकश्रलापीकपिबालो।
बंसघातीनीनोलोकमांहिश्रैसोकोनमोहिगहिबांधिहै जाकेबलकूदतहोसोईरामचंदरनश्री
५९

रमोहि देखिकै सुकै सेबानमाथिहै एकहीअहारसिंधुधारमैंलैबोरोंकपिकीयोपैहैआपनोजमोसोंबे
रनाथिहै रानोग्रहदेवसबकरैजाकीसेवसोईरावननिहारेजैवैकोननमेंराषिहै ४८ दोहा नब
रावनअैसेकह्योमोहिनबांधेकोइ नबअंगदहसिहसियपैरामकरैसोहोइ ४९ अंगदोवाच सोरठा ब
हैसुनाऊंआजजेजेरावनमैंसुने रामचंदकोकाजुफिरिबोलैरसौकरै ५० कवित एककोंसहस्र
बाहुबांधिलैगयोअवासअैसोज्ञसदीनोतौहिकैसेकैसुनाईये दूसरेकोंराजाबलिबांधिलैगयोपताल
दासनकेआगेनाचेजोततवपाईये तीसरेकोंबालीमेरोपितामेरेकाजत्यायोछोनालैखिलौनाबांधि
पालनेझुलाईये रावनसुनेअनेकतिनमैंतकोनएकगरवकीरेमेरेआगेनजनाईये ५१ रावनोवा
च कवित भाईकुंभकानसमानजाकोकरैविधिबलकोप्रमानताकोकैसेउरआनिये सुतमेघना
दनिनिरंदआहिजीतसबऔरनकोंबूझिदेखकैसेकैबषानिये धारतरवारकीनवत्नपैसेभारीजाअैसो
चंद्रहासजाकोतेजनभमानिये अैसेराजारावनकोंतूनपहिचाननहैआजजाकोपौरषत्रिलोकीमा
हिजानिये ५२ कवित इंद्रमेरेमालीअहपालीदरबारीताराषतिछत्रधारीयलीयेईरहतहै वरुणसमी
रमेरोमंदरबुहारतहैनीरअचवतपाछैजगमैबहतहै पाककरैपावकप्रबीनबीनलीनेरिषनारदऔ
वाकपतिसभामैरहतहै सुनोरामहूतनचरणतौहैविभतमेरोरावनसपूततबिधिआपुनकहतहै ५३

ह॰ ना॰ ६०
60

अंगदोवाच कवित जेतीनैंविभनकहीसबैअंगसबैमहीऔरकेप्रतापकीचलाइसकैबानको शन॰
सनमानभजपोरषप्रमानसत्रऔरकौनगनैनैतेरबङेभ्रातको राकससङ्हारकहैसबैसूरनाइकहोर
नबिगारेतोसौमानसकीजानको रावनप्रबीनधरिपकेमतिहीननैरोराजरामचंदबिनजैसेचंद॰
भ्रातको ४८ रावनोवाच सवैया देवनकोपतितौहीकोहैंपतिवैरीअंथेरनिकोंदिनसो कपि
तेजकीयेसरिहारतहैतहनुमानतहैजीयमैंरणसो अबजौलगितौदिनमारनहैंतबलोहजीयाप
रिहैरणसो सठरामकेहनननयोंरिसआवतमारभलेकरौंजीविनसौं ४५ अंगदोवाच कवित ॰
जानकीलैचलिहैतौसदाफूलिफलिहैतौहाथनेरागरिरघुनाथसोंमिलाइहैं पारलगाइअपराध
हूहैछमाइऔरसीतापैकहाइगहलैकंऊदिवारहैं जोपैएनबाततौनदेषौकुसगनतैरोएकरामबिना॰
मासगोधनिखवारहैं सुनोबीसईठतौहिंडहूंभांतडीवहैंहीअंगदबसीठभमिपीठहिलवारहैं ४९
रावन॰ स॰ सीसगयेकपिसीनकरौंअहलंकगयेऊकलंकसहौरे गाउजरेअबरीउनरैअहरामबिभनहै
आनिगहौरे वीरविभीषनकोवषसोपर्ईबोलस्वनारकैलोगरहैरे अंगदपैअबजानकीलैप्रभचूकपरीमषतेन
कहौरे ५० अंगद॰ स॰ रामकेदेषतजौसीयकीपरछांहीकोलैचलतौबलतेरे जोछलकेनहिहेरवमिटावततो
हमजाननतोहिनबोरे चैतिअजौचितमैसठरावनपावनरामहरूपालअजौरे दोमहिपककरौनिरधारतो

रावनोवाच कवित्त बाहनसमेतबीसबाहनसमेतबीसपनोबीसबाहनडबाहनसमानको बाके।
संगबानरहैमेरेसंगबानरहैबानरकोचमूसबकरौंपकबानको बाकेसंगलछमनमेरेकोटिलछम
नतीनलोककानकोनकानकरौंग्यानको देहूदेउज्ञानकोग्रोगेहूदेउज्ञानकोहौंमेरीमतिज्ञानकोन।
ज्ञानदेउज्ञानको ४९ कवित्त हनूमानआयोतिनग्रैसोनाखिजायोमोहिबांदरकेमारेमेरोपौरखपरा।
तहै लंकाउननारीयहलछमनकोंजरावतहैकोपकीयेकोपसीरेभयेसीयरातहै सीतालमभीखसीज्ञ।
मांगतहैबारबारमैहूंभीखपाईरंकरेककेनजातहै बलहैतोआनकरैसूपेरनआइलरैकारज्योरा।
मनेरोकाहेंबिललातहै ५० अंगदोवाच कवित्त अरेलंकपतिमूढमतिबिनारतीअबसतीकोसो
डादसतोकाहेकोंकरतहै घरबैठेआयोरामसीयदैसवारिकामबिनाआईलैबुराईकाहेकोंमरतहै
पापकरिभारेपाछेसमझकेसंभारेप्रभतेतेसबतारेकयोकाननधरतहै कौनकहिवाऊंचलियाघरप
योनिधिमेपाथरोतरतआननैकोंनानरतहै ५१ कवित्त पेरनगाढेकहूहोइगोनआठेजोतहबाढेहू
बजाइढोलनलाखकपुकारिहै बिनाजानेतैंतोरामचंदसोंबिगारीअबजाइमिलेरामचंदतोसोंनबिगा
रिहैं बालीकेसंघारेहौंचरनजाइलागोदीनोराजमोहिकयोरामअमिलेईतेहारिहैं हनूबिनमोबिना
नोग्रैहेकोऊग्रोरकोपिप्रभकेबिनाईकहेतोहिमारिडारिहै ५२ कवित्त जोलौरघुनाथजूकोनीकेन

सी:

हं:
ना:
६१
61

नविलोक्योमखैनोलौहीनपाइनसोंप्रीतिजोरीयतहै कोटिशशिकोटिरविकोटिमैनरामकविकोटिका
मद्दुविद्रुटकीमैचोरीयतहै सदाईहसोंहैनैननिपटेलजोरीहैमनमोहैभौंहैअंगयातिमानोभोरीयतहै
देखिरूपआपनेतेमकोंकहैगोध्रगवैसीसीयग्रैसैपीयर्योविछोरीयतहै ५३ रावनोवाच कवित्त ग्रै
सोतेरोरामहैतोआरगढलंकबसैहैसैखलैबैकुंतजैसेहौहूंनलखतहों मोतेजिनडरैएकदीयदेउराजकैसी
नाबिनताकेआइबीसककरतहो मोपरिपलाननतहैबलकोंनजानतहैअंगदबिनाहीआगियाहौ
तेजरतहौं रुद्रपरवारसोंपहारकोंउचारबारबारभूमितेंउठाइभूमिदीपरतहैं ५४ अंगदउवाच
सवैया रावनराजसमाजरह्योघरश्रीरघुबीरहिसीयदीयेतें औरखडोजसहैअबलोविपरीतबडीसि
रवैरलीयेतें जानतहौजबसैदिगहीसुरलोकबसोपितबैरकीयेतें जोजननेमग्रपकीरतिहैसठमीचु
भलीयहिभांतजीयेतें ५५ रावनोवाच सेकवित्त तेरोप्रभलंकजोनिसंकचल्योआवनहैकौनकाज
आयोकियोंकाहूकछूहस्योहै सिंधुकोंपटावतहैबानरपठावतहैसोतोकपिबालकनिरखबेकोंकसो
है मेरोनामजाननकिनाहीकपिकयोकोंनजानतहोआजकछूनयोनामधस्योहै लंकपतीरावन ६१
कहतहैकोंपहैरूवअबतीनोलोकमैबिभीषनकोंधस्योहै ५६ अंगदोवाच सवैया लैचलुजान
कीहोंहूचलोंसंगरावनआजलोरंगरह्योहै नातरमेरुगिरेईसेदेखतमंडनसोंकहाबेरुपैसोहै राम

कोहतपैनोहूकोंचाहतसोईमैमुंडकलेकसह्योहै मेरेपिताकोतेहैजमसजीवततातेमैंतोसंभुकारिकरे
है ५७ रावनोवाच कवित मेरेबलमोहिकछुतोहिकोंहैभ्रमहनिबानरयुथमसबमेरीईअधीनहै
कालजगव्यालबंदसालनबयालखातसूरजतपतमंदमंदबलछीनहै आठोलोकपालनकोसदा
ईसुकरमालसेवनचरनधूरिआसभरतीनहै लाजिबेविचारीतेनबानरपठाईवाकेबरीजडतानईकीप
लेखेपरबीनहै ५८ अंगदोवाच दोहा कहतबडाईआपनीतोहिनहोतगिलान अपुनीआपनहीं
करैरावनउलटीजान ५९ सोरठा अंगदजीयरिसमारिबहुतनकहीलंकापती बडोंरामसंभारिकोप
नैनहासियोंकहै ६० कवित रामकोतोरह्योबललछमनहूंसोरलपकप्रभवानकोसभाउऐसोपरो
है नारिकानिपानीताकेप्रानतमैहूंडलीनोमारिमृगकंचनकोमानोजपकसोहै सपनखाको
नाककाटिकीनोअपोसानमारिखरदूखनसंचाइघेटभसोहै आचमनसिंधुसेतपीवेकोंननीरलेत।
कहतमंदोदरीकेनैनमैंथस्योहै ६१ रावनउवाच कवित रावनकहतखानिकंटकअलापीनोहिहरन।
जानिछाडतहौंमारिबोनकह्योहै नातोभुजदंडबलखंडखंडकीनोंडूनोनाहिप्रानलैकैअजहूंलोरंगर
ह्योहै अंगदकुरायोमेरेमारिबेकोतानकादोसीताकेहरतनेकुत्तानकोंनगह्योहै बैठेचरगाजत
हैबोलतनलाजनतहैरामकोपआगेकोनकालपारबह्योहै ६२ अंगदोवाच कवित जलमेसमरू

बिमहाहनुमानकौनोमारिमिफकैटमेसेखेदैमेमिलायेहै बहुरोकिलालपैठिमाह्योजिनशंखासुर
तोतेंवेदग्रानिकैबिधाताकौदिवायेहैं नारकेपयालजिनमूहिममोरिमोरेयाहीतेंमुरारीनामजग
हृ: ना: मेंकहायेहैं नमनसेंफारेहरनाखसमेनेन्हनेअसेबलीमारिकालधारमेंबहायेहैं ९३ रावनोवा
६२ च कवित्त तेरेबनबासीरामकहाहेकरतकामबेरनिकोमारतहेसदाधरबानिहै कौनमारेतेनस
62 तेसाथामरगराजबालीकौननानेकपिनसोकाकीपरिवानिहै अंगदकहतराजाबालबलीअसे
जवनेननानेबातबलऔरकौननानिहै हैंतोऊतोकौनामेरोकौनोहाखिलोनाजिनिताकोविसरा
योतोरिहैकेऊनगिलानिहै ९४ कवित्त अंगदहनाइमोरिपिनाईकौसोंहतोहिरामचंदकेतेकपिकीने
रुकठोरहै नामेकेतेबूढकेतेबालकतरुनकेतेनामेसरकेतेनामेकेतेसिरमोरहै नामेंकेतेसिंधु
केते केतेसिंधुकेफंदयाहैंतरघ्यानामेकेतेरनभूमिरेखिनहूदोरहै कहाअनुमानपहैयाघोहनुमानसेते
वैसवहैअरैकिधेपांचसातऔरहै ९५ अंगदोवाच कवित्त जेहीहनुमानबननोगिनरखासोकीयोमारि
फककेरिलंकाकोसीननगरी जेहीहनुमानअक्षमारिसबकेसपक्षलक्षलक्षरक्षनकेभरिगिर ६२
दगरी सोईहनुमानसतभानकेकटकमांहिभरनगननकोऊकपिसेनसगरी रामकीरजारसतेंपारस
परमपदभेयापतिहाराजसचटयोलंकमगरी ९६ रावनोवाच कवित्त एकबारकेहूतेरेरामहूकोपा

ऊंकपिनीकेसमझाऊंबातबैरकीनइुरीहै समुद्रपठावतहैबानरपठावतहैसोरहीमचावतहैकौन
बातफुरीहै अंगदहमारीषीतमानससोंऐसीजैसीकाकरीकोसानविनपैनीधारछुरीहै तातेमेरेबच
नसुनाइडरपाइकहिसीताकोसहलधुनिरावनकीबुरीहै ९ अंगदोवाच कवित रामचंदजीसोंजै
सेमानसकहतहैसेगंगाकोकहैगोनदीरेभानीयजानिहै ऐसेसेगुरपतिहूकोवारनकहैगोयुरुमेरे
जानेमघवेसदेसनिमैमानिहै कालहीकहैगोतेसमेरभयरहैऔरबासकभुजंगफवतारकरिठाने
है बैरबिनबूझेतेंधनेनारीकहैगोजैसेमेनैसहीलोकसातलोकमैंवषानिहै १० सवैया जैनिज्जबू
इतहैसबदेसनिऔरछुपेतिनसेंगवड़ाही तेरैतौपापपूरसिंधुतबेतनऊपरिकोटिनकोटिनराही सू
इपवाणसिलासमरेतापनिबानरदूष्यनकोगननाही देदसकंधनसूझततोहियहैरघुनाथप्रतापकी
छाहीं ११ रावनोवाच कवित सीताकेबिछोहेरतीरामपैनरह्योबलहूजेलछमनमेघनादतेकैसे
जीतहै कपिनकोराजापकरयोमैसुग्रीवसुनोबालीऐसोमारयोजगयेतोयअनीतहै गयोसुबिभीष
नसोकौनगनतीमैनलनीलरवनपौरषकीकौनपरतीतहै हनुमानबांध्योमारयोअंगदनिहारयोतानी
केमोहूकौनमारिहैसबरीबिपरीतिहै १२ अंगदोवाच कवित अजहूंलौकोधतजिप्रभकेचरनभजि
पाहीतौसमझिनेरेवंसबेलिफलीहै रावनविभवकेभयेसेजिनभलोग्राजयपैहैछलिजानतहैनक ॰

श्रीः

ह॰
ना॰
६३
63

हूयरह्यलीहै तनोहैबकतश्रैसेमोहिकोनमारिसकैकोहेरेश्रमरश्रकुश्रारीसविभलीहै श्रैसोकोजनै
नेहारैरामकीबलारमारैनेरेमारबेकोतेरोपापमहावलीहै ११ रावनोवाच कवित्त रावनकहतमैंतो
रामबलजान्योपकजाजरोगुरानोशिवधनुषचढायोहै हमरैसपतमालछेदेहैकरमकालकस्योबनि
गईहैदोशाखामृगचायोहै लावककनिहारेकवितेरेमेरपारपरिलैकेकपिमीछनीरबारपरदायोहै
ओगदविकलवांकेपरीचारोबलतोकश्राइलंकचोगनोचवाउनेचलायोहै १२ कवित्त ओरपकपैड
चलीजातीनारीकानिपानीतांकेमारेसरनकैंबडोउपहासहै कंचनकेलोभमृगकंचनकोमोरयाह
नियहैकछओरकापिपोरषविसवासहै मेरेभुजदंडकेप्रतापकोनजानेरामइंद्रजमबरुणाऊवेरमानै।
नासकों तापरतोलंककोंनिसंकचल्योश्रावतहैपानतेंउदासपेनसीतातेंउदासहै १३ अंगदोवाच
कवित्त कौनबकवादकरैरावनमारयोईमरैनातेंकहैंअंगदतेंसवाधानहूजीयो रामकेबचननैतो
नैऊनविचारेमनकोलोसमफाऊंदोनश्रैदोबारहजीयो जानतहोंपुकारेतेनोदसोसीसहोरश्रवनी
नोलोभजेनोविभटकोरिशिवहूनीयो आनंदत्रिलोकछायोतोकोपरलोकभायोरहोपरलोकविन ६३
ओरनकछजीयो १४ दोहरा तबश्रंगदमनमेकहेकरोंपकबलआज इतदानवदलपचिरहै
उतप्रसन्नरघुराज १५ सोरठा तबकोपिरोप्यापांउप्रगटसभामेंपेकह्यो सुनिलंकाकेराउहैजुउठो

वैसरमा ७६ रावनोवाच सोरठा कहैनिसाचरकोपष्वकरिउपारेचरनकैं आजचदावोडाय।
जाइकैहैरघुनाथकों ७७ सोरठा तबलागेदससीसकनकथंभचीरीमनो लंकापतिपुनिसीसक।
हैवहुतलागोसभभट ७८ सोरठा तबचरमैंरनरातअबसबबलफीकोपस्यो मानहुवेलिसोपात
योंकापतनिशाचरसबै ७९ सोरठा जीतेसभभटविसालबच्योनकोऊलंकमे त्योंसबमेरउहिमालफिर
तबहूंरिसिअचलसो ८० सोरठा जेआवनअैंडातभजाठोकिसबसूरमा तेरोमानिरबिजातज्यों
पंखीगिरिपरिबसै ८१ सोरठा लगैचरनसबसूररघुपतिचरनप्रतापते रावनमेरविसरिहन
मानपासंगनहीं ८२ अंगदोवाच सोरठा तबबोल्योसुनबालबलदेष्योकछुहतकों अजहूंमूढ
संभालचलहुशरणगहदंतधरि ८३ सोरठा गरेकुहारीबांधिजननकसहतात्यागेकरउ वैरराम
सोंनांधिजबसेवकतेंजीतीयो ८४ सोरठा कागदचरनसमानअछुरसभटानवलगे कहोउडें
असमानकेहापधारोंसिंधुमैं ८५ सोरठा तिनसोंकैसीरीसजेपतिचौदहलोकके तेरघुपतिज
गदीसतेप्रतापजानैनहीं ८६ सोरठा स्योलंकतेंबासजीयरावननिहचैकरउ रघुपतिवांनवि च
लासनिरंषिगहोशिवलोककों ८७ सोरठा अबहिंउठावनपाउसभटसबैतररहरिकीधे हरिक
रहुचिंतचाउचिंताचाउमनमेंधरहु ८८ सोरठा तबबोल्योजवराजममचरननकिमगहनहे

रा॰ ना॰ ६४ 64

चरनगहोरघुराजजोचाहतसर्वंवंसको ४९ सोरठा अंगदचरणउठाइचमकिचल्योरघुनाथपै उर॰
पिलंककोराइसभाउठीमेंद्रयसो ५० सवैया बालकोश्तसश्तनबडेनजिलंकबलीरघुबीरपेंआ
यो पाइछुयेपुलकेसबगातकहीबतीयांउनसाहबचायो नाथगिरयोनिजधामनेंरावनभ्रसरा
पवडोदुखपायो आरिदयोनमहीनबरावनआपुनआनिभलेपडुचायो ५१ सोरठा नवअंगदर॰
नधीरहाथजोरिबिनतीकरी सोकरीयहरघुबीरजोरावनपाछेकरी ५२ दोहरा यहबिनतीम
वनकरीसोमैकहीसुनाइ सुनतरामलोचनभरेअंगदकंठलगाइ ५३ कवित सीसननिवाइहोंनरु
द्रविसराइहोंनबैरीबलगाइहोंजेनेंइसरनआइहें आइहोंनतमपेनजानकीपठाइहोहोंबाजीरनु॰
मोडिहेदबोदरनचाइहों नमरिहुलाइपकुएकबिचलाइकेजोमीचुयहभातहेनऊनमीरजाइहें
जेतेचढिआयेचरणकोनापदाइहोंहोंताहीदिनमहाराजरावनकहाइहों ५४ कवित सीसदसजा
नहैंतोजाइपईकालबसिअंगदयोंजाइकहिओथनचढाइहों आजहीविभीषणकोंदेहिजीनलंक॰
सोजुआइबसेअसेऊकलंकनलजाइहों शिवजोसहाइकेभलोनहीरवशेभलोलइबोलआपनोन
देतडुखपाइहों रामचढिआयेतबडुरयोसीयदीनीकापताहीकीसभामेंअसोनाउमेंथराइहों ५५ ६५
सोरठा तीयकरिहैपरबोधअरुमंत्रीसुखदेहिगे सबकेबचननिरोधरावनकछुमानेनहीं ५६

९८॥ इतिश्रीरामयौनेअंगदसमोपनामअष्टमोअंकः ॥ १ दोहा ॥ इनरघुपतिकपिकटकलैलंकाकौं
समुहात उतरावनरिसउमोडेमनकंपतथरथरगात ॥ १ ॥ रावणोवाच सोरठा ॥ देखहुकालप्रमानअ
मरदेवसेवनचरन अबअंगदहनुमानमोंदिहुगावैरामनें ॥ २ कवित्त ॥ एकदोवकुरंगेंगेरमेलोभरिको
रकौपएकबारसिंधुपारसबकोबहाइयौ ॥ औरजितीभूमिवेदपलोदलएककोदहोंतेएकवानते
तीभमरिहउगइयौ ॥ औरजीयआवतहैलोगनसमेतगढलंककोउपारिकनऊपरिदूकाइयौ ॥ छोरि
वेदसालतैनिहालकरिनातकालआवैमनहूवैसीहालौहिएठाइयौ ॥ ३ कवित्त ॥ रिसमैजनतोईजा
नउठनिचबचवातचलोरनवासकोनहारिसभावलीहै ॥ देवगयेदेवलोकदानवभयेसमेसोकआज
महारानकोनरेखीधुनिभलीहै ॥ एककहैहमतोप्रकारिसिरमारिरहैकाहूकोभलाईलककंचनकौ
जलीहै ॥ सन्योदमअंगदप्रकारिकह्योरावनसोंनोदिखैलिजेहैसीयमडरैनेनछलीहै ॥ ४ कवित्त
एकहाथपोपहैसोकोपरिजनावनदैएकतौयहाथपरिरोकोपएकभालसों ॥ हैसोशिववंदहैमरो
रिअघगगाइजगोपककोऊठारकयोमारोरिसकालसों ॥ हैकमानबानतीनसोत्रिलोकडारिएकम
छनकोनाउदेनलाभपोपकहालसों ॥ दौरदौरमकछुबिधेसीभांतकछुनिजमंदरकोचलेबा॰
कौएकअबकमालसों ॥ ५ कवित्त ॥ अंगदखिजाईयोवाकिबादकोनकहैसकिदेवपूरदौजकिचा॰

काल

मरमरितहैं एकफूलमालहाथएककेगुलालकाहूदेननजवावमानोवारहोत्र्प्ररिनहैं जच्छरच्छ
किन्नरभजेंगानकीवेटीसवहूठीमातिभईश्रापुश्रापकोंचकितहैं चहंगदकेहूणनीनीकेकैनिद्रा
ह॰ सिचलेवोंदरहैंग्रावतकिबादरश्रमितहैं ६ कवित्त देतकिलकारीसवहीतेडीलभारीएपहहाथकोउ
ना॰ ठावैतोनरुह्योशाभिमानहै गतेविकरालनैनकोएमानोश्रेनवैनश्रंगकोकठोरतातेंकोमलप
६५ घानहै याहीकोतोश्रंगदकहतहैनामदिगपगटेकहातेंरणजहकोनिदानहै याकोयरिचान
65 तहोलंकाजारीजानतहोश्रंजनीकोसुतवडीग्रायहनुमानहै ७ कवित्त देखगनीताकेपाछेश्राव
तजगानश्राछेकोपैकह्योजाश्याकेवलकोनपारहै एकवारमेरेहाथलागोहोमैछाडिदयोताके
कपिनानिशिचिरश्रवतारहै भाईहमिकीनोजिनदेसराजलीनोसवनेऊवैरकीनेयाकेवैरनउधार
है नाउकपिवालीजोनकालवसिभयोजोतोभयोतोतोताकोसुतश्रंगदकुमारहै ८ कवित्त सवै॰
श्रंगवडेकेसदेखीयतरीछभेसयासोलरिवेकोनदिनेसश्रनतहै याकोकोऊरानीरनभूमिकोवद
वैऊएश्रेसेश्ररिमारेमानोखेलतवसंतहै सूरनकीभीरघेरेरूपमसचावतहैदेखनकोंश्रेसोमानोको॰ ६५
ऊवडोसंतहै वांकोवलवंतजाकोपाइयेनश्रंतचतरानकोश्रसजसवंतजमवंतहै ९ कवित्त श्रौ
रकपिजघनमेहैजचलेश्रावतहैवैरीवनदाहकोंदावानलप्रवलहैं श्रौरननैंसनेहैंसनेसदीमेंदे

खेग्रानवडेडीलमाइनभूमिकोंग्रचलहैं देखोचहूंओरननैंग्रोरजेतेग्रावैंकपिमानोकविरामभा
दोंबादलकेदलहैं होंनपोंहूंचाननतेहोंग्रेमेंघ्रनमाननहोंग्रंगदकहेहैंमोसोंपर्इनीलनलहैं १० कवि
न बडेसनमानयाकोंकरैसबकानग्ररुसबैकपिमंडलकोदेषीयतजीउहै याकीइतिग्रागेंछवि॰
ग्रोरनिकीफीकीलागेदेषोकविरामसानोपोरषकीसीउहै याहीकेनिहोंफूठेसोंचेरामसारेबाली
लोगयोकरहतनीयलेदईसकीउहै सबेयाकोनाउमेरेदेसदेसगाउसबशारवामनसराउरविमृगनि॰
सुग्रीवहै ११ छप्पै सरदकमललोचनविशालग्रलिकजन सजलसघनघनइतिसरीरबनमाल
इंद्रधनु कोटिमदनछबिरविप्रकासलावण्यसभगतन भुयमंडलग्रवतंसचरनसेवतहरमुनि॰
जन ग्राजानबाहुसारंगधरग्रपमउधारनविपतहर कविरामप्रगटरघुवंसमनिग्रवईसीतापति
रामवर १२ छप्पै तरुनिबंसभजदंडप्रगटपौरषप्रचंडग्रति छितिमंडलप्रदंडचक्रितनवखंडश
चीपति क्रोधग्रनलप्रज्वलितप्रबलजमदग्गनिसभटहय करकुवंडसतखंडउमडिघनबरषस
मनिभुय ग्रतिहेडमुंडकारानिन्दपतिकरमसंडकरावरहरन १३ छप्पै कनककबारनछबिमैननै
नबिसीयरुजनसायक कमलवदनसुखसदनरदनदुतिकुंदपलायक भृकुटिभ्रमरचंचल
कपोलमृदुबोलग्रमृतसम सुहृदयीवरससींवमकनाविघटनतम जत्तोपवीनकटिपटुक॰

ह॰
ना॰
९९
66

ललितरघुपतिअतिसेवानिपुन सोईजानसमिभ्रासनअगारसुकविरामअभलछमन ४ कवित मानोक
नकाचलसौंनीलगिरचल्योजातकिधौंघनघटाछुटादामिनीप्रकासहै किधौंघटपावसकीमावसमैंर
मोतनकिधौंगंगजमुनातरंगकेबिलासहै किधौंदिननैननआगेणछैआवनहैंकिधौंमरंगपुंजकंजमाल
मैंगुहवासहै किधौंबडवानलसमुंदकठौरअैसेरामचंदलछमनसोभाकेप्रवासहै ५ कवित प
तेतौकहेबिचारआयेकपिबेसुमारयौरपयुपारकहालौगनाऊँग्रौरके हनैकौनग्रावैशोरसौगुनोम॰
चौवेसनैनोशिवकीदुहाईसबमेरीएकदोरके मीरकैपरतेउंभकानदिजगेहौंजारजाकोभछबानरपि
टैराकोरकोरके ताहूपरमेरेभुजदंडकीप्रचंडचोटलागेहूदिजेहैंजसेबासनविलोरके ६ कवित
कौनेकपिराजनारिगईनेनरहीलाजताकोरवासत्रासकेउसासनिउसारहैं कहारेकनीलनलमार
तनएकोपलरहनमानबांध्योनेसेबडरौंबधारहैं एकनकोसिंधुबोरिएकनकीनारतोरिएकनिमरो
रिमुंडकोटलेबनारहैं जौजिनएकरामकोनगननीमेरामतकोभाईभाईसोमिलारखारजारहैं १०
कवित चहूँओरछेकिकेकिमारोगनिएकएकबचिहैनकोऊतबकौनकाकोरोरहै ओणितमैंभ
लीभांतभैरवहूवाउंजथजोगनीअघाइकैपसारिपारसोरहै मेरेबलआगेकौनकौनकीगईपतिओरवे ९९
इहासकौनकौनकीनघारहै एतेपरिरामकीहैसहैहूनाहींनाहीभलोभलोशिवजीकहेगोसोरहै॰

होइहै १८ कवीस्वरोवाच सोरठा यहहंकारप्रतापअंतरमैंलैआमसों कौनकरैरनपञ्चापनामल्लेतला
ननमरै १९ दोहरा जोकोऊतुमसोंयोंकहैबिनबूझेयहबात रावनसबकोबलकह्योकौनदेतसं
कुचात २० दोहरा बैरीकोबलकहेतेंसबैसुरनातजात अबरावनलंकापतीकाहेभयोबिललात २१
दोहरा फिरिपाछेतेंदेसबैबहुरिकहाथरहेत कैउरपैकैलरनहैकिधौंजानकीदेत २२ दोहरा
नाकहाफिरिसमझाइयइजुनइसंतमनलाइ भलीभ्रमननतुमहूंकरीउतरदुनउअघाइ २३ सोरठा
कीनोंआपविनासअसुरजोनिरावनपरयो हूतोपुरातनदासअभगतिभाउमनमैंरहै २४ सोरठा
जोअपनोंनहिहोइनाहिगप्रभआवैनहीं ज्योंखेलनमैंगोइबहकिगयेखेंचताफिरैं २५ सोरठा अ
हप्रभचरनप्रतापदर्शनहीमनफिरगयो सुकोसंभावैआपजलतरंगजलबिंबरवि २६ सोरठा
शिशरहोतपतझारिअंबकदाहलपकसो रामबसेननिहारिजगजानैमोरनप्रगट २७ सोरठा
लगीस्यामतारेखबिनजानैमुखविसदको बडीआरसीदेखिहरिकरैकैविसतरै २८ सोरठा
औरजगतिसनिलइतुमहिमनावतरामकवि कैंफिरिउत्तरदेहुकेसमझोसखपाइके २९ सोरठा
रामैरामपुकारिहनूमानअंगदकहै रावननतबारिसमारिरामचंदमनमैंधरै ३० सोरठा प्रभज
नीविपरीतिमनमैंहौंरावनरहौं कहाजुद्धकीरीतिजबलगहौंजीयमैबसो ३१ सोरठा देखत

श्री:

रा:
ना:
६७
67

हीरघुराइशशिरदेखेजोंमनइवे सबदैनिकेउनगाररामनामरामदिमिलो १२ सोरठा जोंकोकलाखला
नकाकवेसवासोकीयो बोलतऊलपदिचानरामनामश्रैसेगयो १३ सोरठा नवलगिचमकतरेतरि
करकिरनप्रतापते जवश्रपनोबललेतबङ्गरिपरिकीपूरिही १४ सोरठा नापाकेवेदसकेधरिसव
हीभजबलकैहै भयोश्रेपकोश्रपताहीतेनिंदाकरे १५ मंदोदरीउवाच दोहरा नवबोलीमंदोदरीव
रनलगायोमाथ वचनयथारथमेकहोंसुनङलंककेनाथ १६ सोरठा विनाजतननसोसोरजकञु
भागविधनालिष्यो श्रैसोराजनवोरसुरनरमुनिबंदनचरन १७ कवित्त कंचनकोगाउतिहूंलोक
नमेनाउसदासुखहूकोठाउहैनबोलपरपंचके रुद्रहोतोश्रैसीरतिजानेसुरलोकपतिखीजेउरिजा
नवैठेश्रानंदभमेचके मेघनादश्रादिदेसहाइकहैसवेसरशूरनभंडारमणिमानोगिरिकंचके श्राज
तोबिभनचरमाहितेरेश्रैसीजैसीइंद्रनकुवेरकेनवरुणविरंचके १८ कवित्त चहूंडोरसैनदीनश्रोर
नारिहरकीननारिकोनवारकहैबिनतीकरतहों एकबातमोहिमांगीदीजेनविलंबकीजेकोऊदिन
जीजैजानेनारीकोनरतहों श्रैसीकोनबाततोकोवेगिकेनमागोरानीमागोंजोनदेहुतातेमागतउ ६७
रतहों एजकेंानकरोकरीयेहैं श्रवसरैसिरजानकीनदेहोंदेहुपारनपरतहों १९ रावनोवाच सवै
या सोसीयहैसिरकेसंगमंदोरीरावनश्रोरघुनाथजनीके देखसंचारिजुडारतहोंकपिजथ्थरतीबिन।

एकरतीके रामकेजीततयोंभजिहैजैसेकोनकदेवनद्वारसतीके आपउमापतिबांधियोसबपौर
षहेखङ्डलेकपतीके ४॥ मंदोदरीउवाच सवैया नाथयहैसबबातसहीपरिसोतुकहोजिन्हेंतुचित
ई जाकहवेदपुरानकहैसोई जोयहरामतोहैनभलाई जाननहौंसनिनारिभलीविधिकाहूकिबाम
नहैडहकाई एमबदंतकथाटईजोविकसोयहबोतसोखाहकमाई ४॥ रावनोवाच कवित्त चारोंजु
गजहीतहीतीनरामसुनेसहीयेसोकीनतीनिमैजमेरोबलटेकहै एकतोपरसरामहजेबलिराम
एकऔरससमोकोऊआपोपावनेजाउसकहै मोसोंसुनिप्रगटविरंचकह्योबारबारतेरीऊरतीनलोकमा
हिकौनदेखवहै एकरामबीत्योपकहैहै एकछेकनहोंरावेपुनबालेसुनोरावनहीछेकहै ४॥ मंदोद
रीउवाच सवैया सोडरपीनबबातसुनीविपयानिबनीविधितेंडहकायो देवनकेपरपंचबडेजुक
ल्योतिहठौरकहूंनदिपायो जोयहिरामहिछेकतहोप्रभनाहीकेहाथनकोनछिकायो अंतकोंचो
थेहंकारमेकैरिसछेकिहै रावनकोंयहआयो ५॥ कवित्त सोईयहरामनेरेकामछाडिआपोथामजा
केबललोकपालीनिरभैरहतहैं सोईरामछीरसिंधुतेंजगायेजाइबिपितमसोंनकहैदेवनमनेंडरन
है इनहीकेमारेमधुकैटमसिधारेअजहूलोतीयनैननतेंकरनाकरतहैं औरएकबडोहैसुभाउनेंजु
जाइमिलेऔगुनोनहोनतासोंसोगुनेढरतहैं ५५ रावनोवाच सवैया रामकेहेततौबातकहीस

रा॰
ना॰
६८
68

सहीअबआगेतेंमोनगहौ तौयहैविपरीतकीबातसहीतबलंकदहीअबमोहिदहौ गदआनिवि
भीषणराजरघुबीरकेबाननदेहसहौं तिनराजदयानहिसीयदई१रकरावनकोयहबोलरहौ ४५
मंदोदरीउवाच सवैया आपुनेहाथनिआपनेसीसउतारिउमापतिरुद्रहिजाये तेपुनिआपुनेहा
थिसहथारिसथारससानिकबेपवनाये बातकहैबिनकेंरावनिहै सुनिमुडजेरामकेबानगिराये
रुदइकहासतिछुइनेमेंडुनरुहकेबापपैजाहिलगाये ४६ दोहरा केमिलिकरमेरोकह्योकैकरि
मेरोघात पाछेबचनसंभारियहुकहौनिफोरकबात ४७ सोरठा तबहीलैतौकानिजबलौ
जीयजोबोनहीं फिरिकासोपहिचानआयबनैजैसोप्रानसो ४८ दोहरा वेदपुरानसिंमृतसबैबोल
तबचनरसाल रामविमुखनरतैंभलेसूकरस्वानसिगाल ४९ सोरठा औरकहौंरकबातराजाप
सबहौहिगी जोपैयौंउफनानरामतेजनतीछनलगे ५० सवैया तेंतोभयोचतुराननकेकुलयोरष
मैनकहूंछलतिहै सीयदेहिसखीकोतिंसबसैजोसहीशिवकेपदसोंरतिहै सुनिनातुरहैउतपा
तबडेमोहिजानतहेतीयकोमतिहै सठसोपरनीसरनीसरनीगडुकीचरनीसबकोपतिहै ५१
कवित बाततौबनीहीभलीआजुलौगईहीचलीरामसोंजोबैरयहैबातजानीज्ञानकी सूकोबे
लिकालकीकेफूलीलागीकलीसुतोजारिदिनतैंलेकजलीबातसोप्रमानकी तोकोंनिजलोक। ६८

दैकैआपुनोऊबोललैकैजाननदैंबातकछुसिवकेसिपानकी गंगकेतरंगसोअनंगरिपुहइते
तैसोईहैसमुंद्ररामनामलैहैजानकी ५२ कवित बानरकेरतमिलिबडेअबधूतदेखिछिनमैक
सतकरिडार्‍योहैसमुद्रको हनूमानआयोतिनठोकिकैजरायोपुरवाकोकहैअंगदकोआहैकामधु
इको रामचंद्रजूसोंसबरीकोबलफीकोजैसेबामनकेआगेवेदकोनसुनैसमुद्रको तैसेजीयमैनरहै
प्रगटपुराननकहैजैसेप्रभनेरोरूहैतैसेरामरूद्रको ५३ कवित जैसेभ्रमटारिकैमिलैबिबेकबानी
नमतीतिलोकमाहिचंदचांदनीनआनकी आरुऊमलानीऊमर नीछबिपारससिलोककोनि
वारिरूलिजातहैअचानकी जैसेबडेपापकोपछारिदेविवेदविधिनाइमिलैनापसीकोजोगज्ञ।
गदानकी तैसेनाकोऊदुंबसमेतपीसिडारैकेतरामचंद्रजूसोंमिलिजैहैतबज्ञानकी ५४ क
वित जैसेपौनपानीमिलिजाततानदोनीचैसीबानीकोनोसदानितकोप्रबीननेकहै जैसेच
रसनमैपलोप्रतिबिंबरविफूरैचटमाहिसठसूसनअनेकहैं जैसेरागनानमिलैवेदकोंपुरान
मिलैसकृतसोदानतोतरंगजलटेकहै तैसेपीयजानकीकेनाथरघुनाथतेरचंद्रमैलपारब
तीनाथनाथपकहै ५५ कवित कौलोसमुझावैकोऊखोयेखिनमोहिदोऊलोकपरलोकगयो गयो
सिवहूकह मेहूसानिगोरीवरहूहैरहीचकोरीरामचंदबिनतेरीओरदेखतिननेकहूं आयेरघुबी।

रमो सोय रहै बड़ी पीर रणाता सों कैसे जीति हो न जी नी सीय ने कहूं मेरो कह्यो मानि बात यहै साची जान
मूड़ जौन मानि है तो दुख पाइ है यनेकहूं ५६ कवित लै आये गो तुरा रसीय थसोउ रूतै न जीय रामचंद
जसो अैसो उख दीजीयत है नायरि निस कपर जेक पोहे लंक पति लै कलंक मंड पको दिन जीजीयत
है अजहूं हमारी मनि मान की रेराष पति नारि है को कह्यो कहूं मानिली जीयत है खामी देखि ते सी
हामी शंकर न भरै आज बौरे बामी कामी अैसो काम की जीयत है ५७ कवित रनकी टकोर गाजे
डंडुभी मैमारू बाजे ते रै जीय अैसी रूद्र मेरी ओर ल्लैगो जैसे तम दानव भये है एक ओर सबनै सदेव प
कहो तबी चिकौन परैगो बोलन गये ते शिव कहे गो तं बडो पापी रामते न डस्यो तो तं मोते कहा डरै.
गो हरि जाहि नारि नागी बोल कौ तो पीठि लागी बेटा सुर रागी अैसो भाष फेरि कैरैगो ५८ कवित
तहै देन नो निधि रूठे ई सुकति बिधि अैसो करना की निधि को है कहा पाईये रूठो सबने रोदूठ देव
नाजे है सद सोई रघुबीर नील कंठ कंठ गाईये सिमरै जएक बार ना को राम बार बार बिसरै बिसारै
नाही सा को बिसराईये रघुकुल तिलक मिलक बल जाको ताकी कि लकि कि लकि के सरनि कें
ननानीये ५९ दोहरा पुनि बोली मंदोदरी सुन बात निफोरि श्री रघुपति जस सोक है जाके रस
नाको ३ ६० सोरठा मो मुख रस नायक शन गावन समैते बके रघुपति चरित अनेक ताको सा.

खभनेंगपति ९१ सोरठा जौखगगगनउड़ातनबिनाअंतगिनिभरपरहि तैसेमतअनुमानरघुप
तिजसगावतसबै ९२ सोरठा तोहिनउपजततानराजासोहप्रतापते अबनिहवैजोयजानर
मविमलखमुखनेंरहै ९३ सोरठा महिमामाहिअपारसेषवीटमेंदरभरिरहै थेहेगंगकीधारसेव
अजउहैस्थानमें ९४ सोरठा कहिवेकोवैनीलविनाअंतआकाशज्यों त्योंसीताकोसीलसातलो
कऊपरिसदा ९५ सवैया जानकीकेसततेंधरिसेसरह्योछितिकोसिरभारनलागै जानकीकेस
ततेंशशिसूरफिरैकनकाचलसोंअनुरागै जानकीकेसततेंशिवसाधसमाधिरहैअजहूंनहिजा
गै तांसतदीपकीजोतिनिहारिकेरावनरंकपतंगज्योंपागै ९६ सवैया मेरुचलैफवसोंछिति
मंडलनीरखपारथहैप्रजरैरै जौसीयरोसधरैजीयमेफिरिकेमरुरीतबकालमरैरै जानकीसी
लपतिव्रतकेशिवशक्रविरंचलैपारपरैरै तोहिजआपनदेतसतौरघुबीरकेपारनतैंडरयैरे ६७
कवित्त प्रभतोबड़ोहसीलताताकालकीनदीलतेरोडीलदेखवेकोकौतकसेरामहै लछमनके
धकैसोईभौंहटेखिडरैरुद्रआनिबीचपरैताकोकौनकामहै तेरोअपराधसीयमानिहूनलीने
जातेंभसमनकीनोयातेंयाभ्योक्रोधथामहै ताकोआपदीजतुहैजाकोनामलीजतहैराम
तजिनीचकौनलेततेरोनामहै ९८ दोहरा कैपबचनबिचारयतिकैकृपोपरधान विनआरै

रा॰
ना॰
७८
70

मतिनाइबोकहियौकौनसयान १९ सोरठा सुनिदेवनिकीरीतिभीरपरेसेवतचरन जबदेखतबिपरी
फिरिमारतसमरसिमारिकै २० देववाच कवित्त मोंसोंअैसीभांतनिमंदोदरीसमोपेसोंसोंदेखदुखपा
वैकैहैकैससमुझाइये याकीबातमानैसीघलैकैजाइमिलैपदऔगुनबिसारियाकोसोगुनोबढाइये
लाखपैचनसोकोऊजोगहैबनायोविधिहोतहैसहोनदेऊफिरिउरझाइये कोऊयाहिनाइसमुझावे
गेइमौनभंजिनोकोऔररावनकोयोहैसुनाइये २१ दोहरा मतिमानीयानारिकीदेवमनावैदेव सी
तासनतैनाइयोरावनकोग्रहमेव २२ सोरठा निकसिमहलतैंआइसभामाहिबैठतभयो मंत्री
चारिबुलाइकौनकौनकविरामकरि २३ सोरठा तीयसमझायोतोरसमझिगयोरावनविमुख
रामकैसोहैइकहाककहाछत्रपति २४ रावनोवाच कवित्त एकमुकतोकोतमग्यासस्तनमा
नोजिनदैकैबैठेआदरमहादरबुलायोहै औरबीहूपाछनाकीसाखदीजेदेवशरनाकीभजगहिकै
बराबरबैठायोहै चौथेएकसारणसुमंत्रकोप्रवीनकह्योसबहीसुनाइयहकौनकालआयोहै के ७८
ऊकहैरामभजिकोऊकहैसीतानजितमहूंकहैतौकहाकरौंडरपायोहै २५ मंत्रीयोवाच कवित्त
चारोंहाथजोरिफिरिनासौंकहैबातउठिजोकहौतौराजामतिएकहीदिढाइये औरजोतिहारेमन
हैवेम्यारेम्यारेहैकैजोईमलोहोइमंत्रसोईयेएकाइये एकबातनोसोंहमसबैकहिलेतबेरीछाटो

कहिजानेतेंननीतिचरचाईये कैसेंनैसेमहारुद्रबैरीसबकीनेंछुद्रतऊसावधानसदाकहोनीसन
ईये ७६ रावणोवाच दोहरा नवरावनफिरियोंकह्योकहोरुद्रकीवात नासनिकेमेरेसदालोच
नश्रवणसहात ७७ मंत्रीयोवाच सोरठा चारोकहरमविचारिश्रुहिनीकेकहिनीनीये नऊनै
कुविशिवश्रजहूंदुचितोरहै ७८ सोरठा प्रलैकालकोहेतब्रह्मरुद्रमेंभेदनहि सोतपथनहिनैकेत
श्ररुदानतोऊतसदा ७९ कवित देसनकोराजुनहीराजकोसमाजुनहीखाननसोकनाजुनेंहीव्याजन
नहीश्रावतो कोऊबडोबापुनहीमंत्रनकोजापनहीहाथवानचापनहीखपनचलावतो बलकी
प्रतीतनहेंजठोरठोरजीततऊबैरीतेनिचीतिहैनश्राधिनमिलावतो तिनहीकेकाजमहाराजसतो
नोसोंकहैंजैसेबोंतनिकोंरुद्रहैबनावतो ८० सोरठा मोचबिमारिसमाजसोसबदनतमसोंकहै
श्ररुजानतमहाराजकिपादानसेवानिपुन ८१ कवित रावहीकोदेबदेतश्रोरनकोलाखनाकोम
खकोंपुरानवेदश्रानदीजीयतहै श्राकपातखातविषभांगसोंश्रघातरूदेतफलसिंधुतरुभिक्षामांगली
जीयतहै वारनकोखालगरेरुंडनकोमालनैकुगालकेबनायेहाखनालरीफपतहै बैलपरबो
नाहरपातरोनदोनाजहांपन्नगकोछौनाबिछौनाकीजीयतहै ८२ कवित रुंडनकीमालश्रशिभ
ललोचनकरालडोरूमगछालकटिकेहरिकीखालहै नेऊहीबजायेगालरीझिजाननातकाल

विस्वप्रतिपालपुनकालहीकेकालहै रावनअभंजननिरंजनप्रसन्नमखगंजनअनंगअंपदीनको
दयालहै तीनोलोकनाथभोलानाथसुरसरीमाथपारबतीप्राननाथसबकोकृपालहै ८४ कवि
त काहूकोनकरैनाथुताकोकोऊमानबापहूनानौवरसरापसदाअभमतिहै नैकुहूकेरीझेरामन
वनिधिडारैदेतमनकेविचारैतेप्रकारपहूचतिहै भसमचढायैबोयैदायसोइरायैबोलदरसनपायै
ह॰ ना॰ ९२ ताकोगतिहोकीगतिहै मेरुगंगापारमाथेचंद्रमाविनैनधरकंठविषधरअसोपारबतीपतिहै ९८
कवित पावनेनतिवायोमाथचंद्रमकोतेभोलानाथभयोनमुकतलानेजीसोंरवीजीयतहै सतीवा
हीदोषहीनेपसुपंछीकोटकिममानुषकोजनममरनदोजीयतहै रामअवपारनपरतमनमेडरत
यहैएकनयोअपराधकीजीयतहै जनमनलेहैपगसोसनछुटैहैआगेकोऊपापछमोनमेकहैली
जीयतहै ८५ कवित यद्यपिमनोजबेरीडास्योकरिराखहेरीनऊगिरिजाइअरधगहीअधीनहै या
हीतेंसुधाकरकोमाथेपरदीनोसुरकालकूटपचैविनपचैकंठलीनहै भलेकालआगिहूकोनैन
कीनोरामनाकोजटारेगगराषिवेरीजानमोनहीहीनहै अैसमहारुद्रमानेडरैकालछुटसोईरसकोस ९२
मद्रराजनीतकोप्रवीनहै ८६ दोहरा जोवैरिनतेंडरपहोहद्रादिकसबदेव तमसबविधिहदे
वलीनऊनजोअहेमेव ८७ सोरठा मेत्रनकीपहीनबिनबूफैबलैनही सरउरवांधोनीतमंत्रावि॰

मंत्रविफलतेहोतहै ९० सोरठा रघुपतिमीरीरावरकपिदललैगढलंकपर तुमकोमंत्रविचारसम.
कपरेपलकासुखी ९१ सोरठा जेप्रियबादीलोगभीरपरेप्रभसौंकहै अबेताकरलैभोगकालशत्रु
मारैनाहिंगे ९२ सोरठा तिनकेबचनप्रमानजोभूपतमनमैधरै तिनपरकालपलानजगजीवननि
शसपनसौं ९३ सोरठा कहैमंत्रविपरीतमुखमीठेजीयमैदरै पिनाबेधगुरमीतसरग्रुरकेमतमा.
नीये ९४ दोहरा रावनउवाच रावनतिनकेबचनसुनबोल्योनवमसकारु लाइकबैरीजानीये.
तबकीजीयेउपारु ९५ कवित कापरविचारौंमंत्ररामकैोनबलवंतऔरकपिजूथकोऊलायकन
जान्योहै जोगरूपराजनहींरनकोसमाजनहींकैोनजानैलंकापतिकहाकरमान्योहै शत्रुनबदनचा
रीयातेहीसकुचभारीकासोनाइलरोंमैतोअसोजीयमान्योहै जैसेसिंघसारकोनपीडितगवारकोप
पीलकाकोकहूगजराजनपलान्योहै ९६ दोहरा तुमहूमकोदोऊकहेरुचअनरुचकोधीर जोमेरे
मनरुचैगीसोकरिहोंसनिबीर ९७ सोरठा तबसकमनहूविचारिअबहिजयारथकहतहे तोयहू
मारेउरपाछेकीपाछेलगी ९८ सुकउवाच कवित सुनराजालंकापतिआजतेरीबातअतिकोनसु
रपतिधनपतिलोकपतिहै बीसभुजबलवंतदसोमुंडडरहुंकरकर्यौपसुपतिऐसीतासोआजनरात.
है तीनलोकचरनकमलतेरेसेवेअरुअमरकोपीनचेरीबोलकोबसंतहै भलीकरीहरीसीयरा

हूं॰
ना॰
७२
72

मकोबिसाहिनीयबोलियोतबसाधुसाधुभलीनेरीमतिहै ९९ दोहरा जबशुककेबचननहस्योदई
बडाईताहि तबसारणमनमेकहैरहोतोऐसीयाहि १०० सोरठा काहेकीऊसरानऐसेमंत्रसराही
पै पराधीनकीबातअरुप्रभुतजेअनीतहै १०१ कवित्त तोबिनाश्रीलंकपतिचारोंतनगमूढमोनिच
हीचकरानननलोसदाआवागोनहै सरसशिसेवेपोरखोंथ्योसरराजदोरनेरीहीअधीनकालनरपति
पोनहै कुंभसेकरनऐसेआपदाहूरनबीरमेचनादसेसहतनोहिडरकोनहै हस्योतबसारनकोबा
रनदिवायेदसम्यारतेरेआगेवाकपतिकोनोमोनहै १०२ दोहरा कहैमदोदरहालतोमनमेफूलेफू
र जबहिनयारथकहैगोतबकरिहैचकचूर १०३ सोरठा हमयाकेआधीनश्रीरघुपतिजानतस
बै स्योलंकहीतेदीनकपिनाचेबैठेउठै १०४ कवित्त राजातेबडोरसत्तकीनेनैंअनेकजततनाको
फलजागेपाजोतेजानकीकोल्यायोहै रामकोसभाउसबलोगनमैयहैपत्योओरकहोकाहूकी
हूयातेडरपायोहै औरजोत्रिलोकीकोरच्योचाहैतऊरचैनोहीलोनरचैजोलोजीयमेनआयोहै
काहैतेमदोदरमोसोनकहेऐसीबातमत्रीहैपरानोअरुमेरोईबडायोहै १०५ दोहरा बिरूपाक्ष
मनमैकहतनिकटराजकोजोर ठकुरसहामीबि
नकहैमोपरिपरयोनचोर १०६ ॥

७२

बीरूवाच सोरठा कोटकसहोयग्रकाजग्रोरग्रबहिसिरकाटीयो ताकीजननीलाजरघुपतिनज
ग्रोरैभजे १७ कवित ग्रैसेहमबलीभयेमातोलोकछेकटयेबहुसोंफिरैनेग्रतभमहिग्रपारहै हा
लहमरामबलटापैजेसेतलग्रागिमगटभयेतेकछूपाछेकोबिचारहै बोल्योतासोंकोपकरिकेंरिं
बीरूपाछेग्राजमेरोजानेतंतोबदेवोबावरोगवारहै यहमोंकहताहेनेसोंहदेकेबुकोराजाग्रोरैकछु
मंत्रहैकियहैमंत्रसारहै १८ दोहरा तबबोल्योसबसोउलटिग्रोरैकछुबिचार बीरूपाछेकहत
हैग्रबेकरोनिरधार १९ दोहरा पुनबोलेतासोंसबैहाथजोरिसिरन्याइ महाराजजोकहीहीदोऊ
कहेसुनाइ ११० सोरठा तुमसबकेसिरमोरएकपाछबिनतीकरै एकमंत्रहैग्रोरग्रायसुबिनकों
कहिसकैं १११ सोरठा बांपकलाकीपोटजीयमेगिररावनकहै कौनबज्रकीचोटमंत्रीसुरपति
मारिहै ११२ सोरठा जोकहिहैसीयदेहुतौहौंकयोनमानहों जहसामहेलेहुतौयबचनप्रमानहै
११३ दोहरा फिरबोलेलंकापतीकहोदूसरीबात तुममंत्रीमेरेसबैरघुपतितेनडरात ११४ सोरठ
रावनकेयहहेतयाहीतेग्रमताकहै यौनाहिजानतप्रेतम्रगाछैताकेसिंहको ११५ दोहरा सबसक
कोंबोलतनभयेसभकेग्रागेधाइ ग्रोंतबैतेप्रमताकहीसोंग्रबसातुसुनाइ ११६ दोहरा तबसारण
सोंसकककहीसनमंत्रिनकेराइ बारनसैनमचरगयेमाकोदेतफकाइ ११७ दोहरा पुनसुकमन

समज्योन वैजन्हादियो सतरात धर्मकरत जो मारिहै याते भलीन बात ॥१८॥ कवित्त राजासुनउक
रसहानी हमसब कहीं अबनमें है बचन जथारथ सुनाईये रामको पचीटीनें बिरचलै ऊनबचे कोऊ
ओरहनबीच मानकहालौ बचाईये औरविपरीत अपराध बिनताकी तौपाप नेच्हरजा रखुलबल.
केचुराईये भावे मारउारमहाराज गजराजसुनमदके भयेनेकहा केहरिजगाईये ॥१९॥ कवित्त
बोल्यात बलेकपतिकौं रेकीटमहूं मतिरामबलकहै अतिबुतीयांदहतहै बीसभुजसीसदससुना
सुरसबै बस उमापतिमेरे बसपीतिकै बहतहै देखसबही कोपकमींचहीको हीइउहसुनोकालब्याल
पोंटबोपिही रहतहै साचुकेकहेते राजा ऐसो दुखलागतहै सुकनो कह्यो है अबसारणकहतहै ॥२०॥
सारणोवाच कवित्त नीतकी सुनतबातकाहेकौं रिसात प्रभमंत्र सुनी येतो क्रोध मन मैन धरीये औ
रसबबातनकौं पाइनअथीनरहै मंत्रजबहूं कौनबहै मै अनसरीये सुरकोसभाउबिनजहूंनकरैब
धानकारसों कहाचरवैठे साचकरीये जौलौसीयाघरमै बिराजमानमहाराजतौलौलाषरुद्रको
सहारहूंते मरीये ॥२१॥ रावनोवाच कवित्त सारणबारणादिये हैंसुनो फेरलङ्नानन होपापीयहरा
महीकौउरहै काहेरेकसतसबमंत्रनमें नीचमत आजुराम चहूसुरपतिहूं तेजोरहै ऐसीऐसीबात
नकेहमके बिषादकरैपतो कहै वज्रहूं तेऊसमकठोरहै बोल्यो विरूपाक्षराजा आबोबात ऐसी बु

रीतरूसनिलीनेंग्राजमंत्रकोनचोरहै २२ विरूपाक्षउवाच कवित्त सूरजवकरैछलनाहीचरीजाइ
वलनातेरामबैरभयेकोनसीग्रनीतहै राजनकीरीतरनमांडेग्ररुमारैमरैहारैपरलोकजाइजस
जवनीतहै जहांहैधरमबातनहांहैनपछपातमंत्रचुकमयेयहमेबडीविपरीतहै रहीयोनची
तनीतसदाचलेजैहोनवनीतनेकछाडैताकोकोनपरतीतहै १२३ रावनोवाच कवित्त सुनरेगवा
रएकवारहैंनगयोलरकहोनोउपावमेरुसिंधुपारउारयौ जोकहोनोसूरकोनिवारनेजफीकोक
रोससिमैनेसधारनीरनीकेनिकारयौ देवनकोमारतातकालकरोमंडमालसिवकोचढाऊंहा
लकालहीकोमारयौं मनमेमहोदरकहीसहिनवीतेग्रोरऊंचकरबानकहोकहोतोविसारियौ
१२४ महोदरउवाच कवित्त हनूमानग्रायोतिनहारीसेनजरायोगाउबांध्योबैरनाहीकेकहेते
कछिरीजीये बालहतनपायोताकोपाउनउठायोकाहूतिनहूंसोषीफोराजाहमहूंसोषीजीये बू
फेतेनसाचकहोतबुसदानरकरहोजोकहौंजथारथनेग्रैसीमैनलीजीये तेरेडरखसखजोनरा
मकोनखायोलीनहोऊदमकहोजोऊजानीग्रैसोकीजीये १२५ रावनोवाच दोहा सुनरावनजा
मैकरैकीनोग्रतिरकार मंत्रनकोग्रतिनुरकोदेखनएकविचार १२६ सोरठा इहमंत्रीकिह
कामयमकोहितसमकैनहीं ग्रबमायाकोरामरचमारीसीताछलो ८२ सोरठा सभाउठी.

श्री: यह बात सुनी इंद्रजमलोकपति भलीभली कृपानमंत्रनमानेसीसदस १२८ कवित नीयाली
नीसाथ परयो सगुपरहाथकयो नाथबडी बार लोस मंत्र कळ्ककयो है वैतो सभी बूढे कछु बावरीसी
रा: बात कहै जानत हैं उनही के नीयमें कालआयोपाछेकरामपयोहै एनीइरवपायोकयोजीमेकाल
ना: आयो कहीभलीकीनोतमनेनोरंइइस्योहै योतोर हासाथ कौन बात को बुरो मनाऊ रामगुनगाऊ
७५ रोउभई पतिमस्योहै १२९ दोहरा अबआगेळलकेरंगो सीताकीठिगनार कथासबआगेहारगी।
74 संतसनेमनल्लार १० सोरठा बहुतआपदापारगानतजनहैजानकी विनतीकैरेसहार यानहीतें
जीवनरचै ११ इतिश्रीरामगीतेनवमोअंकः ९ दोहरा तबरावनमनमेकहैकरौंएककुअबका
म मायाकोपरपंचकरचौंलछमनराम १ सोरठा तिनकौंतरनबिनासदिषराऊंमायेजगाल
सीयकीनेरोआसनबभंजिहैदसकंधकों २ सोरठा एमायाकेकालयोंनहिजाननमूढमति
मेंजीवरकेजालपरयोमीनज्युलक्योंकरै ३ सोरठा उत्तरविकुललउयोतरजनीचरतमहरनको
चित्रदीपम्योंनैनतरसरावनअंग्रेसोलगौ ४ कवित जीयमैंविचारजैसीजारबनकरीतैसीजहासीय।
वैसीचल्योतहाहीकोधारहै नीयालीनीसंगमानोरूदपैआनंगधयोकालहस्योआजकाललेत।
होउठारके चहूंचकशबदकरालभयोरामकविहालचालमेनभैरीडुडुभीबजारके भाज्योजार ७५

रावनतिहारेडरमहाराजरामचंदजूसोंकाहूकहीऐसीआरकै ५ कवित ऐसीसुनीबातहूलग
येगातकपिरामसुतासमभेभारीकहैअबकैसीकरहो आइलछमनसुसकारकहोपारगहिकोंनडु.
चिताईनायकहोनहीमरहो लोकयोंकहतलंकापतभाषोमेरेडरमोकोंडरहैभयेसकैसीभांतभ
रिहो वाकेबिनमारेहींतोसीयाकोनलैहोंहूजेभाज्योरिपताकीनोपीठचढनलरहो ६ कवित
कहीलछमनबातसुनसुभटमकटमणिऐसीऐसीबातननतेंअनुसरिहो आजुतोत्रिजीवयाको
पीठसोंलगाइराषतहोंतेचसीटतनपकोआंकडरिहो औरजोकहोतोचहूंओरतेघेरराषोप्रभजोलो.
तमआवोतोलोतहातेनटरिहो ऐहोरघुवीरक्षीरनीरकेविवेककपिभीरकोबहीरकोसमारकैनि
करहो ७ कवित रामचंदउवाच तैतोबातकरीनेरोपेमसुतोसहीतऊसुरनकेलरबेकीऔरे
भांतबातहै जोलोदससंडनकेमुंडनविखेरोधरवोसोभुजदंडननेलाहूनउचातहै जोलोनभरा
वनकोमासनउडाऊंगीधजोगनीपिसाचनीनप्रेतनीअचातहै जोलोसुनबीरमेरेबानठहरात
नहीतोलोरघुबीरकेनलोचनरिसातहै ८ कवित जोतोभाजिजाइतोनपरोंआगेपाइअरुकपिम
नेकरनबआगेअनुसरिहों देखीयेबिनाविचारस्यावैसीयामेरेढिगताहीवरीताकोमारनेहीव
रीमरिहों जोलोरनआइसमहाइंदुभीबजाइजैसीभांततरेमोसोतैसीभांतलरिहों ताकोनीकेमा

रा॰
ना॰
७५
75

रघाछेराजदैविभीषनकोंलंकेपाछेजानकीकीमनोहारकरिहों ९ कवित बोल्योलछमनयहकों
नरैकमारोरनबातकैकहेतेनाथक्रोधमेंउमाडूंगे सातलोकमारदैकैचापतहोभूमिफटजाइगीयता
सतबसेससोंरिसाडूंगे ऐसोकोऊचवदहभवनमेंरच्योतुममभ्रकुटीचढाइरनजासोंसमुहाडूंगे भोग
कौनमारनहोमोकोंनपचारतहोजाननतहोंयाकोराजयाहकोदैजाडूंगे १० दोहरा पर्योकरनबि
चाररतउपजतजरहतरंग उतरावनसीयहिगगयोलेअपनीतीयसंग ११ सोरठा पीयजीयअन
हूविचारममसीयअगनभेदनहि चटजेवरीनिकारचसीकूपकबुसेषकर १२ कवित जैसेकन
कावलसोंलोहज्योंविवेकमोहजैसेदिनदीपकतेआगेतमजामनी जनकसुताकीदेहदामनीदम
कआगेतनतोलागेऐसीकोरबादरकीकामनी म्रगमदकुंकमकपूरबासतेरोतनतोसोंसोचंबेली
हूतेहैनबासभामनी जैसेसीयाओरतेजकोरआवोमारुनकोसोईतीनलोकछूटैसौरभकीगामिनी
१३ रावनउवाच कवित तेजोगरबानसनबावरीसदाकीनारजानकीकेअंगनैनमेरोचटिगातहै
जौलोंशशिहरनप्रकाशननप्राचीदिशतौलोंप्यारतमसीतरेपाइनरातहै जैसेकुंजाकेनकीग॰
लालमालदेखिबिनबासेबनअकफूलफूलनसमानहै तेरेजीयरूपकोअउंबरहैभारीयेसकेबरप
टंबरबरावरीबिकातहै १४ कवित मंदोदरीउवाच ऐसोरूपभयोतोकहाहैगयोप्राननाथमोगे

७५

तेनआवैहाथमैतहूनपाईयै जैसैचित्रहूतरीबनाइकाहूदीनीहाथतनाकोदेखमूरखजोनचितकोचला
ईयै देवासुरसतीगंगागोमतीजोजमनाकेनाइकैतेगंगनमैपापकोबहाईयै आपबडजाईयैतोहि·
कोलैसमझाऊंपीयाकाहूकोतोदोटासैकेरूपचवहजाईयै १५ सोरठा घटबककबादननारखंड
तबचननिसंगमन जनविपनाउनहारआहिमखरसनाहेकहत १६ दोहा सुनराजानेसोंकहि
जोउपजीमनमाहि तजेकपटसुखपाईयैभजेरामदुखजाहि १७ कवित दानगुरुहूतसोईकुल·
मैसपूतसोईलाखकामछाडिकैजकरैयकामकों पंडितप्रवीनसोईप्रेमजलमीनसोईऔरयेक
हावैआपकेहैहरनामकों लाजकोजहाजसोईआजकविराजसोईलोकसिरताजसोईकोजभैरहा·
मकों रामकविराजसोईराजकोसमाजसोईमहाराजसोईजोईभजैराजारामकों १८ कवित सुनी
येगुरनगनीयैभगतितानसुनौबडेस्यानअभिमानपरहरीयै सोईहैसुजानजिनजान्योभगवा
नप्रभक्काइकैअसापनकोसाथअंकभरीयै ऐसीजबहोइतबजीतिहीलेजाइगोइऔरजोनहोइतौ
तौपककामकरीयै जौलौजगजीजैतौलौभलोजसलीजैदानदीजैमानदीजैदसरीजैपारपरीयै
१९ सवैया जानकीदेअपनाइलैरामहियामैनऊनरतीसुखबीजै देसबसैनदीलोकहूसैदुख
जीनबसैपीयपोजगजीजै जोयहवातरुचेतौभलीअरुजौनरुचैबिनतीसुनिलीजै बंचकजो

रू॰
ना॰
७६
76

मननेहुनहीनबरंचकहूंपरपंचनकीजे २० दोहा बदकारीसरवरकरैनबबोलैसरबैन लगतचट
कसीदेखीयेबहुरकरैजलमैन २१ कवित्त ऊचेऊचेकहेटेरेरपरपंचनमोछोरचोरहूजोसावधान
एकछलकोकरतहो रामलछमनकेबनाइमाथेल्याइमनकयोशिवश्रैसोध्यानहोहूनधरतहो
कुंडलमकुटकीचटकदीनीगंडमैनेकहूनकेहेरीऋपारनपरतहो लछमनतऊविपरीतमोकोब
डीहोइरावननेहोंतेभांतभांतनडरतहो २२ कवित्त छोटीछोटीजटामंडमोतीमालकंठफुंदकहूंकहूं
छिटकबनाइलीहूकीकनी तेटीछिनछबकेतरंगउठेरामकविमानोनीलपन्नगकेफणिमनि
सीठनी किधौंनीलकमलमैश्रमलविराजमानलालनकीपातकामकारीगरहेलवनी इतश्रपरा
धपरनैकरीऋपरैयाइतोतोतीनलोकमाहिबानयाहीकीबनी २३ कवित्त लोचनविशालमा
नोभौंहभंगमालकहैरावनकरालश्रानजानकीहरतहो जाकीछबिछुटीदुतिदामिनीसीकौं
धनाननाकीरूपजोतमैंपतंगज्योंजरतहैं गोतमकोश्रापश्रानश्राजरीनरावेमोहिदेहकेगयेतै
मनधीरजधरतहो रामकविपाकेकछुपापनकोलेखोयातेपापयोकहतश्रैसेपापतेडरतहौ
२४ कवित्त श्रैसीभांतकोनोछलकेबलप्रपंचबलरामनसंभारैपलसखदहीकीहानहै जैसेएकरो
गमैत्रिदोषसन्निपातजोगमारेमारेलोगनमैकाकीनबकानहै॥रामकविजयपिजानकीपतिश्रा ७६

येचरितऊमनपापनकोमिटैनऊबानहै जैसेतीनलोकनकेनातनमऊदेखेनक्कोनहानसरकोअल
कज्योंनजानहै २५ कवित्त इंदुभवनाइहोलनालकरनाइबडोऊधममचाइछलकीनेडीमहामके
वारनबनाइआगेकौतलचलाइमलवेधखलपदाइमानोजीतेरणधामके ध्वजाफहराइछत्रचौर
सोहराइबागेबीरनबनाइघोंचलाइदामचामके गोईबिकरालधूमकालकहालाईहीलजानकीजे
ऐसीहीबिलोकेमुखरामके २६ कवित्त रामदेखलछमनसोंसिधारेदेवधाममेरीयेशरणआव
हैनआसआनकी तातेचलोसंगहोंअनंगकेबचाइलीजेगंगज्योंसमुंदमिलीछाडबानमानकी
नाहींछिनदेखबिनैनरहैनीरदबिछुटचलीछातीज्योंमरीचप्रातभानकी गोईबिकरालधगक
लकहालाईहीलकोनपईरामचंदकोनपईजानकी २७ कवित्त हाइहाइरामलछमनजगनाथ
प्रभहाइकंतहरनअनंतहैकहावते आनहारेनारदविरंचसेबेशशिवेदतमहीकोनेननेतकरग सर
वते सिंधुसरराजऔरलोगलोगनकेमेरेआगेजाइनाथतेरीपनहीउठावते भूपदेसदेसनके
बालकनरेसनकेसभामेंमुवेशाकरिबैठननपावते २८ कवित्त रामप्राननाथकामकेलपूक
साथतमेमेरेहीअधरकोसुधाअचाइपीवते ताकेपाछेमोहूकोंकराइकैपयखपानहोऊतनभेद
हूनप्रेमडोरसीवते औरजोकरांचकहोतेरोईअमरतसाचीतोतोपानकरिकैजिवाइकोंनजीव-

श्री॰

ते आनबैरीकालमोहिआइकैदिखावैराम आसनोरामकीसदेखकहीग्रीवते ९९ कवित बैठिपर
जंकभरि अंकमोसोंकहीबातसीनामैनैप्रानहूकेप्रानमैंबसाइहै सतौमेरेभलोईमनावतहोजानी
ह॰ अबतोनैवनल्याइपरतीतउपजाईहै कपटकीबातैमईतिपटअगरसीयजीपमैंनहोनीसंगकाहे
ना॰ नलगाई रावरीतोश्रीसीगतिबातकहौंबावरीसीकहोबलिजाऊंपाछेकौनकौजिवाइहै १० क
७७ वित नीलनलअंगदतैंआगेईअनंतचनकाहूनतिवारेतुमकोनभोतलरेहो कियोमेरेबिरह
तैपौरषपरानोसम कियोंलंकपतीकेऊपैचमोऊपेरहो कियोंहनूमानजाइकहेमेरेलरैअगनि
नसोंअतिगनकोंदेतपीयडरेहो एकैबारनाथआजजानकीअनाथकरीकाहूनमवपनववध
रोऊबरेहो ११ कवित पौरषतिहारोनबजाननतीहोंमहाराजमोहितरछाडिकैअकेलेबनआ
वते हजेसूपनखाबनआइकैरिझाइरहीसहीबलजाननतीहौंबातनलगावते कहाकहोंमेरे
भागपरीमारीरामचंदसीलहोसदेखोलोकमानोरूठगावते रनहूमेसंगजोहोहातीकहोमरीसों
हमोहिछाडिकैसेसुरलोगजानपावते १२ कवित नमेहरघुनाथसरनाथबूकैमेरीगायरहोसीय
छाडिसंगऐसेकैनभाषिबो जोलोकाठजोरिकेजराइतननछारकरोतौलोपतिव्रतमेरोजैसमैसरा ७७
षिबो सीलतौसियासोतबसंगनसिधारीजबतऊभलोआजहूलोफूटोघटलोषबो जैसीआरिइ

तोलैसीअंतननिवाहीरामनाऊधरिरावनकीआपदामैनाषिबो २३ कवित अरेहनमानपगपोरष
षमाननतेरामनामलैकैजबगाउनैजरायोहै कियौंसिंधुबूडोकियौंबूडोभयौकियौंअंधकियौंका
हूआपदानैबेचिबलखायोहै देषोमिलिबानरअनंतपकमेककरिमाहकौंबजाइरामरनमैंपठा
योहै लोहअरांचलागेकौनजाइमेरेआगेओरकालकोबडोकालीगकोकेकामआयोहै २४ कवित
कवित रावनकौंमारिकैनल्यायेराममेरेहिगलछमनधोरलैकैलागेनसहावने केसनिकोछोरि
मैनजारीधरिपाइनकीताहीछिनैनेनकंजकोयेनबिछावने मेरेजीयदूतीमेंमंदोदरीकोदेनमान
सोतोसबरहीकोऊल्यायोनमिलावने देषोमोऊधारमेमनोरथकीनाउबूडीरामकविअसीसीय
लागीडुरवपावने २५ कवित एककामकरोंपतिब्रतलेतोंदेराभारीरामतनुदेषोकेसेआगकौं
दिषाईये करमअधीनरेहपैठोबारबारपरिओसरकेचकेपाछेकौंधरमपाईये तोतेसिरकमल
लैअंकपरजेकराषिताहीसौंलगाइध्यानप्रानलाघगाईये बिरहबिषारसोंमधिदेहनेहडोरखोपिउ
डीयाबनाइजाइरामसोंमिलाईये २६ कवित औरजोपमेरेप्रानहोहिगेबडेबडेसजानलछुवनअमा
नमेंडदेवलोकजाईये पहैपकरावनकोभयोउपकारमोकौंरामकरैयाकौंलोगरामसंगगाईये
जौलौकछुछलहैतोऊदंबसमेतदसकंधदिनधोरेमैंयाकोफलपाईये बातहैनिदानकीयेंरार

हू॰ नो॰ ७८ 78

कहैजानकीतोमेरीदेहमानना थ्यआगुनबचाईये ३७ कवित यहैजीविचारिकैहैजानकीप्रकारिमेरेह
थवरभागीयाज्ञरामैलपटाहिंगे औरतैोअभागेमेरेसबैअंगआसनजिरामचंदअंगकोसदाईपछिन
हिंगे देवनबिचास्योपतेमायाकेबनायेमंडसीयकेछुयेतेतीनोलोकजीरनाहिंगे बोलतबलोप
हैकैसोकतजियकेअकरामकेसेरावनकेहाथनसमाहिंगे ३८ देवोवाच कवित रहीहैंतोसंगये
अनेगायेप्रवीनश्रुतिपोरषनजाननहैतीनलोककोंरहै लंकपतिरंचकप्रपंचननेंडरितेरीदेहछु
टिजाननबरामकोपकोसहै रावियाखिशानसरभयेअंतर्धानदेखिरामचंदबानअवपाहीतेंसियोग
है केहरिकआगजोंऊरंगनैसेरावनपैजीलौजीवैनोलोयोप्रकारिबातकोकहै ३९ सोरठा सीना
बहीअनानसबैदेवमिलियोकहै अबलोजातेप्रानजोहमबीचिनआवते ४० सोरठा हमन॰
हिसकैसंभारिरावनकोछलबलप्रबल सीनाराजकुमारिरामप्रेमजीवनबचै ४१ सोरठा सुनि
सीयबचनप्रतीतिसमझावनसबदेवता यहरावनकीरीतछलकीनोअरुकरैगो ४२ सोरठा
पौरषरामअभंगकोनकीटरावनऊमति जैसेगरुडभुजंगकोपकरनलजामरै ४३ कवित सी
ताकोबचनसेवगयेलोकलोकदेवआईकैअशोकबनशोककोंनिवारिकै जानकीकेआपदाकेउं
जनैसभगोजेसेगंगकाऊनाहरताकोपापजारडारिकै सीसनैगयेअकासरावननिरासहैकैचप्यो ७८

रूषरूषनसोंमद्दुमारिमारिकै रामकविचारोचारोबारनिकोंचलेकैसेजैसेरामबिमुखनरचले·
जनमहारिकै ४४ रावनोवाच कवित आयोगढलंकपतिपाइडरखपायमानिआपनोसोकोनाअ
निबैठोमुरझाइकै मनेकीयेसबैलोगजीयमेबढायोसोगलागतनहायसीयपयकोदेउपाइकै
कालपस्योबंदसालसेवैआगेलोकपालदेखोराममोसोबैरूकीयोहैबनाइकै कैसीह्वैहैदई·
ठउराईह्वैहैनजानकीननलईगईराघोदेवनिबचाइकै ४५ कवित वारोमुखचारवाकपदैजि
नपकआकहूहिहरिकोकिजाहिआयोकोनकाजकों देख्योवाकपतिताकोकह्योचुपमूढमति·
जानतहैजीमेसुरपतिकेसमाजकों ठोकोजिनवीनसनिनाइरुप्रबीनअरुजीनउरूनेरेइंद्रचाहन
नलाजकों डारिद्योदिदेवनसोंकहैदरवानआजजानकीवचनआनिलाग्योलंकराजकों ४६
सीतोवाच कवित रावनिकोंऐसीगतिसीताआपनीविपतिकहीसबत्रिजटीसोंशरमाबुलाइ
कै देखोइनपापीमोसोंकैसोछलकीनोजोनदेवबानीहोतीप्रानदेनहौंउडाइकै बोलीदोऊया
केपरपंचनकोनअंतरानीआगेऊकरैगोतोसोकह्योसमझाइकै सावधानहूजोयाकीबातन·
पतीजोजिनिरामआनकालयाहिउारतपचाइकै ४७ कवित आयोरामनिकटिबिकटकिल
कारिकपिसबैरंगरंगभीरपुजापहरानहै शंखनकीघोरसुनिमोरपिकनाचतहैमानोमेघ

श्री:

षोरहूंनेलोचनसिरातहै ऊरनाऊरैअपारहूलेहूमलनाशरमानोफूलि फूलिगिरेप्रेमसोंचुचातहै बा
नीहिनतानमानेहाथीहिननानसीयरावनसेपापिनकेअैसेचरजातहै ४८ त्रिजटीसषरमाउवाच
कवित रावनकोमारिपाछैराजदैविभीषनकोमहाराजरामनबनेरीढिगआइहैं हरहीतेंनेरीओरदेषि
रा· मुसकाइनेरीविरहवयारधारहीयेसोंलगाइहैं कहैशरमात्रिजटीप्यारीसीयतेरीचेरीदासीकरिय
ना· पनीजोरहैमनवचाइहै बानरकेझुंडराषलीनेहंउमंडसोतोकोऊकपिमधुमोमारिहैमेफारिखाइहै
७४ ४९ सीतोवाच कवित मैऊसीयहसीसवीमनोचरबसीतमेप्राननसमानरघुबीरसोंमिलाइहो
79 श्रोरनमैंपेनरतनीकेपहिचानतहै सोगुनीनिहारी सेवानाहूपेकराइहो बानकीनेहनमानकेभ
रोसेभलेजिनवहैफारिखायतहोंशानकहूपारहो बीररसमानेहैदैलोहूसोंअनातेहैंकहाभ
योताहितेरेपाइनलगाइहो ५० सवैया जोदिनथाइपरेकपिकोरलनीतिफिरैकोऊआनिसुनावै
रावनकेसिरदेशिवकोंकविरामनिसंकहूलेकदहावै जोविननारसनोजवसासमहनवपकहि
मोहिवुलावै श्रीरघुवीरकेपाइरहोगहिसोदिनमोहिकहोकवआवै ५१ सवैया जोदिनआनि ७४
मंदोदरीसंदरहीनहैरामकेपाइपरे मकनाविविसिमागनेटूटिपरैदोऊनेनकेनीरसोंभूमिभरै न
वैहोहीबुलाइसमोधकरौकोऊनाहिगहैनवसीयमरै हहंभानमनोरथहैत्रिजटीसविनारघुबीरहि

कौनकरै ५२ दोहा दुखसागरक्यों नतिसकै सोपरामकोसीव देवनागनवबधूलैउनिआयोरस
पीव ५३ रावनोवाच सोरठा नसीयनिपटकठोरमैंछलवहूनेकीयै नैऊनिरखिममओरजलत.
अंगसीतलकरहु ५४ कवित दिनहीनेंकरागनमैलेचालिलोकसातबज्रपातहोइतोसहारवे
कोंसाहसी मैरोकोपबिनारुद्रसबकोहराईडोपतोसोपविहाल्योपैतजोतिरैनेननाहसी मैरैनि.
होरेनोनंकहैहाउंनेरापतिनानोरामजीवकोंहोनानिबानत्याहसी बोलीसीययासौंकोऊकहैदस
कंधअंधआजहीपरीहैमंदमतिवेकोसाहसी ५५ कवित जोकहोतोमंडकाटिगलेंतेरेपारततरेंनो
हीपतिवातिदेहवेदकैउराइयों औरजोकहैतोनरोहकेसेवोंगाढेवनजोकहैचोरीहकेपलकाउसा
इयों जोकहैमंदोदरीसमेनरनवासनैउदासह्वैकैआनरूपकरिदिलदाइयो ऐसीकोरिबीररघुबी
रनकियोसीयनाहिनाहिजोकहैतोअबहींजराइयो ५६ सीतोवाच कवित ऐसोइसुखदेनहैउप
पिहौकोहैनहैपैतऊसीपरैसराउपापीनजराइयोहै साचिदलआयेमेरेप्राननाथयाहीपरितातेंशुभ
वेलमोपैजाननमिटायोहै सीईनीयकैकौनकामरामकविसाचीकहोपतिकोमिटाइजसआपनोव
लायोहै रविकेउदोतआगेहिविकैतयोतनन अंधपदसकेधमनकेनकोलभायोहै ५७ कवित
पापकेमनोरथरेपापीमनहीमेमलेरूपरकहैनेलोगबावरोकहनेहै विमलीविदोषजाहिव्याप्यो

ताकेदेषतद्रौपानेमेरेप्राननैकुरोषोनगहतहै रामभद्रदंडपरिऐसेषंडषंडकरिकोरिकबहाउं
प्रानकाहूकोंदहतहै जाहिदसकंधबीसलोचनसोंअंधएकहूपारोपुंजबीनरीकोहाथमेरहतहै ५८
हू. रावनोवाच कवित्त ऐसीसुनिगयोलंकनेकुनभयोनिसंकजैसेरंकमीनबिननीरअकुलातहै रा
नो. मरनआयोरदविसीलताकीनलटीठबिमोसोंपछिनारएकयहेउतपातहै कैसोएकबडेबलदेखो
८ नैसीपाकोबलकैसेनमिलेगीमोसोंऐसेइनगातहै कुचपनदेकेमणिचारतहैबंचकऐसोऐसेप
80 रपंचननेरंचकलजातहै ५९ कवित्त मनमैंकीयोकलापरामचंदवन्योआपुलीनोहाथचापुमा
येमृकरवनारकै पीरेपटकटिकसोलपेटिकैनिषंगकसिअंगअंगहंदरामनैनकोंलजारकै
रावनकेमाथेकाटिबोडिआपोंआथकरिपांचपांचलीनेकरलोहूसेंभिजारकै चल्योसीपतीर
घुबीरवनिमायाबलवेषकोप्रतापपापपरस्योंनआरकै ६० कवित्त पायोचाहिबारनविदारन
सीयाकोसतपातितउपारनकोरूपतनधारिकै सेवकसिषायेरनरामचंदआयेजीतिमंडलटक
येहाथबैरीनिजमारिकै भेरीढोलपटहनिशानअनकसबहायेदुंदुभीबजायेलोकरीझननिहारि
कै रावनकदूनवामीदैनमनकामीअबजाननतदोंजानकीलषेनैखाउनेनारिकै ६१ पुरवासीलोको ८
वाच कवित्त कोउकनिहारिकैसरूपभयेहूपलीनमानोमनहोंयेआनन्दपयैऐसेरहेहेरिकै एकक

तियानभयेमोक्षकेप्रयानजोगृएकलोगकहैंहमरेरोवैंकोंहूंपेरिकै एककहैभलीकीनीमहाराज
रामचंद्रावनसोपापीनममारोसोहरिवेरिकै एककहैराजुकरोलंककोनिसंकआजुबगरबनारस
वकहैहेरिकै ९२ रावनोवाच कवित जैसोजाकोलागेमनतैसोताकोरहोप्रभुहरनअनंतराम
वेषसिरताजतें रावनकहतजैवैपावनसरूपमोहतैतेंनाबडोभागीकोनोवेहीकाजतें बडोबक
नलागेयामततेंछुडाऊंसीयजैसेरवेगराजसधापाछोनीसरराजते एकऐक्याआयोसोकबनबांध्योसीलतें
हीलकिनऐसीमनआईमानोउपज्योहेलाजतें ९३ कवित रावनकहतबानीजैसोमेरोमनकामीएरि
लेसीयासोंलैसेकोंनउमहतहै कहागनपरीमतिरामेअनसरीजानैचरीहरीलाजसीलडीलकों
गहतहै औरमेरेनीपतेमचंडऔपछीनहोतनाहवंसंउनअंवरलरहतहै येंनजानेपापीहेहर
चीमेंक्रियाकोजाकीऐसीएकजानकीजोचरमेंरहतहै ९४ कवित नऊपैननजीआसकाहेतेज
पायहासगयोसीयपासहाथमंडलटकारकै रावनकेमाथेमारेमारेमेंउनारेदेखिनीकेअबडारे
देततोकोरिषरारकै जानकीकेअंगकछुतेरीहिनयेंसभयजोतेकछुबोलीनमिलीहेहोसिजा१
कै कामकीतवारतेंपछारिषाइपरीकहूंहारकहूंबारकहूंमयनगिराइकै ९५ त्रिजटीउवाच क
वित उठीचेतभटमोंकलपकेसेपटमोंकपटकोंनजामोजैसेनटकोरिषारबो हूजेदेवबानीक।

योनारूकीइप्रानीभईयहैएकलंकपतीरूपकोंबनाइबो मोसोंचाहैभेटिबेकोंरोसोपेनदीरैमनके
सेजैसेसपानबिनरेहकोचलाइबो मोंमेंबलेपाइमोंमोंठगकेसपरैपाइतौलौंम्रानइत्रिनरीकोबमो
रैसिषाइबो ९६ रावनोवाच कवित्त नारीहीछिनभयोलोपलंकाप्रगटोमसोकअपबिनकोपतेरिव
साइभूमिपाविहै याहीपरपंचैनमैरेचकनपायोसरखकेंचनसीजानकीनभेटीहैनिहारिबे जौलौं
ज्याइसोंचेऊनजीतोरननरामचंदनौलौमोकोंदुखकोसदाईअधिकाविहै जीमोहराजनीनसोककों
समाजनऊमेरोमनम्रानजपानपानडारिडारिहै ९७ दोहरा यहविधिरावनरतनलटेमीननिपटनि
नकात उनत्रिजशरमासहितसनउसीयकीबात ९८ सोरठा करमलेखनीसीसफिरीसहिमें
हीफिरी रामसकलसवईसताकोनीयअ्रैसीदुखी ९९ सीतोवाच कवित्त सीतापछितानइसुरऊ
इदुखपाइपाइकेहहाइहाइसीललाजयत्तुगयोहै वंटकबनाइबेषरामहीकोम्रायोपापीमेरेमनरवे
कोसोधीलहाइलयोहै जौनम्रानित्रिजदीनत्नरनमोसोंकहैतोनोम्रानहीनिसंकहैकलंकवीजबो।
योहै देखोदेखोमेरेमनकीढिठाईमाईबडेपापीसोनोपापीमिलवेकोंभयोहै १०० कवित्त हाबिरं
चहामरेसचंडिकागनेससेसहारिनैसदेहम्रबलागनलिलानकी बडेअपराधइनकीनोदुखदीनो
मोहिबेषदेखिभलीनऊहैनोअ्रनम्रानकी मोदुमोलपाऊंनौनोमानदैमेगाऊंम्रानजोगसाधाऊं

ह॰ ना॰ ८१

यारी

८१

तोतैलोमरतीअचानकौ रामभोगाभलिरहीलोगनमेंकलिमदरामककिंधिसेतोरशोरकहैज्ञानकी
७१ कवित पहिलेंतोरामहीनेकौटिककपटजातेंअबतोकपटहीमेंआपआरजानतहै यथपिमेरे
अपराधमेरेप्राननाथनऊमेरोअंगनसोअंगहीरिसातहै देहकहैपारचलेपारकहैनैनदलैनैन।
हेरिमेरेमोहलपटातहै प्रानतऊआदिरमिकाहेतेंनफारिजाहिंयाहीमेंसमाइसीयअैसोदुखभोगा
तहै ७२ कवित अरेमेरेप्रानमेरेकहेतेउदानताहीआपनोकोंयानरतरामहीतेंपाईयो सदाके
सेचातीमोहिहांतीकीरीतातकालरामनपैनाइमेरोदुखआतिगाईयो आरतनहोतहांकेसेरह्यो
भावतहैनिपरिनिलाजहोतेभेरकोबतोईयो कियेंमेरेप्राननाथनमसोकयोहैयाकेषीनेंभ
वेध्यासेदेहबोउदनिनजाइयो ७३ कवित प्रानकहैंबातसननजानकोंभबीनहमतोमेरघुबीरजमैंज्या
रेनरहतहैं लोगयोंकहतसीताबिरहतेमरीहैहै उनहीसोंरामफिरिअैसेकेकरतहैं जानतहूंजी
वतहैकाहेतेंशसांईसतोजातेंमेरेप्रानमेरीदेहकोंबहतहैं तातेंतोलौंतोकोंरघुनाथकनभेदत
हैतौलौंतेरीबातेंहमलालवकसहतहैं ७४ त्रिजटीउवाच कवित अैसोभयोसमाधानप्रानतिं।
समोधोतानत्रिजटीकह्योसयानकाहेकोंकुरतिहै कालपरोंनतोरघुबीरकोंमिलेंगीकोनने
तोपकछुलहीमेंकुत्तसीमरतिहै तोकोचहहयोतेदरूलागपोईहतप्यारीमोतेंयातोरावनतेंरा।

रा॰
ना॰
८२

मतें उरतिहै जैसैंलोभयुचापतानि देतन सरापयाकोतैं लोपायमो लिलै लैआपकोंपगतिहै ७५ कवि
त तेरीपदरजकेप्रतापतें प्रतापदमजामोरघुबीरजकोतोहिनबिलासहै तीरथबासीजैसेजातिन
सोंकहैंतमजाननहेतयाकोभयोहमतेंप्रकासहै रामदीपज्योतिमेपतंगकोदिनवनमेपरैनेऊल
रैउनिपलहीमेनासहै देखिहैतमासोजैसेपानीमेपतासोलसोगीघनमवासोपायोमासोमा।
सोमासहै ७६ सीतोवाच कवित हिमरितकारीआछेसिसरबसंतपाछेग्रीषमकेलागेकहोकै।
नम्पाउजडीये उतरीहोडुलवकेसमंड्रमासीनाउचढिलागतिकिनारेदोड्हासोंकूदिवडीये नेकु
उरपायेहरषायेजीयोमरौकेसेजैसेबाउचलेअ्रनचलेदसागडीये त्रिजटीहमारेदेसग्रैसेउतपात।
नाहीरामराजसेनेतैलगाउपवेऊडीये ७७ दोहरा नगरअजंज्यासबसवीजहोहमारोराज र
घुपतिचरनप्रतापतेंचरचरंइहसमाज ७८ दोहरा राजनीतितासोंकहोसोनिविनदीदेकान बि
नदरसनरघुनाथकेविपिनकरैजलपान ७९ दोहरा रघुपतिबिनसबपकसेछत्रचमरसिरमाहि
भूषनभोनभंडारतेहयगयसखचुरमाहि ८० कवित चित्रहूमेंलिखेनविचित्रविचित्रकारतोपपी
यतेंबिछोरिकेनलेककोसोहालहै मानसकीकहेजहांकोकिलाकपोतमोरचकवाचकोरबि
ननाविनमरालहै सदामतज्ञानमेकिवेदकिपुरानमेकिध्याननदानमानमेहियैसेपकदालहै दा ८२

गिरकोछलकोकपटकोसदाईकालपनिव्रतभमनतमवकोसकालहै ८१ दोहरा जैहृदट
पायीबांधिपेबाटब्रसकेकाज सपनविदेसनजाईयेहसबिनहमरेराज ८२ दोहरा जैग्रव
कैरघुपतिमिलेवहैप्रेमवहसाज तौविजटीनहिसंगलैदिषराऊंवहराज ८३ सोरठा ओरकहै
हकीतिरघुवरचरनप्रनापतै करीपहसत्यप्रतीतिसदीसयानीप्रानसम ८४ छपै कटुकनिब
चेरनबेवलउहतलवजनरनह परपंचककैमैदेहसदावेचकप्रनाननरु जटिलुतहनिमभ्रंगजटिल
बटमसमकरमृत बिनबिजलयुनिकटलग्रवरकेपतनपारडवत अकलेकरामसबबिनास
सिग्रहदारिदबिनप्रजापस भ्रनीचकपलंपटभ्रमरचित्तचोररघुपतिसजनस ८५ दोहरा इहवि
धसीयविजटीमिलीतजोसोकभ्रतान तबजानकोप्रसन्नभलवकरनरामकोध्यान ८६ छपै अ
मलकमलदललैनबैनजलधरधुनिसंदर रतनजटितकुंडलकपोलकलकनिभ्रलकनिबर
कचसिवारभकलिहितसरोजसरवरआननछवि पीतबसनदुतिदसनग्रसनग्रविबसनश्रीपिभुति
कहिसकविरामरघुबंसमनिमदनदहनसेवतचरन सरवकरनभरनपोषनविलिभुवनममपतिर
घुपतिदुखदहन ८७ दोहरा दुखसुखकीबातैंसबैजानीश्रीरघुबीर षेनसानेनहिरहिसकेबे
लेकपिसबधीर ८८ सोरठा अबतनिसकचबिचारचेरोलंकनिसेकहूर रावननिपरगवारश

श्रीः ऐसोंपूरेकरै ९८ सोरठा फूलेअंगनमातहनुमानअंगगरसभट चलीजहूकोवातसुनतऊसनावैरा
मकवि ९० सोरठा रघुपतिकोगुनग्रामसुम्योविरंचपपीलका तऊजथामतिरामवरननसंतम
रु: नायते ९१ दोहरा सनैसनावैमनपरैरघुपतिचरतअनंत नाकेंअकनिसराकहैंवरोवरोमदि:
ना: कंत ९२ ९०२ इतिश्रीरामगीतेरावनतृपपंचदसमोअंक १ दोहरा रामकथाकविजथामतिव
८३ रननजगाअनुसार ज्योंखगउडिफिरिपरतिमितिपरतनअंवरपार १ दोहरा रामभगतविनअतिक
ठिनरामकथाकवतनेन बलबलतेंरावनछलोसोमीचुउगारीहरन २ सोरठा नवलतिसापनपरेन
वलगपरसनप्रेमको मैंतनभाजेहरिविनादीपवानतनकरै ३ सोरठा एकसरनत्रतहोरजपतप
नेमसराहै पुरषनारिनिरहोरकोंपतिअवतासमाहीये ४ सोरठा इतनेकरहिउपारसमफोकट
रकप्रेमविन सोईसुनोमनलाइसकविरामविनतीकरै ५ कवित नीरथकरैअनेकसदामिलि
मीनभेकअरुकछपअनेकचारोजगगाइहैं पौनहूसोपेरिभरिसोवतभुयंगअरुकुरंगनसाथातव
नहीमेंवरवछापैहैं चातिकविनाहीमांग्योपुरैमेउमेलेरापीपानहीविहंगनवकनमगावापैहैं
नाहिनाविमोरमोंविवादयनथोरनस्योंउरायप्रेमहीनरघुनाथकाहूपायेहैं ६ सोरठा रावनअति:
मतिहीनसमझेपेवरनवभजे लविअनिमनिभगानिपदीनकुंभकरनवपकानदै ७ छपै रामचं

दशाणधीरसुभटकपिभीरविकटमति किलकिलाइउछलतशेलुथरकतचंचलगति डीठिजोरिस
बधरनअसुरतनबरदनशरिरवि रविभानतपरभातजातनमानिरथबदनछबि रघुपतिशनापक
विरामकरिनिरखतिपीठिभनाइअरि स्वगरेककौनलंकाधिपतिजरहिंसिंधुविदारतउंमकरि ८
कवित अंगदकोगिरीऊमानभंगकोकपीसपुंजदेवनकेदूतनजमदूतनकोआवनो जानकीक
लेसकूललाजसीलटीलछाडिदशमाठोलोकपालनिकोडीठकोलगावनो पंचभूतदेहकोसमंउम
लमुंडनकोआवेगनऊरपतीबातनचलावनो लंकदहसरूपविनिसंकदोनपीसदेखोबीसकीपक
सारऔसोधावनो ९ रामचंद्रोवाच कवित अंगदसोंकहैबातरावनकीदेखीगातअजहूंलोआ
ईकेनमोसोंसिरनायोहै होनहारजोकोनेसीनेसीमतिहीयेबेसीजानतहौंजानकीकेकोपहूकाये
है बोसोदहनमानपदपायोअबलोलोनाथरावरेकेनैननकीकरुणाजिवायोहै नातेभयाको
मारिकीयलेकेटसुगायकूतेरामडरकाहूहाथपाउनाचलायोहै १० कवित कौनेनरूपकपि
हेरस्नतपछबिरायेळपिभपयेसेचरितबनायोहै जेतेडीलतेतेहाथीतेतेईरववासमाथीकच
नकेऊंदलेकिरीटपुंजछायोहै प्रभकीरजारपारचढेथाइथारमानोआपनोआपनोगिरिआपले
नआयोहै कौनबडीबातगईलापकेहरनहारारामकेकराछकेऊदाकपदपायोहै ११ कवित रा

हं॰ ना॰ ८४

84

जहां

मचेरहन केकाज से वा औनी देव राज राजन को समाज कवि राम है पठायो है चंद्रमा समान छत्र चामर रवरेस
पुंज पर्इ रावे बाहन न आपुने नाबुलायो है मेघ अमवार बाजे ढुंढुभी अपार राम लंक हित आयो पेन.
को पदवि आयो है वैरी हूके मारबे कौ बान मस कान कहे चैन नैं ऊराव नतो वडे अभै पायो है ।१।
कवित ऐसी भांत रहै गाढो रन खंभत हा कहे रघुवीर मो हिवडे उपहास है उमापति नार क उपासे
उपदेस याको सोन उपदेसे जाने हम सो उदास है बोल्यो हनुमान राम हूइ याको बडे वैरीया हो तेन.
दीनो उर देख्यो न विसास है संपति बिलास शिव दीनो शभ मलो कौनो सुनो वाही मंत्र केकरा छको
प्रकास है ।२। हनुमंगदउवाच कवित अंगद पवनसुत दोऊ बडे राम रतन दासि के बभीषन सो कहे
कौन इरो गे रावन को मारि रघुवीर के प्रताप न मजारि लंक है निसंक बडे राजन कहोगे तो कोऊ राजदे
त रहम बोचन बिगारेया काम जानें हैं हम अधिक भोगन में परोगे भाई कौ विभूतन पार रामचंद कौ रिझा
इके हैनो हमारे आगे कहा कहा थैरागे ।४। विभीषणोवाच कवित सयेइ खदेत हा कि मानकाहि
लेनहौ नजानन रहौ राजपार राज को कमारहौ एक राम रामपरिको रिराजयौ लुटाइ रजहां गय
रिन हामाथो ईंलठारहौं आपुने ईं लोचन कमल के बिछौना करि दोऊ प्रभता हीं गेलपाम पधरा
रहौं लंक छिरकार चरनोदक सों हनुमान ता के पाछे नमें कोटि अंजन रवबारहौं ।५। दोहरा

८४

एरतसवैप्रसन्नमनद्रूरषमसबगात शंखशबद्सुनिरंकजिमसुनडूलंककीबात १६ रावनोवाच
सोरठा सुनडूमसोद्रसनातनमंत्रीरावनकहै देखरामकोहातआइगयोजानयोनहीं १७ मंत्रीउवा
च सोरठा यहैबडीविपरीततुमरामैजानततनही सदाबडिनकीरीतिबडूतकरैयारोकहै १८
कवित्त रामचंदचढेजवधीरजनरह्योमनतबभोमिडगमगीगतिभईभारीनाउकी सुरख्यायीभुजा
बीचिकीनोहैसमुंद्रकोचनीचसेहैगयेसुरिदैनिश्वासस्याउकी संखनकेबाजनबझोभईछातीद्र
कभ्रमहीतेदेहमाहींलीनीमानोचाउकी पनेपरिवूफतहोंबारबारमहाराजजनयैवलिरावरेके
बावरेसुभाउकी १९ कवित्त श्रीरसुनोबातकीनेमावषकेगातकोपहोरचीराजबेषसबकोब
नाइके सबहीकोदेकमानबानसावधानकरिचाउसोवटाइचापहाथनिचलाइके दुंदुभीबजाइके
रुमगरैजनाइरामलंककेनिसंकदिगमांसोदलआइके सुरनिबुलाइकैभकरनैजगाइराजाबातब
तिगयेतेरहोगेपछितइके २० रावनोवाच कवित्त बांधिबांधिगातीपछपातीनेसंघातीमेरेना
तीबातीबालिबालिकयोहैसनाइके मानसकोजातीभछ्यातीपाइबेदेचरमनकीसहातीअग बाती
रोहैआइके शिवकेकृपातीकरेजमकेजमातीसबजोगनीबिलखितातीपवाऊंअवाइके पा
नीलिषीदैतनकोनातीकमलासनकेरातीकरिआषछातीकोपउपजाइके २१ सोरठा राजये

नृपति है हिमें चिन सों बूझत भगर बीसो भुजा युग्मै दिशामल धनवर पाइने २२ दोहरा बोलि महोद
रसों कसो बड़ी लेक के राउ रामचंद्र कह करतें है कहि मो सों सतभाउ २३ मंत्रीणोवाच सोरठा सु
नि राजा मम ईस सहाय जो गिरि बिनती करै रघुनाथक जग ईस सह दुबिधि परहर तन सम स्त्रव मत ये २४ छपै म
रकं चवन मरगाकुल मा लकपि मधानी लमति दशरथ भरत ननीर योर वीर हि सों पतिगति चर
नकमल हनुमान पान लाल नउ हृषि टति कहत बान नव श्रनु नस न न तमु सकत नउ लमिटति सउ
वचन रचन सुग्रीव पति स्त्रुति श्रम न चल ज्ञान मति राजाधिराज लेकाधिपति जो ईजात सरन बैरहि ब
मति २५ छपै कपि प्रचंड कुंड निउ मंड लेड निश्रणाहुति प्रगट मेदिरणा कहे कम्र णारस नैनन छुभ
ति पवन पुत्र कृपानि निवारग्रेश लभस्र लिखत सीय ग्रागे परि मिलै राउ लव मारग पिषत सु ल्च थ
वध बिन लछमन चवरि हाथ उपरि करै कविराम सर मारी नृपमणि ब्छुवन चरन उगमगथ पे २६
रावणोवाच कवित रामकी जो जानी बात बिना व्रहु कोंप लात मेरे सर जात है चरी कमें उडार है
एकन कों बांधि ल्यार एकन कों देउठार एकन को नारि हो मेरो रिनो रिला रहै तो लो एक राकसीम.
भजनी बुलार कहो सागपीसत भयेते सबे सा ज्ञार है नहां नार राम कों उठार ल्यार मेरो दिगाभोर भये.
जीत के निसान रहि बजार है २७ बभीषणोवाच कवित तो ही लों विभीषणा कही है बान हाथ जो

रिसावत है राननाथ सावधान ह्वै रह्यो बोल्यो बालसुत रघुबीरसुं करु हूंत सुनि मेरी हौ को पार के पसारि
पार सो रह्यो रावन के आवत लौं न मैन जगन दै हौं एक लाज वाव ता को पै धरे विमो रह्यो आन रन-
बात है रे सासा मरा भ्रात सुनो मारि मारि बैरनि कौं राम मन लखजो रह्यो ४८ कवित सरद्ध्यो पछ्छ-
म प्रकासो ससि प्राची दिस चक्रवाक बिछुरे चकोर सुख पायो है कुमरनी फूली कंज मेरे भौर बांधे
बांधे बीच प्राननाथ बूडो मानो कालकूट खायो है आधी रात बीती सब सोये जीय जानि आनि एक
सी प्रभंजनी प्रभाव सो जनायो है बीच रीसी फुरी भांत बुरी हाथ छुरी लोह चुरी ही ढिजरी देखि अंगद-
लजायो है ४९ अंगदोवाच कवित राम लौन नान दीनी बाट ही मैं खरी कीनी बाट पारबे कों व-
ली अंगद प्रबीन है देरि नार ह्याय गयो मोसो सुपै बान करो लैसो चाहै लरो ऐसो कौन नैनन दी-
न है कछु न बसात भांति जैबे कौं बिलबिलात कैसे जैसे सिंह गोद हरनी कौं चीन है कीनो बडो सोर
सब जोग मानो भई भोर कोपि कार भई सुन रावन मलीन है ५० कवित भयो प्रान फूले जलजनान रघु-
नाथ सुख भाज्यो तम मानो भोग रावन प्रताप के मिले चक्रवाक ऐसे सीता राम मिलन हास छूटी अंग-
माल मानो बान राम चाप के पूरन प्रकास्यो जिन किरण के पाये छाये कैसे जैसे छाये सुख ज्ञान-
कौ मिलाप के चंद पै स्याफी को लेकपती हूं तेनी कानारे लरे मानो आउ अंक मेघनाद बाप के ५१

रा॰
मा॰
८९
86

कवित रघुपतिजूकेदलकोप्रबलदेखीचपवडोदुखजीयपैनामुखतैंननाइये औरजोरिनीनिको
हिराकसलखपायेजेपठायेहूमजेसेमेलिपायेतनवआगिमैडराइये बोल्योमेघनादचहूंओरजाइके
कोदलमारोंएकएकगनिआयसजोपाइये किधौंचलैंजाइकुंभकानकौंजगाइकहैआयोसुरभ
छुताकोभलोईमनाइये १२ कवित मेघनादजाइदेखलालाघकवजाइदेखोसोनसोंकुंभकाननब
डोईसलखपायोहै हाथिनकेपुंजनतेनोमोउलैचढाइरहेमानोपांउचांपिभलीभांनसोसवायोहै बो
लीनबनाइरियाकोएककहैउपायकरैऐसीभांनहूहूआधुनजगायोहै कानमैंगणेसकौपठाइपाछे
कोरिगाणलोचनमेंदेरहेउनरसनाघायोहै १३ कवित सोईकामुकीनोगजऊरनिबुलाइके
वजाइदोलडुडुभीसोकानमैपठायेहै औरसबसूरनसोंकह्योहैपवरिलागिजाइउलागकैसेजे
सेपंछीगिरिछायेहैं चरीचारिपांचलैतैसमझेजनपरीकह्याभेयगतिगयेकिधौंपेटमैंपचायेहैं
ताकेपाछेराजाकेकुमारकुंभकानकहोजानननहींदेनदुखरावनजगायेहैं १४ सवैया सोवनदे
हटकानजहोचलिलंकपतिपडुच्योतिहठौरे केंतोंहाहेजगावतमेहरीजानकीसोजगिकेसमझाव
तबौरै सोभुगतीनहिकेतोंसतिनिनाथबिनारघुनाथभजेनहिऔरै रामहीकोंनबनैकपटीजोब
सोतऊहीलसमीलकोंदोरै १५ सवैया नाहीकेहनलपेकपिकोदलरामबडेसहनिबेरूबडा ८९

यो होरिविभीषनभाईमिल्योरकबानरग्राइकैगोडजगायो औरवडीविपरीतिसुनोनमनेंनरस्यो
तमकोंउरपायो यादीतेंवेगिचल्योचरकोंदुखमोहिहहैसबनोहिसुनायो १६ सवैया औरस-
वैनमनाननहोएवरहरवरवैनिरभांतपछारे लूपनखापनिहीनकरीसुनिमारिमरीचदयेदुख
भारे अछकुमारकेसंगसबैभटरछसकोटिनकोटिसंघारे क्रोधबढाइलवाइलेबीरहिलंकप-
तीगढलंकसिधारे १७ कुंभकर्णोवाच सवैया जोहिसभासबबोलिबडेभटबूझतराजकीरीति
पुरानी जोबलिहैनरूकोंचलीयेजितहमारगहोइग्रनाजनपानी बातसुनेसबबोलिउठेयपति
होयरकाननबडेमरदानी रावनबोलिउठोसमझोहमजाननतहैतेरीरहबुटानी १८ कवित्त
बोल्योकुंभकाननप्रबलंककेग्रवासपतोलागनउदासमोहिवेसनसुहावेने जेईजेईठोरनितेंकाम
कोगरबजाननतेईतेईठोरग्रवलागैदुरपावेने चौपथाग्रटारीचित्रसारीचोकभारीभारीमानोकोऊ-
बसोनहीग्रवपबसावेने कौनसोयवाननजाकोपतेउनपानभ्राननरातविनुग्राघेहोरिहीयकज
रावने १९ रावनोवाच कवित्त बातसुनिजसोग्रंगग्रंगरिसभयोमोहिबडोहोभरोसोतोसेग्रेसे
बिललातहै लोहकीनग्रांचलागीबानकीनछांहिपागीनीरग्रबजागीकियेंतातेभभरातहै
पकहोकबांहरपलानजैसेसकेपानबानकेचलेतंभ्रानकौनउनपातहै बादहीउठायोहमतेसे

श्री:

फलपायो अबकहो पासोंसो रावके पाम कैधौं न जात है ४७ कवित बडो ईसहा ज्ञानकरतेबडाईहम
सनेबातपाईमानोरामहीसोंप्रीतकी आरकैलराईरघुराईहैमचाईजबतबयोंसनाईसीयचुराई.
सम्मनीतकी बडोदुखदाईयाहि पीरोनपराईयाकीनीदउचटाकोसनो बडोविपरीतिको शिव
कोउहाईमैनुकहीहैबनाईजहांग्रे सबरैभाईनहांबूडीबातजीतकी ४८ कुंभकानोवाच कवित
ग्रैसेजबबोल्योकोपक्रोधकौबडाईउपमोईगयोनसिकैविवेकनिरमोकतें बोल्योकुंभकानके
नचेहुमासरेसभानकौनकालबालमरिजाहिमेरेरोकतें ग्रैसीसनिसबैलोकपालनिकेबडे
दुखतेहीक्षिनकैसजेसरिणीरिगयोथतें रामसोंजोलरैतौतोदेवनिकेदीवावरैनेकुरामभाजे
देवभाजेलोकलोकतें ४९ कवित नीदतेंभयोनिरासदेखिभस्त्रासपासगागारिपचासमोप
खारिमुखहस्योहै दैबेकोंमंगायोजतेपायोगाटलेकमाहिनउनग्रचायोमधुपानरसमस्यो
है रुद्रपेनमारयोबरमासकेपहारघररकूपभरेग्रामसवाननीसोंजगबस्योहै पाछेबोल्योमहार
जकाहेकोंबिषादकरैरामग्रानिकुंभकानउराटनिमैषस्योहै ५० कवित कहेतोसंघारोंकहो.
सिंधुबोरिडारोंजोकहेतोनभमैंबिथारोंपकपकहो रीछुकपिकुंडनकेमुंडनडनारोंकोटलेउस
रोपेनहारोरहोटेकहो आपनोनोपोरषननोरिडारोंमहाराजकालकोपछारोंसबकरोंसाची ९७

जेकही नैकऊनसंभारेंतारेतोरिभ्रमिपारेंऔरजाहीकोपचारेंतादिमारोछेकछेकहौ ५४ कवि
त तोलौइचिताईजोलोनीदनजगाईमेरीसवोलेकराईभाईसोकनानिहारीये बिनाईसहाईभज
दाहनीउवाईजबकोहूरघुराईतबकोनकोंविचारीये गाम्जिउदेशवनवडेईमेघसावनज्यौंसाधुसाधु
कुंभकाननैरषनहारीये छत्रपनछाडेऊईनिमेछोतिलागेतेरीयेनछत्रपेपरत्रनाबिगारीये ५५
कवित्त कुंभकाननगाजेरनमारूभांतभांतबाजेसाजेसंगसबलाजेदेवब्रह्मंडके दसकेपहारदिग
पालसरकेसरोषमानोपुंजबीजुरीहीकरकेप्रचंडके हीयेकपितरकेफरकेनैनदाहूनेडगाहूनेच
डोदेजमभानोप्राणदंडके जहुकोसमुद्रगिरमंदरबिलोवैमानोदेखतेदेराजजनरीग्र्योयेखंडखंडके
५६ कवित्त बोल्योकुंभकाननकपिपुंजकाहेकोंपतहोतमसोंलरेतेबडीलाजमरिजाईये औरेऊ
लपापीतेबभीषनहरादिजिनभीरपरेछाडिसंगभाननिबचाईये लछमनतहीपछमनाहोहि
होसोनहीबलकोबिलासदेतौऔरनजनाईये शिवकोइहाईकेंगमरतेहोबिनाइआईकोदेर
घुराईभाईताहीकोंवताईहै ५७ कवित्त मोलोरनसूरमानपछेकोऊजोरतौलौभलोअनहोतके
कछूकरघुराईहै मोकोंदेवजाननहैजानेभकिनजानामऊतमसोंलरेतेमेरीकोनसीवडाईहै जे
सेवडेमेघबिनबारथकोपाइजलपीछेछोटेगागरीनेप्यासनबुझाईहै औरजैसेकेहरीपछारिगंज

ऊंजरकेपाछेलछमनछरकोंभौंहनचढाईहै ४८ कवित एककपिभाजेजाइलागेहनुमानपीठिपक
अनुरागीरघुनाथकेचरनको एककहैजाननहैपईरिनबुकोइनेतेंईआईचलोछाइरजंकोंभरनको
एककहैयाकेनेऊओटहीयफाटेजातआजकोनमरकहैरनसोंलरनको एककहैरामलछमनसीं
ताजीतिलैहैमारेजेहौंनमहीजआयेहोमरनको ४९ रामचंद्रउवाच कवित रामममकानेदेखिको
ऊकपरानेकपिलछमनबानबोलेआपुनेसुभाइसों ताहीसमेहनुमानआइकेनिवायोमाथनाथ॰
येजोकहौतौमारोंएकहीउपाइसों अंगदअनेनबलनीलनलजामवंतसबैकोपभरेमारबेकोंचि
तचाइसों तौलौनिजकाइआशदाकोंउठाइऊचेकुंभकानबोल्योगरराइरघुराइसों ५० कुंभकान
उवाच कवित ताडिकाननालरिषिबामनपरसरामसेतनसमुंदकोनछुइबसहीनमे लंकऔ
मरीचनाहीबालीकपिनीचनाहीत्रिशिरासुबाहुखरहाखरमलीनमैं रुद्रकोपिनाकनाहीइंद्रस
तकाकनाहीसूपनखानाऊमारीकीयेदेवदीनमैं कुंभकाननामकहापैमोतेंजानरामएजत
ममारेहैंनतेरहूनतीनमें ५१ दोहरा जेरघुपतिचरननविमुखतेभ्रमैसगरबार निजअपराधनस
मफहीप्रभुसोंमाडेरार ५२ हनुमानउवाच सोरठा तबबोल्योहनुमानकहिगननतीसांचीकही इन
तौकीयोसयाउहमहिसगुनहैसोगुनो ५३ कुंभकानोवाच कवित गदागहिधायोकपिमंडलभगायो॰

तिनजैसेचलेबाउपुंजबादरउडायेहैं पककैचैपेटजमरूतनकेमरेपेटजीवनलपेटिसबजेलकेचल
येहैं बडेबडेभूरनकोंवृक्षोंलगायेहाथयेहैंविरघुनाथबलरीकिमुसकायेहैं पकदविरहेगहेरा
ममाइपकनिभ्रनेकनिकेप्रानऊंभकानलैसिपायेहैं ५४ कवित बडूरोत्रिमूलनलैकेधायोहै
लंगूरनकियाकीदेषिमूरतिपिनाकीरीकिगायोहै नाकोतेजदेखिडरैरविकोमजेन्नरामसेरिवि
ननाकिकपिराजपैचलायोहै नाहींछिनरामचंदबानलैकमानसुरवनछकजेकोंगहडप्रतछसोप
ठायोहै लागननदीनोहूकहूकमारिकीनोजैसेदीपकोप्रतापफूकपकहीबुझायोहै ५५ कवित
तीसरेउबारकैफिरार्मूदगरयायोआयोनललनीलहिगबालिदुरपायेहैं फूतकारहीसोंपकेननसे
गिरायेकपिवेसकेमूरनमानोदाविदउयेहैं रोदेंइकपारनसोंमारेविनचारनसोंकीनेबहूपारः
नसोंचामकेचलायेहैं नीलोहनूमानप्रारहायतेछुटालीनोताकेमारवेकोंकपिप्रोरहेहीबुला
येहैं ५६ अंगदउवाच कवित अंगदसुजानकहोककहापावैजानप्रबपोरषप्रमानदेषिमारिमा
रिगयोहै नीलनललागेभुजनामवंतनोरीपुजबालसुतनबडूरोंगिरायभूमिदयोहै कोऊमारेबा
नकोकैचौथैनाकुकाननाकेप्राणकौनकाढेकोऊरामबिनभयोहै फूलेकिलकारीचहिबेठगिर
भारीमैनोवहसोरगयोऐसेबारिसावलयोहै ५७ रामचंद्रोवाच कवित रामचंदजानीकपिमंडलन

हे· ना
८५
89

त्तानीयाकेनैऊहूंसंभारेकयावडीविपरीतकी मारवेकोंसमोहमपायोहैगिरायोरिपुसवजौनमारिहें
तौहमहूंअनीतिकी एकवाननतानिकैलगायोहीयेतानकालभेदिकैपनालजारकहीवानजीतकी
हूसैरापनालल्लैसिधायोसुरलोकमाहिऐसेरिपुमारयोसैनाआपनीनिचीतकी ५८ कवित हाहा
कारभयोभारावनकोगयोसवपाछेहनुमानलैपहारसोउड्योहै हालचालपरीनसंभाररह्योक·
हूतनमानोअलैकालकोबवूलावडोआयोहै एकसंगचलेएकआपसमैरलेकपिएकगिरेपान·
संसंभारेसुखपायोहै ऊचेनभहेरिहेरिदेवनसोंटेरिटेरिवेरिवेरिलछमनबोलयोसुनायोहै ५९
छपै नजइसोकसवआमरलोकररीयोहटआसन प्रभदिनमणगमतजऊनैऊटरिरऊकमलास
न विगतध्यानलोचनपसारिविपुरारिनिहारऊ उगनवहूनसमीरथीरजितनितजऊसंभारऊ सव
संलोगआजमंगलकरऊकुंभकर्णावधपलउठग रघुपतिप्रचंडभुजदंडलगिपरमसिखंडधरिपरि
लउठग ६० कवित परयोजवगातभयोवडोईअघातमानोपस्योवज्रपातहिगआयोरघुनाथहैं कपै·
मसकारथहूवडोईअकारमानोयाकोमासगीधमासवीसतीसिवारहैं वोल्योहनुमानरामजानो
निजानकहाहायककहापारयाकेकहालागेगाहैं हापरकेअंतएकभीमवलवंतहैहेसोतोया
कोकोपरीमैवड़िवूडिनारहै ६१ कवित बडीजीतभईरनदरषेसुरेवगनवरषेसुमनसुरपरषेलर ८५

नके करकेप्रचंडकपिरविकेनलंकभटसरकेनिसंकजोरामकेचरनके कहीकपिराजआपन्य
पनेसमाजरघुराजकाजकरोहु रवेमेटोसीहानके थानेबानेहनूमानअंगदसुयानेर हैजानेनिज
कानेदिनरावनमरनके ९२ रावनोवाच कवित रावननिहारेकुंभकाननौपछारेरनहीरकपिन
घ्येतेसिधारेशिवलोककों ताकेसंगभारेभारेसूरहेहमारेतेकूनेऊनसंभारेरामचंदबानफाककों
दईकेसवारेहनूमाननवजारेघरआपनेतोओचनलगाईनखेनाककों ताकोंजारमारेकोऊकामकों
सवारेमोरेताहीदिनभेलेविदाहेऊंमनशोककों ९३ कवित याहीमंडलककोनिसंकहैनदेवेदेव
आयसकोमानिमाथेमिसिरनावते मातपोरिबाहीरिछिकौनाविनठाढेरहैंमारोमारोआपनाउ
हारपहुंचावते जाहीकोंबुलावतोसुआवतोससंकमनमेरेविनकहेंटिगबैठननपावते ताही
गढकोंतोरीकुबांदरलपेटतहैंसबदिनपकसेनपायेमनभावते ९४ कवित कैतोसूरलोककेमे
रोकिरोकिराखेदेवराजकोसमाज ओरकहालोबषानीये कंचनकेहैसमनरचकनकाहूअरमे
रोजासमहीरेसदेसनमेंमानीये मोईमेरजीवतनिसंककैलंगरारीछबीचलेकथसुओरओरक
हाजानीये जानकोंकोंकोपदैंकिमोकोंशिवलोकहेसकैसेपहिचानीये ९५ दोहरा रामबिमु
खतिहुरोमतिपहिलेईयहहेत कोहोतसमजैनहीभलोदिखाईदेत ९६ सोरठा रामगीतम

किभागहीकोलोपहै

श्री:

रा॰
गी॰
५०
90

नलाइजेसनिंदकविरामकहि तिनकेउरवरजुराइकुंभकानजोमारिहै ९ सोरठा जेजगनिंदकलोगत
वनरामनसमऊंही घटरसतिवहिनजोगश्रोरकेहरसहानिहै १० सोरठा मेघनादश्रवजाइरनछिति
जहमचारहै सिरघेहैउतराइश्रागेकथासहोइगी ११ ॥ ४७२ ॥ इतिश्रीरामगीतेकुंभकानवधः एकादश
मोध्यंक ॥ सोरठा रावनकोपप्रचंडमनऊश्रगनिघ्रमपरसियो घटकिबीसभुजदंडमेघनादबोल्यो
निदंड १ सोरठा श्रबकहिकोनउराउकुंभकर्णजूऊप्रगट रामउताव्योचाउरिंहजीनकेजीवेन २
कवित कुंभकानमोरसरवहूतेपछारेश्रबजानततहमारेपछहेनरुहूहाहने हारेसबराकसनटारेकु
इबादरकेभागेसरवभारेडुखपरेहैसराहने शंकबिनलंककेकिगरहेबिदारेहैतोकाइस्योदेउतो॰
हिचरमेंउराहने मनोरतनमीनभांतभांनविपरीनरामचंदकोश्रनीतितेनिचीतमनुनाहने १ कु
कवित श्राजुरजधानीकोबिकानीहैविभूनसनपूतमेघनारतेनतेऊजोघश्रावीहै कुंभका॰
नजूकेरिननबहीतेबूफेश्रोरश्रागेबैबनाउकोनबातकाहूजानीहै घटेहमानीनउजान
कीविरानीहोतश्रेसीबोलीबानीमानोबीजरीतरानीहै जाकोहूगिश्रानीरहीभोगकीकहानी
तनभईसीयरानीमेरीश्राउसीयरानीहै ४ मेघनादउवाच कवित बोल्योमेघनादराजकाहेकें
बिषादकरैकहाभयोजोपैरनकुंभकानरहयोहै रामचंदकोनोछलश्रोरनपुजायोबलगयोर ५०

लभानिगरिपकलोपछ्यालोहै भैमेसेजपर्इतबनीरोयग्यारगर्हिहु हैरोसकोनदीजेउनपायोसुख
भालोहै केसीअबहासीकोनकानरहेबासरनऊंघकोउसासनिमेफासीमेलिमालोहै ५ कवित
दीजेमोहिपानकहाअबकोऊपावैजानजहकेनिदानकोनमेरीबानडरीहै तमहूंतोजाननकि
नीमेसकऊम्यानतहोनीत्योसरराजअैसोताकीपतिवुरीहै वैरनिकेमाखवेकौअैसीलगधाम्नेसेप
पनकेकारिबेकोंकाशीशिवपुरीहै जीजेतोलोराजकीजेरामकोंनपीठिदीजेलोकपरलोकराखि
वेकीबाततुरीहै ६ रावनोवाच सवैया प्रेमसोंनैनवहैजसगावतनाचतखेद चलेजबश्रंगा कै
रनमैगहिखड्गभलीविधिलोहूसोंन्हाउभयेसुरथंगा पद्मोऊरतनजेनेजननेनीजगमोरसबैसुतकीरप
नेगा जतकोराऊरजतकोजीवनसोनरहेतहैगंगकोगंगा ७ सवैया प्रातिपरीयहमानकीगाउ
गयोरनमैमुफिसोनहिकोई रावनकेजीयतेनभईसुनिश्तसबैअबहोतहैसोई मानसब्यारलगे।
गहलेकहिदेवनकीनचलावतकोई बीचमंदोदरीबोलिउठीसबखुटीनभईमनतेअबलिसोई ८ मं
दोदरीउवाच कवित शिवसेसहायकहैसबैसुरपारकहैनारदसेगारकहैलाषबातमनीहो कंचन
कोटसेहोनमुषतेविदेसहोमरेसअलकेसनीमिबेकोरनअनीहौ शतमेवनादहोनराजकोसवा
रहोनजीयतेविचारहोनकेहूंपतिछनीहौ जौतंसीयकबहूंतुरावतोनकंतनौतोआजसब।

ह॰ रा॰ ९२

बानकीविसातभलीबनीहौ ९ रावनोवाच सवैया कौनसमोरनबाननकोरनरामदईहैवरैमैपटरानी
रामकेहाथमेरेरसकैंपरुनैघरहैबातसकाहेतेजानी ओसकदांचबैनेघरहैकानतोअजबैनेकहिहैके
नसीहानी देहहुरहैंहैनसीयछुवीचलिहैजगमेजगचारिकहानी १० रावनोवाच सोरठा जेतोस
हसतनपमानकोयअरावनकीयो दयहसनकोपानरंइदजीतनजीतेबने ११ इंदजीतोवाच कवित
रामतेनहुरेदोरिअरिरामसबमेघनादचढेरनलोटहनरेपेषीय ओगिनतेसोभेरतऊठोरनेनटेरहैथि
यारहूटिपेतेकहालोलिखिलेषीये बानसुनपरेलेकमानकरकेपेनरामेघनसरेपनमेभलेवि
सेषीये लालीकीनैनरकसभरेभरेभरेभटलरेलरेलरेपटमरेमरेदेषीये १२ कवित बडेबैनन
सरसेबपरवैनेजेनवारठोरठोरनकेबडेबेरीलहै जहकोअडोलस्वामिकाजीअमोलेगोलनेनि
कसिलरेनानेकीमनिभलीलहै कालकोबनाउलेकराउकोनजउपरेजीतनकोचावकहैजदपिकि
सीलहै रामकविधानकालरावनकेलोगनकोकोपहूकीटीलपरलोककीनटीलहै १३ सवै
या मघवाजितकोसबसीसनिवारपसेरनमेहथियारउचारे आइनिरानकोबानपरीकदिकेयहभा
निबजाइनगारे रामभेसमज्योनपरेगहिबांदरकोटिनकोटिसेंचारे रामकेकोपनऊपरहीफि
रिअनकेअनकथामसिधारे १४ सोरठा मच्योजहदिनरैनिरहेंहेंउरमारुबज्यो मायारयचटि

गैनमेघनादबोल्योनबाहि ५५ कवित तोस्योजिनधनुषपिनाकीकोमहाप्रबलजाकोबलदेषिभ
गुपतिकीनौमौनहै ताडिकाकोंमारिबालीबलसौंपछारयोजिनजाकोभलीभांतषायोलोनहै
आपहीतेंजाकेसबदेसबकहैगयेकपिजाकेदसंधुकिनत्यागसनिमेपौनहै मेघनादरबकिबकि
कयोसेनाबीचिकहैकहैसीतापतिरामचंदकौनहै ५६ रामचंदकीसैनाउवाच कवित बोलेस
बसूरऐसेकृरहनवकेकोऐरेमेघनादआजऐसेदितरातहै जैसेजेठमासकीदुपहरीमेजरैपा
रसरजबैनेयाकोऐसेबरणतहै पाछेलछमनआगेअंगदसौंकापिराइनीलनलपारतरअंज.
नीकोतातहै बीचिरघुराइताकीबलिजाउरामकबिनारीकोनसयेताकोआजकालपातहै ५७
इंद्रजीतोवाच कवित सनिरेसुग्रीवग्रीवनीचेकैनिहारिराजआपनो।नराख्योतौतेकौनभांत
रिहैं नलमैतैबलकोबिलासकहाबूझतहौनीलसौंसरैतेटीकोनीलकौनकारिहै हनुम
नहूमैकहैकौनसौगुमानजामवाननिअंगदकोमानहैनहरिहैं जौलोंढहाराइमेरीमारतैनभ
जिनाइतौलौंकछुलरिहैतोरामहूसौलरिहै ५८ दोहरा यौंकहिकेबरषतभयेबाननबूंदकथा
र ऊंचनीचकाइरसुभटसबकीनेइकसार ५९ सोरठा कछूनरहीसंभारिकितसूरकादिरपरपरे
सोंदावापरिजारिचटकतपटकतबांसज्यों ६० कवित जारीकोपचारोंतादिपाहिलेहीमारे

श्री:

आजभलीभांतसबहीकेबलपरषतहैं कहौरघुबीरमेघनादमेघनादकरिपाछेबानबूंदखरीबडी।
बरषतहैं जानतहोआजरनरहैगोनकोऊकपिलछमननेऊहूनकोऊहरषतहैं हौंकहौंनिफोटक
सयाकीओरह्वैकेबीरसबहीकेप्रानमानोकालकरषतहैं ॥ दोहा जहांजहांकपिलरहेतहतह
देयभजाइ नेमिलिश्रीरघुबीरसोंबोलतगहिगहिपाइ ॥ हनुमानोवाच कवित मेघनादकोप्यो
कालनाथजैसोमेल्योचालजाकेबलआगेसुरकौनमेसमाइहैने नीलकोअनंतचाउहीलेमनकपि
राउआजप्रनकीनोसबबांदरनिबाहहैने पैतपरिरावनसोंसीलनमरारवनदोभोरदिनतनाइआजहूंजे
नैकुदाइहैने कीजैनवलाउचलिदैखोदसुपाउरनलोहूकेतलाउमेरलाउकल्लुनाइहैने ॥ रामचंद्रउवाच
कवित हनुमानहूकीओरदेखिमुसकानेरामजाइसुधिलेडुसबबानरउरवारेहैं बोलतकपोलननैं
छबिकेतरंगउठैतिरछौहैकेजैनैनमोहैसंगभारेहैं बोल्योलछमनपयन्नुधलीजैबानलीजैरनदी
कोटीजैहमतापसीबिचारेहैं हमारहसीदारतहैजीत्योरनहाथतहोंइंद्रजीतजीतिसबैमारिमारिडारेहैं ॥
लछमनोवाच कवित काहेकोंउठायोभारकरतरहेबिचारकहोहोकमानसोंबडाईजतनाइहो बान
नसोंकहोहोबनाइरुंडमुंडकाटिबैरनिसोंश्रोणितमैंनीकेकैनिवाइहो सुनोरघुबीररनभीरकेपरे
तेआजकामजोनआइहोतोकौनकामआइहो दीजैमोहिपानकहाकोऊपावैजानमेघनादकोंतोमे

ह॰ ना॰ ५२ ९८

५२

वकरिपैनजोंउआरहौं २५ रामचंद्रउवाच कवित्त हमेंसुग्रीवकरुणासोंरसभरेनेंनलछमनबान-
सोंकमानजवतानिहैं हनूमानरोकाहेकोंगुमानरहैरावनकोभारीहैभरोसोमोहिजीसोंगरिह्यानिदै
पीठिठोकिडीठिभरिदेख्योमुखकरेबीरऐसोजहकौजोजैसीमदाऊलबानिहैं बाल्योअहिलादराम
कीनोसंखनादकस्योरनकोसवादमेघनादआनजानिहैं २६ कवित्त उमडेअनेककपिएकनतेंएक
चपिलछमनजकोंचहूंडोरछेरिछेरिकै आगेभयोहनूमानपाछेनीलजामवानलंकाकेनिसंकसूर-
मारिहैंनिबेरिकै ऐसेबानवलजेमेंसावनकेमेहभलेमारूकोंबजाइरामरूद्रकेहेटेरिकै गीधनकोमास
बेडोरावनकोत्रासमेघनादगाज्योदांततासऐसोजहहेरिकै २७ कवित्त परीलोहमारसबआपमेंसुमा-
रकेहूंतरवारिनसोंहाथनरफतेहैं कहूंमातेहाथीकहूंगिरेकाटिसाथीकहूंभाथीबंधेगिनतीकेस्वास
निभरतेहैं एकफेटबांधिकेकटारनिसोंलरैथाइएकसरवारबिनमाथेईपरतेहैं जहांएकबारदोऊक-
हूनेनपाछेकोऊजेतोदोऊअपछराकोंबरतेहैं २८ मेघनादोवाच कवित्त मेघनादैरिसआईमेंत्रय-
टिकैचलाईबानहीमेंनागफासबडीदुखदाइनी जाकेतजआगेरामलोगनकेतेजछूटेजेसोप्रभतेसोज
नसबहीकोघाइनी पंचहथियारेहैंपैबडेसुरभारेहैंपैनेकुनसंभारेप्रानसबकेउडाइनी काहेकील
गईउनकयाईचुकाईजैसेपारामारउरतेहैपलमेंरमाइनी २९ चक्रवीवाच दोहा पहिलओरछ

बीरजी चकअहिद्योमराप्र अबनिसकोंचकईहूंसीनजिमनिबिरहमलापु १० सवैया आपद्द्योजि॰
नमोपतिकोसोईरामपस्योदुखसोंरनमें लछुबीरसमीरकेपुतसमेतनरहेळुपिकेकपिगकेगनमें अ
बजीतिभईमघवाजितकीकहिकैहरषीअतिहीमनमें चकईनिसिज्यांऊलहीचितमैनऊनाचिउठीहंसि
केबनमे ११ रावनसुतोवाच सवैया रावनसोंकहीहतनजाइनिचीतभयेरनमैंहमजीते रामसमे
तसबैकपिमंडलभूमिपरोजननुचिअनचीते नागकीफासपरेइहभांततनत्रासभस्योउकसेनकहीते लै
सीयकोदिखरावहुजाइजमोहिभजेअजहंअबहीते १२ सखीशरमावाच सवैया सीयसोंबातक॰
हीशरमारनदेखिसबैभटजूझिपरे तिनदेखिकेश्रीरघुबीरभेरहगसैचिकोयेउखपुंजहरे कहीनाथ
सजानकीपाइनलागतजोलगिहोभइभांतलरे तुमऊतरपेकिनदेतहोमोदिस्नमोअबजेअपराधक
रे १३ सीतोवाच सवैया जबब्याहसमैरिषमंडलहोनबमोहिअसीसदईकहिकै रघुबीरसहागिनि
होहुसदाभजसोभुजहाथनिसोंगहिकै तिनहूंकीकहीअबझूठीभईअरुबेदकीबातगईबहिकै
सखीओरकीकोनकहैओसरथाननजानरहेसहिकै १४ सवैया बनकोंचलतेकहीजेबतीयांते
ईजाननदेहोंचितमैनरहीं बसिकैबनमेऊनितोसंगराजानकोराजसमाजकरैचहरहीं सोईश्रीरघुना
थनिहारीपबातगईजीयमैंसचुकोंटरहीं तेईझूठीभईमिरेप्रानपतीसीयपापनिकोसबहोसरहीं

ने

सवैया अजहूं अपराधन जानकी की भजवामक है मिलि लोचनसों अंचराउ कै सेसम सौं नसबै नमरौ
नजीयो हन सोचनसौं अजहूं नहि देखत है भरि नैन परे हंछि निकौन से कोर्चहूं सौं कहौ बूढि मैं कहौ जा
हजरौ हि मबीचि गरौ मन पोचनसौं ४८ कवित ऐसो सुखमा नेतेन प्रानन कौं तानन ते नरती भरिभ्रा
तेनैन मंदरनबनतें सामुके सनेहतें नबनी ठनी देहतें न कंचन के मेहतें न कहूं सखीजन ते जैसे सुख
मेरे जीय हैं हिमेरे प्रान नाथ नै ऊजो कदा छ्वै कार परै उठि रनतें मैनानि मैं शरम समो रशर मा के आगे
जानकी बिलखि बिला इयों इयों मनतें ४९ दोहरा रामचरन तर लछमन सीय देख्यो बिन चैन ह्रीयाप
टतिअसु अनिट रति बाल निता सो बैन ५० सोरठा भजी मोन रघुराज कहि लछमन किह है न ते
भली नि बाही लाज रघुकुल ते लघुकुल कीयो ५१ कवित अरे प्रान वल्लभ के बीर बीर लछमन प्रान
नाथ मोसों आज बोलत न नेक हूं जानत हौं मेरे अपराधनि तें रूठि रहे बूझे बिन जैसे है करत ऐसी है
कहूं नूतो मेरे चरनन को सेवक कहै रेस हत नैकु बोलि प्रान मेरे जानत कहूं ते कहूं कासों कहौ बात दि
नहीं तू मोहि भई रानके अनाथ गयेन भलो कैलो कमै कहूं ५२ सोरठा बड़े जीय डत पात राम चंद लछ
मनतके नबजानकी जगमात प्रानन सों बिनती करै ५३ सवैया प्रान सु जान अजान पनो तजि मान
कयो सुन बाल जमाती मोंगत हों इक बात बड़ी कर जोरि बिडे दुख मैं बिलखाती जो लगि यों न चलै

श्री:

जगमेसीयजीवतिहैबिनरामसंगाती तौलगिरेहूकोंयोंनजिरेजैसेपन्नगीकांचुरीकोंतजिजाती ५२ सवै
या काहेकोंरतकीयोहनवंनदईजिनिरावनकेपुरदौ अरुकाहेकोंसिंधुहिबांधिदयोदुखलैजसबादिह १
कोनसीगो कपिमंडलवीरसमेतसबैमोहिछुरिकेकेयोंनगयेघरकों नमग्रंतनबातनिबादसकीसुक
रा: हूगयेआपकहूकरीहैं ५३ दोहा ऐसीयकेजीयबातसुनिअवधीयबिनगातिकोन बैलेबडसमद्रमे
ना: केउरिमिलिनभयोन ५४ कवित ऐसेबिललाइकरकाहिकाहिलाइनबिबानतेउतसोजाइग्रासुनव
५८ हावती कछूनबसाईहाइहाइहाइरघुराइनमऐसीकहिछाडीग्रनभावती मनकेमनोरथजेइतेनेबि
कवि लानेसबधारमाधारमकरिकाहूनसुनावती लोगयोंकहतमनमांगेफलदेतबिधिजानकीतोआज
१५ मीचुमांगेहूनपावती ५५ धारमाविजटीउवाच सवैया रावनजानकीकोंसरमासुअसोकबनीमहिजा
इधरी त्रिजटीतहआइसमोधकीयोसीयप्राननतेजिनपकुचरी सुनिरामप्रतापइतासनतेतिनराव
नकीजरहीसुजरी मिलिजंबुकजूयनिसिंघकेरावतसिंघनिदेकबहूपकरी ५६ रावनोवाच कवि
त सुम्योसुरराजनुआनहारेरघुराजरनप्रानलैसिधारेउटगहीहैसुमेरकी रामकविपकअ्रीमदेशबि
नथकथकीमिटैनबिरंचकीनवरुणकुबेरकी लोकलोकनकेदेवऐसेभाजेनातज्यांबघूरनमैंपात ५८
बातदेखिकेऊफेरकी नारदकयोपकारिनागफासबांधिडारेसुनतहीगरुरुगरूरसौंदरेरकी ५०

सोरठा यहि विधि गरुड़ प्रचंड चल्यो सुसान रिसान मन रावन के भुजदंड राम रजाइ सनेह नो ४८ कवित
पच्छन की बाउ सों उड़ाये गिरि लच्छ लच्छ मानो तच्छ भच्छ को प्रतच्छ काल आयो है बासना तें अहि कोसला
धक गये हैं बहि रामचंद्र जू कों सिर नाइ कें सुनायो है सूरन की कौन गति चौदह भवन पति नैनन की सैन
तें अमरन बरषायो है राम ही की डोरन के जीये है करोरि नैपै चोरन की ओर कोन पुर कैन जियायो है ४९ क
वित सबै फिरि गाने सब ही के शंख बाजे सुनि बात को बिराजे प्रान जानकी के देह मे गरुड़ सिधारे सुर
लोग मिटे सोग सब मेघनाद गये द्विबि मिलि रिदेह खेदह मे सुनत ही रावन के छपे सुख ने ही छिन के सजे मैथ
तिछपै सावन के मेह मे बाढ्यो दुख भारी नागफांस भई न्यारी पाई कौन बात प्यारी द्रुमशिव के सनेह मे ५·
रावणोवाच कवित मन मैं बिचार्यो पाप मिलबै बैठे बेटा बाप माया कीबनाइ सीय मारे दिखराइ कें सोई
काम कीनो अैसी रची है न रची रंभा उरवशी दोख देखि रहे मुख बनाइ कें राम प्रान नाथ रोइ कहे मुख बानी
न हां आनी गहि कै सुजहां जरी अनी आइ कै रामे दिखराइ माया का सो है बनाइ हाइ हाइ कारि राम छितिप
रे मुरछाइ कें ५१ विभीषणोवाच कवित कोऊ कपि हैन सुखी लछमन मरा डुखी ठौर ठौर ओरही की
औरे भई बात है धाइ कें विभीषण सुनाइ कही सब ही सौं हाइ हाइ रामचंद गात कुसरात है नाथ मेघना
द ही की माया को बिलास जैसें नागफांस परी तैसे यह रूप कच्चा तहै जौ लौं यह पापी देह हो मन करन ध।

वैहाययग्रोवैभलीनहीबडोअपातहै ५२ मेघनादोवाच सवैया हैदुहनाचलउतरडोरनहोरचितगपम॰
हाअनुरागयो आपनेमासकेखंडनिकादिङ्लाशनिमैंमोईहोमनिलागयो दैरिपलोहनुमानतहावह
चौकिपयोनतुसोवनलागयो हेमनहोनरयोरिपकोहथियारगहेंरनकोंउठिभागयो ५२ लछमनोवाच
कवित पाछेलछमनकहीमेघनादमहापापीवामजपजापीअवकहाजानपाईये रनकोनिदानआ॰
नसाखीहैसहस्रभानुमेरोबाउमहिरेकैआपनोचलाईये सनीजवबातआगिउठीगातगातनिपोंच
लायेबानदिनहीनेरातिगाईये नेमबबचाइकहीलछमननाइप्रभआज्ञयाहिमारतहोंदुइभीवनाई
ये ५४ दोहरा तबअचंडकोलछमनपटकेभुजाछितिपीठि आजमेघारोंइद्रजितश्रीरघुबीरसडी॰
ठि ५५ छपै अतिप्रचंडभुजदंडकठिनऊंवडसभालो रतनसजरितसचरितबानतिनमधसंचासो
अरिसनमखसोईसाधिसभरणमाहिचलायो मेघनादसिरकाटिअगटब्रह्मंडउडायो पुनिजहराव
नलंकाधिपतिसोईअरिसिरतिहकरपयो जीत्योसलछमनरामबलअरिकुलहारिसभरयो ५९
सोरठा नरैनकथाविचारिजकाविरामहिदेकही ओमछलीबिनबारितोंहरिजनहरिगुनगनदि
५७ सोरठा आगेसनकुसजानश्रीरघुनाथचरित्रको लछमनकोपहिचानशक्तिभेदरावनकरै ५८
१२९ ॥ इतिश्रीरामगीतेद्वादशमोध्यकरइद्रजीतवधः १२ चौपई देखतमंडमहातरफयो निक

२५

सिमीनजनुजलतेंपसेउ शिवशिवशिवगावनकरिउड्यो फननागयेमनुमानोल्लुड्यो चितहुल्लासथी
रजगयोरुटी रोगत्रिदोषनाईकाछुटी अबहिंकौनसोअपायसहकरौं प्राननिकारवाइरैथुरौं मेघनाद
जुकेरनमाहीं यहसुनिदेवनअंकसमाहीं तामेंइन्द्रअबैंउठियेंहै नाकहजीतिकैनवरेअंहै कुटिल
ऊचेरपवनसंगधावै मेघनादसुनिजबपावै ह्योलंकबहुरिअबजीते नानाविहमजोरमसिरबी
ते १ दोहा वेदसालतेंकालकुछुरिअबदेवान्हैआइ मेघनादबिनयेंभयेमोंकेदृरिबिनुपाइ २ चौप
ई जानतहूअजफिरजैहै ताराममकोंमायोनैहै आजबभीषनकहासमाई बनीलेकजाकोठऊ
राई फल्योफिरैगोगजिनजीते रामचंदअबद्दोहिनिचीते एवनजीततबिलमनहोई बालबिरथजा
नैसबकोई जोभाईकहभाईहराई सोनरसदाकालमुखबसई अबमोकोंमेदोदसीदहई बचनकठो
रवज्रसमकहई मैजकहीनबकोंनहिमानी जकेंदेनह्यारजेपानी सबैकठनईबडबिधिभई रा
जहिंभलिसबैसपिगई ३ दोहा जिनदेखैतितहीदुखीमुखसोयोरनमाहिं जोंजह्यनबडतसबै
बुडिउछरिमरिजाहिं ४ चौपई अबपबचनप्रगटजगभये पसीनासततेंमरिगई बिनअपराध
सीयाहरिआनी तांतेरयोनदेवापानी हमभयेमेघनादबिनअंसे बिनहूनोचकोरगनजेसे जैसे
अंधलकटूबिनहोई जोंबिनलोननबनैरसोई वेअतिप्रबलनिबलहमभये सबलैअबबिपना

रा:
ला:
५६
96

श्री:

दुखदये पहिलेदेहनछुटीहमारी तातेंपुत्रशोकभयोभारी उतरैचढैचढीमनताके मनवचक्रमयेोरथस
बयाके ५ दोहा पुत्रजन्मसमसुखनहीमरनसमानसंताप अश्वमेधसमफलनहीब्रह्महतनसोंं
पाप ६ चौपाई यहसबबातनचितमेंराषी प्रगटसभामेंरिसभरिभाषी पहिरिकवचदुंदुभीबजाई सेना
चतुरंगनीबनाई बारनमत्तधुजाफहराई मानहुंसपंखउडेगिरराई असलअसीलचकितचितघोरे
चलहिचालनगरुडतेंथोरे रथपंगतिमिलिरहविविजारी रविरथसमपुजैनकरोरी पाइकचलेपव
मचितगाढे रामसनिकरतरोमसबठाढे उडीधूरिरविबीचसमाना जनुरावनकेक्रोधउमाना धम
सुमातनिकरोसिनघुभरई जनुहिमगिरतनभतेंहिमपरई ७ दोहा द्वादशभानसमानमुखरुद्रइकाद
शडीठि रामलषनसन्मुखचल्योदईलंकतिनपीठि ८ चौपाई लईचढाइकमानशरूकरि बानसवा
रिफोकतामहुंधरि सतिमुखउंभडुंभचकचूरन ब्रह्मादिकभयकेसंहरन अरुत्रिशूलतीसेख
ड्गसम जाकेलगतनमरहिकोटिकजम चौथेचंद्रहासचमकाई जाकेतेजडरैसुरराई पचयेंफासमन
गनकोफासै जाकेडरशिवलोकनिसासै छठयेंछुरीछुरीभांतिविराजे जाकोनिरषिनागपतिला ५६
जे सतयेंसिपरसरसबनाई बानहहटतिनसवैबचाई बनीआठयेंबरछीआछी जनुजोगनलो-
हकोंकाछी गोफननयेंहाथकलमलई सोमनकोमोगोलाचलई हसयेंगदादसोंदिसफेरै क

२५

त्रिसिरा खरारि कोटि निबेरै गरज गपारहिं गिरसम आही डारै पीसि बिचारै जाही आगम मंत्र बार है सो है
परिछ्यो इंसुर नर आहि मोहै शेष विशारद तेऊ हैं रद्दायो बाजत मनो प्रलै घन आयो चटक चक्र चौरदे व
लायो जनु रवि रिपु हि मारने धायो नाग घोप पंद्रह गही मानहु काल जीभ लहलही गुपत गले
लखो लहै थारै त्रिशूल चिरई दिन लाष कमोरै चंद्रबान सत्र है विराजै शत्रुहन सोई बचै न भाजै भरि
बेहक अठार हि छोरै इनने ऊदीप हीहि नबडोरै ९ दोहा लैनो जो उन्ही सबै अजमय परकार बीस स
बे सफल रघुनाथ बिन बरदी नो शिव ईस १० चौपाई भयो सबार लेक कौ राई पंच शब्द चहुं ओर बजा
ई रणमा हुइ हि बिधि मन परई का इ है होर सोई लरमरई इतना वन लेकार जथानी चदी महल मंदोदरी
रानी दिग सखव पजुथ मिलि ठाढी मानहु छीर सिंधु मथि काढी पति कोरे खि बहु रषन हि करई श्री
रघुबीर तेज तेउ रई राज करन बहु तैं सब पायो अब बिधि ऊ फेर बनायो कत अनान गरब निबारै
श्री रघुपति तें जीतो चाहै जों पतंग बहु तैं बल करई दीपन भस्म होर सो ईमरई ११ दोहा जों म्रग
राज सृग निरख न बडो बडो न हि होइ चित्र लिष्यो केहरि निरषि भाज न लज्जन सोइ १२ चौपाई गरज
तन दीह रतें आवे मिलै सिंधु कों फिरि कों पावे जों चल पवन रूष कों तोरै बली होइ न सो मरई फा
है जों दीपक अति जोत प्रकासी तौ तन निरष न सख उदासी जों हट बान हाथ तें छुटे वज्र हि लगे

दृं
ना
८७

सोई फिरि हूटै इहि बिधि मन मैं गटी विचारै सत्य निबीचपकै नउचारै चल्यो कंत रणकों समुहाई बांधि
मंदिर बहु भांति बुराई लंकापति रण मे उचराई लछमन को जन मोते डराई मारों आज वज्र सम बाना
मेघनाद संग करै पयाना ११ दोहा ब्रह्म मंत्र पढ़ि से ह्यो रावन कर चमकार कालनल दमे बीजुरी
जनु पगटी है आर १४ चौपई क्रोध उमडि सो दई चलाई पहिले कमलासन ने पाई सफल सदा निर
फल नहि होई चौदहि लोक बचै नहि कोई तेज पुंज आवत लहलही सो हनुमान बीच ही गही
हलकर गही न छाडी ढीली गरुड उडन सापनि जनु लीली पकरि सिंधु मे दई चलाई सो फिर आव
न के कर आई विसमे भयो लंक को राई तकि लछमन तिन बहुरि चलाई फिरि हनवंत वेस ई सो की
गहि समुद्र मे गहि रे चोकी सो फिर गई दुष्ट के हाथा भयो सकोप लंक को नाथा १५ दोहा सो ब
क्षी लै लंकपति चल्यो ब्रह्मपुर धार चतुरानन कों मारि कै बहुरि लरौं गो आर १६ चौपई ब्रह्म
लोक मे गये लंकपति कमलासन को आयो चित ने अति क्रोध डीठि देखि दुख पायो अपने सिंघा
सन बैठायो महाराज हम कछु न बिगार्यो कोन काज आपन पग धार्यो हम पहि लि ही दे तफल
ताही अब न दिय पदो के हाजो मोही ज्यों ज्यों तम क्रोध बढ़े है ती त्यों त्यों मरन होत है मेरो तुम मेरे कुल
माहि उजारो तो ते मोहि प्रति हारो पति मो आजु रहै न हितो ते तो सर असर डरैं नहि मो ते जो ८७

97

तुमकहेकरौंअवसोई यकीरूहतेजोकछुहोई १७ दोहरा कह्योलोकपतिदैतसोंकुरीवडीतुम
बात अजहूंचिंताजिनकरहुदिनएकमेंनजात १८ चौपई कह्योलंकपतिमारेंतोहो दीनीकृप
टमैंहथीमोहो वारपचासकरयोरहकोर बिनलछमनफिरिआईमोरे जिहलछमनसबकुकहुं
बनिवेसो अवहिआनिलंकागढघेसो हौंहीवच्योसबहिंगतिमेरी तोपरिसफलनबरछीतेरी
मनमैंतोविरंच्यसुखपायो सुखफीकोकैसोकुवढायो यहतोसुगमबाततेहोराई मारहुलछमन
केहेउपाई तबनारदकोसिमरनकसो नारदसीसआनिपगधरसो तबहीनातभयोवडभागी
जबहीडीठिचरनसोंलागी १९ नारदोवाच दोहरा पुनिरावनकोंदेखिकेडरपिगयोमनमाहि
चितमैंरह्योविचारिकैआजकुशलसीनाहि २० चौपई आपसहेदूकरोंअवसोई महाराजकोंन्यो.
सुखहोई यहह्यातासभजगतभिखारी यहपतिराघनहारहमारी जौतुमयाकोभल्लोनकरहू
तौतुमआनननेनहिरहू छाडिबिलंबहिंआपसदीजे लंकापतिकोकारजकीजे यहजसआजना
नकहपावै महाराजरावणवढियावै जाकीसभासकलसुररहई सगरुबैठन्याउकोकरई पव.
नबुहारैपवनसदाई आपुनगुहैंगुरूलमदाई छपनकोटिमेघजलभरई पावकप्रगटपाककोकर
ई २१ दोहरा वेदपढतब्रह्माआपतमसम्रबरदेवकिनमाहि सुरपुरनरपुरनागपुरबसततेहकीछाहि

रा
ना
५८
98

२२ चौपई चंदनछत्रचंद्रमाथरई छत्रीहायधडाहोरविकरई बंद्रमालमैकालविराजै जैदुंदुभीनीरनिरधिगा
जै तिनद्रष्टिकेजानकीचुराई नाकेहेतलरेरघुराई पहिलेमुनिमरीचतिनमारयो छेदितालकपिबा
लसंघारयो खरदूषणरविनमाहिरवपाये सिंधुपारलंकागढआये कुंभकरनरनमांहिपछारे नारा
छेमघवाजितमारे पवनपूतबलवंतप्रबलग्रति निरछारयोजतननिलंकापति सोईमहाराजनात
नरग्रायो हाऊखोंनसबतोहिमनायो २३ रावनोवाच दोहरा यहविनतीममबूकरीलंकापतिरिद्दि
सनाइ तबरावनविधिसोंकहाकरीयेकौनउपाइ २४ ब्रह्मोवाच चौपई तबबोल्योब्रह्मासुनिना
रद कहोबातसतविशारद तबलगुहनूमानरनमाही तबलगुसफलसैद्दयौमाही पवनपूतजब
ग्रनितसिधारै तबबरछीलछमनकोमारै ग्रबतमजाऊनरतहीतहा रामचंदहनुवंतहैजहा हन
पकहिलेग्रनितसिधारहू तबबरछीलछमनपहिडारहू महाराजतमभेवदनकरहू लछमनमा
नजाइतमडरहू करौमनोरथजोमनहोई चलतनसैदयोगईहनकोई ग्रबजोबीचियाहिकोऊगइई
जमपुरजाइजातनासइई २५ दोहरा नारदसोंलंकेशसोंब्रह्माकहीपुकार हनूमानकोतमगाहोनेल
छमनकोमार २६ चौपई यहविधिचतरानननभाषी बीचदयोहरिहरिकोसाषी विदाभयोम
घोघरालायो ब्रह्माकेजीयमैजीयग्रायो रावनचलतकहेपुनिबैना लछमनमरैनोहिकछुभैना

५८

नारदसैंहथीतांपरहारें लछमनबचैनोहिफिरिमारें नारदहोहनुमारेसाषी ग्रहनदीठिगवनयेंभ ।
षी लंकापतियहविधिगरबान्यो कमलासनजीयमैनबुजान्यो रोगीचेयेत्रिदोषनिलागे सोपें
बकैजगतगुरआगै ताकेसंगनारदकरिदेया क्रमक्रमकरिगवननबगयो २७ नारदोवाच चौपाई
नारदचल्योविलंबनकीना परिकांधेरघुपतिजसबीना हनुमानकोंदरसदिखायो लंकापतिर
तरनमैंआयो उतहनूमानबहुतसुखकीने नारदमिलेमहारसभीने करीपरिणामपरिक्रमा
दीनी प्रभकोंजानिबडाईकीनी जबहैलंकरहनहैआयो राजसभामेंदरसनपायो तबतेंआज
निहारेरिषवर आग्यादेहुत्यारह्योबनफर पकरिबांहनारदलैचल्यो हनूमानतांकेरसढल्यो ।
नारदहरिमायाबिसतरी लैगयोहरिसमक्तिनहिपरी २८ दोहा रघुपतिकथाविलंबसोंसबब
कीरिषताहि कपिकुलमणिभरिप्रेममनसबैकहीग्रवगाहि २९ चौपाई हनूमानयहभेदनपा
यो ब्रह्माकीआज्ञातेंआयो जोकपिपतियहमायाजाने नारदशारदकछुनमाने बाननरसग्रट
केहैवडभागी समक्तिनपरीजरीहैलागी हनूनरामहिछाडेरवरी आइबाननारदसोंपरी पाइभग
तिकोभगतिसफलै प्रभकोभजननतरतहीभलै बडेरामतेरामसनेही आपुनभजहिरडावहि
देही यहविधिहनूमाननहिभूल्यो चलैनबसरिषमायाफूल्यो रतनेमैंदेख्योलंकापति हनूम ॰

ह॰ ना ५५ 99

श्रीः

नरननहीविशारदमति १ रावनोवाच दोहरा नबहुरल्योविधिजोकह्योसोईनावदकीन अवरनम
रोलछमन ज्योंनानादिग्परलीन ११ चौपई नबतिननमकिसैहथ्यासाधी कोपजीठिलछमनउ
रबांधी तेजपुंजतौछूनलहलही मानोरविषायाकेवही धूमकेतनननभप्रगटानो लोगनिश
लैकालकेमानो ननजूरिकोटिबोजरीचली सैनासकलतेजतेंखली गिरेभ्रमिकपिबडूरिनल
रे मानहुवानकरीरिकपरे छोडिलछमनउहिदिसिगई सरघुरमाहिवधाईभई यातेसबनिऊल
हलकसो भलीभईलछमनधरपर्यो ताेपरलछमनआनेनपरई तोरावनरमबिनुनभकरई १२
दोहरा अबपूरनअपराधतेंरिसकरिहेरघुबीर सीयबिरहागिबुझाईहेमदोदरिद्रगनीर १३ चौपई
तौछिननारदगयोलंकाई हनूमानठगमठीखाई आयोदोरिरामकेपासा रहेघ्वारेसबजीवनआ
सा बचोबभीषनबिलपतिबैनति कपिपतिजतनमांगतिदेसेनति हनूमानकपिकटुकनिहा
सो मानोगडिपाथरकोडासो भयोनीलनीलोअतिचोटनि पीयरेमुखिअंगदथरलोटनि औरह
कपिनकीकोनचलावे दूटिरहेरामहिनहिपावे सबनिछाडिहैंगयोएकछिन इनसबहनकों
घहेकालदिन जोछिनभरिरघुपतिननिहारो छाडिप्रानजमपुरहिसिधारो १४ हनूमानोवाच
दोहरा छलकरिनारदहोंछल्योबलुकरिमारिसिराउ रामरजाइसहैनहींअबदह्विप्रकोजाउ १५

५५

चौपई लछुमनराजकुमारनहीमन कोंनीवैहनमानएकछिन कह्योबभीषननबसिरनाई सबको
बलमतयहमरिजाई सुनिकपिपतिअतिनिसिअंधियारी अबबिनतीसुनिलेहुहमारी लेदीपक
हमदेखहिहोऊ सभमरिगयेकिजीवतकोऊ आगेकीयोबभीषनराई पाछेहनवंतदीपजराई देष
तजामवंतहिगआये आतिसलुमतिनबचनसुनाये देखिबिभीषणारहेविलषमुख पर्योआनि
सबकोइकठोडख हायउठाइयहैतिनपूछी मुखबहुबिआनसबनकीछूछी १९ जामवंतोवाच
दोहा सुनहुविभीषनलंकपतिसुखदैबेगसुनाइ हनमानजीवतबच्योकैमारयोतिनथाइ २० चौप
ई सुनतविभीषणरोइसुनायो जीवतजामवंतदीपायो तिनढीकदेवज्रसमबेना ताकोदेखिसिर
ततनेना श्रीरघुवरकोकुसलनबूझी बझैलछुमनदेहनसूझी कपिपतिअंगदसबैभलाने छ
बतेअधिकहनूमजाने तजिनतनीलहिनेहुजनायो रामसहितसबदलविसरायो कैतमग
येभभररनमाही हमहिरामकोबहुतनभरोसा सेवककहाआज्ञकहितोसा अबकरिबेगसमो
यहमारो हनूमानकिहिहेनसंभारो १९ दोहरा जामवंतबोल्योनवहिसुनहुबभीषनबात जाके
जीवतसभजीयेमरैसबैमरिजात २१ चौपई जौहनुमानप्रानवहिपरे जेनरपीगरेहोतसबखरे
जौहनूमानजूझिपगधारे जेजीवततेऊबिथिमारे तबहिविभीषनबचनसुनाये श्रीहनुमान

श्री

ताहिदसमाये श्रीरघुपतिलछमनढिगआवेरे पसबैरीरितमपगाएरे मिलरघुबीरबहुतहीरोये लछ-
मनआजसबैसखोवाये लगीसैंसथीप्रानउड़ाने छुटेहाथतेंभयेबिराने अबलछमनबिनछिन-
केंजीयो जौबिनपहिलेनीरनपीयो अबहौंप्रगटतजनहौंप्राना इसलोकसंगबीरपयाना ५०
दोहरा बैनसमेबोधकाहितबसबरोवतबिललात जेसुथजीवतशत्रुसनितेक्यावतजात ५१ चौपई
छुटीमूरछासबउठिधाये जीवनरामचंदढिगआये लछमनदेखिसबैबिलषाने प्रानआपनेसंगनजा-
ने रोवतनैननजलढरहेई तबरघुबीरबीरसोंकहई तबरनधीरमहारनगाढे गयेछाडियहदुखअस
हे अबतमसबमैंप्रगटजनायो बनफलखातबहुतदुखपायो सीतादूरनआजदुखमान्यो तांते
सुखसुरकीयोपयानो मोबिनभोजननपीयतनपानी रहीमीतसुनिप्रीतकहानी गुपतसोचजोम-
नमैरहई रोवतरामसतोसोंकहई ५२ रामचंदरोवाच सवैया जानकीकोजीयसोचनहीनसंकोच
कछुपितदेहगवाई देसनन्योलीयोभेसतपोधनकेकईकीनगनीठकुराई जैसीकछुदिनरैनिबसे
सुनिबीरबभीषणकीदुचिताई प्रानतिसंकतजेतमयोहमरकभयेरनलंकनपाई ५३ दोहरा लछ-
मननिपटिअनीतिकरिगयेछाडिरनमोहि अबरघुनाथअनाथसोंयोंभावतहैतोहि ५४ सवैया
जानतहौंमनमेंसुनिबीरनतोबिनबानरएकलरे भजिहैंरघुकेकुलकोदुखदैमरिहैंतबमोदुखसी

रा॰
नो॰
१००
100

१००

यमै है नहीं झूठी कबहूं सुखतें हहू झूठ ही तें रघुबीर डरै है जिनि देहू तन जैत बलौ जन बलौ न बिभीषन जाइ के रा
जन करै है ४५ कवित छाड्यो निज देस की यो तापसी को भेस दै बिराव ननरे सम्पति एक सको डील दै है अंगद
नदी मे सखी चारन तें छैन डुबी मसखन के आगे लागे लोहूनि को फील दै है भाई लछमन अब होत है दसाई
कहि कहा जीय आइ मे रोजान सखसी लहै है रोबै रघुराइ हाइ हाइ न उपाइ और नेतो बिना सहाइ कौन आबन-
लनी लहै है ४६ कवित पिछली तो ऐसी रीति निते सीको नी मेरे मीत सीनि सगराई जैसे है न शशि को ककौ
पहिले खवाइ फल सेज को बिछाइ दल तांपर सुवाइ मो हि पाछ जातेरोकको किये जो परी बात हमदै है बि प
मात भ्रात ऐसी प्रगटावत बढावत है सोकको अजहू न जागे मोसों ऐसे अनुरागे बीर मोहि छाडि आगे-
जान लागे हलोकको ४७ कवित दसरथ जूके देह त्यागे तें न त्यागी तैं तो मो मैं चित राख्यो है न राख्यो है
जनक मैं पाछै बन आये बन फलनैं खवाये खारीनी भ्रीन भाई कोऊ तोरै नननन कमैं जानकी हरन नैं मरब
न विचारयो तैं तो मेरे जीय काज रावरयो वान नैं थनक मैं आज रघुबंसमनि रबिंसहोन लछमन सेहर यो लागे
साथ छाड्यो तैं छनक मैं ४८ सवैया रविनैं मन आदि दिलीप हूतें रघु तें अजतें किन बंस गयो छै हैं नि
कलंक सबै पितसों जससों अरिजीतिडनी जगजे अब मेरे कलंक चढ्यो सिर देखहु नारि गई रन बीर च
लो है बाढी विसीति हूं लोक पसी पुनि सीस मह्यो रघुबीर कहै है ४९ सवैया औथ कहा रघुनायक

रा॰ ना॰ १०१ 101

हापितुबैननतेंबनकोंउठिधावै रावनसीयहरैलकहाकुपिराजसमाजलयेंसंगआवै सिंधुपटैल
बुबीरलैरधवकानिहुरैमनयोंदुखपावै जोजोयमैसपनेहूनसूनतसरतसवैबिधिरेखबनावै ५०
सोरठा यहिविधिअतिदुखपाइकैरोवतकैथरलूटत नापावेरघुराइहनमानसोरिसभरा ५१
कवित सीताकेहाराजबेहाभलीबुरीकोउकहोजोसोआनिगहोहारिपुनैकुनालिसाइगो सनरेस।
मीरखतनपीरमहोजानतनहीनतहांमेरोबीररघुबीरतहाजाइगो एककहितबिनालछमनपायोअ
योरिनबिनारीनेरामचंदकेसेकैसिराइगो नातेमेरीसबहीसोरामरामरामकहिसबननितहारोकि
हलैबैनिजकाइगो ५२ सवैया आनिजरेसोकपिमेडलकालसमारपरेरनकामनआवै हांबल
वडवेउहतनवेतगयोभजिकैनिजप्रानबचावै जोबिनआजहंउबीरहभानसुरामकहाभरथेअबपा
वै बीरबिनाअबबीरकेप्राननिकोरघुबीरकोंआनिमिलावै ५३ कवित केकईकोहतनलछमन
नकोंकाढिरनतेरीझेपवनरूतकैसमुखमोरते मैहथीकोचाउलेकराइकौनहोनदेतारावनके
दलमेसमनदविसचोरते एकहीशरासनकेजोरपाकसासनकोआसनगिराइकमलासनकोजोर
तो गारतोगरबदसकंधरकोसबैअजहूतानभरतनभरयजाइनोरते ५४ सवैया नारिगईअ
हबीरगिरयोरनहैमननेसबबातनिहारो रावनकेदसबाननतेकपिमंडलभभिपरोनसभा। १०१

हो एक डूतो हनुमान बली तिन है जोघ मे यह भांत विचारो आसरहौ गहउ सन राम शरासन·
छारि कै आसन मारो ५५ हनुमानोवाच दोहा हनुमान नि अपराध ति ज्ञ सन्म लख करत न डीठि
भरथ भुजा बल अवनि मैं निमन रिस मारत नीठि ५६ सोरठा मन मैं हनुमान रिसाइ बदन नाइ अदो भ
यो प्रभ सों कर दाब माइ रीठ भयो बिनती करै ५७ कबित्त काहे कों करत रोस सेवक को निदेत दोस ठौ
क ते जो पीठि नैकु कोन भांत हारतो खेद लक्षमन जू को देह कोंन हान रेतो नेकु तन मे काहु हूं को सि
धुन उतारतो अबलो तो सीता जू कों लैके संग महाराज भली भांत बैठि रथ चढ़ रही पधारतो मारतो
गरभ दसकंधर कों सबै यान ने मेल के जारी तेमेरावन कों मारतो ५८ कबित्त सबैरहो बैठि लंक प
कलोइ पैठि नाथ मलते उपारि सिंधु पार मैं बहाइयो एक मनि मारि किल कारि सब कों पछारि छिन
ही मैं चंद्र मुखी जानकी कों लाइयो जैते लक्षमन गन मैं लक्षमन जू के रन सत धार सुख आनि कहो सब
कों जिवाइयो काहे कों कमान बान उभ नरहौ महाराज देहैं नैकु आयसु तौ रावन गिराइयो ५९
रामचंद्रोवाच दोहा हनुमान पसाच सब जितीकही ते बात रनरावन रूल्यो फिरै कौरि लक्षमन·
न को घात ६० सोरठा चली कथा विपरीत देस देस पुर पुर नगर रनरावन की जीति रामचंद हारे
प्रगट ६१ हनुमानोवाच सवैया हैं गई एक प्रचान कहीं प्रभ केवल कों कनकान लहै दै राव

ह॰
ना॰
१०२
102

नमीचुकेहाथपयोगिनतीपतम्रानलयेनिवेहैहे नीरविपुंनकेअंगशिलीलिदिवाकरकोउनिजार
गहैहै तौकहिवैरिसभामहिराघवराइकहेदिननाहकहैहै ९२ चौपई रावनगाढ्यसोलछमनम
सि होयोगरहाअवहिनउठैरसि नाथसंकोचनमनमेंआनो लछमनकोजीवनहीजानो सुथा
समानहनकेवेना तऊबीरविनुहृदरहैनेना जोहमग्रजनीसोलंकापति बिनुलछमनकिहक
नराजपति हेप्रकारसुखनिधिकेपाये हनमाननहिकहतसनाये जोविभतकेआविननिदावे
मनदुखपाइनहीयोपरजावे उनभयनसोमिलिनसहायी खानपाननहिसभावनाई हरिगुरवि
प्रहेतनहिदीनी वलछलकरिरनहतेलीनी जोनिधिकोनमरावैकोई सोविभतवैरीकेहोई
तोलमनोविनअबमरऊं फिरहोविधिनगरउगसुखकरऊं ९३ रामचंदोवाच दोहरा मेरेपाछप
वनसुतजोजीवेसीयनारि तोलोघरपइचारियहलंकापतिकोमारि ९४ हनमानोवाच चौपई
तवहुंतवुतभरिलीतेनेना परियाउसुखबोल्योवेना तोकछुआपादेहुसुखकरऊं केहानारनम
सि हुसैलरहु आनयानलछमनसंगमेलो जोलगिमेरोतनीपरिखेलो नवबोलरघुपतिसुखदा
ई तोहोकहोकरहुकणिराई वेदराजलंकागढरहहीं नामसुखेनसकलजगकहहीं पटतरया १०२
नुयनतरहीसे तोकहुअबहिआनिसुखलीजे जोवहकहेसकराहिउपाई सनिवचननाको·

नमिराई हनूमानछिनहीमेकीनो आनिसखेनसोवनोदीनो ९५ दोहरा हनूमानकेआनपरखु
पतिन्हकेपाइ कैलछमनपगानरमरोकेम्रबदेहुजिवाइ ९६ चौपई तोहिगकपिकोऊनपठायो
पकरिपांउरखुबीरजगायो उठनसखेनदंडवतकीनो श्रीरखुबीरचंदमाचीनो पकरिबांहुलछ
मनहरसाये अंगअंगकेघाउदिखाये पुनिपुनिशीवसखेनसनावै बूटीकठिनकहांकाऊपा॰
वे पहूचैनहीगरुडतहजाई बीचबसेआवैदिनराई मननेबेगकठिनकोऊयावे सूरउदैलगसो
ऊनआवे तौलछमनजीवेरखुराई जहबूटीनहकोऊनजाई तामेडषबडूनरावनवारे प्रेतपिश॰
चभननमनवारे ९७ बैदोवाच दोहरा लछमनदेखनहगभारतामदेखिमरजाइ नीचेनेनसखेन
कहिबोलतमनपछुनाइ ९८ चौपई जिनतेकरमकालजोबांचे हिमसमुदनामैपुनिपचे तोतेंस
वैकठनईजानहु मेरेबचनसत्यकरमानहु तोउगोउपरमानबताऊं बिद्याकोजोसीसनिवाऊं
उनखेडहोएगीरकहूहौ बसहिनदेवराकसैरहूहौ माठिलाएजोजनदैकोसा कोनजाइजी
यहैनभरोसा श्रीपुनिसनहुजरीकोनाऊं श्रीरघुपतिजीकमहिमनाऊं हैबिशल्यबलीउजि
यारी दीपजोतिज्योजरेउज्यारी बिनरविउदैजरीतोआवे चौसिलछमनकेअंगलगावे तबही
जी ...मरछाभागै उठिलछमनचरननकोलागे लाघयनंतजोचलिआवैं तोबूटीबिनेतननजिय॰

ह॰
ना॰
१०२
103

वै आनिवियानानैउपचावै ज्याइनसकैसंगसोजैवै जीयनउपाइकह्योमैमोई नमईस्वरनमतैसव
होई बातैंकरतनबीतीजुरी नबसखेनशुनिबिनतीकरी सकोनुमोहियहांलैआयो नबहनु
मानरामद्रासायो दर्शनदेखिबहुविसोकहै यहमनकरैनपलमैगहै औरभरोसोजाकोआवै
ताहीकोमहाराजपठावै नापाछेकसखेनसवायो हनमानछिनमेपहुचायो कपिमायासबएवे
नभरमायो मोरइयोननसुपनोआयो ९९ दोहरा इहबिधिबूटीसमाझिलैहनमानसवपार
तापाछेबिनतीकरीसवसोप्रगटसुनाइ ७० हनुमानोवाच चौपई बैदकहीसोईसबसोकही राम
आसलछमनलोरही रामटहलआयोसभकोई यानैपरेटहलनहिहोई जोलोसरनानिकसन॰
पावै जरीउपारिकोनलेआवै अपनेअपनेबलउचरहू रामकामकहठीलनकरहू प्रभकेका
जनसेवकआवै लोकइसीपरलोकइसावै सीताकीचिंताकोकरई अबतोआजसुलछमनमर
ई तोतैनजइबिलंबकअहोकपि अवधनिकटिकटिकसइचलङूयहि पोरषकयाजबहियकि
जैहै नबलछमनकोरामनपैहै ७१ दोहरा तोनेप्रगटकहेसबैलाजसकुचमनखोइ तोपरिमंत्र
विचारीयेरामकरैसोइ ७२ सभकपोवाच चौपई नबउठिनलराबुपनिहिसुनावे तीनिरातिबिन
उरेनआवै इंडजुबिटहैरानबताई मारगकीकठिनाईजनाई नबकरोपपानिसुग्रीवसुनावे एकरात

१०२

बसिसेवकलावै नीलकह्योग्रबद्धदनहिह्लोरं यानैबेगनलावैकोई ग्रंगदउग्रोभभकिबलुतोल्यो
पैजिहैंबिरधुपतिसोंबोल्यो चारपहर्नोमोगेपाऊं कालउपह्रीलैपहुचाऊं सबकेबचनऽरामजी
घघोरे मराक्षिपोनबहूरिसंभारे कपिमंडलजेबचनउचारे रघुपतिहृदैबानजनुमारे ७३ कवेवा
च दोहरा प्राननकेपलटेंबुटीप्रानबचतहैदोउ सोरघुपतिजानेनहीकोनतेधीरजहोउ ७४ चोपई
पीयहिहृयरजोगनिकिलकाही जंबुकगीधमासलैजाही तापरिरामजीयेकिहलेखे लक्षमन
कोरहेबिधिदुखदेखे लक्षमनग्रासजामहेवाकी भोरहोतसिरलेतापनाकी कहीसखेनकोन
दुखहरई बहुतनपथकपिकुलकहकरई कपिगनसहितरामबिलषाई देखिदनुजतनकरीबडाई
नेग्रवतारुद्रकोग्राही हमनाग्योजबलंकादाही सिंधुफोरिसीयकोसुखदीनो तेरोबलहम
नबहीचीनो जबजबबिपतपरेहमग्राई तुबनबहुनुमाननेनाई पवनरतनतोसोजगकहई
रामसुतनतोहीनेरहई सबकेबलमेंतुमहीजाने तुमबिनलक्षमनहोतबिराने ग्रबहोंकहो
कोनसोंजाई बातनिरानहुनलोग्राई ७५ रामचंद्रउवाच कवित सरजग्रकासपिनासरघुरबा
सकीनोकोनकोसरनितोकोनाकोतेबतारदे भरतविदेसदेसग्रानिपरेसिंधुपारमोजथारबडन
हैनाउयरूचायदे चोरीगईनारिबीरपसोरनमानहारिकैहेरघुराइहाइग्रेसफिरवारदे तेरोरंभ

ह॰ ना॰ १५ 105

श्रीः

ऐसोनातेंतोसोंकहोंबारबारबीरहनवंतबलवंतबीरज्याइहै ७६ कवित तोसमनदेख्योकोऊग्रंगद॰
सुग्रीवदोऊग्रानिनसकतसोऊकहोशरमाइहै लायकहैयातजतसहाइकरिबेकोबारनोतादईमेरेर
घुबैदेहैसेपाइहै हाथोलंकपतिसोहोंबलीजातहाथसोहोंरंकरघुनाथकीनेबातनबहाइहै हो
नेहैऊसतहनुमानपुरहूनसनियेंजनीकेशतमोसपूतबीरज्याइहै ७७ कवित कहाभयोजोपैखर
दूषणखरारमोरकहाभयोजोतिकपिसिंधुसेबंधायेहैं कहाभयोजोपैकुंभकानकोंनिदानमारिमे
घनादकेपछारिसुरमाकहायेहैं जैसेजोगजततपनीरथग्रनेकजपप्रेमकेभजनहीनकाकेका
मग्रायेहैं तैसेबिनलछमनलछमनपहाडावपंछविनजैसेपंछीग्रेसदुखपायेहैं ७८ सवैया
देषिहनूयहकोनसमोग्रबतोबलकोबरीयोसतोपहो जोलगिबीरनसुरउदेतोलोल्याइसजीव॰
निग्रानसनेहो बीरपत्योजसमोरनभूमिजिलाइउभैमिलिबोटिनलहो देनिहलोककोपोरको
भीरपरीसमसहीरघुबीरकोदेहो ७९ सवैया जोछितिउरनिहारतेरोसोईसासलगेबकुतेशरमेंदे
सोयनबाणसकोबनमेंयहराजबडोकिहभांतकमेहै जोनभऊरकरोंहगतोरविजानिकरनबडो
दुखदेहै तोतरहैग्रपवीचहोउठिसग्रेसोपत्योदुखदेखउदेहै ८० चोपई दुहुहाथनमेंबदनरहे
धरि जगलकमलजनचांदद्योपारि लोचनमेंदनाबिछुरतपकोप जनजलचरजगमसरवसोप १५

सियलभालभ्रकुटीकुम्हलानी जन्नेफिरिकामकमानमनतानी कुटिलअलकसथीहैगाई जनुसं
पनिरोगनिसीभई अंगअंगग्रमजलकनपरे रघुपतितिगिरिफरनाजनुकरे जुगलहाथसियलता
अमितके मानहुकमललटेहिमरितके लखेअधरनविनमधुअैसे बिनुदीपकेबिंबफलजैसे जग
लजंघसंकोचनमोचे जनुकदलीबिनुहीजलसींचे ८१ हनुमानोवाच दोहरा कोपकुलनिरखो
पवनसुतकाहूमेंबलनाहि अरुरघुपतिकीदशातेरुदनकरोमनमाहि ८२ चौपई श्रीरघुपति॰
बलमनमेंधरेहा उठिकैसभामाहिकलकारो अबलोंजरीसबननेंघकी मिटीनरामचंदयकथ
की अबजैसबकीआतापाऊं श्रीरघुबीरसोसोमनिवाऊं जरीहरिनमसबैबषानो आजप्रताप॰
रामकोजानो जोकछुपौरषहेरासबकरों लछमनप्रानजानतेंडरौं बकोंकहाअबकरोंसजाई जे
सेभजैरामदुचिताई लछमनउठेबहुरिफिरिलरें जोमोईहनुप्रानकोंपरें नातोलछमनसेगासिथ
ऊं जमकोमारिसंगलेआऊं दोरिहनचरननसिरधरई सोजीवतप्रभकोदुगभरई ८३ कवित
जोकहोतोजन्हातेनिकासोदेवदानोमिलितिहठौरपकुचिकैपकलोबिलोरयो जोकहोतोजाइदे
वलोककरोंकोंसबैदेवसथेदेहिंदेहिनहींदेहिपतिलोरलेंा केहोउठीबाटसरपुदेककपाटठोकि
पौरषजनाऊंकहोतोभिषारीहोरलों जोकहोतोमानरूपतालचालमेलोंरामजोकहोतोसथाको

रा॰
नो॰
१०५
105

सुधाकरनिचोरद्यौं ८४ चौपई जौगिरिकह्योसखेनसभागे सोगिरितौनेननकेआगे बडीरातनातें
नहिंपाऊं घरीपाउदीमैंलेआऊं लछमनकीविनामतकरहू जागहुआननौथेजिनडरहु वलोआ
बहिनोआतापाऊं नौऊंद्युनदूरपाईपाऊं स्वासभहोथीरजनीयआयो उचरैनेनकमलरविपायो
जाऊंहनूआनिकालनकीजै प्रानदानलछमनकोदीजै तमहिचलतआईसंथिवाता नगरद्यौं।
थिकोशल्यामाता लछमनमानसमित्रारही भाईभरथंबहुतदुखसही ८५ दोहरा इतेतेंज्ञान
प्रवीनकपिउनहिंमिलहुजिनजाइ आवतप्रगटजनाईयहुलछमनजीयनउपाइ ८६ चौपई मिलि॰
तिनकीकुशलातहिलीजौ नवआवनकोइतमनुकीजौ पवनसुनदूनपवनहेगयो रामचरनपर
मायोनयो ठोकिपीठिमखचूंब्योरघुपति मोचरननमैंसदारहेमति बडोसुग्रीवआसिखवार
ई हनुमानतोतैंनहिंनाई सबसोरामरामकहिलई उड्योहनूनदिखाईदई नभसोंमिल्योजाइहनु
मेना बडेबडेसरनकोहना जोमारगमेंविघनपसारे एकचपेटिचौथिदीडारे प्राननतेनोकोअ
पिडाटे जैसेधर्मपापकोंकाटे ८७ दोहरा बिछुरोहनुमतरामसोंओलछमनकेहेत जैसेसुक
रमलीनमैंसुखनदिखाईदेत ८८ चौपई एकमहूरतमैंउडिआयो तोपवनपरिपांउटिकायो १०५
तिहबूटीकोमोपनलागयो सबपकैसबसोंअनरागयो कौननतेनौकोकोलेजाऊं तासोंजोलछ

[illegible]मनरविपाऊं नबांखिमाइउतरकहकरों रघुपतिकोपग्रगनितेंजरों बूझोकाहिसंगकोऊना
ही उतरैचदैगटोमनमाहीं ग्रस्कोजीयमैबटोकुलेष्यो इतहिकलपनलमित्रादेख्यो कालभु
जगरुसोलपटाई वामग्रंगसबगयोचबाई जागतकोशल्यापैधाई लपनकहोाइहमांनलना
ई ८९ कौशल्याउवाच दोहरा सुनतनैननजलभरिलयोकोशल्याइरवपाइ उठिबैठीपरजेकत
जिभरथवसिष्ठबुलाइ ९० चौपाई तिनसोलपनलनाइकयोतिन रहोबिधदेखोलपनअबहि
इन नबहिबकसोविचारसनायो बरीयांबुरीलपनइनपायो रामलखनहूजोऊमराता हैय
हलपनबडोउखदाता नबलगिहोमजतनपकरहीं बेदमंत्रविधिसोउचरही भरथपनुबश
रलैरखबारो विघनकरैताहोतुममारो इहविधिकयाग्रजपाभई हनूमानग्रोरेमतिठई लैप
रबतग्रबचलोंउडाई जरीदेखिलैदेरघुराई मेरोकोनजेजारहिकराई सभगिरतेलछमननहिम
रई ९१ दोहरा लैउपारिगिरिकरधरीपवनपुत्रपरचेड निसरिग्रयोयाकोंचल्योगरबकीयोप्र
जंदड ९२ भरथोवाच चौपाई नेननध्यानभरथनभलायो यहकोऊविघनकरनकोंग्रायो नि
निसिमाताउसोहमारी जोककाजकरीरखवारी सोयहजतविघनकोंग्रायो तानिबोनिक
रिकोपचलायो लग्योभालमेउनकेछूटयो हनूमानबादरमेंा़टूटयो रामरामसुखतेंउचरई

ह॰ मा॰ १०६ 106

लछमनप्रानजानतेंउराई गयेसकुलताकोहियदोरी जागेसबैपरीपुरसोर्ई चरननसबैजानहीलागे
रामनामसतनिकैअनुरागे बूझोकुशलकौननेआरी कनककोउहिअबकनककोनाही ९३ दोहरा
रामनामतेंमुखवकसोनोहमछाडततोहि बिनुयाभजननबचैनहीशिवसरपतिजोहोहि ९४ हनु
मानोवाच चोपई सुनहुभरथनमसोंसबकहों बाउसुमारजीयतजोरहों नामहनुसभजगाउ
चरे अपनोजानिरामहितकरै सोरघुपतिलंकापठियायो मिलेसुग्रीवसमुद्रपठायो नहोजनहुये
सोकछुभयो कुंभकरनजमपुरकोंगयो मेघनादतोनेपुनिमाखो रावनकोपकोयोमनभाखो
तादिककछूनिसदिननहिसरज्यो लगीसेलहथीलछमनजरज्यो अरुविस्तारकथाजोकरो उदैहो
तसूरजतेंनेडुरौ तोलछमनहितगिरगहिल्यायो सोलछमनतमसरबगपठायो ९५ दोहरा सूर
उदैतेंपहिलेजोनलंककोजाउ उदैहोतलछमनमरैतोनेबहुतडराउ ९६ चोपई बिनुभीरिगयेः
नलछनजीवे तोबिनरामनपानीपीवे उनरघुबीरबिनाहितिभई मेरेमुयेकहाहैगई भरथजू
मारबातहैऐसी करहुसबैअबैजीयजैसी लछमनबानसुननतसबरोये कोशल्याकेसबसु
खखोये बचनसुननतसमित्राआई लछमनकीअतिकरीबडाई सीतोआजसरतोभई लछम १०६
नदेहरामहितगई प्रभकेहितजोसेवकमरै ताकोमातशोकनहिंकरै सरसभयेकोयहैबडाई

प्रभदेखतरनभमिसहाई रनमेंपीठिजप्रभकौंदेई तोकोंमासगोधनदिलेई हनूमानयोंकहि·
योजाई रघुपतिजीयोंसदासुखदाई लछमनकोंकछुसोकनकोजइ रावनजीतिबडोजसली
जइ रनमेंवानहोतहैंदोऊ कैजीतेकेहारेकोऊ जीतैपावैराजवडाई सनमुखिजूझिदेवजा
पुरजाई तातेमोहिशोकनहिंआवै रघुपतिजीयेशोकविसरावै कौशल्यासरछियरसाई लछम
नरतनरतनकरारोई सनदहनवंतविसारिदिननाई बोलतनेननेजलतनरहाई मेरीकहीरामसोंकही
यो रामलछमनबिनजीवतनरहीयो फिरआवहुतोहेतोभाई तुजेरनसोंगुनीबडाई कहीयो
कपिरनपीठिनदीजो जसिकामघ्रनेनसोंकीजो ४७ दोहरा सीयसोंलछमनसोंमिलेतोआवहुरह
देह बीरतीयाबिनवनभलोकीनेगोरषभेस ४८ चौपई तबबसिहभलकागहिकाटेरो श्रोघदव
लछमनकीयोठाटेरो कहीयहकपिश्रीसरघुवरमन बहुबिधिदुखपायोकबहूहैंहेदरसन राव
नकोसिरलोकपठावहु सीतासहितबेगघरआवहु अहजिवारलछमनकोंलीजै आरआपनोरा
जकरीजै भरथजाइचरननतनलागयो रामरेदर्शनहीदुखभागयो बिनजानेअपराधनिवारहु
जाहुहनरखुबीरनिहारहु रघुपतिकोंपांलागनकहीयहु हमपरकिपाकरतनमरहीयहु कही
यहुभरथमहादुखपायो हौंलछमनज्योंकामनआयो अबरावनकोंमारगिरावहु लछमन।

हं·
ना·

१०७
(107)

जाइसीयलैआवहू भरतचकोरनैनबिनदेखे बिनशशिरामचंद्रकिहलेखे चरनकमलजबरामदि
खावै चरनेकेमलजबै तोहिनमेंगभरथसखपावै जलदअंगदेखैंजाहीदिन चात्रिकभरथजीयेना
हीछिन जरतअंगतबहीसीयराऊं जबरथपरिमाहिबिलखाऊं बांधीजटासिरनबदिसधारो रघु·
पतिचरनपरिजबजारों उघरोदमलेनबदिहगकोने प्रभचरननकेकरोंबिछौने अंगसनेदमले
नबलाऊं जबसनेहचरननकोंपाऊं भरथकमलफूलेकिहलेषे कमलबंधुरघुपतिबिनदेषें अरु
देखनहोदशाहमारी तुमहोचतुरकहोबिसथारी हनुमाननतनपुलकनभयो अपनोप्रेमभूतिसब
गयो सोचिहैमनमाहिबिचारै रघुपतिभरथहियाहसंभारै तऊभरथकेबलकोदेखो बडरिजाइ
रघुपतिकोंपेखो हनुमाननबकहयोसनाई अबतोमोपैउठोनजाई यहगिरलैपहुचावहुतहां जके
लछुमनलेकाजहां तोरविउदैजाइहपासा तोछ्वाऊंलछमनकीसासा तोफिरिकोपकरैर·
घुराई भरथमेंहसबचबैघुराई बचनकेकरोंमूलयोबन कपहतिभरथसेचास्योलछमन भा
रंशिकतमननमैंपरही हमसेवकसबभांतनिसमहो रहविधिभरथहनउरपायो भरथगातजननी
लगायो ९८ दोहरा मंडहमारेदेतहोलछुमनकोअपान एकबानलागेहनकाइमोंबिल
लान ९० चौपई भरथकहयोकपिनैंबलहायो अबतंपोरषदेखिहमायो गिरिसमेतचहिग १०७

हिमोबानरहि देउचलाइबडुरीतिनेजानहि बहुतिमोहिजिनिरहुबुराई ऐसेबचनसातुककपिराई
जितीरहितिनैंस्यागोहैगिरि तितीहूरिलंकापाछेफिरि जबबकोपिचदेकेमानचढाई फिरिकोपि
केतीयश्रैसीआई कहूनाहमोपरेयकैला फिरिरघुपतिसोंमिलनउहेला फिरिकोनबहिब
नावैमोही भरयभजानोकेरकरोही उतरबानननैपाइनपस्यो उतस्योगभुजेनोभोहनभस्यो
११ हनुमानोवाच दोहरा रामचरनबलमनुधस्योनोपरसबेसेदेस पलहीमेछलहैगयो।
भयोपवनकेभेस १२ चौपई विनमरचैापलकेकोंथायो भोरनभयोरामढिगआयो देख्यो
सबनिहचबडभागी रामहीहिउनहीकोलागी गिरिसमेतहनुमाननिहास्यो रघुपतिजीय।
पायोसुखभास्यो जोदिनबिछुरेमीतमिलाही जोदिनकोसुखसरगुभ्नाही हनुमानआये
कुसराना ल्यायोजेरीरामसुखदाना गरिहोरिपाचलबेगउबायो छूटनबरीबिलमनलाये
लेउबेगलछमनकोस्यावहु अपनेमनकोदुखबिसरावहु साफसाफहनुमानहिकीनो रघु
पतिकोलिबहुरसुखदीनो १३ रामचंदउवाच दोहरा बेदचारिश्रवनारदसरहूाकादशाना
न हारशभानसमाननहितोसोंतेहनुमान १४ चौपई दोरिहनतबपारनलाग्पे र
घुपतिदुखश्रुरिसुखलैभाग्पे मजमरिलाइलिलाराहिचम्पो भयेहाघदरिआवरभस्यो

ह० ना० १८ 108

कंवलगात्ररदेहनुमानहि सोमुखचीरघुपतिहीजानहि भरथसंदेससननतसुखपायो हनुमा
नकोबलरघुसायो तबसंजीवनितोरिमगाई पीसततोदिग्राघरबुसाई तिहबासननेअंगसरस ०
ने लछमनकछुजीवनतेजाने हीयेहाउकोजबहिलगाई लछमनिस्वासनिलईजेभाई हांक
तबाउजरीजबसुकी रामरामलछमनकह्योकुकी उठतक्रोधकरिबानसंभाह्यो रघुपतिसो ०
कहीकिकरिडारयो भुजभरिहदेकेंठसोलाई पीतनीरनैननरहयोछाई लछमनहाउपीरसबषोवहु
मेरेहीयेपलेचपरिसोवहु तमसुनितिसुरकहीसुखबानी हाउपीरतुमनेकुनजानी तबलछमन
रघुपतिसोंकहे हाउपीरमोकोंनहिरहे कोबलहाउमोहिकुनलानहु किहविधिपीरसुनतमही
जानहु पहउपकारहनुकोमाही मिलहुपसारिबाहुतुमताही १५ रामचंद्रउवाच सवैया कौ
लगिहोबरनोरहनुमानुमेतैहमकोंउपकारकरे गरलेकजराइदईसोघकीसुधिसेचकीघटुरघु
जह्हे बद्लेहमपकेकेप्रानदयेतहितैंरिनहीसिरश्रोरधरे सुनिपोनकेपूतगिरीहमहैहहलाजनि
नैननदोनरवरे १६ हनुमानोवाच सवैया श्रीरघुबीरकहाहमनीबलिजाउकहाहमकामकरे ह
मतीकपिहैफलफूलनकेचढिरूखबनभषनिपेटभरे भजमेंभजनेतमनोपरिनैजकरीकरुनामसक । १८
रहेरे तेहिकुनयेलाखकरोरिनकेजेईमोसेगरीबनवाजनरे १७ चौपई तुमहमसोंकरीयहुउपकारा

फिरि

रामज्ञानितलीनीग्रहुसंभारा तोमोरामबहूविकंदै हनुमानप्राणनमैरहै तोफिविग्रबहिकहन
होतीही तोलज्ञाउपजननहैमोही जयोसंसारसीतिहैमोता सोऊकहनबडीविपरीता १८ रामउ
होवाच दोहरा विपतिपरनउषमहनकौ पहलेकरनविचार तिहिपाछेउपकारको वाहतग्रा
निउपकार १९ चौपई तातेतमहिविपतिमतिहोऊ हमनमरहैसंबैग्रबदोऊ उहिविधिलछ
मनफेरिजग्राउ श्रीरघुपतिबहनेसघुपाउ जोरहकथासुनैमनलाई तिहंबिछुसोमिलिहैफि
रिभाई श्रीरघुबीरभगतिहिहहोई मनत्तवतीकोविरहनसोई ग्रश्वमेधकोनफलहै ल
है सोफलहोइरामगुनकहे तीरथकोटिकरैसैबारा सोफलहोइग्रनतनिसतारा तोरुविसोको
ऊकहैकहावै जननीजठरबहुरिनहीग्रावै रघुवरकथापुनीतसदाई सेवकहिहिदेरामसना
ई ११० कवेस्वरउवाच रावनकाग्रतिकोपकरिमारहिहगेरघुराइ कथासुग्रागेहोइगी मनमन
हमनुलाइ १११ ११० ३५ इतिश्रीरामगीतेलछमनजिवाइबोनामत्रोदशमोग्रंका १३ चौपई लछ
मनजीग्रतभयोसुषभारी फूलीमनहरामसुषबारी रावनसुननमहाउषपायो भयोमानउक
हनउलायो तामैकहीवाततमतफाई नरनसिथारजहांरघुराई जोहैकहोमत्जारमनावहू
श्रतिजोकहैरामसंनिग्रावहू भिरुपतिजीतिपरमसुनपायो तोलगिहोलेकेसपदायो तोबहले

रा॰ जोजीयकोचाहै सोऊ लंकापतिबोलनिबाहै करिपरिनामचलयो नवयाई रघुपतिचरननि-
१०५ हारेजाई करिउंग्रेनपरिक्रमदीनो अपनीहिम्राटसफलकरलीनो १ रावणउवाच दोह-
109 रा लोहितांछहोठाढो भयो चरनतैं टिलगाइ जो लंकापतिकहीहोतेसबकहीसुनाइ २ रामउ-
वाच सोरठा रेलंकापतिहनुमानकोदेवेसमझाइकहि जकेतिनपरहनलंकापतिकुरकहन
है कवित्त सोनेकीअटारीसेऊसोलगाइजारीउनभारीइघटीनोलंकलोगपछुतानहै सूलनो
उपारीउनहमारीअसोकवारीऐसेकरडारीफूलफलदैंनपातहै लछमनजूकोदेहउनहोउ-
बारीओरसैनाहूंउनारीसिधुदानवबानहै वैटिवैटिमोननमैभोनकोपछीतनमैवीतिवीति
हनुमानकोटिकोटिघातहै ४ परह सतनहनकेवचनवनरोचितमेहसे लोहितांछहैकहुन
बानमेहमपसे चलतेसवैउपावअौरनवकोजोइ नौहिदयोमेटकुठारमानतेलीजोइ ५ छपै
निरखवसररघुरामकाजमहराजपठायो रावजोनयनितनामउजमणिनारिनमहायो त्रिवि-
धितापदुषहरनहरनरघुपतिगउगंजे नीलकमललननसरसेनबोसरछीबिरंजे फहरेनपुनह
नवैनकपिकिलकिलाउधुनिविछेलयो यसकेनहोउविगसेनमषनबसहनलंकाचलो ६ सोप- १०५
ई जानतहोलोहितांछसिरनायो लंकापतिनीकेसमझायो तोपाछेराजापफिरबोलो बलम

माहिं निपटि छकफोल्ला रामचंद्र प्रभु को नहि बिराने लोके घुनिसावन भ्रनलाने ग्रंको देषमहा·
भयाघावै जलनविषूमकेन दरसावै भजादरसलनुबजसमाना चमकनिरषबीज रोलमाना मव
बोलयोमशीसरनाई यह हनमानकपनकोराई लोकेवरनमबेनुमजानह लंकाभागग्रह समहइय
छानह लछमनमानग्रानिनिनरोने सोइ रघुपतिपुजपनिहकोनो दोहरा यहसनिरावनलंकप
निमयोसमुदसमान रघुपतिप्रनससिनिरषलहविषणामग्रनसमान ८ सोरठा कछोरसककुम
नदीनवलयोजहांमंदोदरी ग्रनननननननेहोनलयोंउनरनसनपोमसी ९ कवित्त रानीमोनं·
ग्रेसीहोनजानीजेसीभयोरनमेघनादयादिसबजुकेमनभावने ग्रेसरहिगइजेसेग्रथानहोनह
घसबेग्रामसवदीकोलागनउरावने नेरामनग्रेसीनहै रामेग्रनसरोमोघुलेकेसीलकरोपग
प्रकेबिछावने रेषुकेसमावनहोफानननबिउरनहोग्रेमेमानिनेहेयानपरेगबचावने १० चौ
परे सननवचनजीग्रकोपुबठायो मनहंगरजचनमेघमहायो चलयोचमकिरनकोसमदा
इ रविहादशादशावरनबनाई ग्रानानिदानकरोरनमाही केरघुपनिकेरावननाही ११ दोहरा
वकनिभउस्वरनरग्रसरथकिनभउरविगेन छकेनिभउरनधुमिभरसकनभइचिनेन १२ सोरठा
दसविनामननमाहिंदसोउरदासमघकोर दसोदिसामघनोहिजेरघुपनिचरनबिमष १३ कवि

ह॰ ते एकसीयथेउरहनैदेवनकोमोरसनितीमरोत्रिनैनजाकेवरकोगुमानहै चौथेविनभैसो
ना॰ हनुमानहिनिहारनहेपांचउवभीषणकोदेखिरिसमानहै छठेंभरिक्रोधभोहनूरतिपचा
रनहैसातउसकेप्रामचंदसोनिदानहै हैलगेग्रीतिनीतिनिबाकोकहैज्ञौतिजौनदसोमघर
११० सोउरकोउसावधानहै ४७ सवैया रामकोउरतौबानवलंचलिरावनकेबहुनेभटजाउ फे
110 रसनाहिनयाहिकरीफिरिमारनकोनहीहाथउचाए जोगजरानकोप्रसवारगिरेग
नकेमनमानवसाए मानहुकामनकेकबपाउलगाउहोएबहूनेसषपाय ४५ करषा बाल
योजुयुमवलमचंडपलचरबनचरकिलकारे मेगादरसमलगरजगोफनगोलाग्रननोल
समारे बानकमानसिमूलसोहणोमनमषमपवारे नजिसफालकरालक्रोधमनयोगि
कलफोजविसारे भकुभकारणपरनसभटकरिहयरघुगजलिपावे मानहुमनयुवरा
गमगटकीनिबमकोदरसावे नूकोएकसूरउतभानिनिवानयेगमवढेयो मानहुमान
हुमानलगाइपेखउगिदिनमणिमंडलभेसो उकजकेतरवारथारलागिरहोहोउमधिफटै
नवजमजोभपानसेषाउफीरिफिरवाहै उकजमधावलगातहोजुकेफिरननिकासनिपा ११०
ननजमराइकवनउसोफिरहीपद्दउपमाजोमयारे वरछीनिकसिउसारहोयरभरिछौबन

रंग अनि छुटे रनसरता सी चेस भटनके जनन जस अंकर छुटे कटे कवच न्हु केरन सन मघ बहु
विनै झुके भारे वले वजाउ निसान सरग को जनव कले कनि जुठारे देस घता लकटे रता छि
निभट गाडे बान अति गाते मानहु कमट पीठ वास कके भट सहस फनठाठे बान रूव दन कहि
रलू पटा ते छवि को उठन अल्लूले रघुपति वि गता परन सर वर मनहु कमल कुल फूले मघम
वंडे पित चाप हर घसो लपक भ जागा गहि पेले कर कुच कवच हपि रलै पटनो जन नेह लीसे षेली
किलकिला उ काली करता लीरे दे इमहु वजावै भैरव विभूत पिशाच प्रेत गन काहिरस समंद अनावै
गीध मवा सअका स उड़त ले मास महा मन भाये मृगान सिगाल काक बिंदन को मास भछन ल
ये इक भाजत न इम गन केच अटके उरत न उन मघ मैं रे कोउ हूपान यवु हे हम के कहत न सत्र केमै
रे चलत बान सन सघि आवन को पकुलने सचै वजाए जैसे महाजोग साधक को पापन य
रसन पाए भ्रमर वधू कर कजसम मल लै लोल न अति अनुरागी मानहु सम रस यव रविके सम
ट वरन न इ भागी स्याम कार नील हरसमान सजन स पायो निंदबाट मानहु निरष सर व यरी
केलेन सीस के साटे सिंधुनाद वोल्यो न वरावण शाषा मृग मस कुचाने जैसे वजगारजनें विरपाति
व मकि सपक्ष उडाने १९ रावनोवाच सवैया मरिनिपातिके मोरि सराग सुजैं जीनके फूला

वामतु

हं० ना० ११२ १११

पहै सूपनषासरहूषरसोलरिमारिमरीत्रुग्रसियभपहो कालकेग्रंकनिसंगृपयोत्तिनकों
समुकेविनग्रुरुषपहो क्याउतदोरत्रुवीरपदारङ्कसंदरहोग्रकुबैसनपहो १७ ग्रंगदोवाच
सिवेया ग्रंगदबोरकेसाकिलकारसनोजबरावनबनग्रसीले बेदसकेपसीग्रामेगलेग्र
ग्रहूमतीग्रपरिकेज्ञरसीले जपोविहिछाडिरगपरनमे शिवयाहीतेग्रजदसोमवषीले तरवुन
र्षहिछाडतहेपरितोहिनछाडतरामुहबोले १८ रावनोवाच सवैया बानरनीवसरावन
हेग्रहतोहिमेलेकोरामपछानो सभसमनउठाउहिमाचलनोलिकोउराजिनगोदतनानो
तोहिनतोउरहेगिरधान जैरेकरनाम्रगाराग्रबहानो हेभजदरैना नत्रुब्याकललोहूबमेग्रज
हूगिरिमानो १९ हनूमानोवाच दोहरा हनूमानबिनतीकरदेषिरामकोउार रनरावनके
सबवेबोलतबचनकठोर रामचंद्रोवाच सोरठा ग्रजहूभरोसोमोहिहैसीतारावनमेलेतग्र
रसनाउनोहिहनूमानजानेवषे २१ सवैया रामकहीभेबिबानग्रबेजहहारावनकेहीग्रमारेहो
तहसीसग्रुबसोदिनरैनसदाभनिसीजोग्रमाहिमहारनहो भनिसोमाहिवेदभरानबसेगनपा
मनमाहिविचारतहो तातोग्रापनहीगहिग्रापनेहाथनचोदहलोकसंघारनहो २२ रावनो
वाच दोहरा नबरावनग्रनिकोपकरिदेवनसोकेयाटेरि जोहोकेहो सकरहूग्रबमारनसब

न ११२

ननचेरि २३ सवैया वेतमआजुबिनाहियलैभरिपेटहिभूषजितैमनमे गुंदमेंस्नमालबि·
सालभलीशिवजीपहिरीरुहविसेतनमे कमलासनआसनजोजगकोरुचिआसकोबाजवडो
बनमै तबकाहुकोहोसरहनमरेजोरावनकोपकरैरनमे २४ सवैया जबकगिरफुनसोकसो
रावनमोविनतीसुनिलेहुहरभयो चोपसोआनूलजोमोसुकेहितभूमिसुकाणभलेमडयो नृ
कुपयोरतमेसुनिमोहनिचोनदैमेरेमामसुझायो रामकोउनसंकउऔपेचसोदनलेककोपा
रनजयो २५ चोपई सबदेषतबिनचोपलगाई रावनरामनिधावलराई सुरसतिबडबिवानजोर
देषै रावनशीदिवचाउनिमेषै मोधिसमदरदग्रनरागी छुटेसमाधिदिगाहिरनलागी चतीम
हलमदोदारानी मघछकिबिरवुपतितेजबिकानी सुरगेनबधूसगसबसोहै बातबनाउकहैसम·
नुमोहै गौरदेहननसघरीसारी रहीचित्रसोलिषीबिचारी जबपिदिपहिधुंजमणिसोतो लोकस
मैमनहुरविलोनी जनकसुतारिजदीसगसोहै चतिबिवानदेषैमनमोहै सबदुविनमनमैय
कहै रावनमरैसबेइषबहै २६ रामचंद्रोवाच दोहा रघुपतिरावनसोकहेसभटसबेतसभारि
शिवसमेतसबसुरमामोपरिआजहिकार ३० कबित सुनिलेनिफाटउटकाहुकीनछोउमो
हिसोऊकेउरेलोजमामिरहीगिराउहो काहकोंचवाउकरिचामकेचलावनहैमूडकाटिकेक

श्री

रा.
मा.
११२
112

वंधनभमेउठाऽहीं वानलेकमानकोसंभारिकैपिनाकपानकोहकारिवाउकरिपाछेतोहिवा
रुढों मोजैोग्रुमैमोनीग्रुकेविरहाकीग्रागिहैसुतोतीग्रुकेनैनकेनीरसोवुकाउंदों २८ सवैया
हेषिलषीमनमांहिमदोदरीहूरोरहैसषकोछ्विफीकी पोनवपेजुकरीरघुनंदनतोपतिकीप
तिउकरनीकी जोन्नवनीसभमेगहूनीतिनपोसमकोजैसेवीरसनेकी भौनभजैरनैपाउव
दीनैसेनोगाजनौमनिदोनसनीकी २९ सवैया कौपकीररनमैदसमौसनिकैाजवरामकमान
नैकोवानकसैगो लंकमैग्राइनिसंकवभीषनमोहिनिहारनिहारिहमैगो नाठिनग्रोरवडीवि
परीनिसुमोकहूंग्रानिनकालग्रसैगो मेरेइजीवनकालसषीउनमोननमेकोउग्रोरवसैगो
३० सवैया हउनदीरघुनाथसमेइहवाउनहोंपीग्रुकेसोग्रुको भरिलोचनबारहिवारनिहारतसो
वनसोउमहेपीग्रुको रघुवीरउदेससिसूरनहूंउघटेसरसोरहमोहीग्रुको पुनिमोहिकरैवकउर
सो[illegible]चकोरवधूकोरिहैसीग्रुको ३१ सवैया कोपतहैगडकीघरनीकरनीपीग्रुकीपगदीपह
तोनै हटनहैनभमरलनोगएजवुकेवालसनेहरपाने पंजननहारतवोलोसिगोहेउनारहूसनेके
रोसवबोने काहेतेग्राजसवैहमलोगकुलीविधिकालकेहाथविकाने ३२ सोरठा रावनस
मकैवैनग्रवरघुपतिछोरैनदी कोपवचोहैनैनचुपेवोरजपावलकरै ३३ सवैया रावनको ११२

पकौउगराजपोनबदेवग्रदेवकौरउपौहै आजपलैदिनद्योउमझोकरचापचढाउननाउके
भोहै बानसमहचलेउहबोतुभलीउपमाउपतीमनमोहै लंकनंककजयोनलगेरघुराजवि
थोघगराजकेसोहै १४ रामवदोवाच कबित्त मारुकोवत्ताउएकबारदीरिसाउपेवेउबउसूरजेवे
हूनेएकजोरके सोहेवुकोलोनघाउकोनमषफेरेआजमोनभेटिग्रामभएशाननतमभोरके दखि
रघुबीरकहीबीरसोबुलाइहै बीरचविग्रावतहैलंकापतिचोरके रामकोविपकरामबानकेपता
पदीबउराज्यो बिलानेसबरावनकोउरके १५ कपोवाच कबित्त आजरघुराउजकेपाउनकोपाउब
लपाउरोपपाउनसोदलकेपरेरिहै कोटिसे दससोसभजवोसईससोसपोरिरामजसदसोदस
सोगनेबघेरिहै आजहोजनकजाकोसबेविसराउदषसगलेलबाउरघुनाथसघहेरिहै कहैक
पिटेरिटेरलंकगढबोरखेरिरामकोउहाईरामकोउहाईआजफेरिहै १६ सवैया ओररघुबीरकेबी
रनबेसबदाननपोसकेक्रोधकरे वहुउगनेलंकलपटिलईरनरावननेननरत्तीकइरे कोविरामपरीर
विजोनिनहारनमेसबकेननरोमघरे मानोकचनकोगढपेकहूतोकोपिकोटिनकोटनकोटवरो
सवेया कंचनकोटसोदहराईमिलिसोमिलिजानसदापपपानौ फोदपरेकिलकारसवेगाढलंक
केभीनरसकनग्रानौ ओरभलीउपमाकौविरामकहेहनमसोत्ती ग्रमेजलुभानौ जोगकेसाधक

हं॰
ना॰
११५
113

ल्योनअराघकज्योंजगछाडिभूपनभगणनी ३८ सवैया नेजनहरंछकरंकसकोटिनिहंरन
मरुकीपरकरतेरै कोपभरेवहुरोरकेदूकरैकहरावनजोग्रवधेरे आवतचोपचढेवहू
डोरनिनेकपिकूकिवुलावनय्योरे मानहूलेकनदानफुटपोजलधामचहूदिसितेजलदोरे ३९
कवित्त रावनकेराकसकिसावनकेमेघकेहेंग्रावनकोपावेपलहीमेलोटपोटहे देहेसुहठ
लकलेलेकरवालनातीकालकीसीजोमकोनसवेभूपचोटहे नोनोरघुवीरकेकछुऐसोभा
नमावेपरलोकहीसंभारेकहेकाकोहूमओटहे कालनेनिछोटकोनकोटिकाउपाइपीछोताहे
उकचोटसेवेकाटनकेकोटहे ४० दोहरा जवकुवरकरधामलेधावयाश्रीरघुनाथ दछनकर
सोनवककरूयोरिसभरिछमोहाथ ४१ कवित्त दछनसोवालयोवामनवहोचढाइरामरनमेक
मानरिपुभाजेकहोकेकहू दानभोजनकोवारभूधनपहरितवग्रागहूनेकीनोकोनाथमाको
छाडेटेकहू बोलोनानोकानलागयोहोनोनाउरोपभाजोवूफनहोमारिकेउगरोलेकहू क
होपकवारहीउनारोदससीसजोकहेनोसरसाउसरमरमेउनाभोपकपकहो ४२ सवैया रामक
मानेनवानछुटेछुटिसावनधाइहरावलीहसी लोहकीखोरपरीफिरामहिमानहूरावकोट
नजहसी औरभलीउपमाकविरामकहेनोग्रमेउपजीजकहूसी मानहूनीललीसलागिरेऊ

११५

परिफैलिवलीमवचंदवधूसी ४३ कबित्त हरनकोमारियूरियूविकेगहरनमोकोरिका
किंगहनिलंगहरनकेफ़ुरहै वरीपग्रनीनकहूजीतकोतवातविपरीतेहोनहारजहातहोरेउमुउ
है कहुरथहूटेकहूंनिरहकववफूटेफाटेपदेवाजोकहूकरीबिनसेजहै रावनकहतमानो।
रावनकोमेहूपसोदारस्तोरलेकापरसगणनकेफ़ुरहै ४४ सवैया रावनएकउपारिवसगि।
रिरागकोनाकिवलाइदयोहै सोहनमानलयोगहिबीचमगदकोउोसिसबलभयोहै लैउ:
फ़हायनबीविउकोउवकूचुरमभूरमैयूरमिलाइयोहै सोयनहीनमनोरथस्याउदिवोवहीबी
विबिलाइगयोहै ४५ सवैया रावनग्रौरकोउवलपकनकयोहनमाननताउकेमोहै नेमरेग्र
गदताहिनकयोटोऊमरवरेग्रहग्रापनेगोहै देगिविबीचमिलेबलमानकहूलटकेसपरोय
रमोहै बालबहिक्रमसेपाविपवाकुचनोवमपवलिकेउपसोहै ४६ सवैया रावनदोरिवल्यानव
पाईनिहारईनसोरिमकेमरतो तिनथाइगहेनलनीलहथीवगपदविद्योरमहाउरतो भजमैम
रिकेसफिरागठकोमोऊबाटमैछोरिगपछोरतो मनयोउपजीउपमाचढीग्रातनभाजिगपट्टिजवे
करतो ४७ सवैया याउपरेसबरावनऊपरिदैसबकेमनकोयुजगायो रथतोविपुजाभजदान
नेवाविमथीवहिजारहथीवलगयो तिसमोपाफिलकारिमहोवजनीचरुतोरनकोजबहीउम

रं०
ना०
११५
115
॥

गयो कोपयो सटके मनो बीजि बनाव के सिंधु कूटयो सब लोक बगायो ४८ सवैया तैसबु बां
नचला इबु कायो तिन बानन नेसु रलागभैरो छलसो बल सो सो इटे वनको रघुवीर विनाछि
तिमो हिठेगो गजराजसु घोन बेला बनमे जबलो निगरान बोकि जगे मरावन के भपनामहि
यो नैसे भटनको इटे बलैन लगे ४९ राम वदेोवाच कवित्त अरे लंकनाथ मेरो हाथ तने आन
करिने रहू समाय रनभूमिमे सहायगो कछुकारिजे देवाको नाहि समुझे हू फल लागयो हे अनी
नको सहु अम पछुताउगो नाने पाछे मेरो गरे छिदान कोछि कोछि दाहा छाराछारा रामअसेव
ललाहिहो नानको ढुंढ बके लेकवीछि अरे बकेसी के जी को क्रोध तब हीको सो अरहिगो ५०
रावनोवाच सवैया को पुके उतरूदनभ पोरन मे यह बान सतो सबदे विनपक को एकब ही
सो भटनको यह दू सरहो केनराम हि मारि सियाम को जीत केन कयात बदो इसहो अब आ
जबले जगमे यह बानकिरावनबाहि किरामन ही ५१ कवित्त कोपु मविस्तरेन डहुके महसरे
नैनसूरनमे हरे रामरावणमचावली जैसे कछुवाउलंकरा उकोलगा परामतेसमहि बिकोदह
वाहीकी रचभली बीररस मातेसब नानेरैनरातरातेलो हू भरेबान उपमान मननोटलो रामल
छमनअंग गिगजनमें गलो हू यारोतिनमे सरसती सीह चली ५२ कवित्त रीकिरीकलरो

नान

दोऊदौरतेनदरोरहेहल्लघनन्नयोघरेग्राछीबीरसमछरेहैं बोइनसोभरोलोहूकरनाकीगोऊवेन
रूतेनग्राद्दिइरेलरबोकोकरकरोहै भंगदेवहरेनभनेधुहपपरेमानरावनकेग्रानिरारेंभेरमथ
रेहें रुहभरहरेवरेह्वनवीचग्ररेविरूवरेकहयोसदाहूमरामेग्रनसरोहै ५३ रावनोवाच सवैया
मेसनकादिकपोनग्रनापकसोगनरीग्रपोग्रारहैलागो थानपैनपेसनहरामसनेकहीग्रस
रामग्रनरागो लेकपनीरनमाहिकटेतिनकोग्ररेराघवयोवकरगो ग्रकभैरनकोउलकेरव
हीरावनतेग्रवतोवरभागो ५४ सवैया क्रोधकोशेदिजिनेनभिडेरसदेवनसोकहोरावन
यो धिशमेरेइजीवनरामकेऊपरिफूलदएवरघाउसकेंा ग्रबयोरिसग्रावनदेमननैनिराम
लकरेनवजानहूजयो ग्रनिफूलकोपीरभेइननकोरघुबीरकेनीरसहोमघसो ५५ कबित्त
जेईजेचलाएबाननोनोतोरेहनूमाननाननाथग्रेरजानहूनदएहै नवहीबिलानेकाहूवल
ननजानेजैसेदारदीमनोरथबिलाइबीचगएहै ताकेपाछेग्रंगदसुग्रीवजामवंतनलनील
हीलकाजिरनमेनिसंकभएहै सोहथीत्रिसूलनाकेफूलनजयोतोरिडारिरावनकेचेटतोन
नेऊचक्रभएहै ५६ कबित्त ताकेपाछेलछमनुपैदिकोनिसकरनकादिकैकरीकपालग्रायो
ग्रायकरयोहै संडबिनकरयोनदोग्रोपानकेकेऊजनहोअडिगोयोग्रेशकुंभदोसनउयसोहू नादी

रा· ना· ११५ 115

छिनमैंसीछबिग्राईलीयुरामकबिमानोसिवरूपसबहीकोमनबहलोहै चंदनगुलालफू
लसोंबुभाइगालिसूजिसजिदेवबधूनृत्यपाइपरयोहै ५७ सवैया श्रीरघुवीरसरामननैज्ञब
बानकैरैनहिज्ञानसमाकें दूदनसोबरषोबहूइरकेहैममराउरमोहिसषाके दायिननेह
सियारामपकछुहिमाथनतैमकुटोमयोनपारो दासाबचीनबरावनकीगतितेरादयीबिरयी
करजाके ५८ सवैया गवनकोउनपानबसेदुखपोहिगयोगछकोहिकिसरा देषिमहान
देवकहैसठशरनसोंकोउचाहतसूरे धीरहींधीरभयेकेमेलकैसकालकैफूकेसे धीरभरे
हैसबकैसबरामहिरामकिमारहीमास्कैरनसहे ५९ सवैया श्रीरघुवीरकैराजननसज्जहावे
नहांपूरियोदमरे जैसेसिंघकेसोरसमनेउनमानिकरीमयमोमदसीकैलरे रघुनाथकेकोपन
उपरहींसदमोसिरावनकेरूपहै करदैनरवारेकिसैंगकोथारमेपापनकेज्ञनपापकरे ६०
सवैया सोसकुटेहसुसीसतऊरनमेरघुवीरहितूठनउले ज्ञाइपैरजिहठोरबलीछितिग्रागोत
मारहीमारसबोले जेरथकुंजरहींपरतिनकोभजबोमनसोफकजाले सोघरमेनिमि
कोज्ञलिसावकभाज्ञनकानममेटकटाले ६१ सवैया नेदससोमपरेछैनिमज्ञनबादससर
प्रलेदिनके नउठाइसकेजनकेगरग्राइसभाहसदेंबकग्राइनके नबसीग्रकीउरहवीमही ११५

लोचनचाहिरहीउतकोनितके छौदिसानगणनहिसीयुक्तैटीपईहालभणमदामेमनके ९२ स
सवैया रामसोआसिवसिधुथरायहिदेवनकेदुषपुंजबुटे रनयासमसेहदिज्ञोगानिगोयमसान
योवानप्रानेदलटे रघुनाथकेहाथनोरावनकेसिरभूजलटेमलटेनजुटे नवसाननकेदुषमा
ननकेलषदेहछुटेमगणऊछुटे ९३ कवित भूमिसुकेरामचंदयुसीजिनयेसीजिननानाकिम
रावनकेजानकोबजाउतोललीनीहै औरजिनिजानौकिमेवजीवक्नगाउतमिलेनातोकेभोईको
बनाइलककौनीहै कीनोहैभवीषनबसेउपकारतांहेयुसजनसरीनोतानेरामकयाचौनीहै
सतोजैसीमेहूकीनीभलीबानतेरावरेपहिलेमकनिलीनीपाछेसीदीनीहै ९४ मानोवाच
सवैया घोरीघवानकेकानरेराजरनेयुपनीठकुराउनघोई औरखुबीरसोबेरकीउबिनुपतिऊ
पतिबिपतिनिसमोरे जोफलापनिपसपतिरामसोयुनिकेरनचलेहिनदोई रावनसोकहिप्रान
वलोरेबिमतिकेहाथपरेजिनिकोई ९५ रावनोवाच सवैया रावनुप्रानसोबानकहेफिरता
हिभलीकरीहेनसभारता देखुहिपीठिचलौकपरीपहकोवसमेरहिसेनहिहारता जानकीको
रिकहाछनऊपरितेमसेहेलाघवावनवारता मेरतमेनकरीसुषसोयवछाशिसीआरखुबीरपया
रो ९६ सुग्रीवोवाच सवैया ग्रीवनिवाउसग्रीवकसोपभसोभिनहैकपिकेगनयो मानोम

ह॰
ना॰
११६
116

रतिवंत प्रतापबहूंदिसफैलरह्योग्रवलौयशसो रनरावनजूजिपरयोपलमैशिवलोकथस्यो
सबलोकविधिसों नवरामकेरूपदिदेवनकेमानोफूलकेफूलपरेवनस्यो ६७ सवैया श्रीरघुना
थकेपाइप्रतापतेंराउकेरावनजीतीहुलका सोसरमाउकेयोवकसीजेमेदैनउसारलपकवट।
का जाइभभीषनराजकरीसबजाइकैरावबकोजनमेउका जोविधिलोकोऊबेहकेसोऊराम
केकोपरहेनहिबूका ६८ सवैया फूलगपरखुबीरमहालखुवीरमिलेकपिजूबसबेउतजान
कीफूलगईविनमेंत्रिजटीसोकहेउरिजाइग्रवे कफूप्रेमीभईसबहूकोदसावरैनतबरामको
हेरतबे ३हवीविसरोदरकीग्रपटाकछुणोरीसीहेसानलेहूग्रवे ६९ कवित्त भोनतेनिकसग्रा
इरोंवबिललाइदाइहाइलकुराउपाउथाइनिपरतहे रहीनसभारकहूबारग्राजभौनभौनग्रापरा
केपुजनभरतहे परेग्यारेग्यारेरामबानकेजनोरेसुरुफुनकोलेलेरउरूपरियरतहे जाकेउरवा
किचाकिपरेचतरावननसेसोउचाकिचाकेरानीवीटेतेउरतहे ७० कवित्त देखनकोवेटीदसकपर
कीभेंटीजीनजीतजैलपटीनेतासेबेनिकसतिहे रामकविकिधोछोमभरेसागरकेरईबउवान लंक
लकोलपटेलसतहे साफसमेंजोतपीग्ररउपाउग्राउमानोरविरावनमेंकिरनेयसतहे मानो ११६
उनपानोदनसूकेजलज्ञानमषोलेकापनिमेबुबीज्यौसीलसकतहे ७१ कवित्त किरोपनित।

निरिछीनिछाजेद्दोनएकछिनसमनबसिहैगएहोनानेंनसंभारेहैं बीनटटकोरेबहेलोहैकेपनोरेकि
योंनग्रारेन्धारेरामबानकाटिहोउतारोहैं जैसेरामचंद्रबांनिसीनासोकोसोछलनेसंगपरसंचकोऊरा
वरविचारेहैं किधौसिवरूपरिवताएहैवहूंरामस्वोरेनाम्रनजेनोरिरहोसथहारोहै २४ कवित्त प
कवैहैरोहारपग्रामूनिसोधाइकेहैकेसमुद्रहारूएककोप्याउकरतहै एककहैनोग्रमलेहारपहैल
गाएसोग्रहनमानदृषिएकजोग्रनोउरनहै परिपमघूएककहैमिहूमिपरीफमिद्रबकोसमद्रसब
केप्राहनालरनहै जेहोमिगनेनोभएभारीद्रुषदेनीबेलीएजोसोग्रटकोगिरिपाछेउपरतहै २५
दोहरा सबनेद्रषीमरोहरीरहीचरनलपटाउ सोनभोनउपमाभईसोग्रबकहनसनाउ २६ कबेत्ता
व कवित्त किधौग्रएकोरमिमगटभईरावननेकिधौनिडूंलोगनेकीग्रापदाईग्राईहै किधौसीग्र
ग्रामदेहछूटेनेउदासभईलेगईमकुनिपाछेमीजुनिनकाईहै किधौदकुरांईलंकराउतबिदाईहोन
किधौसीयंत्रोगनीनजोगनीपराईहै देषोरघुराईजवनीकेदहगईपहग्राइकैमदोदरीचरनलप
टाईहै २७ कवित्त कैतोइनपाइनकोदेवलोकलोकनकीग्राईनिजकाउभेटभहनेनिहोरते ग्रा
गेलोकपालनकीसहाईमकुरमालनोटिबाकरतहोननासोउरोछिजोरते जकृष्ठकिनरभजंग
फूलचदनसोंदृष्टनेहैसाफेलाबरेईभोरामोरते रामकविरामरूप्राजोनिनपाइनकोलातन

ह॰ मरतन मनत्तें कककककेघेरते १६ मंदोदरीवाच कबित्त जोंदिनतोंअनीसोंअजोंदिननेंतोप्याशीपोंअ
ना॰ पछकेह्रमारीहरुद्रहस्तेनभएहैं दिनेंदिनमेंहानिनेंकहूंनबठीकानिमानहुंमेंभारिभांतिभांति
त्तघलपेहैं नवदीनेंमोजनदोहायनअनाथमेंजवहोनगननाथग्रेसेंमारुगएहैं नेकुनसंभार
११७ नहोपकेबारहारनहोनाथमासलेलेपीपिगीपिगीपिगएहैं ११ कबोवाच सवैया जोअभिमा
117 नकरैंगएकोकोऊनोगढकंचनकोकबूहोउ ऐथिकैपरधागजबीसकुसिधुबनाउसकैनदिको
ई जोवनकोवककहेमरिकेसरराजदिजोननकौनसलोई पेसबरावनकोदईसउतेपरिरामकी
उभयोसोई १८ सवैया नोलगिअनिसग्रीवकहोनमघेस्नजोरनमेंघहहासो रावबानतोमृ
इकरेंघरहेंसबसाबसनेदनमासो थरमसनोनचलेमिलकैजनरामकोउरहहूंपगथासो श्री
रघुबीरमेंरादोरहैंयहयोकदिकैकपिराजप्रकासो १९ सवैया हेमग्रवाजितकीजननीमपदा
नवकीननयापरयानी राजनहोसबकीसिरनाथ्रहेदसकंधरकेपटरानी श्रीरघुवीरसपाइन ११७
लागनिवैकरिजोरमहाविललानी रावनकेउधयोनरफेजेसंमानमरेबिनसीचनपानी २० स
वैया नाश्रहेरघुनाथरहोऊद्विगजोरभरेकरुलारसतें नलनीलहनूलछुवीरसुग्रीवगदमानमजोहर
केदसनें रसपावभएरघुबीरकेनैननमेंकछुकारननेबनो सोईसंतनसुनोमनलाइसबेउवटोजि

नाथवकेजसतें ८१ दोहा निहुग्रवसरग्रसाहिशिवसवरथचवेस्यकास सोयहसवजनगहेयगा
नहरमसुहेनहहास ८२ सोरठा लजाकोपमसाहकमककेउस्नेननिभरे करुनाग्रहविसमानतेमि
लइनसोपावोमहा ८३ सोरठा शिवलछमनासरसमिलरमकेघरापिताने मेहहरिडषमेसजा
सतौकारनगने ८४ कवित्त जेईनेनदेषिसिवलाजकेजहाजभएजेईलछमनदेषकोपपेछरतहे जे
ईइवानकोनिशानसनिरीकिजातलकपनितातरेषिसोचकोपरतहे जेईनेनदेषकेसरोदरीवि
पतिकालहेक्षिपालककनाकेरसमेंरयतहे नेईनेनरामकेववयाकलिचोमकेवरामकविकाम
नाकोपूरनकरतहें ८५ कवित्त सोकुमारिवहुकोरघुवीरनिहुलाकपनिनेकुभोंहिरेनहारगकेहो
मकनिके बोलीनवरसरयनरतग्रनरमपकुमतिकरैयाहाहावेइयाहाममनिके ग्रवहोनिराम
भईलोगनोउहाममईपवकाग्रासतोउपाउपाउखुपतिके ग्राउहलोरहूजरोपापीपीग्रसगमरोंको
हकैपानोमरोबाकुरमगतके ८६ सवैया ग्रौरघुवीरहिमलिगईसवुपोटपरेहिगजोनकरो हम
हकेनहारहेविचलिषेसवदेवनसोपलकोनपरी ग्रलकेसहिनेसकेउपरमोहहरहनीतबको
पुभरी नग्रषरलतोगिननीविननीहकैरकोपिमेरलबीचघरी ८७ कवित्त जाकोहेहकरेवुरस
नकहीमेरीजीतिसनिकेपनोनकोऊदेवनकरतहे केहेहरराजदमग्राजलोहहनावोजिनजानी

ह॰ ना॰ ११८ 118

अतिहोइनैनोउलटोपरतहै जानैकमलासनजोरामगहतासनहोनकूसिवकोननमेंप्रान
नपरतहै कहौरघुवीरयहनाकोनीअहोषोकारणपतेपरिकालननोकोकूनाउरतहै ८८ सवै
या संदेसेदाहकोपतिकोभइभागनिमेनकूवसौबडभागो मगजेतेजिनिनीतिनहोसनिलेबर
कोविपताअबभागी साचुकहेपदहवानअबैजगजोलगमोहमतेघूनरागो तोलगिसंगावभो
धनकेकोरामकूइहेगडहेपटरागी ८९ सवैया जेकछुअकलिवाबियनानेइहोयहैसंदरिसा
कूनिवारहू मेरोकछुअपरापुनहोअरुहैअरुहैअपरापुनोआपविचारहू बाहुइनीनकेमेप
रुपकोपरावननैबहावसारिसभारहू प्रानिमिलोसीअकेपलटेपतिकीरतिराजलेलेकोसिपा
रहू ९० सवैया मानकौनिनपौसमकौकहूरामकेवेहरनोनइगो जैसेदेवननौनतहोसि
वकेवलपवकहारनआइलोरो सनिभामौनआपनीबानहोआपनहीकहनेअतिलाजम
नै ननोरइसेलाघसमइकतोरहोभोहकोकीरमरोगिपरो ९१ सवैया हेविनतीरघुनंदनजू
अपरापकमासवरावने जवसौअहीनवहोविगरौनमहाबिगरौनबुलावनके जेइपापहा ११८
रिनिमाहिजेरेनिनकोनुमहोयवनसावनके इषांसधुमेवुडिहेहमसेनमसेयमपारलगावन
के ९२ कवित्त साहौदिनचारीसौअयोरौसौसवनजानौनौकेपाछेमेंहूममरूाइपरजारीहै

आयो हनूमान लेक ज्ञाति के निमेक मयो पाउ रूप अगाद भसम कीनी है ज्ञानकी वचन उलकु
निपट ज्ञारी शिर कौ शेन सहाइ शिव यों जरी सिमारी है राम बान कटि जरी पाउन की बलिहारी
नौ पवि कहन है जरी है उजारी है ५३ सवैया नेजन के फून बोल सके यह यो हूं गयो सब के कुमने
सब भी घन सौ घगू आनि मिल्यो तन जले कुपने विषके हमने सो अदीप सो प्रीति पने शुकरे पोतमा
नव वैन बकान मने पीय के सब जीत हो मम जनम वरा वन की गति हनमने ५४ सवैया तो सीय
वो रिलई तो कहा शुरवे न की उनो कहा बिग ये हो है मेज कहा सन पको करी नो कहा भयो लेकर
वारल स्यो है पारन मे मेरे नैन न नो परि पाछे को पाऊन नैक उठ स्यो है यत सब अगगा वन के जनम
पगने सब फेरि यसो है ५५ कवित राम को रजाइ पाइ हनूमान को महाउ वो प सो विना वनाइ रावन
के देह को नो परि लयरी कुकदी नी तो है ये री देव के है भली करी डिगई ये भोग है को ये मी पर जरे
ये जड हूलो है यह हा मानो सग है जनता वन है सी ना के सने ह को परे को टमे हत उजरे ले है देह को ये ही
पके फूला सने न मिली ज्ञाइ षेद है को ५६ सोरठा नवलछमन हनूमान राम रजाइ स पाइ के कीनो
ग्र के पला न जनक सुता जिह वन बसे ५७ कबित जाइ सिरनाइ कहा चलो सो आ माइ पाइ देवो राम पा
इ सो न भाइ निरमल सो होइ लेक राइ रन जस क्यो श्री रघुराइ जसं उदभो बजाइ रघुराइ जी ने बल सो कही

ह. ना.

११५

119

नवनाइरहेलोवतलगाइतसवमोकहतिआनहुटेकलकलसों लैवलेकविरामबलिजाउंछ
विरहीछितिछाइनघचेइकाकेछलसों ९८ सवैया मोरचलेचलकेचुरिजानवकोरचलेम
कुज्ञानससी हिगदेखिसरोजननैनमुखेमधुपावलिसोंअकेहगपसी सनिपाइतनूपरकौधुनि
सोमिलिहसचलेजीअमेजवसी अजहूंजीअलाघसकोचनसोतोहामनकोरदपातिदसी ९९
सवैया जोकोहिहेरघुवीरचितेमदनोबनमेमिगकोजपठाए औरपनेपरिखमिटाइकेभोघर
इतेजइतेडघपाए सोजमकेहहिकोहनमानपमानकुरंगसोंअहेजवनाए तातनहेकहुहेबिप
रीतिलमोहेबुलावनआइनआए १०० सवैया तोसननोमनजोजनमिंधुहेफाहिपसोछुहवो
किजरायो तोसननोसलिसहफिरेनसपमयरीछितिखेडनपायो तोसननोरनकोपचडेसह
तिजानकोरावनमारगिरायो तोहितेबोलनहेहसपेउसदासरथीलखिबारयआयो १०१
कवित नेरेविछुरेनेओरेविछुरीहोमानतीअरावनकेमारनहोसातोरुविआइहे लाजराखीते
तविपवीनतासवीननिमेथीअकालकचतुराननाखमारेंहैं सोभाअगअगखहमउकीवनुमष
उआजुमजरइनमेसरनामहहोइहै जोनरकहमोकोठोरकहारघुवीरमननतोकोडोरनेनमरिसम
ननपाईहै १०२ सवैया जरपयोहनमानकहीनऊसीअजीअकोनमिटेघरको नवहीकौउ ११५ ।।

रावनकीवलिहैनवहीमनुमानकहैवटको बनकंटकबुंजविचारनमैभयोजानकोपानमही
घटको कुविरामैवलेवरकैसकचनभयोननचारबरानटको १०३ सवैया हरनेरामदवाकू
टेवमनसौग्रकेहिंगकुन्दसोहै स्यामघटाग्रगनग्रगनसोंकीपवार्विकमेरमहालालवोहै नै
नमेराजुनिहारनहीनेइमिगकीपकुनमनयसोहै हरनतामषचंदविलाकछकोरकोपवितनवे
वपसोहै १०४ सवैया नानकीडोरनिहारनहीरघुवीरकेनैनमपमरसोहै ग्रोरजिनमटहैसब
कोदृगसोलगहैकोपमभमियसोहै केपगहीमनबासवकोकिधोकंजपरोछितिमैविरसोहै
ग्रोरमलिरुपमाकोविरामनिछुवमनोजलिमाहिलगोहै १०५ सवैया ग्रीरघुवीरकहैसमको
पसुनाइकेलोगनिकोसीग्रसे जबलौगाहिग्रागग्रीसकरैनबलौनगिलानमिटैनीग्रसो प
तिसोमलरैलकरोग्रवहीसिरनाइकहैग्रपनेपयसो ग्रबग्रोरकोकोनप्रतीनकरैजबरामसे
ग्रान्नकहैनोग्रसो १०६ सोरठा ग्रबेहकरोग्रवेशरामरजाग्रूसपाइके सावसमोरहिनेसपनिग्रन
ग्रनिहूरोसदा १०७ दोहरा हनुमाननबयोकहीजानननहीकिदहेन कंचनदेहसोग्राहुनोकुंदन
सोकुपिलेन १०८ सवैया हायनजानकहीसोग्रजनवपावकसोसिरुनाइकैग्रेसी मोरघुवीरवि
नाजोयमैसपनेहूमैमनवनिग्रोरहैवसी नोमेरेग्रंगनिजारयिनातोहिरामकोसो हरेकानहेके

सी जैापति याइन सौरनि है तो सरोज ग्रीषम सरोवर मैं सी ॥ १९ ॥ दोहा ॥ शिव विरंचि देषन सबै
सु॰ छुरगन गुरु सुरराउ अगनित पटमै लपट सी गई सी ग्रालपटाउ ॥ २० ॥ सवैया जदप ग्रानिक
ना॰ दीन भमे सुरपति फनपति भेदमई तिहू लोगन मैं जस मा प्रोउ मासी भई जानकी है न दिवानन नै
१२० गुरु प्राश्न जानन तै पीयकी न ऊबानक छु समकोन गई कवि भौ रघवीर रघुवीर तिहू सौ पग्राग
120 मेग्रागमिलाइदई ॥ २१ ॥ सवैया रामकजाइ सैन पटिहलोगरकंचन तो मनराषलई गुरुघ्राउकेल
करवीरुव सो तिहू लोकन नै तिहू भानन दई नवदेविय सेन भई रघुवीर सुरी फिके नासिसमकनदई
मानो गरुव्र वरा वनवोर सुताव नौ चाषनो सी सी ग्रुनाइ लई ॥ २२ ॥ सवैया सो ग्रहू तासन मांहि पवेस
कीउ अनबराम रजाइ सपाई जानत है इहकारन कौन भली उपमा कविता मुभनाई जानकी के वि
छुरविरिहाग मैं नेही जो अनत नबाहरि आई रावन मारि विहार दयो अवनी पग कै करि है नविरा
ई ॥ २३ ॥ सवैया जानकी सील के तेज नतो नेजभयाउ न पावक को अनि पीरो पाउन लोगन करी विनतो न
मुहो जगमात पिता रघुबीरो मोपरि आज करी न मकोभ कपूर पटीर समेरन मोरो जानत लोग १२०
लोग्रासिवलोन सग्रागि को आनि पर्यो जु बभीरो ॥ २४ ॥ कवित्त आगे ने निकस ग्राई आग जो निनो सवाई
तिरूरवुराई मन न भाई बिन षटसो मानो मानन टारयुनी गवाई मन ग्राई ग्राज्ञ कियो राज तीन न लोक पा

धोरिपुछेरसों नानाविनवाइनिसोवेसेईनभाइनिसोरांमवंदपाइनसोलागीएककभेदसों मिलेमी
नमीनानेपुनीमौहैरिनीतानेसेगामेमिलेसोनाजैसेगीतामिलेवेदसो ११५ दोहरा जबनाथपल
लछनबहरिमांझमनहोइ जवरघुपतिनबजानकोनपनउपजतहोउ १६ सोरठा हाथजोरिमि
लनाइनवलछमनजंविननीकरे देलंकरघुराइरावनकोयनलीजिये १७ सोरठा जोरिहाथजोमांस
हृसरकहावैजसबवठे नवकोजोपसहाइतांकोकहुनलीजोइ १८ सोरठा कपिगनमगलवाइव:
लोभभीषनपाइनर जसइंदभौवजाइलछमनसीयासहितचले १९ कवित जैसेदानकीरतित:
पोमासरितपीतिविनजैसेरतिकामकौबागमलियभागसे जोग्ररवबानीमहाहइसोभवानीसि
धुरगवदवादनेजयोमनमेघनागसो जयोथरमनीतमलोसाहबबसोरतेसेग्याज्ञमिलेज्ञानकी
जयोपनेसहगसो बेटिकेविवानगोरवानचलेसीयरामजैसेकरनारमिलेनानचलेरागसो २०
कवित चलेरिपुजीतिकरीरीतिसबहरनकजानकोलेसगमानोयातसोलवाइके प्रियसोकहन
देषिग्रापोवहठोरलहालछमनतेइजीनमारयोहेरिमाइके इहानामापासपरीउदाहनवतबोसगि
सोमेरेबोरमोकोदीओहेजिवाइके इहाकहमायदसकारलेकराइहैकेकहेरघुराउबातेतेनसभ
इके २१ कवित संगसीयवीरयोसमीरसनसंगदसुग्रीवजामवनकपिमेरलडलासकी से

रा॰
ना॰
१२१

वाकोतनतीषनभवीषनमोनलनीलपलद्दीमेकैजेनोमजगामसामसको सवैभइभागीग्रनुरागी
प्रभपाइनकेबाइनसोंबानकैहैसबकेबिलासको चलेउग्रोधमानोपीथलकोत्र्यानंदकोत्र्योध
ग्राइगइंग्रोधगईबनवासको २२ सवैया ह्वनेदेषिभसिसटकहीनभमेंइलगामग्रुषैइलग्रा
ए लेगासवैमिलिपीनिरषसमैसोइगिगजवकोस्लगाए ग्रापनहीमनभावनसोमानोमाव
नचाविकमोरनिगाए राघवरामसोत्र्यापतिग्रीपतिसोसबकेमषकेजसहाए २३ सवैया राम
बंधिदुपाइपरैमिलिवैठिभलीरुचसोपगधोए भूपतिकोउपनीतिकयासनिकेउमडेजलनैन
समोए सिंधुधरापरनागनदीवनवेदउजेपहिलेदसजोए देषिनश्रीगुरपाइनकेपलमेबिसरेभ
मसूखघोए २४ सवैया केकइनंदनहूनेत्र्यानिमनामकोउकैषनेनवहाए मेंइजटानषभेस
नपोधनभूपतिकेइससैमगलाए श्रीरघुवीरलगाइरहेछनोयासबषृंमिकुछमसकाए देषि
वभीषनग्रोरसुग्रीवनग्रीवउछीवहूनेसरमाए २५ सवैया ग्रेसीपभानसवैमिलिकेरघुवीर
सकेकरइकेचरणाए पाइगहेसोग्रबीरसमेनकसोमबग्रगनग्राज्ञसहाए नानभयोत्र्यरिनीस
तिमानकोउहिन्नेवनबासपठाए देहछैसबकोजनमेजसलेनचलेनरनेपठाए १२६ क
बित्त सुरनपवित्रचलेमिलनसमिराजेकोलोचनविछोनालाककोरेउगाइगामें तिनहूनो १२१

१२१

रामकविवारिफेरिताहेरानतपेमज्जलियांसनिसोकोनीकोचमरामें आइलपराइमेहवहनै
ज्जनाइमभजानकीसमेनसीमरदेयरिपगामै रामलछमनज्जूकेगीलेचाउदेखिकहोमरखनत
ननीनज्जनेग्रोरज्जगामें २७ कबित्त तोलोरघुवीरमानमदरिलोजादीजोहतोलोहोसोमिछवि
निरहीहनराननकी भूषनपटबरउहारसबवारिदीनोकहूनकोसलपाग्राज्जकोनमेरेमानकी
ग्रारतीबनाइनितपोरहीमेग्राइलीनेग्राज्जहोसरूनीभइंदेखिगतिमानकी पाइनेउठाइसबषूंप
पानीपीरोवारिछोनादेफूगादलेकीबीचदीनीजानकी २८ सवैया रामकेदेखिवेकोसषीग्राउ
मझीचनरुपोनगग्रानंदजीके रूपनिहारिसबैबलिजाहिंवमानहूचुटतेचूटग्रमीके धीचकि
रचिनसोज्जननीमोहिवारतदेहविपासबिबीके तोलगिदेखनदेउनकाहूसोलौलगिनैननसि
रानननीके २९ कबित्त गाउकेलुगाइलेलेग्रावतनधाईतिनकोग्रमीसलेलेसीसमोगुनोयरा
है एकनकोदानसनमानदेहैएकनकोएकनकेपाइपरिविदाईकरातिहैं मानतसमेतवारिसोराम
वदपरितोकतोइसोईरदइषकोहरतिहैं ग्रारकेचलावेकानवारतहैराइलोनमेरीसीढिलागेजिन
नीयमेंइरतिहैं ३० कबित्त भोननेनिकसग्राइराजमइलीवनाउकोनाग्रमिषेकोरषिमरलविचा
रिके छत्रपुजाचामरविजनलैकेबीरसबराजकेसिंघासनबिराजेग्रागमारिके इदमीवलाइस

ह॰ ना॰ १२१

राजबृक्षरफलफूलमिटीसबहीकीफूलनरनारिकै रामचंद्रचंद्रमाकेराजकोसमाजहैदौस
आजुनोनौरामकविमानदीनेवारिकै ३१ कवित्त कहैरघुराईसोईसनिभाईहोभरथराइकौन
कहैउपकारकोपिराजकै सीतासुधलयाइसियुआईहिंगेबनाइगेलस्मायोलछमनजूकेपने
वेसकाजके नीलनलहनूमानअगादसोजामवोनपईहैजतेपासबरावनसमाजके तोतेहम
उनकेरिणीहैसुजहूलोवीरलोवनदमारेनउठनमावेलाजके ३२ सवैया देखतदसतोआपत
रेमसबैरघुवीरकेपाइपरे फिरियापिबिसकरिआनदसोइपसूकगापसघदोनहेरेकोपिमरे
लआरंविभोषनकोरथ्यवारणादेमनिपुंजघरे श्रीरघुवीरकेसेवनहोजगचारिनमेकहाकोन
नरे ३३ सोरठा रामभगतिरसहोइतौरघुपतिकछोशनहो प्रभचरनमनजोइहनूमानसबको
कहै ३४ कवित्त दानपुंजनसोईकुलकोसपूतसोईलाषकामछाडिकेजोकरेएककामको ए
तिनप्रभीनसोईप्रेमजलमीनसोईआरपेकहावेआपकहैहरितामको लाजकोजहाजसोईआ
नकोविराजसोईलोकसिरताजसोईकोजभरैरामको रामकोविराजसोईमोगोसिहनाजसोई
महारामसोईजोईभजेरामनामको ३५ सोरठा आनदउरसमाइभजउठाइआगेगइकहै रघुपति १२२
केगनगाइछिनभजनमनजानिकै ३६ कवित्त सदारघुवीरकहिलछमनवीरकहिमहारण

ग्धीरकहिमनकेमहाइरे सीतापतिस्यामकहिकामहूंकेकामकहिग्रौरदेवदाइरे तीनो·
लोकनाथकहिवूडेदेनहाथकहिग्राश्रयखुनाथकहियोकपेकहाइरे वेदनकोसारकहिसव
कोग्रधारकहिमोवलोउदारकोहिहोतहेमहाइरे ३१ सवैया त्रिपमरलनेउठराइमभीग्राइ
चढीविनचौपनई यहमरतनसावरीनेनतमेउरमेवसिहोउगनेहमई प्रभकोमहमाकहिको
तमकेमतिलहमवेभरवातनई जवग्रानिमिलोतवदेहसिकेमासेरकतनकोजवलकढई ३८
सोरठा तृषमनविनवाउनेनकमलरविरामसो कृपदरहितकोपनइकोरतिरघुपतिकेकरै
२३९ सवैया रामकपाइनकोवलपाइमेवालसोमारिकेदेसलयो ग्रहरामकेपाइनकोव·
लतेकपिमंडललैकपिराजभयो इनरामकेपाइनमेसवहीविनचौपमिलाइकैमनवनै
कयो नवहोसवपूरनकाममपकविरामरइंजोग्रज्ञानलयो २४० सोरठा सिवाविरंचसुरेस
समेदवहसेवनवाइन देतवसिष्ठग्रसीसमोहितरघुवीरको २४१ कवित्त सेसमेसमहेस
रहेहेगनकेमेइरमेईसोघसोघकेटमहपनजपोपरिहे ग्रापुनसमकिरवपाइग्रोरनिसुना
इग्रेसेगुनगाइगाइसदाजोमेपेममगिहे तिनकेहीयेनरवुवीरवीरलछमनजानकोसम
नसदाग्रयहजोनवरिहे रामचरणीनकोपचोदहिजयकनेकचोरदभवनकोवलकर

ह॰ ना॰ १२५

रिकरिहै १८२ छपंपा संवतविक्र[illegible]पतिमहमषटमनयसीहवर। चैत्रचांदनीहजउ
त्रजहागीरसुबदवार सभलेठनर[illegible]नेसदसकोविरामोबिवेठन किसरामतनऊलमका
मतसरीपकरछन रघुपतिचरितनिनजथामतिप्रगटकरो सभलगणगणि देभगतिदान
निरभैकरहैजरघुपतिरघुवेसमाप्ति॥१८२ १२८३ ॥ ॥ इतिश्रीरामगीतेश्रीरघुपतिजीनरस्त्रा
श्वोनामचत्रदशाध्यकसंपूर्णीसमाप्तम ॥ इतिश्रीरामगीतेपोथीहनुमाननाटककोसंस
रणहोई ॥ संवत १८८५ ॥ सवैया संवत[illegible]कमजीनको को
कवित संवतहै[illegible]नृपविक्रमबलीकोता मैजेठसुदीतीजतिथभृगुसुतवारहै सरजसियार
देयाद्रषमैछसातदिन[illegible]चल्योजातचंदवृषहीमैऊचजारहै तांदिनपोथीलिखहरनभई
हैरामगीतनामजोकोसबजाननश्रपारहै लिखीहै ग्लोकविनाकोजिनदीजोदासभलर
ककीजोक्षमाबिनतीबिचारहै ॥ १ ॥ ब
दोहा संवतग्रठरहिसैबरसग्राधिकपचासीपार जेठचांदनीतीजभृगुदिनमैभईलि
खार ॥ १ ॥ १२५